वार्षिक रिपोर्ट 2004–2005

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड

जीवन को दीप्तिमान करते हुए ...

... विकास को शक्ति देते हुए

निदेशक मंडल

(01.09.2005 को)

श्री अशोक के. पुरी (22.09.2004 से)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

श्री नरेश चतुर्वेदी
निदेशक

श्री डी.आर.एस. चौधरी (28.07.2005 तक)
निदेशक

श्री सुरजीत मित्रा (28.07.2005 से)
निदेशक

श्री शरद उपासनी (25.12.2004 तक)
निदेशक

श्री ए.एच. जंग (23.02.2005 तक)
निदेशक

श्री एस.एस.सुपे (27.09.2004 तक)
निदेशक

श्री रंजन पंत (27.09.2004 तक)
निदेशक

श्री विनीत नय्यर
निदेशक

श्री एच.डब्ल्यू. भटनागर (28.02.2005 तक)
निदेशक (आईएसएंडपी)

श्री सी. श्रीनिवासन (31.05.2005 तक)
निदेशक (वित्त)

श्री रामजी राय
निदेशक (ईआरएंडडी)

श्री एस. के. जैन
निदेशक (एचआर)

श्री ए.के.माथुर (16.05.2005 से)
निदेशक (आईएसएंडपी)

श्री के. रवि कुमार (16.05.2005 से)
निदेशक (पावर)

श्री सी.एस. वर्मा (01.09.2005 से)
निदेशक (वित्त)

श्री एन.के. सिन्हा
कंपनी सचिव

प्रबंध समिति

(01.09.2005 को)

अशोक के. पुरी – *अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक*

रामजी राय – *इंजीनियरिंग अनुसंधान एवं विकास*
कार्पोरेट अनुसंधान एवं विकास
कार्पोरेट मॉनिटरिंग, सामग्री प्रबंधन, निवेश योजना
विनिर्माण प्रौद्योगिकी

एस.के. जैन – *मानव संसाधन*
मानव संसाधन विकास संस्थान
कार्पोरेट सूचना प्रौद्योगिकी
कार्पोरेट संचार

के. रवि कुमार – *पावर व्यवसाय*
पावर क्षेत्र के क्षेत्रीय कार्यालय – उत्तर, पूर्व, दक्षिण तथा पश्चिम
स्पेयर्स एवं सर्विसेस व्यवसाय

ए.के. माथुर – *ओद्योगिक प्रणाली (कैपटिव पावर परियोजनाएं सहित) एवं उत्पाद व्यवसाय*
प्रेषण व्यवसाय
परिवहन व्यवसाय

सी.एस. वर्मा – *वित्त*
आंतरिक लेखा परीक्षा एवं कराधान
वित्तीय सेवाएँ
परियोजना वित्त

ए. भट्टाचार्य – *कार्पोरेट योजना एवं विकास*

ए. के. भल्ला – *पावर सेक्टर – पश्चिम क्षेत्र*

एन. कमलनाथन – *पावर सेक्टर – दक्षिण क्षेत्र*

पी.टी. देव – *हेवी इलेक्ट्रिकल प्लांट*
इलेक्ट्रिकल मशीन्स रिपेयर प्लांट

वी. के. बंसल – *क्षेत्रीय प्रचालन*
सेरामिक बिजनेस यूनिट
कंपोनेंट फेब्रिकेशन प्लांट
एनसीइएस के लिए केन्द्रीय विपणन समूह

आर.के. बेलापुरकर – *अंतर्राष्ट्रीय प्रचालन व्यवसाय*

सी.पी. सिंह – *हेवी पावर इक्विपमेंट प्लांट*

आर.एस. बाबू – *कार्पोरेट मॉनिटरिंग*
कार्पोरेट विनिर्माण प्रौद्योगिकी एवं निवेश योजना
कार्पोरेट सामग्री प्रबंधन

एस.के. गुप्ता – *हेवी इलेक्ट्रिकल इक्विपमेंट प्लांट*
सैन्ट्रल फाऊंड्री फोर्ज प्लांट
प्रदूषण नियंत्रण अनुसंधान संस्थान

डा.वी. गोपालकृष्णन – *हाई प्रेशर बॉयलर प्लांट*
सीमलेस स्टील ट्यूब प्लांट
बॉयलर ऑग्जिलरीज प्लांट
औद्योगिक वॉल्व्स प्लांट
पाइपिंग सेंटर
वेल्डिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट

वी.के. पांडे – *प्रेषण व्यवसाय*

एस.सी. विग – *पावर सेक्टर – विपणन*

आर.के. सिंह – *पावर सेक्टर – पूर्वी क्षेत्र*

बी.के. गुप्ता – *पावर सेक्टर – उत्तरी क्षेत्र*

वी. विश्वनाथन – *इलेक्ट्रानिक्स डिवीजन*
इलेक्ट्रानिक्स सिस्टम्स डिवीजन
इंडस्ट्रीयल सिस्टम्स ग्रुप

बी.पी. राव – *सचिव – प्रबंध समिति*

41वीं वार्षिक सामान्य बैठक में अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक बीएचईएल का वक्तव्य

प्रिय शेयरधारक,

मुझे आपकी कंपनी की इक्तालीसवीं वार्षिक सामान्य बैठक में आपका स्वागत करते हुए अत्यंत हर्ष हो रहा है। निदेशको की रिपोर्ट और लेखापरीक्षक की रिपोर्ट, प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण तथा नियंत्रक और महा लेखापरीक्षक के टिप्पणियों के साथ कंपनी के दिनांक 31 मार्च, 2005 को समाप्त लेखे आपको परिचालित किए जा चुके हैं। आपकी अनुमति से मैं उन्हें पठित मानना चाहूंगा।

आपकी कंपनी के भोपाल संयंत्र, जो भारत में भारी विद्युतीय उद्योग के प्रारंभ का अग्रदूत था, अपने पचास गौरवशाली वर्ष पूरे कर रहा है। बीएचईएल के हरिद्वार, हैदराबाद और तिरूचिरापल्ली स्थित अन्य मुख्य संयंत्रों ने चालीस वर्ष पूरे कर लिए हैं। कंपनी के ऐश्वर्य को इसकी स्थापना से ही इसके महान अग्रणियों ने आकार दिया है और इसे आज जो वह है–एक महान कंपनी बनाने में सहायता की है, जिसपर देश को गर्व है। कंपनी का समय के पैमाने पर खरे उतरने का कारण यह रहा है कि यह विभिन्न चुनौतियों का सामना करने के लिए स्वयं को पुनः चिन्हांकित करने में समर्थ रहा है। साढ के दशक के पूर्वाध के दौरान जब बीएचईएल का गठन किया गया था, चुनौतियां विभिन्न कारखानों की स्थापना करने और विद्युत संयंत्रों के विनिर्माण के अर्थभेद सीखने की थी। सत्तर के दशक ने समेकन और एकीकरण तथा कंपनी के लिए पहली नैगम योजना तैयार करना देखा, जो सभी भावी परिवर्तनों का सार बना। समय के साथ आगे बढ़ते हुए, अस्सी के दशक में, कंपनी ने ग्राहकों के साथ व्यवहार करने के लिए व्यवसाय क्षेत्रों के निर्माण सहित बाजारोन्मुखी दृष्टिकोण अपनाया। अर्थव्यवस्था के मुक्त होने से, नब्बे के दशक ने ग्राहकों को अभिनव समाधान प्रदान करने की आवश्यकता देखी। यह ऐसी अवधि थी जब भारतीय उद्योग को बाज़ार के वातावरण में वास्तविक परिवर्तनों से संतुष्ट होना पड़ा था। आपकी कंपनी का सत्तर के दशक के उत्तरार्ध, जब इसने भारतीय बाजार में अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा का सामना किया, से प्रतिस्पर्धा बाजार के समक्ष आने से उसे एक अच्छे स्थान पर ला खड़ा किया। अब इस नई सदी में हम पुनः ऐसे कगार पर हैं जहां कंपनी को एक और पुनः चिन्हांकन की आवश्यकता है। परिवर्तनशील आवश्यकताओं को पूरा करने की दृष्टि से कंपनी को त्वरित विकास की स्थिति में लाने के लिए समुचित पहले गतिशील बनाई गई हैं। मुझे दृढ़ विश्वास है कि आपकी कंपनी का आने वाले समय में महान भविष्य है। मैं इस पर शीघ्र ही विस्तारपूर्वक चर्चा करूंगा। आइए मुझे आपके साथ उस परिप्रेक्ष्य की भागीदारी करनी हैं, जिसमें हम प्रचालनरत रहे हैं।

वैश्विक दृश्य

आर्थिक विकास के लिए विद्युत ऊर्जा एक अनिवार्य संघटक है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) द्वारा वर्ष 2004 में वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का अनुमान 5.1% लगाया गया है। यद्यपि समग्र विश्व की आर्थिक वृद्धि वर्ष 2005 के दौरान धीमी होकर 4.3% पर होनी प्रत्याशित है फिर भी एशियाई अर्थव्यवस्थाओं के लिए वृद्धि तेल के मूल्यों में वृद्धि के प्रतिकूल प्रभाव के बावजूद प्रत्याशाओं से अधिक होना जारी रही है।

वैश्विक विद्युत संयंत्र उपस्कर उद्योग ने वर्ष 2004 से विकास करना प्रारंभ किया है। विश्व के मूल उपस्कर बाजार में भारत और चीन जैसी विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में अत्यधिक अभिलाभ और संयुक्त राज्य अमरीका तथा यूरोप में अपेक्षतया धीमी वृद्धि के साथ अगले छः वर्षो में 2.5% की वृद्धि का पूर्वानुमान किया गया है। जबकि गैस आधारित संयंत्रों ने पिछले 6–7 वर्षो में आर्डरों का बड़ा हिस्सा प्राप्त किया वही गैस के मूल्यनिर्धारण में उतार चढ़ाव, अधिक पर्यावरण अनुकूल स्वच्छ कोयला प्रौद्योगिकियों के प्रादुर्भाव और कोयले के प्रारक्षित भंडारों से समृद्ध एशियाई देशों से बढ़ती हुई मांग के कारण पारम्परिक वाष्प–आधारित संयंत्रों की अगले कुछ वर्षो में फिर मांग में वापस आना प्रत्याशित है। विद्युत उत्पादन क्षमता वृद्धि के अनुरूप भी, विद्युत पारेषण और वितरण उपस्कर की मांग भी निकट और मध्यावधि में स्थिर रूप से, बढ़नी प्रत्याशित है।

अर्थव्यवस्था में विकास को शक्ति प्रदान करना

चीन के साथ भारत वैश्विक विकास के एक साधन के रूप में अमर रहा हैं। वर्ष के दौरान प्रभावी वृहद् आर्थिक प्रबंधन ने सुनिश्चित किया कि भारत उभरती हुई बाजार अर्थव्यवस्थाओं में से एक तीव्रतम विकसित हो रही अर्थव्यवस्थाओं में से एक बना रहे और वर्ष 2004–05 के दौरान समग्र सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि लगभग 7 प्रतिशत थी। यह मुख्यतः उद्योग और सेवा क्षेत्रों में सुदृढ़ विकास द्वारा हुई थी। आपकी कंपनी की विशेष दिलचस्पी का क्षेत्र पूंजीगत सामग्री क्षेत्र का निष्पादन है, जो वर्ष के दौरान 13.6% की वृद्धि से आगे बढ़ा है। औद्योगिक उत्पादन के सूचकांक ने भी वर्ष 2003–04 में हुई 7% की तुलना में वर्ष 2004–05 में 8.3% की वृद्धि दर्शाई। सुवितरित औद्योगिक सुधार के साथ एक पुनरूत्थानशील विनिर्माण क्षेत्र ने वर्ष के दौरान समग्र आर्थिक कार्यकलाप को बढ़ावा दिया। इस संबंध में अच्छी खबर यह है कि विनिर्माण में पुनरूत्थान जारी रहने की प्रत्याशा है। इस्पात, अलौह धातु, सीमेंट, तेल और गैस, कागज आदि जैसे कई औद्योगिक क्षेत्रों में निवेश हो रहे हैं। विदेशी क्षेत्र सुदृढ़ बना हुआ है और विदेशी मुद्रा भण्डार लगभग 140 बिलियन अमरीकी डालर है।

तथापि, अंतर्राष्टीय बाजार में लौह और अलौह सामग्रियों तथा कच्चे तेल जैसी निविष्टयों के मूल्यों में तीव्र वृद्धि चिंता के कारण हैं। भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार, वर्ष 2005–06 के लिए शीर्ष संकेतक और उपलब्ध सूचना यह वर्णन करते हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था वर्ष 2004–05 में प्राप्त वृहद आर्थिक निष्पादन में हुए अभिलाभों पर निर्मित और विकसित होगी।

मैं आपके साथ बीते हुए पिछले वर्ष में कंपनी की उपलब्धियों की भागीदारी करना चाहता हूं।

वर्ष 2004–05 के दौरान कंपनी का निष्पादन :

यह आपकी कंपनी के लिए एक और उल्लेखनीय वर्ष था। वित्तीय

परिणाम हमारी कार्यनीतियों की प्रभावोत्पादकता प्रदर्शित करते हैं :

- कुल कारोबार 103,364 मिलियन रुपए तक पहुंच गया, जो 19% की वृद्धि सहित एक नया रिकार्ड है।
- मूल्य वर्धन 42,540 मिलियन रुपए रहा, जो 16% की वृद्धि है।
- निवल लाभ 45% बढ़कर 9,534 मिलियन रुपए रहा ।
- प्रति शेयर निवल परिसंपत्ति मूल्य 14% बढ़कर 246.24 रुपए हो गया।
- प्रति शेयर अर्जन 45% बढ़कर 38.95 रुपए रहा।
- आर्थिक मूल्य वृद्धि 38% बढ़कर 5,045 मिलियन रुपए तक पहुंच गई।

उत्कृष्ट निष्पादन के अनुरूप, कंपनी के निदेशक मण्डल ने वित्तीय वर्ष 2004–05 के लिए अब तक के सबसे अधिक 80% के लाभांश की सिफारिश की। इसमें दिसम्बर, 2004 में अदा किया गया 35% का अंतरिम लाभांश शामिल है। इसके साथ बीएचईएल ने पिछले 29 वर्षो से अबाधित रूप से लाभांश अदा करने का अपना रिकार्ड बनाए रखा है।

मैं अब आपकी कंपनी की कुछ प्रभावशील उपलब्धियों पर प्रकाश डालना चाहूंगा :

व्यवसाय प्राप्तिः

बीएचईएल द्वारा सेवा किए जा रहे खण्ड में विस्तारशील बाजार की पृष्ठभूमि में आपकी कंपनी ने वर्ष 2004–05 में 182,300 मिलियन रुपए का ऑर्डर प्राप्त किया। पूर्व वर्षो के 164,780 मिलियन रुपए की उच्च ऑर्डर प्राप्ति की तुलना में यह एक अत्यंत प्रतिस्पर्धी वातावरण में प्रचालन करते हुए एक सराहनीय निष्पादन है।

विद्युत और उद्योग दोनों क्षेत्र में ऑर्डर प्राप्ति ने वर्ष 2004–05 के दौरान क्रमशः 134,750 मिलियन रुपए और 41,170 मिलियन रुपए की नई ऊंचाई दर्ज की। वास्तविक निर्यात आदेश प्राप्ति ने भी आस्ट्रेलिया, ओमान, थाइलैंड आदि से प्राप्त ऑर्डर सहित उर्ध्वमुखी गतिशीलता देखी।

आपकी कंपनी ने वास्तव में यह वर्ष 320,000 मिलियन रुपए के उल्लेखनीय ऑर्डर प्राप्ति से समाप्त किया।

परियोजना चालू करना :

बीएचईएल ने देश के संस्थापित विद्युत उत्पादन आधार में 3548 मेगावाट के 21 सेटों की वृद्धि की। इसके साथ बीएचईएल यहां तक कि अन्यों की कमी पूरी करते हुए भी दसवीं पंचवर्षीय योजना के पहले तीन वर्षो में विद्युत क्षमता वृद्धि के लिए केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण के लक्ष्य से भी बहुत आगे निकल गया है। इसके साथ ही बीएचईएल के सेटों का योगदान देश की कुल संस्थापित क्षमता में लगभग 65% का हिस्सा बनाए रखते हुए अब 74,780 मेगावाट है और उनसे हुए विद्युत उत्पादन ने वर्ष के दौरान उत्पादित विद्युत के लगभग 73 प्रतिशत का योगदान दिया, जो बीएचईएल के सेटो के निष्पादन का प्रमाण है।

उपस्कर का निष्पादन :

समग्र रूप से, बीएचईएल के सेटों ने उस संयंत्र भार अनुपात (पीएलएफ) जो राष्ट्रीय औसत से अधिक था, पर प्रचालित होना जारी रखा। 500 मेगावाट से 195 मेगावाट, तक वाले बीएचईएल के थर्मल सेट, जो देश की विद्युत उत्पादन क्षमता का मेरूदंड हैं, के संयुक्त संयंत्र भार अनुपात (पीएलएफ) ने अबतक का उच्चतम 80.8 प्रतिशत का पीएलएफ दर्ज किया। उन्होने 84.3% की प्रचालन उपलब्धता भी दर्ज की, जो एक नया बेंचमार्क है। आप यह जानकर प्रसन्न होंगे कि उत्कृष्ट निष्पादन के लिए भारत सरकार के स्वर्ण शील्ड से पुरस्कृत 27 विद्युत स्टेशनों में से 23 बीएचईएल के सेटों से सज्जित थे।

ग्राहक सेवा :

अबाधित विद्युत आपूर्ति सुविधाजनक बनाने और विद्युत संयंत्रों को अच्छी चालन दशा में रखने के लिए लक्षित तत्काल और सक्षम ग्राहक सेवा प्रदान करने की प्रतिबद्धता बनाए रखते हुए आपकी कंपनी ने 4 गैर–बीएचईएल सेटों सहित 91 तापीय संगठनों तथा औद्योगिक सेटों की पूर्ण मरम्मत की। बीएचईएल ने युद्ध स्तर पर एनटीपीसी के 500 मेगावाट सेट की पूर्ण मरम्मत और अवशिष्ट अवधि आकलन (आरएलए) का कार्य किया और एक नया बेंचमार्क स्थापित करते हुए मात्र 23 दिनों में यूनिट को पुनः चालू किया। बीएसईएस के दहानू टीपीएस में बीएचईएल द्वारा चालू की गई–देश की पहली 250 मेगावाट यूनिट की भी मात्र 9 दिनों की रिकार्ड अवधि में पूर्ण मरम्मत की गई थी। इसरो के लिक्विड प्रोपल्शन सिस्टम सेंटर, से ग्राहक के आपातकालीन बुलावे का प्रत्युत्तर देते हुए बीएचईएल ने लांच व्हेकल में प्रणोदक (प्रोपेलेंट) के रूप में प्रयुक्त द्रव हाइड्रोजन का उत्पादन समर्थ बनाते हुए अल्पतम संभव समय में हीट एक्सचेंजर की मरम्मत की। वास्तव में वर्षो से ये उदाहरण जैसा दर्शाते है, आपकी कंपनी ने बाजार–पश्चात् सेवाओं की पूर्ति के लिए एक सुदृढ़ सेवा दक्षता विकसित की है।

प्रौद्योगिकी विकास :

आपकी कंपनी एक प्रौद्योगिकी–प्रभुत्व वाले क्षेत्र में प्रचालन करती है और इसलिए अनुसंधान और विकास तथा प्रौद्योगिकी विकास कार्यनीतिक महत्व रखते हैं। वर्ष के दौरान हमने अनुसंधान और विकास कार्यक्रमों पर 1,252 मिलियन रुपए की राशि व्यय की। इसमें एक महत्वपूर्ण विशिष्टता सबसे बड़े आकार वाले 60 मेगावाट बबलिंग फ्लूडाइज्ड बेड कम्बशन बॉयलर का आंतरिक विकास था। दूसरी महत्वपूर्ण गतिविधि, 500 मेगावाट के सुपर ताप विद्युत संयंत्रों में कोयले के चूर्णन के लिए बीएचईएल 280 मिल नामक देश में डिजाइन और इष्टतमीकृत बाउल मिल का एमएसईवी के चंद्रपुर कार्यस्थल में सफलतापूर्वक चालू किया जाना था। यह इष्टतमीकृत मिल ताप विद्युत स्टेशनों के लिए अपेक्षित मिलों की संख्या कम कर सकता है।

इस दृष्टिकोण के अनुरूप कि कतिपय क्षेत्रों में उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना ग्राहकों को समाधान प्रदान करने की बेहतर दक्षता विकसित करने में समर्थ बनाएगी, आपकी कंपनी ने अपने कारपोरेट अनुसंधान और विकास, हैदराबाद में कम्प्यूटेशनल फ्लूड डायनेमिक्स (सीओई–सीएफडी) और परमानेंट मैग्नेट मशीन (सीओई–पीएमएम) के लिए विश्व–स्तरीय ''उत्कृष्टता केंद्र'' स्थापित किया है।

पूंजी निवेश :

विनिर्माण प्रौद्योगिकी और सुविधाओं के आधुनिकीकरण और विनिर्माण क्षमता की वृद्धि पर लक्षित इस वर्ष के दौरान 1550 मिलियन रुपए का पूंजी निवेश किया गया था।

पुरस्कार :

संगठन उनके कर्मचारियों के कारण उन्नति करते हैं। जब कतिमय कर्मचारी अपने क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्रदर्शित करते हैं और उन्हें उनके

योगदान के लिए मान्यता दी जाती है, तब संपूर्ण संगठन उनके अभिनंदन के लिए उठ खड़ा होता है। विज्ञान और इंजीनियरी को अपने योगदान के लिए बीएचईएल, भोपाल के एक कर्मचारी बी.एल. चौकसी को भारत के राष्ट्रपति द्वारा ''पद्म श्री'' प्रदान किया गया है।

बीएचईएल के 14 कामगारों ने इस वर्ष एक मात्र श्रम भूषण सहित प्रधानमंत्री के 8 श्रम पुरस्कार प्राप्त किए हैं। इसके अतिरिक्त 11 कर्मचारियों ने 5 विश्वकर्मा राष्ट्रीय पुरस्कार भी जीते। अन्य महत्वपूर्ण पुरस्कार में 4 राष्ट्रीय सुरक्षा पुरस्कार, लगातार चौदहवें वर्ष ईईपीसी का शीर्ष निर्यात पुरस्कार, इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) का सुरक्षा पहल पुरस्कार, सीआईआई का ऊर्जा उत्कृष्टता पुरस्कार, ब्रिटिश सेफ्टी काऊंसिल का सुरक्षा पुरस्कार तथा कर्नाटक सरकार का ईमानदार करदाता पुरस्कार 2004–05 शामिल हैं।

मैं अब देश की ऊर्जा अनिवार्यता पर चर्चा करना चाहूंगा, जो आपकी कंपनी के लिए कई चुनौतियां तथा साथ ही अवसर प्रस्तुत करती है।

देश की ऊर्जा अनिवार्यता

दसवीं पंचवर्षीय योजनावधि के प्रथम तीन वर्षों में सकल घरेलू उत्पाद की वास्तविक वृद्धि औसतन 6.5 प्रतिशत रही, जो प्रतिवर्ष 8 प्रतिशत के लक्ष्य से कम थी। यह भलीभांति माना जाता है कि देश के विकासात्मक उद्देश्यों की पूर्ति 8 प्रतिशत से अधिक की सीमा में सतत वार्षिक आर्थिक विकास से ही की जा रही है। इसे ध्यान में रखते हुए, देश के लिए एक ऊर्जा नीति तैयार की जा रही है। चुनौती भारत की वर्णित विकास अनिवार्यताओं को पूरा करने के लिए आवश्यक ऊर्जा की पर्याप्त, विश्वसनीय और गुणवत्तापूर्ण प्राप्ति करना है। योजना आयोग द्वारा किए गए अध्ययन दर्शाते हैं कि 8 प्रतिशत की वार्षिक सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि बनाए रखने के लिए भारत की ऊर्जा की आवश्यकता निम्न ऊर्जा विकास परिदृश्य के अधीन वार्षिक रूप से कम से कम 5.2 प्रतिशत वार्षिक और उच्च–ऊर्जा विकास परिदृश्य के अधीन वार्षिक रूप से 5. 9% बढ़नी चाहिए। दीर्घावधि में इन परिदृश्यों को मूर्त रूप देने के लिए ऊर्जा क्षेत्र और रेलवे, निर्विहन और पत्तन जैसे संबद्ध भौतिक अवसंरचना में बुनियादी क्षमता वर्ष 2031–32 तक 2003–04 के स्तरों से 3 से 8 गुना बढ़ना आवश्यक होगी। इसके अतिरिक्त, वर्ष 2031–32 तक न्यूक्लीय विद्युत क्षमता में भी पर्याप्त वृद्धि संकल्पित है।

भारत के वर्तमान वाणिज्यिक ऊर्जा मिश्रण पर कोयला प्रमुख हैं, जिसका हिस्सा विश्व के शेष के लिए 26 प्रतिशत की तुलना में 51 प्रतिशत है। यह प्रत्याशा की जाती है कि यहां तक घरेलू जल विद्युत, न्यूक्लीय और गैस संसाधनों से योगदान के स्तर के बारे में उत्साहजनक अनुमानों के अधीन भी कोयला भारत के लिए सर्वाधिक महत्वपूर्ण घरेलू ऊर्जा संसाधन बना रहेगा। यह भविष्य में विद्युत उत्पादक स्टेशनों के लिए प्रमुख ईंधन बना रहेगा।

आपकी कंपनी की महत्वपूर्ण दिलचस्पी यह है कि विद्युत उत्पादन (जनोपयोगी और कैप्टिव) के लिए क्षमता और निवेश की आवश्यकता दीर्घावधिक विकास का अवसर दर्शाती हुई वर्ष 2031–32 तक 627,000–778,000 मेगावाट के स्तर तक पहुंचने के लिए वर्ष 2003–04 के स्तर (131,424 मे,गावाट) से 4.8 से 5.9 गुना बढ़ना प्रत्याशित है।

चुनौतियों का सामना करना और सतत् निष्पादन प्रदान करना

अर्थव्यवस्था में सकारात्मक संवेग के साथ सरकार के सुधार संबंधी विभिन्न उपायों और अन्य नीतिगत पहलों से विद्युत अवसंरचना क्षेत्र में व्यवसाय के अवसर सुधर रहे हैं। आपकी कंपनी ने इन उभरते हुए अवसरों का लाभ उठाने के लिए उपाय प्रारंभ किए हैं।

विनिर्माण क्षमता वृद्धि पर ध्यान देना

ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजनावधि के दौरान 60,000 मेगावाट से अधिक की क्षमता वृद्धि के देश में महत्वाकांक्षी लक्ष्य से उत्पन्न हुए अवसरों का लाभ उठाने के लिए तत्काल भविष्य हेतु आपकी कंपनी ने अवसरो में वृहत्तर हिस्से के लिए एक रूपरेखा तैयार की है। पहले चरण के रूप में, बीएचईएल वार्षिक रूप से अपनी उपस्कर विनिर्माण क्षमता 10,000 मेगावाट तक बढ़ाने के लिए कार्य आरंभ कर चुका है और 10,000 मिलियन रुपए से अधिक का निवेश कर रहा है।

पोर्टफोलियो वृद्धि पर ध्यान देना

बीएचईएल सुपरक्रिटिकल पैरामीटरों के साथ अगली पीढ़ी के बॉयलरों का उत्पादन करने के लिए प्रौद्योगिकी अधिग्रहण से आगे बढ़ रहा है। एसटीजी सेटों के लिए की गई व्यवस्थाओं के साथ यह कंपनी को 800–1000 मेगावाट यूनिट की रेटिंग की सीमा में सुपरक्रिटिकल थर्मल सेटों का उत्पादन करने में समर्थ बनाएगा। इसके अतिरिक्त, बीएचईएल 250 मेगावाट रेटिंग से अधिक के उन्नत श्रेणी गैस टबाईनों और उच्चतर रेटिंग के हाइड्रो सेट प्रारंभ करने के लिए भी संगठित प्रयास कर रहा है।

भविष्य के लिए प्रौद्योगिकियों पर ध्यान देना

बीएचईएल के अनुसंधान और विकास प्रयासों, जिसने अब भारतीय दशाओं के लिए आयातित प्रौद्योगिकियों को सफलतापूर्वक अनुकूल बना लिया है और कतिमय अत्याधुनिक उत्पादों को विकसित किया है, को भविष्य में प्रमुख प्रोत्साहन दिया जाने वाला है। आपकी कंपनी इस समय उभरती हुई नई प्रौद्योगिकियों अर्थात एकीकृत गैसीकरण संयुक्त चक्र (आईजीसीसी), ईंधन सेल आदि में अनुसंधान और विकास कर रही है। कंपनी इंजीनियरी और अनुसंधान एवं विकास कार्यों को सुदृढ़ करने के लिए भी उपाय कर रही है।

प्रतिस्पर्धा बढ़ाने पर ध्यान देना

आपकी कंपनी ने अपनी कार्यनीतिक स्थिति बढ़ाने के लिए अपने प्रचालनों के सभी पहलुओं, जिसमें लागत के लिए डिजाइन, खरीद और आपूर्ति प्रबन्धन आदि जैसी प्रतिस्पर्धा तीक्ष्णता सुधारने पर पहले शामिल हैं, पर ध्यान देने के लिए ''त्वरित विकास के लिए बीएचईएल की स्थिति'' में लाने का मुख्य कार्य प्रारंभ किया है। सूचना प्रौद्योगिकी प्रभावोत्पादकता, परियोजना सुपुर्दगियों पर ध्यान केंद्रण, संरचित उत्पाद विकास, प्रणाली डिजाइन दक्षता बढ़ाना आदि अन्य पहलें हैं, जिसे बीएचईएल को विश्वास के साथ भविष्य का सामना करने में समर्थ बनाना चाहिए।

गुणवत्ता पर ध्यान देना

आईएसओ–9001 प्रमाणीकरण प्राप्त करके और उसका अद्यतन आईएसओ 9001:2000 रूपान्तरण तक उन्नयन करके कंपनी ने

सीआईआई–ईएफक्यूएम मॉडल के अधीन व्यवसाय उत्कृष्टता के लिए कई पहलें की हैं। इसके पूर्व बीएचईएल की कई यूनिटें सीआईआई–एक्जिम पुरस्कार की प्राप्तकर्ता थीं। गुणवत्ता प्रबन्धन अब त्वरित विकास के लिए संगठन को तैयार करने में व्यवसाय प्रकृति का एक भाग है।

सेवा व्यवसाय पर ध्यान देना

सेवाओं के अर्थव्यवस्था के नए विकास चालक के रूप में उभरने से बीएचईएल बाजार–पश्चात सेवाओं के क्षेत्र में अवसर खोजने का नवीकृत दृष्टिकोण अपना रहा है। सेवाओं और अतिरिक्त पुर्जो के लिए ग्राहकों को एक स्थलीय सुविधा प्रदान करने के लिए अतिरिक्त पुर्जों, सेवाओं, मरम्मत, संयंत्र निष्पादन सुधार आदि के क्षेत्रों से संबद्ध मौजूदा कार्यो को एकीकृत करने का निर्णय लिया गया है। सहक्रियात्मक संगठन ''अतिरिक्त पुर्जों और सेवा व्यवसाय समूह'' जनोपयोगी और कैप्टिव विद्युत खण्डों दोनों में विद्युत संयंत्र उपस्कर से संबंधित वारंटी–पश्चात कार्यकलापों के सभी विपणन पहलुओं पर कार्य करेगा।

निर्यात पर ध्यान देना

समुद्रपारीय व्यवसाय में वृद्धि करना ध्यान देने वाला मुख्य क्षेत्र बना रहेगा। आपकी कंपनी अभिज्ञात लक्षित देशों और क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रण सहित निर्यात वृद्धि के लिए नई पहलों और कार्यनीतियों पर कार्रवाई जारी रखेगी। यह उपस्करों के विनिर्माण/एसेम्बली/मरम्मत और सर्विसिंग के लिए उत्पाद बिक्री और अतिरिक्त पुर्जो तथा सेवाओं, स्थानीय करार और संयुक्त उपक्रम, वैश्विक बाजार में नियमित ईपीसी संविदाकार के रूप में बीएचईएल की स्थिति बनाने, समुद्रपारीय संयुक्त उपक्रम गठित करने आदि पर वर्धित बल देने की योजना बना रही है।

लोगों पर ध्यान

बढ़ते हुए प्रतिस्पर्धी व्यवसाय वातावरण में ''मानव संसाधन'' की गुणवत्ता है, जो हारने वालो से विजेताओं को अलग करती है। तदनुसार कंपनी में मानव संसाधन के सभी हस्तक्षेपों का लक्ष्य लोगों की क्षमता प्राप्त करना है। चुनौतियों का सामना करने के लिए कुशलता और दक्षता निर्माण पर अधिक ध्यान दिया जा रहा है। वर्ष 2004–05 के दौरान आंतरिक और बाह्य कार्यक्रमों के माध्यम से तकनीकी, कार्यात्मक, प्रबंधकीय और नेतृत्वशीलता सामर्थ्य को बढ़ाने के लिए 1,75,000 से अधिक कर्मचारी प्रशिक्षण दिए गए थे।

सृजनात्मकता और अभिनव कुशलता प्रोत्साहित करने के लिए ''इम्प्रेस'' नामक ई–नेटवर्क आधारित पुरस्कार योजना कंपनी मे लागू की गई है, जो कर्मचारियों को कंपनी की दक्षता बढ़ाने के लिए विभिन्न क्षत्रों में मौजूदा प्रणालियों और प्रक्रियाओं को समृद्ध बनाने के लिए लक्षित ''सुधार परियोजनाएं'' प्रारंभ करने के लिए कर्मचारियों को प्रोत्साहित करती है।

बीएचईएल–एक उत्तरदायी नागरिक :

उत्तरदायी कारपोरेट नागरिक के रूप में और व्यावसायिक स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण में यथार्थ रूप से अंतर्राष्ट्रीय मानकों को पूरा करने के लिए आपकी कंपनी कई सामुदायिक विकास कार्यक्रमों और अन्य उपायों के माध्यम से समाज में अपनी सक्रिय भूमिका निभाती है।

पर्यावरण प्रबंध प्रणाली पर आईएसओ–14000 और व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रबंध प्रणाली पर ओएचएसएएस–18000 के लिए इसकी सभी यूनिटों/प्रभागों को पुनः प्रमाणीकरण की प्रक्रिया वर्ष के दौरान जारी रही। इसके अतिरिक्त, बीएचईएल की सभी मुख्य यूनिटों ने ''शून्य निस्सारी निष्कासन'' स्तर प्राप्त किया है।

आपकी कंपनी ने अपने प्रभाव क्षेत्र के भीतर संयुक्त राष्ट्र के वैश्विक समझौता के दस सिद्धांतों को आगे बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता निर्मित करना जारी रखा और इस संघ ने इसे अन्य कारपोरेट के साथ नेटवर्किंग और वैश्विक स्तर पर सामाजिक उत्तरदायित्व से संबद्ध अनुभवों की भागीदारी करने का अद्वितीय अवसर दिया है।

बीएचईएल अपने मुख्य विनिर्माण संयंत्रों के समीप, जहां इसने 56 गांवो को अपनाया है, की अर्थव्यवस्था में अर्थपूर्ण योगदान कर रहा है और चिकित्सा सहायता का प्रावधान, सड़क की प्रकाश व्यवस्था, पेय जल और स्कूलों को अवसरंचना सहायता जैसे कल्याण कार्यकलाप गतिपूर्वक जारी है जिससे इन गांवो के 80,000 लोगों को लाभ प्राप्त हो रहा है। आपकी कंपनी स्वच्छ विद्युत (ग्रीन पावर) के विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। दूरस्थ क्षेत्रों के विकास को सहायता के रूप में बीएचईएल पश्चिम बंगाल नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी (डब्ल्यूबीआरईडीए), पश्चिम बंगाल के सुंदरबन क्षेत्र में पांच और सौर फोटोवोल्टिक (एसपीवी) विद्युत संयंत्र स्थापित कर रहा है।

बीएचईएल और इसके कर्मचारियों ने पुनः एक बार अपने साथी नागरिकों और प्राकृतिक आपदाओं, जिसने पिछले वर्ष राष्ट्र को प्रभावित किया, के पीढ़ितों के प्रति सूनामी और देश के विभिन्न भागों में आई अभूतपूर्व बाढ़ द्वारा तबाह हुए लोगों की पीड़ा को कम करने में सहायता करने के लिए कुल 58.5 मिलियन रुपए का अंशदान करके अपनी सहानुभूति प्रदर्शित की।

आभार

निदेशक मंडल और स्वयं अपनी ओर से मैं भारत और विदेश में अपने सभी ग्राहकों, शेयरधारकों, वित्तीय संस्थाओं, बैंकों, आपूर्तिकर्ताओं, तकनीकी सहयोगियों, व्यवसाय सहयोगियों, राज्य सरकारों और भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों, विशेषकर भारी उद्योग विभाग का उनके सतत् समर्थन, भागीदारी और सकारात्मक योगदान के लिए हार्दिक धन्यवाद व्यक्त करना चाहूंगा।

मैं निदेशक मंडल में अपने सभी सहयोगियों को भी उनके बहुमूल्य समर्थन और कंपनी की प्रगति को आकार देने में प्रोत्साहन के लिए धन्यवाद देना चाहूंगा।

बीएचईएल के 43,300 उल्लेखनीय कर्मचारियों, जिनका नेतृत्व करना मेरा सौभाग्य है, के बिना कोई भी उपलब्धि प्राप्त नहीं की जा सकती थी। उनमें से कुछ आज यहां हमारे साथ हैं और मैं कंपनी की सफलता में प्रत्येक कर्मचारी को उनके योगदान के लिए धन्यवाद देना चाहूंगा।

हमारे कार्यकलापों में बढ़ती हुई गतिशीलता और हमारे भविष्य में बढ़ता हुआ विश्वास है। शेयरधारकों का महत्व बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध विश्व–स्तरीय उद्यम निर्मित करने के लिए हमारी प्रतिबद्धता अपरिवर्तित है। मैं आपको विश्वासपूर्वक आश्वस्त कर सकता हूँ कि हमारी कंपनी का सर्वोत्तम समय आने वाला है।

आपके ध्यान के लिए धन्यवाद।

ह./–

नई दिल्ली
29 सितम्बर, 2005

(अशोक के. पुरी)
अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड

पंजीकृत कार्यालय : बीएचईएल हाउस, सीरी फोर्ट, नई दिल्ली–110 049

प्रतिनिधि फार्म

फोलियो/आईडी नं.
शेयरों की संख्या

मैं/हम.....जिला.....

.....का/के.....

.....उपर्युक्त कंपनी का/के सदस्य

हूँ/हैं और एतद्द्वारा.....जिला.....को अथवा

उनकी अनुपस्थिति में.....जिला.....को मेरे/हमारे प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त करता हूँ/करते हैं, जो 29 सितम्बर, 2005 को आयोजित होने वाली 41वीं वार्षिक सामान्य बैठक में मेरी/हमारी ओर से मतदान करेंगे।

दिनांक.....2005 को हस्ताक्षरित

एक रुपए का रसीदी टिकट

टिप्पणियां : क) फार्म पर कंपनी में दर्ज नमूना हस्ताक्षर के अनुसार टिकट के ऊपर हस्ताक्षर किया जाना चाहिए।
ख) यह फार्म बैठक के आयोजन से अड़तालीस घंटे पूर्व कंपनी के पंजीकृत कार्यालय में जमा कराया जाना चाहिए।

यहाँ से काटिये

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड

पंजीकृत कार्यालय : बीएचईएल हाउस, सीरी फोर्ट, नई दिल्ली–110 049

उपस्थिति–पर्ची

दिनांक 29 सितम्बर, 2005 बृहस्पतिवार को
पूर्वाह्न 10.00 बजे फिक्की सभागार, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली–110001
में आयोजित होने वाली 41वीं वार्षिक सामान्य बैठक

उपस्थित सदस्य का नाम	
फोलियो/आईडी नं.	
धारित शेयरों की संख्या	
प्रतिनिधि का नाम (यदि सदस्य के स्थान पर प्रतिनिधि भाग ले रहा हो)	

मैं एतद्द्वारा 29 सितम्बर, 2005 को आयोजित 41वीं वार्षिक सामान्य बैठक में अपनी उपस्थिति दर्ज करता/करती हूँ।

सदस्य/प्रतिनिधि के हस्ताक्षर

विधिवत् भरी गई इस पर्ची को बैठक कक्ष में प्रवेश द्वार पर सौंपा जाए।

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड

पंजीकृत कार्यालय : बीएचईएल हाउस, सीरी फोर्ट, नई दिल्ली–110 049

प्रिय शेयरधारक/शेयरधारकों

संदर्भ : इलेक्ट्रॉनिक समाशोधन सेवाएं (ईसीएस) द्वारा लाभांश का भुगतान

यदि आपने पहले से हमारे रजिस्ट्रारों यानि मैसर्स कार्वी कम्प्यूटरशेयर प्राइवेट लिमिटेड या निक्षेपागार सहभागी (डीमेट होल्डिंग के मामले में), को ईसीएस/बैंक लेखा विवरण प्रेषित नहीं किए हैं, तो आपसे हमारा अनुरोध है कि नीचे दिए गए फॉर्मेट में उक्त विवरण उपलब्ध कराएं, ताकि 29 सितम्बर, 2005 को आयोजित होने वाली कंपनी की 41वीं वार्षिक सामान्य बैठक में घोषित होने वाले लाभांश का शीघ्र, सुरक्षित एवं सही भगुतान किया जा सके।

कृपया सुनिश्चित करें कि रजिस्ट्रारों/निक्षेपागार सहभागी को आपके द्वारा प्रस्तुत किए गए विवरण सही हैं, क्योंकि उनमें कोई त्रुटि होने पर लाभांश की राशि गलत खाते में जमा हो जाएगी।

ईसीएस द्वारा और/अथवा नामोदिष्ट बैंक खाते में लाभांश का भुगतान, जो कि लाभांश वारंट पर लिखा होगा, लाभांश वारंट के कपटपूर्ण नकदीकरण को रोकने में सहायक होगा।

कृपया आपकी बेहतर सेवा करने के प्रयास में हमारी सहायता करें।

भवदीय

(एन.के. सिन्हा)

कंपनी सचिव

पीएस : यदि आपके पास डीमेट रूप में शेयर हैं, तो अपने निक्षेपागार सहभागी को आपके बैंक खाता विवरणों/ईसीएस अधिदेश पर ध्यान देने का परामर्श दें।

ईसीएस अधिदेश/बैंक खाता विवरणों के लिए फार्म

मैं/हम.....एतद्द्वारा बीएचईएल/अपने निक्षेपागार सहभागी को

- ❒ मेरे/हमारे लाभांश वारंट पर निम्न विवरण छापने
- ❒ ईसीएस द्वारा बैंक खाते में मेरी लाभांश राशि जमा करने हेतु प्राधिकृत करता हूँ/करते हैं
  (जो लागू न हो, कृपया उसे काट दें)

मेरा/हमारा फोलियो सं.....डीपी आईडी सं. ..... ग्राहक खाता सं. .....

बैंक खाते का विवरण :

क.	बैंक का नाम	:	.....
ख.	शाखा का नाम (केवल अधिदेश के लिए पता)	:	.....
ग.	एमआईसीआर चैक में दिए गए बैंक और शाखा के 9 अंकों की कोड संख्या	:	.....
घ.	लेखा का प्रकार (बचत/चालू)	:	.....
ङ.	चैक बुक में दिए गए अनुसार लेखा सं.	:	.....
च.	शेयरधारक का एसटीडी कोड एवं दूरभाष सं.	:	.....
छ.	पैन/जीआईआर सं.	:	.....

यदि ईसीएस कार्यान्वित न हो सकी अथवा बैंक ईसीएस को किसी कारण से समाप्त कर देता है, तो मैं/हम कंपनी को जिम्मेदार नहीं ठहराऊंगा/ठहराएंगे।

को प्रेषण:

मैसर्स कार्वी कम्प्यूटरशेयर प्रा. लि.
यूनिट : बीएचईएल
कार्वी हाउस, 46, एवेन्यू–4, स्ट्रीट नं. 1,
बंजारा हिल्स, हैदराबाद–500034

.....

शेयरधारक के हस्ताक्षर

9 अंकों की कोड सं. की यथार्थता के सत्यापन हेतु कृपया आपके उक्त लेखा से संबंधित आपके बैंक द्वारा जारी चैक या खाली रद्द किए गये चैक की प्रति संलग्न करें।

फार्म 2 बी

कृपया कंपनी (केन्द्रीय सरकार) सामन्य नियम और प्रपत्र, 1956 का नियम 4गगग और 5घ देखें

नामांकन फार्म

(व्यक्तिगत या संयुक्त रूप में आवेदन करने वाले व्यक्ति (व्यक्तियों) द्वारा भरा जाए)

मैं/हम.....एवं.....और.....

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड के क्रमांक.....का/के शेयरधारक, नामांकन करना चाहता हूँ/चाहते हैं तथा निम्न व्यक्ति (व्यक्तियों), जिसमें मेरी या जिनमें हमारी मृत्यु होने पर अंतरण और/अथवा शेयरों से सम्बद्ध देय राशि के सभी अधिकार निहित हैं, को नामित करता हूँ/करते हैं।

नामिती/नामितियों के नाम एवं पता/पते

नाम : .....

पता : .....

.....

जन्म तिथि* : .....

(*नामिती के नाबालिग होने के मामले में भरा जाए)

**नामिती नाबालिग है, जिसका अभिभावक.....है

नाम एवं पता.....

.....

.....

(**यदि लागू न हो, तो हटा दिए जाए)

हस्ताक्षर : .....

नाम : .....

पता : .....

तिथि : .....

हस्ताक्षर : .....

नाम : .....

पता : .....

तिथि : .....

हस्ताक्षर : .....

नाम : .....

पता : .....

तिथि : .....

दो गवाहों के पते, नाम एवं हस्ताक्षर

	नाम एवं पता	तिथि सहित हस्ताक्षर
1.		
2.		

अनुदेश :

1. केवल उन व्यक्तियों द्वारा ही नामांकन किया जा सकता है, जिन्होंने अपनी ओर से एकल या संयुक्त रूप से शेयरों के लिए आवेदन किया हो या धारक हो। सोसायटी, न्यास, कॉर्पोरेट निकाय, साझेदारी फर्म, हिन्दू अविभाजित परिवार का कर्ता, मुख्तारनामा धारक सहित गैर–व्यक्ति नामांकन नहीं कर सकते। यदि शेयर संयुक्त रूप से धारित किया जाता है, तो सभी संयुक्त शेयरधारक नामांकन फार्म पर हस्ताक्षर करेंगे। नमूने के तौर पर स्थान उपलब्ध कराया गया है। यदि संयुक्त धारक अधिक हैं, तो शेयरों के धारकों तथा गवाह के हस्ताक्षर के लिए अधिक शीटें प्रयोग में लाई जा सकती हैं।
2. शेयरों के धारक द्वारा नाबालिग को नामित किया जा सकता है तथा उस स्थिति में धारक द्वारा अभिभावक का नाम और पता दिया जाएगा।
3. न्यास, सोसायटी, कॉर्पोरेट निकाय, साझेदारी फर्म, हिन्दू अविभाजित परिवार का कर्ता या मुख्तारनामा धारक नामिती नहीं होगा। अनिवासी भारतीय प्रत्यावर्तन के आधार पर नामिती हो सकता है।
4. शेयर के अंतरण पर नामांकन विखंडित हो जाता है।
5. वैध उत्तराधिकारी के विरुद्ध कंपनी द्वारा नामिती के पक्ष में शेयर का अंतरण वैध निर्वहन होगा।
6. कंपनी/कंपनी के रजिस्ट्रार और शेयर अंतरण अभिकर्त्ता को नामांकन/नामांकन फार्म के संबंध में सूचना दो प्रतियों में देनी होगी, जो उसकी एक प्रति शेयरधारक को वापस करेगी/करेगा।

विषय—सूची

वार्षिक सामान्य बैठक की सूचना 9

बीएचईएल (भेल) एक दृष्टि में 14

पांच वर्षों का सार 16

निदेशकों की रिपोर्ट 17

- प्रबंधन चर्चा एवं विश्लेषण 22
- सूचीकरण करार के अनुसार नियुक्ति/ पुनः नियुक्ति के लिए प्रस्तावित निदेशकों का संक्षिप्त जीवन–वृत्त 34
- लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट और भारत के नियंत्रक तथा महा लेखापरीक्षक की टिप्पणियां 37
- कारपोरेट अभिशासन 51
- ऊर्जा संरक्षण आदि 73

लेखापरीक्षित लेखे

- महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियां 75
- तुलन–पत्र 80
- लाभ एवं हानि लेखा 81
- अनुसूचियां 82
- नकद प्रवाह विवरण 117
- अमरीकी जीएएपी के अधीन निवल आय 118

उत्पाद रूपरेखा 132

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड

पंजीकृत कार्यालय : बीएचईएल हाउस, सीरी फोर्ट, नई दिल्ली–110 049

सूचना

सूचित किया जाता है कि **भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड** के सदस्यों की 41वीं वार्षिक सामान्य बैठक वृहस्पतिवार, 29 सितम्बर, 2005 को 10.00 बजे पूर्वाह्न फिक्की सभागार, बाराखम्भा रोड (तानसेन मार्ग), नई दिल्ली–110001, में निम्नलिखित कारोबार करने के लिए आयोजित की जाएगी :

सामान्य कार्यक्रम

1. कंपनी के 31 मार्च, 2005 के लेखापरीक्षित तुलन–पत्र, उस तारीख को समाप्त वर्ष के लाभ एवं हानि लेखा और उस पर निदेशकों एवं लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट को प्राप्त करना, उस पर विचार करना और उन्हें स्वीकार करना।
2. लाभांश की घोषणा करना।
3. श्री रामजी राय के स्थान पर निदेशक की नियुक्ति करना, जो चक्रानुक्रम से सेवानिवृत्त हो रहे हैं और पात्र होने पर पुनः नियुक्ति के लिए अपना नाम प्रस्तावित करेंगे।
4. श्री एस.के. जैन के स्थान पर निदेशक की नियुक्ति करना, जो चक्रानुक्रम से सेवानिवृत्त हो रहे हैं और पात्र होने पर पुनः नियुक्ति के लिए अपना नाम प्रस्तावित करेंगे।
5. लेखापरीक्षकों का पारिश्रमिक निर्धारित करना।

विशेष कार्यक्रम

6. निम्नलिखित संकल्प पर विचार करना और उपयुक्त समझे जाने पर आशोधन करके या बिना आशोधन के इसे **सामान्य संकल्प** के रूप में पारित करना :

   ''संकल्प किया जाता है कि श्री ए.के. माथुर जिन्हें कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 260 के साथ पठित कंपनी के अंतर्नियम के अनुच्छेद 67 के अनुसरण में कंपनी के निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया था और जो इस वार्षिक सामान्य बैठक की तारीख तक इस पद पर मौजूद हैं और जिनके संबंध में कंपनी ने स्वयं निदेशक की ओर से लिखित रूप में नोटिस प्राप्त किया है, जो कि कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 257 के उपबंधों के अनुसरण में है, को एतद्द्वारा कंपनी के निदेशक के रूप में नियुक्त किया जाता है।''

7. निम्नलिखित संकल्प पर विचार करना और उपयुक्त समझे जाने पर आशोधन करके या बिना आशोधन के इसे **सामान्य संकल्प** के रूप में पारित करना :

   ''संकल्प किया जाता है कि श्री के. रवि कुमार जिन्हें कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 260 के साथ पठित कंपनी के अंतर्नियम के अनुच्छेद 67 के अनुसरण में कंपनी के निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया था और जो इस वार्षिक सामान्य बैठक की तारीख तक इस पद पर मौजूद हैं और जिनके संबंध में कंपनी ने स्वयं निदेशक की ओर से लिखित रूप में नोटिस प्राप्त किया है, जो कि कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 257 के उपबंधों के अनुसरण में है, को एतद्द्वारा कंपनी के निदेशक के रूप में नियुक्त किया जाता है।''

8. निम्नलिखित संकल्प पर विचार करना और उपयुक्त समझे जाने पर आशोधन करके या बिना आशोधन के इसे **सामान्य संकल्प** के रूप में पारित करना :

   ''संकल्प किया जाता है कि डॉ. सुरजीत मित्रा जिन्हें कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 260 के साथ पठित कंपनी के अंतर्नियम के अनुच्छेद 67 के अनुसरण में कंपनी के निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया था और जो इस वार्षिक सामान्य बैठक की तारीख तक इस पद पर मौजूद हैं और जिनके संबंध में कंपनी ने स्वयं निदेशक की ओर से लिखित रूप में नोटिस प्राप्त किया है, जो कि कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 257 के उपबंधों के अनुसरण में है, को एतद्द्वारा कंपनी के निदेशक के रूप में नियुक्त किया जाता है।''

9. निम्नलिखित संकल्प पर विचार करना और उपयुक्त समझे जाने पर आशोधन करके या बिना आशोधन के इसे **सामान्य संकल्प** के रूप में पारित करना :

   ''संकल्प किया जाता है कि सी.एस. वर्मा जिन्हें कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 260 के साथ पठित कंपनी के अंतर्नियम के अनुच्छेद 67 के अनुसरण में कंपनी के निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया था और जो इस वार्षिक सामान्य बैठक की तारीख तक इस पद पर मौजूद हैं और जिनके संबंध में कंपनी ने स्वयं निदेशक की ओर से लिखित रूप में नोटिस प्राप्त किया है, जो कि कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 257 के उपबंधों के अनुसरण में है, को एतद्द्वारा कंपनी के निदेशक के रूप में नियुक्त किया जाता है।''

10. निम्नलिखित संकल्प पर विचार करना और उपयुक्त समझे जाने पर आशोधन करके या बिना आशोधन के इसे **विशेष संकल्प** के रूप में पारित करना :

''संकल्प किया जाता है कि कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 31 और अन्य लागू उपबंधों अगर कोई हो, के अनुसरण में और भारी उद्योग विभाग, भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार के अनुमोदनाधीन कंपनी के अन्तर्नियम एतद्द्वारा निम्नलिखित तरीके से होंगे और परिवर्तित किए जाते हैं :

क) मौजूदा अनुच्छेद 69(22) को उसके अधीन प्रदत्त (i) से (iii) द्वारा सभी शर्तों को हटाना और उसके लिए ''संयुक्त उपक्रम और पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनियां स्थापित करने के लिए ''के रूप में पठित मार्जिनल टिप्पणियों के साथअनुच्छेद 69(22) निम्नानुसार प्रतिस्थापित करना :

69 (22)	भारत अथवा विदेश में वित्तीय संयुक्त उपक्रम और पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी स्थापित करना बशर्ते कि कंपनी का इक्विटी निवेश निम्नलिखित तक सीमित हैः i) 1000 करोड़ रुपए तक सीमित परियोजना में कंपनी के निवल मूल्य का 15 प्रतिशत। ii) एक साथ मिलाकर सभी परियोजनाओं में कंपनी के निवल मूल्य का 30 प्रतिशत

ख) ''विलय और अधिग्रहण'' के रूप में पठित मार्जिनल टिप्पणियों के साथ अनुच्छेद 69(22) के तत्काल बाद अनुच्छेद 69(23) के रूप में संख्यांकित मौजूदा अनुच्छेद 69 के अधीन नए उप–खण्ड की प्रविष्टि द्वारा।

69 (23)	इस शर्त के अधीन विलय और अधिग्रहणों को अनुमोदित करना कि : i) सह विकास योजना के अनुसार और कंपनी के कार्यकरण के मुख्य क्षेत्र में होगा। ii) शर्तें/सीमाएं संयुक्त उपक्रम/सहायक कंपनियां स्थापित करने के मामले के समान और संयुक्त उपक्रम/सहायक कंपनियों, विलय और अधिग्रहणों को एक साथ मिलाकर कंपनी के निवल मूल्य की 30 प्रतिशत की समग्र उच्चतम सीमा के भीतर होगी। iii) आर्थिक मामलों संबंधी मंत्रिमंडल समिति को विदेश में किए गए निवेशों के मामलें में सूचित किया जाएगा।

ग) ''मानव संसाधन विकास से संबंधित शक्तियों के उप–प्रत्यायोजन'' के रूप में पठित मार्जिनल टिप्पणियों के साथ अनुच्छेद 69(4)(घ) के रूप में संख्याकित मौजूदा अनुच्छेद 69(4) के अधीन नए उप–खण्ड(घ) की प्रविष्टि द्वारा।

69(4)(घ)	निदेशक मंडल स्तर के नीचे के कार्यपालकों के निदेशक मंडल की उप–समितियों अथवा कंपनी के कार्यपालकों के रूप में, जैसा निदेशक मंडल द्वारा निर्णय लिया जाए, के मानव संसाधन प्रबंध (नियुक्तियां, स्थानातंरण, पदस्थापन आदि) से संबंधित शक्तियों का और प्रत्यायोजन करना।

निदेशक मंडल के आदेश द्वारा
ह./–
(एन. के. सिन्हा)
कंपनी सचिव

नई दिल्ली
दिनांक : 1 सितम्बर, 2005

पंजीकृत कार्यालय :
''बीएचईएल हाउस'', सीरी फोर्ट, नई दिल्ली–110049

टिप्पणियां :

1. बैठक में उपस्थित होने और मतदान के लिए हकदार सदस्य अपने स्थान पर उपस्थित होने और मतदान के लिए प्रतिनिधि नियुक्त करने के लिए हकदार है और इस प्रतिनिधि का कंपनी का सदस्य होना आवश्यक नहीं है। विधिवत् भरा हुआ प्रतिनिधि फार्म वार्षिक सामान्य बैठक के निर्धारित समय से कम से कम अड़तालीस घंटे (48 घंटे) पूर्व कंपनी के पंजीकृत कार्यालय में जमा करा दिया जाना चाहिए। खाली (ब्लैंक) प्रतिनिधि फार्म संलग्न है।
2. उपर्युक्त विशेष कार्यक्रम के संबंध में कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 173(2) के अनुसरण में संगत व्याख्यात्मक विवरण संलग्न है।
3. नियुक्ति और पुनःनियुक्ति के लिए प्रस्तावित प्रत्येक निदेशक का संक्षिप्त जीवनवृत्त निदेशक रिपोर्ट के अनुबंध–2 में दिया गया है।
4. श्री रामजी राय और श्री एस.के. जैन कंपनी के निदेशक चक्रानुक्रम में सेवानिवृत्त हो रहे हैं और पात्र होने के कारण उन्होंने पुनः नियुक्ति के लिए स्वयं का प्रस्ताव किया है। तथापि उनकी नियुक्ति की शर्तों के अनुसार श्री रामजी राय की सेवा अवधि दिनांक 31.08.2006 तक, और श्री एस.के. जैन की सेवा अवधि दिनांक 31.08.2007 तक है।
5. सदस्य पंजी और कंपनी की शेयर अंतरण बहियां सदस्यों द्वारा अनुमोदित लाभांश, यदि कोई है, के भुगतान के लिए 09 सितम्बर, 2005 से 29 सितम्बर, 2005 तक (दोनों दिनों सहित) बंद रहेंगी।

6. सदस्यों को सुझाव दिया जाता है कि वे अपनी इलेक्ट्रानिक क्लियरिंग सर्विसेज (ईसीएस) अधिदेश विधिवत् भरे हुए और हस्ताक्षरित फार्म (वार्षिक रिपोर्ट में कहीं भी दिया गया हो) में प्रस्तुत करें।

7. 31 मार्च, 2005 को समाप्त वर्ष के लिए निदेशक मंडल द्वारा इक्विटी शेयरों पर सिफारिश किया गया लाभांश कंपनी की वार्षिक सामान्य बैठक में मंजूर हो जाने पर, सदस्यों द्वारा लाभांश की घोषणा की तारीख से 30 दिन के अंदर अर्थात 28 अक्तूबर, 2005 को या इसके पूर्व उन शेयरधारकों को संदेय होगा, जिनके नाम कंपनी की सदस्य पंजी में मौजूद होंगे या जिनके नाम शुक्रवार, 09 सितम्बर, 2005 को जमाकर्ता के रिकार्डों में शेयरों के हिताधिकारी स्वामी के रूप में दर्ज होंगे।

8. कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 205ग के साथ पठित धारा 205क के अनुसरण में लाभांश की राशियां, जो कि 7 वर्षों से अप्रदत्त/अदावाकृत हैं, केन्द्रीय सरकार के निवेशक शिक्षा एवं संरक्षण निधि में अंतरित की जानी अपेक्षित हैं। तत्पश्चात उक्त राशि पर सदस्यों का कोई दावा नहीं रह जाएगा। तदनुसार वित्तीय वर्ष 1997–98 का देय लाभांश, जो कि अदावाकृत है, 30 सितम्बर, 2005 के बाद और 1998–99 के बाद के वर्षों के लिए उनकी क्रमशः नियत तारीखों को उक्त खाते में अंतरित कर दिया जाए।

   जिन सदस्यों ने 31.3.1998 को समाप्त वित्तीय वर्ष अथवा बाद के किसी वित्तीय वर्ष (वर्षों) के लिए अपने लाभांशों को नकदीकृत नहीं कराया है, वे निर्दिष्ट 7 वर्ष की अवधि समाप्त होने से पहले उनका भुगतान प्राप्त करने के लिए कंपनी से संपर्क करें।

9. कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 109क के संदर्भ में सदस्य फार्म 2बी (वार्षिक रिपोर्ट में अन्यत्र दिया गया है) में उस व्यक्ति को नामित करके नामांकन सुविधा का लाभ उठा सकते हैं, जिन्हें सदस्य की मृत्यु होने पर कंपनी में उसके शेयर प्राप्त होंगे।

10. कंपनी अधिनियम 1956 की धारा 224(8)(कक) के साथ पठित धारा 619(2) के अनुसरण में, सरकारी कंपनी के लेखापरीक्षक की नियुक्ति बैठक पर की जाएगी। वर्ष 2005–2006 के लिए कंपनी के सांविधिक लेखापरीक्षकों की नियुक्ति भारत के नियंत्रक एवं महा लेखापरीक्षक द्वारा अभी की जानी है। सामान्य बैठक बोर्ड को प्राधिकृत कर सकती है कि वह कार्य की मात्रा में वृद्धि और वर्तमान मुद्रास्फीति पर विचार करने के बाद 2005–2006 के लिए लेखापरीक्षकों का समुचित पारिश्रमिक निर्धारित करें।

11. कॉर्पोरेट सदस्य को व्यक्तिगत रूप में उपस्थित तभी माना जाएगा जबकि वह कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 187 के अनुसार प्रतिनिधित्व करे, अर्थात यदि कॉर्पोरेट सदस्य वार्षिक सामान्य बैठक में उपस्थित होने और मतदान करने के लिए अपना प्रतिनिधि प्राधिकृत करते समय बोर्ड के संकल्प/मुख्तारनामे की प्रमाणित प्रति प्रेषित करें।

12. सदस्यों से अनुरोध है कि उनके पते में कोई परिवर्तन होने पर निम्नलिखित को तत्काल सूचित करें:

    i) इलेक्ट्रॉनिक शेयर लेखे के संबंध में अपने निक्षेपागार (डिपॉजिटरी) सहभागियों को, और

    ii) प्रत्यक्ष शेयरों के संबंध में कंपनी को इसके पंजीकृत कार्यालय में जिसमें उनके फोलियों नं., बैंकर के नाम तथा खाता संख्या का भी उल्लेख किया जाए, ताकि लाभांश वारंट तुरंत और सुरक्षित स्थिति में प्राप्त किए जा सकें।

13. बैठक में उपस्थित होने वाले सदस्यों से अनुरोध है कि वे संलग्न हाजिरी पर्ची को भरकर बैठक के स्थान पर प्रवेश के समय प्रस्तुत करें। तथापि, सभागार में प्रवेश उस स्थान पर काउंटरों पर उपलब्ध प्रवेश–पत्र के आधार पर ही होगा, जो हाजिरी–पर्ची के बदले में दिया जाएगा।

14. कंपनी के लेखों और प्रचालन के बारे में जानकारी प्राप्त करने के इच्छुक सदस्यों से अनुरोध है कि वे बैठक की तारीख से कम से कम एक सप्ताह पूर्व कंपनी को अपने प्रश्न (क्वेरीज) भेजें, ताकि अपेक्षित जानकारी बैठक में तुरंत उपलब्ध कराई जा सके।

15. सदस्यों से अनुरोध है कि वे :

(i) बैठक के समय वार्षिक रिपोर्ट, नोटिस और हाजिरी पर्ची की अपनी प्रतियां लाएं।

(ii) सभी पत्राचारों में अपनी फोलियो संख्या लिखें।

(iii) सुरक्षा की दृष्टि से सभागार के अंदर ब्रीफकेस अथवा बैग ले जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

(iv) यह नोट करें कि वार्षिक सामान्य बैठक में कोई उपहार नहीं दिया जाएगा।

निदेशक मंडल के आदेश से

ह./–

(एन. के. सिन्हा)

कंपनी सचिव

नोटिस का अनुबंध

कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 173(2) के अनुसरण में व्याख्यात्मक विवरण

निम्नलिखित व्याख्यात्मक विवरण में दिनांक 01 सितंबर, 2005 के संलग्न नोटिस की मद संख्या 6 से 10 में उल्लिखित कार्यक्रम से संबंधित वास्तविक तथ्यों का उल्लेख है।

मद संख्या 6

58–वर्षीय श्री अरुण कुमार माथुर मैकेनिकल इंजीनियर हैं। भारत सरकार के निदेशानुसार श्री माथुर को दिनांक 16.05.2005 से अधिवर्षिता की तारीख (31.08.2007) तक अथवा अगले आदेशों तक, इनमें जो भी पहले हो कंपनी के निदेशक (आईएस एण्ड पी) के रूप में श्री एच.डब्ल्यू. भटनागर के स्थान पर नियुक्त किया गया था। इस प्रकार नियुक्त किए जाने के कारण श्री माथुर कंपनी के अंतर्नियम के अनुच्छेद 67(iv) के साथ पठित कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 260 द्वारा आगामी वार्षिक सामान्य बैठक की तारीख तक इस पद पर हैं और पुनः नियुक्ति के पात्र हैं।

कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 257 के अनुसार कंपनी ने स्वयं निदेशक से 500/– रुपए की जमाराशि के साथ लिखित रूप में नोटिस प्राप्त किया है, जिसमें उन्होंने कंपनी के निदेशक पद के लिए अपना नाम प्रस्तावित किया है।

श्री ए.के. माथुर को छोड़कर कंपनी का कोई भी निदेशक उस संकल्प से किसी भी प्रकार संबद्ध नहीं है अथवा इसके लिए इच्छुक नहीं है।

निदेशक मंडल शेयरधारकों से इस संकल्प के अनुमोदन की सिफारिश करता है।

मद संख्या 7

56–वर्षीय श्री कृष्णस्वामी रवि कुमार एम. टेक हैं। भारत सरकार के निदेशानुसार श्री रवि कुमार को दिनांक 16.05.2005 से अधिवर्षिता की तारीख (30.06.2009) तक अथवा अगले आदेशों तक, इनमें से जो भी पहले हो, कंपनी के निदेशक (विद्युत) के रूप में नियुक्त किया गया था। इस प्रकार नियुक्त किए जाने के कारण श्री रवि कुमार कंपनी के अंतर्नियम के अनुच्छेद 67(iv) के साथ पठित कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 260 द्वारा आगामी वार्षिक सामान्य बैठक की तारीख तक इस पद पर हैं और पुनः नियुक्ति के पात्र हैं।

कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 257 के अनुसार कंपनी ने स्वयं निदेशक से 500/– रुपए की जमाराशि के साथ लिखित रूप में नोटिस प्राप्त किया है, जिसमें उन्होंने कंपनी के निदेशक पद के लिए अपना नाम प्रस्तावित किया है।

श्री के. रवि कुमार को छोड़कर कंपनी का कोई भी निदेशक उस संकल्प से किसी भी प्रकार संबद्ध नहीं है अथवा इसके लिए इच्छुक नहीं है।

निदेशक मंडल शेयरधारकों से इस संकल्प के अनुमोदन की सिफारिश करता है।

मद संख्या 8

53–वर्षीय डॉ. सुरजीत मित्रा, भारत सरकार, भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय, भारी उद्योग विभाग में संयुक्त सचिव हैं। भारत सरकार के निदेशानुसार डॉ. मित्रा को दिनांक 28.07.2005 से श्री डी.आर.एस. चौधरी के स्थान पर कंपनी के निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया था। इस प्रकार नियुक्त किए जाने के कारण डॉ. मित्रा कंपनी के अंतर्नियम के अनुच्छेद 67(iv) के साथ पठित कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 260 द्वारा आगामी वार्षिक सामान्य बैठक की तारीख तक इस पद पर हैं और पुनः नियुक्ति के पात्र हैं।

कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 257 के अनुसार कंपनी ने स्वयं निदेशक से 500/– रुपए की जमाराशि के साथ लिखित रूप में नोटिस प्राप्त किया है, जिसमें उन्होंने कंपनी के निदेशक पद के लिए अपना नाम प्रस्तावित किया है।

डॉ. सुरजीत मित्रा को छोड़कर कंपनी का कोई भी निदेशक उस संकल्प से किसी भी प्रकार संबद्ध नहीं है अथवा इसके लिए इच्छुक नहीं हैं।

निदेशक मंडल शेयरधारकों से इस संकल्प के अनुमोदन की सिफारिश करता है।

मद संख्या 9

46–वर्षीय श्री सी.एस. वर्मा, एम.कॉम, एमबीए, एफसीएस और एआईसीडब्ल्यूएआई की योग्यता रखते हैं। भारत सरकार के निदेशानुसार श्री वर्मा को पद के प्रभार ग्रहण की तारीख अर्थात 01.09.2005 से पाँच वर्षों की अवधि के लिए अथवा उनकी अधिवर्षिता की तारीख अथवा अगले आदेशों तक, इनमें से जो भी पहले हो, निदेशक (वित्त) के रूप में नियुक्त किया गया था। इस प्रकार नियुक्त किए जाने के कारण श्री वर्मा कंपनी के अंतर्नियम के अनुच्छेद 67(iv) के साथ पठित कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 260 द्वारा आगामी वार्षिक सामान्य बैठक की तारीख तक इस पद पर हैं और पुनः नियुक्ति के पात्र हैं।

कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 257 के अनुसार कंपनी ने स्वयं निदेशक से 500/– रुपए की जमाराशि के साथ लिखित रूप में नोटिस प्राप्त किया है, जिसमें उन्होंने कंपनी के निदेशक पद के लिए अपना नाम प्रस्तावित किया है।

श्री वर्मा को छोड़कर कंपनी का कोई भी निदेशक उस संकल्प से किसी भी प्रकार संबद्ध नहीं है अथवा इसके लिए इच्छुक नहीं हैं।

निदेशक मंडल शेयरधारकों से इस संकल्प के अनुमोदन की सिफारिश करता है।

मद संख्या 10

लोक उद्यम विभाग, भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार ने अपने दिनांक 05.08.2005 के कार्यालय ज्ञापन (ओएम) सं.18(24)/2003–जीएम–जीएल.64 द्वारा नवरत्न सरकारी क्षेत्र के उद्यमों के निदेशक मंडलों की प्रत्यायोजित शक्तियों में वृद्धि कर दी हैं।

तदनुसार, दिनांक 05.08.2005 के उपरोक्त कार्यालय ज्ञापन में निर्दिष्ट दिशानिर्देशों के अनुसार आपके निदेशक कंपनी के अंतर्नियम में परिवर्तन/वृद्धि करना आवश्यक मानते हैं।

कंपनी के मौजूदा ज्ञापन और अंतर्नियम की प्रति प्रस्तावित संशोधनों के साथ निरीक्षण के लिए वार्षिक सामान्य बैठक की तारीख तक सभी कार्य दिवसों को 3 बजे से 5 बजे अपराह्न के बीच उपलब्ध रहेगी।

इसलिए आपके दिर्नेशक आपके समक्ष प्रस्तावित संकल्प, जो स्वतः स्पष्ट है, में यथा सूचीबद्ध कंपनी के अंतर्नियम का प्रस्ताव रखते और सिफारिश करते हैं।

आपकी कंपनी के कोई भी निदेशक इस संकल्प में दिलचस्पी नहीं रखते हैं अथवा उससे संबद्ध नहीं हैं।

निदेशक मंडल के आदेश द्वारा
ह./–
(एन.के. सिन्हा)
कंपनी सचिव

नई दिल्ली
दिनांक : 1 सितम्बर, 2005

पंजीकृत कार्यालय :
बीएचईएल हाउस, सीरी फोर्ट, नई दिल्ली–110049

बीएचईएल एक दृष्टि में

(रुपए मिलियन में)

	2003-04	2004-05	परिवर्तन (%)
कुल कारोबार	86625	103364	19.32
मूल्यवर्धन	36800	42540	15.60
कर्मचारी (संख्या)	43952	43302	-1.48
कर–पूर्व लाभ	10148	15816	55.85
कर–पश्चात लाभ	6582	9534	44.85
लाभांश	1469	1958	33.29
लभांश–कर	190	266	40.00
प्रतिधारित अर्जन	4923	7310	48.49
कुल परिसंपत्तियां	116564	144915	24.32
निवल मूल्य	52781	60269	14.19
कुल उधार	5400	5370	-0.56
ऋण : इक्विटी	0.10	0.09	-10.90
प्रति शेयर (रुपए में) :			
- निवल मूल्य	215.64	246.24	14.19
- अर्जन	26.89	38.95	44.86
- लाभांश	6.00	8.00	33.33
			(अमरीकी डालर मिलियन में)
कुल कारोबार	1976	2371	19.98
कर–पूर्व लाभ	232	363	56.71
कर–पश्चात लाभ	150	219	45.65

रुपांतरण दरें (31 मार्च को दरें) :

1 अमरीकी डालर = वर्ष 2003–2004 के लिए 43.83 रुपए

1 अमरीकी डालर = वर्ष 2004–2005 के लिए 43.59 रुपए

कुल कारोबार

(रुपए मिलियन में)

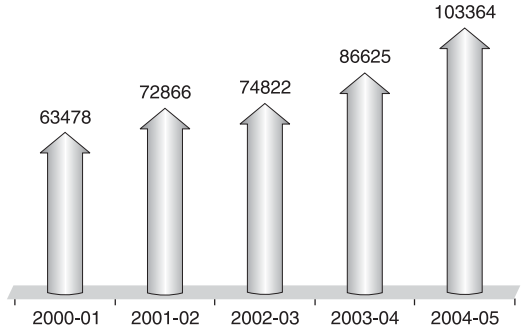

लाभ

(रुपए मिलियन में)

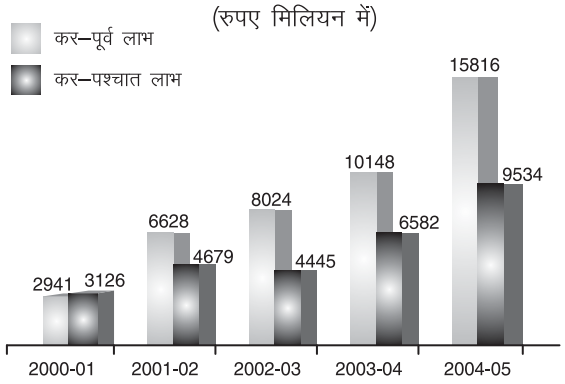

वर्धित मूल्य

(रुपए मिलियन में)

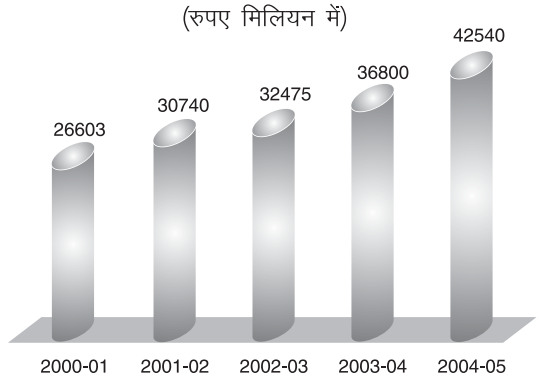

नियोजित पूंजी

(रुपए मिलियन में)

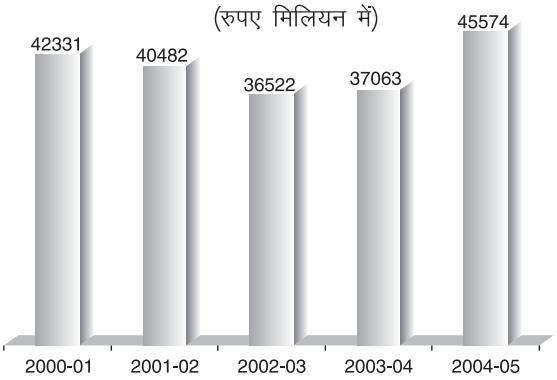

प्रति शेयर निवल मूल्य

(रुपए)

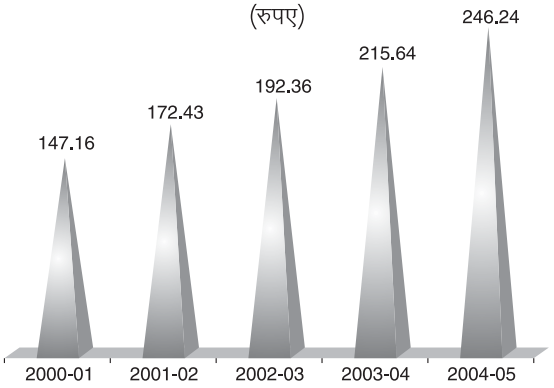

प्रति शेयर अर्जन

(रुपए)

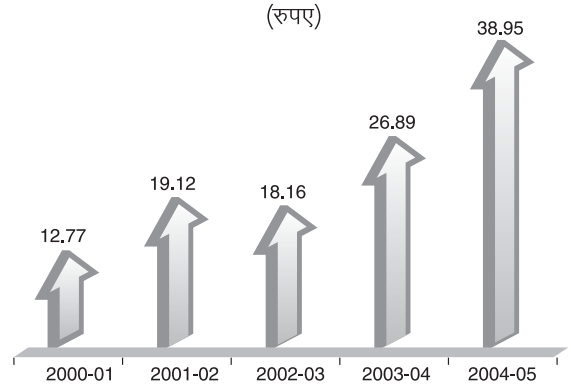

पांच वर्षों का सार

(रुपए मिलियन में)

	2004-05	2003-04	2002-03	2001-02	2000-01
आय					
उत्पादों की बिक्री व ग्राहकों को सेवाएं	103364	86625	74822	72866	63478
अन्य आय	6556	5127	5087	4940	5054
स्टॉक में परिवर्तन	5398	-306	-453	-373	2507
कुल अर्जन	115318	91446	79456	77433	71039
सामग्री	50977	36347	31604	33068	30496
कर्मचारियों को भुगतान	16504	16395	15046	14446	21702*
अन्य विनिर्माण, प्रशासनिक एवं बिक्री व्यय	29018	25975	22380	20629	13884**
ब्याज तथा मूल्यह्रास से पहले के व्यय	96499	78717	69030	68143	66082
मूल्यह्रास ब्याज और कर से पहले का लाभ	18819	12729	10426	9290	4957
मूल्यह्रास	2189	1980	1854	1692	1578
सकल लाभ	16630	10749	8572	7598	3379
ब्याज	814	601	548	970	438
कर पूर्व लाभ	15816	10148	8024	6628	2941
कर के लिए प्रावधान	6282	3566	3579	1949	-185
कर–पश्चात लाभ	9534	6582	4445	4679	3126
लाभांश (लाभांश कर सहित)	2224	1659	1104	979	809
प्रतिधारित लाभ	7310	4923	3341	3700	2317

* इसमें 1.1.97 से 31.3.2000 तक का 7078 मिलियन रुपए का वेतन संबंधी संशोधन का बकाया शामिल है

**5140 मिलियन रुपए वेतन बकाया के संबंध में किया गया प्रावधान समाप्त करने के बाद

कंपनी की निजी संपत्तियां					
सकल ब्लॉक	36289	34596	33493	31820	30040
घटाएं : संचित मूल्यह्रास और पट्टा समायोजन	25847	23655	21788	20054	18614
निवल ब्लॉक	10442	10941	11705	11766	11426
पूंजीगत चालू कार्य	953	1086	587	567	612
निवेश	90	290	103	103	103
चालू परिसंपत्तियां, ऋण एवं अग्रिम	133430	104247	83484	80514	75762
कुल परिसंपत्तियां	144915	116564	95879	92950	87903
कंपनी की देनदारियां					
उधार (पट्टे पर ली गई परिसंपत्तियों के क्रेडिट सहित)	5370	5400	5310	6658	10256
चालू देयताएं एवं प्रावधान	84459	63369	47561	47135	41630
कुल देयताएं	89829	68769	52871	53793	51886
कंपनी का निवल मूल्य					
शेयर पूंजी	2448	2448	2448	2448	2448
प्रारक्षित निधि तथा अधिशेष	57821	50512	45589	42248	35856
घटाएं : आस्थगित राजस्व व्यय	0	179	955	2493	2286
निवल मूल्य	60269	52781	47082	42203	36018
नियोजित पूंजी	45574	37063	36522	40482	42331
वर्धित मूल्य	42540	36800	32475	30740	26603
अनुपात					
परिसंपत्तियों पर पीबीडीआईटी (%) #	14.4%	12.0%	11.0%	10.3%	5.8%
नियोजित पूंजी पर सकल लाभ (%) #	40.2%	29.2%	22.3%	18.3%	9.1%
प्रति शेयर अर्जन मूल्य (रुपए)	38.95	26.89	18.16	19.12	12.77
प्रति शेयर निवल मूल्य (रुपए)	246.24	215.64	192.36	172.43	147.16
चालू अनुपात	1.58	1.65	1.76	1.71	1.82
कुल ऋण/इक्विटी	0.09	0.10	0.11	0.16	0.28

औसत निवल परिसंपत्तियों एवं नियोजित पूंजी के आधार पर

निदेशकों की रिपोर्ट

आपके निदेशक 31 मार्च, 2005 को समाप्त वर्ष के लिए लेखापरीक्षित लेखों के साथ अपनी 41वीं वार्षिक रिपोर्ट सहर्ष प्रस्तुत करते हैं।

कार्यनिष्पादन विशेषताएं

आपकी कंपनी ने वर्ष 2004–05 में एक और सफल वर्ष पूरा किया है और 9534 मिलियन रुपए का निवल लाभ दर्ज किया है। कंपनी का निवल मूल्य वर्ष 2003–04 में 52781 मिलियन रुपए से 14.2% की वृद्धि दर्ज करते हुए बढ़कर वर्ष 2004–05 में 60269 मिलियन रुपए हो गया है। प्रति शेयर निवल परिसंपत्ति मूल्य वर्ष 2003–04 में 215.6 रुपए से बढ़कर वर्ष 2004–05 में 246.2 रुपए हो गया है।

वर्ष 2004–05 के दौरान कार्यनिष्पादन की मुख्य विशेषताओं का सारांश नीचे दिया गया है :

(रुपए मिलियन में)

	2004-05	2003-04	वृद्धि
कुल कारोबार	103364	86625	19.32%
कर–पूर्व लाभ	15816	10148	55.85%
कर–पश्चात लाभ	9534	6582	44.85%
प्रतिशेयर निवल परिसंपत्ति मूल्य (रुपए)	246.2	215.6	14.19%

वर्ष के लिए लाभ के विनियोजन का ब्यौरा निम्नानुसार है :

(रुपए मिलियन में)

	2004-05	2003-04
कर–पश्चात लाभ	9534	6582
जोड़ें: – पिछले वर्ष से अग्रेनीत लाभ का शेष	1035	519
– विदेशी परियोजना प्रारक्षित निधि से अंतरण	32	106
	10601	7207
विनियोजन :		
– विदेशी परियोजना प्रारक्षित निधि	शून्य	14
– बाण्ड परिशोधन प्रारक्षित निधि	1000	1000
– लाभांश – अंतरिम	857	734
– अंतिम	1101	734
– कारपोरेट लाभांश कर	267	190
– सामान्य प्रारक्षित निधि को अंतरण	5000	3500
– तुलन–पत्र में अग्रेनीत	2376	1035
	10601	7207

वर्ष 2003–04 के लिए घोषित 60% लाभांश (30% के अंतरिम लाभांश सहित) की तुलना में 2447.60 मिलियन रुपए की चुकता पूंजी पर 80% का लाभांश (निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित और अदा किए जा चुके 35% के अंतरिम लाभांश सहित) अर्थात 1958 मिलियन रुपए की सिफारिश की गई है। इसके अतिरिक्त, प्रस्तावित अंतिम लाभांश पर कारपोरेट लाभांश कर के लिए 154.47 मिलियन रुपए का प्रावधान किया गया है। अंतरिम लाभांश पर 111.96 मिलियन रुपए का कारपोरेट लाभांश कर अदा किया जा चुका है।

प्राप्त ऑर्डर

वर्ष के दौरान प्राप्त ऑर्डर वर्ष 2003–04 में 164775 मिलियन रुपए से 10.64% बढ़कर वर्ष 2004–05 में 182300 मिलियन रुपए के हो गए। बुक किए गए क्षेत्र–वार ऑर्डर निम्नानुसार हैं:

(रुपए मिलियन में)

	2004-05	2003-04
विद्युत क्षेत्र	134750	126785
उद्योग क्षेत्र	41170	35670
अंतर्राष्ट्रीय प्रचालन	6380	2320
बुक किए गए कुल ऑर्डर	182300	164775
वर्ष के अंत में शेष ऑर्डर बुक	320000	236500

समझौता ज्ञापन के लक्ष्यों की तुलना में बीएचईएल दर्जा निर्धारण

वर्ष 2003–2004 में बीएचईएल का निष्पादन भारत सरकार के साथ हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के संदर्भ में "उत्कृष्ट" आंका गया है। 2004–2005 के लिए रेटिंग को सरकार द्वारा अंतिम रूप दिया जा रहा है।

प्रबंध चर्चा एवं विश्लेषण

प्रबंध चर्चा एवं विश्लेषण की रिपोर्ट अनुबंध–1 में दी गयी है।

निदेशक मंडल

कंपनी के निदेशक मंडल के गठन में पिछली रिपोर्ट से निम्नलिखित परिवर्तन हुए हैं:

नियुक्ति

श्री अशोक के. पुरी को भारत के राष्ट्रपति द्वारा भारी उद्योग विभाग, भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार के दिनांक 22.09.2004 के आदेश द्वारा दिनांक 22 सितम्बर, 2004 से अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया था।

सर्व/श्री अरुण कुमार माथुर और कृष्णस्वामी रवि कुमार को दिनांक 16 मई, 2005 से क्रमशः निदेशक (आईएसएण्डपी) और निदेशक (विद्युत) के रूप में नियुक्त किया गया था।

डॉ. सुरजीत मित्रा, संयुक्त सचिव, भारत सरकार, भारी उद्योग विभाग, भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय को श्री दिलीप राज सिंह चौधरी के स्थान पर दिनांक 28 जुलाई, 2005 से कंपनी के अंशकालिक सरकारी निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया था।

श्री सी.एस. वर्मा ने दिनांक 1 सितम्बर, 2005 से निदेशक (वित्त) का पदभार ग्रहण किया।

कंपनी के अंतर्नियम के अनुच्छेद 67(iv) के अनुसार सर्व/श्री अरुण कुमार माथुर, कृष्णस्वामी रवि कुमार, डॉ. सुरजीत मित्रा और सी.एस. वर्मा आगामी वार्षिक सामान्य बैठक तक निदेशक के पद पर रहेंगे और नियुक्ति के पात्र हैं।

सेवा समाप्ति

बीएचईएल के अंतर्नियम के अनुच्छेद 116 के अनुसरण में सर्व/श्री सुधीर श्रीधर सुपे और रंजन पंत, अंशकालिक गैर–सरकारी निदेशकों का शेष कार्यकाल भारी उद्योग विभाग, भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार के दिनांक 27.09.2004 के आदेश से भारत के राष्ट्रपति द्वारा समाप्त कर दिया गया था। तदनुसार वे दिनांक 27 सितम्बर, 2004 से कंपनी के निदेशक नहीं रहे।

श्री शरद उपासनी, जो दिनांक 26 दिसम्बर, 2001 से अंशकालिक गैर–सरकारी निदेशक के रूप में नियुक्त किए गए थे, दिनांक 25 दिसम्बर, 2004 से कार्यकाल की समाप्ति पर कंपनी के निदेशक नहीं रहे।

श्री अकबर हमीद जंग, जो दिनांक 1 मार्च, 2004 से अंशकालिक गैर–सरकारी निदेशक के रूप में नियुक्त किए गए थे, ने दिनांक 23 फरवरी, 2005 से बीएचईएल के निदेशक मंडल से त्यागपत्र दे दिया।

श्री दिलीप राज सिंह चौधरी, संयुक्त सचिव, भारत सरकार, भारी उद्योग विभाग, भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय दिनांक 28 जुलाई, 2005 से कंपनी के निदेशक नहीं रहे।

निदेशक मंडल सर्व/श्री सुधीर श्रीधर सुपे, रंजन पंत, शरद उपासनी, अकबर हमीद जंग और दिलीप राज सिंह चौधरी द्वारा कंपनी के निदेशकों के रूप में अपने कार्याकाल के दौरान दिए गए बहुमूल्य सुझावों और मार्गदर्शन के लिए आभार व्यक्त करता है।

श्री एच.डब्ल्यू. भटनागर ने दिनांक 28 फरवरी, 2005 को अधिवर्षिता की आयु प्राप्त करने पर निदेशक (आईएसएण्डपी) का पदभार छोड़ दिया।

श्री सी. श्रीनिवासन ने दिनांक 31 मई, 2005 को अधिवर्षिता की आयु प्राप्त करने पर निदेशक (वित्त) का पदभार छोड़ दिया।

निदेशक मंडल सर्व/श्री एच.डब्ल्यू. भटनागर और श्री सी. श्रीनिवासन द्वारा उनके संबंधित कार्यकाल के दौरान प्रदान की गई दीर्घ, समर्पित और विशिष्ट सेवाओं के लिए अपनी हार्दिक सराहना व्यक्त करता है।

कंपनी के अंतर्नियम के अनुच्छेद 67(i) के अनुसार श्री रामजी राय और श्री एस.के.जैन आगामी वार्षिक सामान्य बैठक में चक्रानुक्रम से सेवानिवृत्त होंगे और पात्र होने पर पुनः नियुक्ति के लिए अपना नाम प्रस्तावित करेंगे।

सूचीकरण करार के खण्ड 49 IV (छ) के अनुपालन में नियुक्ति और पुनः नियुक्ति के लिए प्रस्तावित निदेशकों का संक्षिप्त विवरण, विशिष्ट कार्यात्मक क्षेत्रों में उनकी विशेषज्ञता की प्रकृति और उन कंपनियों, जिनमें वे निदेशक हैं, के नाम निदेशकों की रिपोर्ट का भाग होने वाले **अनुबंध–2** में दिए गए हैं।

राजभाषा कार्यान्वयन

बीएचईएल के सभी क्षेत्रीय कार्यालयों/यूनिटों में राजभाषा कार्यान्वयन समिति गठित की गई है। सभी समितियों की नियमित रूप से बैठकें होती है और हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए समुचित कदम उठाए जाते हैं। कंपनी के मैनुअल और सभी फॉर्म/प्रोफार्मा द्विभाषी रूप में उपलब्ध हैं। वार्षिक रिपोर्ट, समझौता ज्ञापन, निष्पादन बजट, प्रेस विज्ञप्तियां, विज्ञापन, पदोन्नति आदेश, कैलेण्डर और डायरियां भी द्विभाषी रूप में प्रकाशित किए जाते हैं।

अन्य वर्षों की भांति इस वर्ष भी बीएचईएल हिन्दी समन्वयकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया। कर्मचारियों को प्रेरित करते हुए राजभाषा कार्यान्वयन को गति प्रदान करने की दृष्टि से भारत सरकार द्वारा संचालित हिंदी प्रबोध, प्रवीण, प्राज्ञ और हिंदी टंकण तथा आशुलिपि परीक्षाएं उत्तीर्ण करने पर दिए जाने वाले नकद प्रोत्साहन की राशि उसमें वृद्धि करके और आकर्षक बनाई गई है। हिंदी में सरकारी कार्य करने के लिए नकद प्रोत्साहन योजना भी चल रही है। इस योजना के अधीन अधिकारियों द्वारा हिन्दी में किए गए कार्य का मूल्यांकन किया जाता है और विजेताओं को पुरस्कृत किया जाता है। हिन्दी में कार्य करने हेतु कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने के लिए कई हिंदी कार्यशालाएं आयोजित की गई थीं। इसके अतिरिक्त, हिन्दी में विभिन्न विषयों पर व्याख्यान की श्रृंखला भी आयोजित की गई थी। बीएचईएल के कर्मचारियों तथा साथ ही नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य कार्यालयों के कर्मचारियों के लिए कई हिंदी प्रतियोगिताएं आयोजित की गई थी।

कर्मचारियों की गोपनीय रिपोर्ट में हिंदी में किए गए सराहनीय कार्यों का उल्लेख करते हुए प्रविष्टियां की जा रही हैं।

हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने और अपनी सभी यूनिटों/कार्यालयों में प्रतिस्पर्धी वातावरण सृजित करने के लिए बीएचईएल ने अंतर–यूनिट राजभाषा पुरस्कार योजना प्रारंभ की है। बीएचईएल के अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक द्वारा वर्ष 2003 के दौरान राजभाषा कार्यान्वयन में सर्वोत्तम निष्पादन के लिए प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले यूनिटों/कार्यालयों को दिनांक 16.04.2005 को राजभाषा पुरस्कार प्रदान किया गया था।

कर्मचारियों को हिंदी में कार्यसाधक ज्ञान प्रदान करने की दृष्टि से कंपनी की विभिन्न यूनिटों में प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। इसे बंगलौर, हैदराबाद और तिरूचिरापल्ली अवस्थित दक्षिण में स्थित यूनिटों में बड़े पैमाने पर किया जाता है। केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो ने कारपोरेट कार्यालय और हरिद्वार यूनिट में कर्मचारियों के लिए पांच–दिवसीय अनुवाद प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया था। इसके अतिरिक्त बड़ी संख्या में कर्मचारियों को शामिल करते हुए कंपनी में हिंदी कम्प्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

संसदीय राजभाषा समिति ने राजभाषा कार्यान्वयन की स्थिति की समीक्षा करने के लिए कारपोरेट कार्यालय और ईपीडी, बंगलौर का दौरा किया। उनके सुझावों पर और सुधार लाने के लिए आवश्यक अनुवर्ती कार्रवाई की गई है।

संयुक्त राष्ट्र के ''ग्लोबल कम्पैक्ट'' में भागीदारी

भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) ने एक बार पुनः कंपनी के प्रभाव क्षेत्र के भीतर संयुक्त राष्ट्र के ग्लोबल कम्पैक्ट के सिद्धांतों को समर्थन देने और आगे बढ़ाने तथा मानवाधिकारों, श्रम मानकों, पर्यावरण और भ्रष्टाचार–रोध के दस सिद्धांतों को अपनी कार्यनीति, संस्कृति और दिन–प्रतिदिन के कार्य का हिस्सा बनाने की प्रतिबद्धता का आशय व्यक्त किया है।

महत्वपूर्ण रूप से बीएचईएल ने संयुक्त राष्ट्र के ग्लोबल कम्पैक्ट कार्यक्रम के लिए प्रतिबद्ध भारतीय संगठनों/संस्थानों में एक शीर्ष–स्तरीय मंच ग्लोबल कम्पैक्ट सोसायटी गठित करने में अग्रणी भूमिका निभाई। इस संघ के माध्यम से बीएचईएल ने अन्य निगमों के साथ नेटवर्किंग करने और वैश्विक स्तर पर सामाजिक उत्तदायित्वों से संबंद्ध अनुभवों की भागीदारी करने का अद्वितीय अवसर प्राप्त किया है। राष्ट्रीय सम्मेलन, दिल्ली और दक्षिण एशिया क्षेत्र के लिए ग्लोबल कम्पैक्ट क्षेत्रीय सम्मेलन, जमशेदपुर में बीएचईएल ने सम्मेलनों में सक्रिय भाग लिया और अपने कारपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व कार्यकलापों का भी विशेष उल्लेख किया। बीएचईएल के पहलों की भारत और विदेशों से आए विशिष्ट व्यक्तियों और प्रतिभागियों के अतिरिक्त श्री जॉर्ज केल, कार्यकारी प्रमुख, यूएनजीसी द्वारा सराहना की गई थी।

कंपनी द्वारा वर्ष 2004–05 के दौरान दस सिद्धांतों में से प्रत्येक पर दिए गए ध्यान की संक्षिप्त रिपोर्ट नीचे दी गई है। प्रगति की सूचना बीएचईएल की वेबसाइट (http://www.bhel.com) पर भी उपलब्ध है।

मानवाधिकार

1) व्यवसाय को अंतर्राष्ट्रीय रूप से प्रमाणित मानवाधिकारों के संरक्षण को समर्थन और सम्मान देना चाहिए।

2) यह सुनिश्चित करें कि वे मानवाधिकारों के दुरूपयोग के साथ संयोजित नहीं हों।

बीएचईएल उपरोक्त सिद्धांतों का अक्षरशः पालन करता है और इसने अपने कर्मचारियों के सम्मान को बनाए रखने के संगत अपनी नीतियां तैयार की हैं।

श्रम मानक

3) व्यवसाय को संघ की स्वतंत्रता और सामूहिक समझौते के अधिकार की प्रभावी मान्यता बनाई रखनी चाहिए।

बीएचईएल में एक शीर्ष–स्तरीय द्विपक्षीय मंच हैं जिसमें कामगारों का प्रतिनिधित्व मान्यताप्राप्त यूनियन के सदस्यों और केन्द्रीय मजदूर संघ संगठनों के नेताओं द्वारा किया जाता है और प्रबंधन का प्रतिनिधित्व अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक, कार्यात्मक निदेशकों और यूनिट प्रमुखों द्वारा किया जाता है।

4) बलपूर्वक और अनिवार्य श्रम के सभी रूपों को हटाना और

5) बाल श्रम का प्रभावी समापन

बीएचईएल न तो अनिवार्य श्रमिकों को नियुक्त करता है और न ही इसके यहां बाल श्रमिक हैं।

6) रोजगार और व्यवसाय के संबंध में भेदभाव दूर करना,

बीएचईएल लिंग, जाति, धर्म, वंश आदि जैसे कारकों के आधार पर अपने कर्मचारियों में भेदभाव नहीं करता।

पर्यावरण

7) व्यवसाय को पर्यावरण संबंधी चुनौतियों के प्रति एक निवारक दृष्टिकोण का समर्थन करना चाहिए।

8) अधिक पर्यावरणीय उत्तरदायित्व के संवर्धन के लिए पहल करना,

9) पर्यावरणीय रूप से अनुकूल प्रौद्योगिकियों के विकास और विस्तार को प्रोत्साहन।

बीएचईएल की सभी यूनिटों को अंतर्राष्ट्रीय प्रमाणन एजेंसी द्वारा सख्त लेखापरीक्षा के बाद पर्यावरण प्रबन्ध प्रणाली पर आईएसओ–14000 और व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा पर ओएचएसएएस–18000 से प्रमाणित किया गया है।

वर्ष के दौरान बीएचईएल की सभी बड़ी यूनिटों ने ''शून्य निस्सारी निष्कासन'' स्तर प्राप्त किया है। अन्य मुख्य उपलब्धियों में कंपनी के सभी टाउनशिप में रेन वाटर हार्वेस्टिंग प्रणालियों, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के अतिरिक्त कर्मचारियों और

आसपास के समुदायों को शामिल करते हुए सामूहिक वनरोपण; अपशिष्ट से ऊर्जा उत्पादन और सक्षम जल प्रबंधन शामिल हैं।

समाज के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के भाग के रूप में और एक उत्तरदायी कारपोरेट नागरिक के रूप में बीएचईएल देश के विभिन्न भागों में कई सामुदायिक विकास कार्यों में संलग्न है।

- बीएचईएल की विभिन्न यूनिटों में मानसिक रूप से विकलांग बच्चों के लिए स्थापित स्कूल साधनविहीन बच्चों को आत्मनिर्भर नागरिक बनने में सहायता करने के लिए आकांक्षाओं और आवश्यकताओं की पूर्ति करते हैं।
- उत्तरदायी कारपोरेट नागरिक के रूप में बीएचईएल ने अपनी विनिर्माता यूनिटों के आसपास के गांवों के ग्रामीण विकास में स्वयं को सम्मिलित किया है। इसके कार्यकलापों में निःशुल्क चिकित्सा सहायता, सड़क की प्रकाश व्यवस्था, पेयजल और स्कूलों की अवसंरचना समर्थन आदि का प्रावधान शामिल है।
- बीएचईएल परिवार ने अपनी शक्ति का योगदान करके अपने सहयोगी नागरिकों और देश के विभिन्न भागों में बाढ़, सूनामी आदि से प्रभावित पीड़ितों के साथ सहानुभूतिपूर्वक सहयोग दिया है।

पर्यावरणीय रूप से अनुकूल प्रौद्योगिकी के विकास और विस्तार के क्षेत्र में बीएचईएल ग्रामीण क्षेत्रों में ''स्टैण्ड अलोन'' सोलर फोटोवोल्टिक (एसपीवी) विद्युत संयंत्र और सोलर पावर सिस्टम स्थापित कर रहा है।

भ्रष्टाचार–रोध

10)व्यवसाय को लूट–खसोट और घूस के सहित भ्रष्टाचार के सभी रूपों के विरूद्ध कार्य करना चाहिए।

बीएचईएल ने कई ''पारदर्शिता उपाय'' प्रारंभ किए हैं, जो भ्रष्टाचार से बचने के लिए कंपनी की सहायता करेंगे। कंपनी अन्वेषणात्मक/दंडात्मक की बजाय निवारक और शैक्षणिक पहलुओं पर अधिक ध्यान केंद्रित करती है।

सतर्कता

कंपनी के सतर्कता ढांचे के प्रमुख सतर्कता अधिकारी हैं, जिनकी सहायता प्रत्येक यूनिटों में सतर्कता विभागों के प्रमुख वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा की जाती है।

वर्ष 2004–05 के दौरान निवारक सतर्कता पर अधिक ध्यान केंद्रित किया गया। निवारक सतर्कता के बुनियादी दर्शन की जानकारी प्रदान करने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। वर्ष के दौरान कुछ अन्य कार्यकलापों में सतर्कता प्रशासन के क्षेत्र में प्रणाली अध्ययन, कंपनी के नियमों, नीतियों और कार्यविधियों के बारे में जानकारी बढ़ाने के लिए लाइन और कार्यात्मक कार्यपालकों के साथ परस्पर कार्रवाई सत्र शामिल है।

केन्द्रीय सतर्कता आयोग और कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग के निदेशों के अनुरूप ''अनुशासनिक मामला अनुवीक्षण और प्रबंध सूचना प्रणाली (डीसीएम और एमआईएस)'' विकसित की गई है और सतर्कता के सभी मामले बेहतर अनुवीक्षण और एमआईआर के सृजन के लिए प्रणाली पर रखे हुए हैं।

सुरक्षा

कंपनी, उसके संयंत्रों, संस्थापनाओं और कार्यालयों की सुरक्षा का प्रबन्ध केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ), कंपनी की स्वयं अपनी सुरक्षा, केन्द्रीय पुलिस संगठनों से प्रतिनियुक्ति पर लिए गए सुरक्षा कार्मिकों, पुनर्स्थापन महानिदेशालय (डीजीआर) द्वारा प्रायोजित सुरक्षा एजेंसियों और कुछ मामलों में निजी सुरक्षा एजेंसियों द्वारा किया जाता है।

बड़े संयंत्रों की सुरक्षा लेखापरीक्षा आसूचना ब्यूरों द्वारा की जा रही है। सुरक्षा की समीक्षा भी समय–समय पर आंतरिक रूप से की जाती है।

प्रबन्धन, सुरक्षा कर्मचारी और कंपनी के कर्मचारियों को कंपनी की सुरक्षा संबंधी आवश्यकताओं के प्रति सुग्राही बनाया जाता है।

निदेशकों के दायित्व संबंधी ब्यौरे

कपनी अधिनियम 1956 की धारा 217 (2क क) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह पुष्टि की जाती है कि:

(i) 31 मार्च, 2005 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए वार्षिक लेखे तैयार करते समय वास्तविक विचलन से संबंधित समुचित व्याख्या के साथ–साथ लागू लेखाकरण मानकों का अनुपालन किया गया।

(ii) निदेशकों ने ऐसी लेखाकरण नीतियां तैयार की हैं और उन्हें निरंतर लागू किया है तथा ऐसे निर्णय और अनुमान किए हैं, जो कि इतने तर्क संगत और उपयुक्त हैं कि वित्तीय वर्ष 2004–2005 के अंत में कंपनी के कारोबार की स्थिति तथा इस अवधि के दौरान कंपनी के लाभ और हानि का सही उचित चित्र प्रस्तुत कर सकें।

(iii) निदेशकों ने कंपनी की परिसम्पत्तियों की सुरक्षा और जालसाजी तथा अन्य अनियमितताओं से बचाव के लिए कंपनी अधिनियम, 1956 के उपबंधों के अनुसार लेखा का समुचित रिकॉर्ड रखे जाने पर उपयुक्त एवं पर्याप्त ध्यान दिया।

(iv) निदेशकों ने "गोइंग कन्सर्न" आधार पर 31 मार्च, 2005 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए वार्षिक लेखा तैयार किया है।

लेखापरीक्षक

आपकी कंपनी के लेखापरीक्षकों की नियुक्ति भारत के नियंत्रक एवं महा लेखापरीक्षक द्वारा की जाती है। वर्ष 2004–2005 के लिए नियुक्त लेखापरीक्षकों के नाम वार्षिक रिर्पोट में अलग से मुद्रित हैं।

लेखापरीक्षक रिपोर्ट में उल्लिखित मुद्दों तथा भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की टिप्पणियों के उत्तर **अनुबंध–3** में दिए गए हैं। 31 मार्च, 2005 को समाप्त वर्ष के लिए कंपनी की लेखा की भारत के नियन्त्रक एवं महालेखापरीक्षक द्वारा की गई समीक्षा भी **अनुबंध–3** में दी गई है।

कारपोरेट अभिशासन

सूचीकरण करार के खंड 49 के अनुसार, कॉर्पोरेट अभिशासन की विस्तृत रिपोर्ट तथा कंपनी के लेखापरीक्षकों का प्रमाण–पत्र **अनुबंध–4** में दिया गया है।

अन्य सूचनाएँ

ऊर्जा के संरक्षण प्रौद्यौगिकी आमेलन, विदेशी मुद्रा अर्जन तथा व्यय से संबंधित कंपनी (निदेशक मंडल की रिपोर्ट में ब्यौरों का प्रकटन) नियम, 1998 के साथ पठित कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 217 (1) (ड.) के उपबंधों के अनुसार सूचना **अनुबंध–5** में दी गयी है।

कपनी का कोई भी कर्मचारी कंपनी (कर्मचारियों के ब्यौरे) नियम,1975 के साथ पठित कंपनी अधिनियम 1956 की धारा 217 (2क) के अधीन विहित सीमाओं से अधिक पारिश्रमिक का आहरण नहीं कर रहा है।

आभार

निदेशक मंडल कंपनी के बहुमूल्य भारतीय और विदेशी ग्राहकों को संगठन के प्रति उनके सहयोग एवं विश्वास के लिए हार्दिक धन्यवाद देता है और भविष्य में आपस में सहयोगपूर्ण संबंध बनाए रखने की आशा करता है।

निदेशक मंडल कंपनी के प्रचालन और विकास संबंधी योजनाओ में भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों, विशेषतः भारी उद्योग विभाग से प्राप्त सहयोग और मार्गदर्शन के लिए भी कृतज्ञतापूर्वक आभार प्रकट करता है। निदेशक मंडल भारत के नियंत्रक एवं महा लेखापरीक्षक, लेखापरीक्षक बोर्ड के अध्यक्ष एवं सदस्यों, सांविधिक लेखापरीक्षकों और शाखा लेखापरीक्षकों को भी हार्दिक धन्यवाद देता है। कंपनी सभी प्रौद्योगिकी सहयोगियों और आपूर्तिकर्ताओं से प्राप्त निरंतर सहयोग और वित्तीय संस्थाओं तथा बैंकरों द्वारा प्रदान किए गए समर्थन के लिए अपना आभार व्यक्त करती हैं। निदेशक मंडल बीएचईएल परिवार के सभी सदस्यों को भी अपना आभार व्यक्त करना चाहता है, जिनके उत्साह, समर्पण और सहयोग से संतोषजनक कार्यनिष्पादन संभव हो सका।

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड के
निदेशक मंडल के लिए तथा उनकी ओर से

ह./–
अशोक के.पुरी
अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 01 सितम्बर, 2005

प्रबंधन चर्चा एवं विश्लेषण

वित्तीय परिचालन

वर्ष कि लिए कुल कारोबार लगातार चौथे वर्ष नई ऊचाइयों तक पहुंच गया है, जिससे इसका आंकड़ा वर्ष 2003–04 में 86625 मिलियन रुपए की तुलना में, 103364 मिलियन रुपए तक पहुंचा है, जो कि 19.32% की वृद्धि है।

वर्ष 2003–04 के लिए 36800 मिलियन की तुलना में वर्ष 2004–05 के लिए मूल्य वर्धन 42540 मिलियन रुपए रहा, जिसने 15.60% की वृद्धि दर्ज की।

वर्ष के लिए कर–पूर्व लाभ 15816 मिलियन रुपए रहा और यह वर्ष 2003–04 में 10148 मिलियन रुपए के कर–पूर्व लाभ की तुलना में 55.85% अधिक है। उत्पादन के मूल्य की प्रतिशतता के रूप में सकल मार्जिन (उत्पाद शुल्क घटाकर) वर्ष 2003–04 में 16.14% की तुलना में बढ़कर 18.75% हो गई। उत्पादन के मूल्य की प्रतिशतता के रूप में कर–पूर्व लाभ वर्ष 2003–04 में 12.87% से बढ़कर वर्ष 2004–05 में 15.77% हो गया।

9534 मिलियन रुपए का कर–पश्चात् लाभ पिछले वर्ष में 6582 मिलियन रु के कर–पश्चात् लाभ की तुलना में 44.85% बढ़ गया है।

वर्ष के दौरान निवल कार्यशील पूंजी (नकद और बैंक शेष के अतिरिक्त) 2910 मिलियन रुपए बढ़ गई। इस वृद्धि में योगदान करने वाले कारक निम्नलिखित है :

(क) पिछले वर्ष की तुलना में विविध देनदारों में 13636 मिलियन रुपए की वृद्धि हुई।

(ख) मालसूची में 8122 मिलियन रुपए की वृद्धि हुई।

(ग) अन्य चालू परिसंपत्तियों और ऋणों तथा अग्रिमों में 2242 मिलियन रुपए की वृद्धि हुई।

तथापि, चालू देयताओं और प्रावधानों में 21090 मिलियन रुपए की वृद्धि ने कार्यशील पूंजी में वृद्धि को सीमांतिक रूप से प्रतिसंतुलित कर दिया है।

विविध देनदार वर्ष 2003–04 में 46085 मिलियन रुपए से बढ़कर वर्ष 2004–05 में 59721 मिलियन रुपए हो गए, जो 29.59% की वृद्धि है। बिक्री दिवसों की संख्या के रूप में विविध देनदार वर्ष 2003–04 में 194 दिवसों से बढ़कर वर्ष 2004–05 में 211 दिवस हो गए। यह वृद्धि मुख्यतः दीर्घ चक्र अवधि विद्युत परियोजनाओं की बिक्री की प्रधानता, आस्थगित भुगतानों की उच्चतर प्रतिशतता होने वाली राज्य संगठनों द्वारा भुगतान शर्तों में परिवर्तन, सरकारी विभागों द्वारा भुगतान में विलम्ब और निर्यातों के मामले में दस्तावेजों के सत्यापन की दीर्घ प्रक्रिया के कारण हुई है।

माल सूची पिछले वर्ष अर्थात 2003–04 में 21030 विभिन्न रुपए की तुलना में बढ़कर वर्ष 2004–05 में 29161 मिलियन रुपए हो गई। कुल कारोबार के दिवसों की संख्या में मालसूची वर्ष 2003–04 में 89 दिवसों से बढ़कर वर्ष 2004–05 में 103 दिवस हो गई। यह वृद्धि मुख्यतः उपलब्धता की अनिश्चितता के कारण इस्पात और पाइपों के लिए उच्चतर मालसूची धारिता, विक्रेताओं से दीर्घावधिक सुपुर्दगियां, इस्पात मूल्य में वृद्धि और वर्ष 2005–06 के लिए कुल कारोबार के उच्चतर लक्ष्य को पूरा करने के कारण हुई। यह वृद्धि ग्राहकों की स्वीकृति के लिए प्रतीक्षारत कुछ निर्मित वस्तुओं के कारण भी थी।

वर्ष के अंत में अल्पावधिक जमाराशियों सहित नकद और बैंक शेष पिछले वर्ष के अंत में 26596 मिलियन रुपए की तुलना में 31779 मिलियन रुपए है। इक्विटी राशि 2448 मिलियन रुपए रही। निवल मूल्य 7488 मिलियन रुपए बढ़कर 60269 मिलियन रुपए हो गया। ऋण–इक्विटी अनुपात वर्ष 2003–04 में 0.10 से सुधरकर वर्ष 2004–05 में 0.09 हो गया।

विद्युत क्षेत्र

- विद्युत क्षेत्र ने कुल 5518 मेगावाट के उत्पादन उपस्करों की आपूर्ति और संस्थापना तथा साथ ही सेवाओं और अतिरिक्त पुर्जों की आपूर्ति के लिए 134750 मिलियन रुपए मूल्य के ऑर्डर प्राप्त किए। यह किसी वित्तीय वर्ष में वित्तीय और वास्तविक रूप में विद्युत क्षेत्र द्वारा बुक किया गया अब तक का अधिकतम ऑर्डर है। 8 कोयला–आधारित परियोजनाओं के लिए ऑर्डर प्राप्त किए गए है, जिनमें से 6 परियोजनाएं नामतः मेजिया, चंद्रपुरा, संथालडीह, अमरकंटक, बकरेश्वर और भिलाई को टर्नकी/ईपीसी (इंजीनियरी, अधिप्राप्ति और निर्माण) आधार पर निष्पादित किया जाता है। यह किसी एक वर्ष में प्राप्त टर्नकी/ईपीसी के ऑर्डरो की अधिकतम संख्या है।
- अतिरिक्त पुर्जो और सेवा व्यवसाय के लिए 12856 मिलियन रुपए मूल्य का ऑर्डर भी किसी वर्ष में इस श्रेणी में प्राप्त ऑर्डरों की उच्चतम मात्रा है।
- वर्ष के दौरान विद्युत क्षेत्र द्वारा ऑर्डरों का 50% से भी अधिक अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धी बोली देने के माध्यम से प्राप्त किया गया।

वर्ष के दौरान बुक किए गए महत्वपूर्ण ऑर्डर निम्नानुसार थे।

कोयला (3630 मेगावाट)

(क) टर्नकी ऑर्डर :

- दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) की 2X250 मेगावाट मेजिया विस्तार यूनिट 5 और 6।
- डीवीसी की 2X250 मेगावाट चंद्रपुरा विस्तार यूनिट 7 और 8।
- पश्चिम बंगाल विद्युत विकास निगम लिमिटेड (डब्ल्यूबीपीडीसीएल) से 1X250 मेगावाट का संथालडीह
- डब्ल्यूबीपीडीसीएल से 2X210 मेगावाट यूनिट 4 और 5।
- भिलाई इलेक्ट्रिक सप्लाई कंपनी लिमिटेड (बीईएससीएल) से 2X250 मेगावाट भिलाई टीपीएस।

(ख) ईपीसी ऑर्डर :

- मध्यप्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड (एमपीएसईबी) से 1X210 मेगावाट अमरकंटक यूनिट 5।

(ग) विद्युत संयंत्र पैकेज :

- महाराष्ट्र राज्य विद्युत बोर्ड (एमएसईबी) से 1X250 मेगावाट पारस टीपीपी (एसजी, टीजी और अन्य पैकेज)
- नेशनल थर्मल पावर कारपोरेशन (एनटीपीसी) से 3X660 मेगावाट सीपत, चरण–I (आपूर्ति और इरेक्शन सहित ईएसपी पैकेज)
- जिंदल पावर लिमिटेड, रायगढ़ से 4X250 मेगावाट (एसजी और टीजी पैकेज)–स्वतंत्र विद्युत उत्पादक (आईपीपी) खण्ड में पहली बड़ी उपलब्धि।

गैस (330 मेगावाट)

- राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (आरवीयूएनएल) से धोलपुर में 330 मेगावाट गैस–आधारित संयुक्त चक्र विद्युत संयंत्र (सीसीपीपी)

जल विद्युत (1558 मेगावाट)

- पंजाब राज्य विद्युत बोर्ड (पीएसईबी) से 2X9 मेगावाट मुकेरियां एचईपी (इलेक्ट्रो–मैकेनिकल पैकेज)–बीएचईएल द्वारा भारत में सबसे बड़ा बल्ब जेनरेटिंग सेट निष्पादित किया जाना है।
- नेशनल हाइड्रोइलेक्ट्रिकल पावर कारपोरेशन (एनएचपीसी) से 3X40 मेगावाट सेवा एचईपी–II (इलैक्ट्रो–मैकेनिकल पैकेज)
- एनटीसीपी से 4X200 मेगावाट कोलडैम एचईपी (इलैक्ट्रो–मैकेनिक पैकेज)–यह प्रतिष्ठित मेगा परियोजना एनटीपीसी के जल विद्युत क्षेत्र में प्रवेश का संकेतक है।
- नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कारपोरशन (नीपको) से 4X150 मेगावाट कामेंग एचईपी (इलैक्ट्रो–मैकेनिकल पैकेज)– यह बीएचईएल द्वारा अब तक प्रदान किया गया हाइड्रो टर्बाइन फ्रांसिस किस्म की है, जिसमें उच्चतम शीर्ष है।

अन्य हाइड्रो ऑर्डर

- एमएसईबी से 1X20 मेगावाट मदीखेदा एचईपी (ईएम पैकेज)
- पटेल इंजी/कलवाकुट्टी लिफ्ट सिंचाई स्कीम, चरण–I (5X30 मेगावाट को पम्प और मोटर)

पीपीआई और आरएण्डएम ऑर्डर

- सेटों के डिजाइनशुदा रेटिंग कोबहाल करने के लिए सभी पैकेजों (संयंत्र के शेष सहित) के पुनरूत्थान के लिए गुजरात राज्य विद्युत निगम लिमिटेड (जीएसईसीएल) से उकई 2X120 मेगावाट के लिए मुख्य नवीकरण और आधुनिकीकरण परियोजना।
- लेफ्ट बैंक पावर हाउस की 5X180 मेगावाट से 5X126 मेगावाट तक रेटिंग बढ़ाने के लिए भाखड़ा व्यास प्रबंध बोर्ड (बीबीएमबी) से नवीकरण और आधुनिकीकरण परियोजना।

इरेक्शन और चालू करने का ऑर्डर–गैर–बीएचईएल न्यूक्लीय सेट

- कन्याकुमारी, तमिलनाडु के समीप कुडाकुलम में 2X1000 मेगावाट न्यूक्लीय परियोजना के लिए टीजी पैकेज और सेकेंडरी साइकिल पाइपिंग कार्य की संस्थापना के लिए न्यूक्लियर पावर कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल) से 830 मिलियन रुपए मूल्य का ऑर्डर।

बिक्री के बाद सेवा (एसएएस)

- प्रचालन और अनुरक्षण (ओएण्डएम) अतिरिक्त पुर्जो की आपूर्ति के लिए 8169 मिलियन रुपए मूल्य, नवीकरण और आधुनिकरण के लिए 2471 मिलियन रुपए मूल्य और सर्विस कार्यो के लिए 1385 मिलियन रुपए मूल्य के ऑर्डर। यह किसी एक वर्ष में एसएएस क्षेत्र में प्राप्त ऑर्डरों की उच्चत्तम यात्रा है।

चालू करना (कमीशनिंग)

- वर्ष के दौरान बीएचईएल ने देश की संस्थापित विद्युत ऊर्जा उत्पादन क्षमता में 3547.92 मेगावाट की वृद्धि करते हुए 21 यूटीलिटी सेटों की वृद्धि की है। इसके साथ, बीएचईएल द्वारा निर्मित सेटों की उत्पादन क्षमता 74780 मेगावाट हो गई है, जो यूटीलिटी क्षेत्र में सेवा की कुल संस्थापित क्षमता का 65% है। वर्ष के दौरान चालू थर्मल सेटों में शामिल हैः हरियाणा में पानीपत 7 और 8 (2X250 मेगावाट), पश्चिम बंगाल में मेजिया 4 (1X210 मेगावाट), उड़ीसा में तालचर 5 और 6 (2X250 मेगावाट), आंध्रप्रदेश में रामागुण्डम 7 (1X500 मेगावाट) और उत्तर प्रदेश में रिहंद 3(1X500 मेगावाट)। मिजोरम में बैराबी (4X5.73 मेगावाट) में 22.92 मेगावाट के चार डीजल सेट भी इस वर्ष केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण द्वारा क्षमता वृद्धि में शामिल किए गए।

  उपरोक्त के अतिरिक्त, 815 मेगावाट के 10 हाइड्रो सेट और 437 मेगावाट के 17 औद्योगिक सेट देश में चालू किए गए थे।

  वर्ष के दौरान विदेशी अवस्थानों में भी निम्नलिखित सेट चालू किए गए थे।

  – पीडीओ ओमान में 53 मेगावाट जीटी (कर्न आलम)
  – इंडोनेशिया में 2X10.8 मेगावाट एसटीजी
- शीघ्रतर सुपुर्दगी के माध्यम से ग्राहक की मांग की पूर्ति करना बीएचईएल की ओर से सतत प्रयास रहा है। वर्ष के दौरान बीएचईएल ने 37 माह 22 दिनों में रामागुण्डम

7(500 मेगावाट) चालू करके एक नया बेंचमार्क स्थापित किया। रिहंद 3(1x500 मेगावाट) केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण के वर्तमान वर्ष की चालू करने की योजना से आगे चालू किया गया एक अतिरिक्त सेट था।

- बीएचईएल ने कोठागुंडम–7 में आंध्रप्रदेश जेनरेशन कंपनी (एपीजेनको) के कोयला आधारित यूनिट का 110 मेगावाट की मूल क्षमता से 120 मेगावाट तक दर्जा बढ़ाया। इसके साथ, कोठागुंडम विद्युत संयंत्र के सभी चार 110 मेगावाट के सेटों की रेटिंग 120 मेगावाट तक बढ़ा दी गई है।

बीएचईएल के सेटों का निष्पादन

- बीएचईएल द्वारा आपूरित थर्मल सेटों का समग्र निष्पादन राष्ट्रीय औसत से बेहतर था।
  - बीएचईएल ने मार्च, 2005 तक देश की संस्थापित विद्युत उत्पादन क्षमता में 65% का योगदान दिया है, जिसने इसके बाद वर्ष 2004–05 के दौरान उत्पादित विद्युत ऊर्जा के 73% का योगदान दिया, जो बीएचईएल के सेटों के उत्कृष्ट निष्पादन का प्रमाण है।
  - बीएचईएल के थर्मल सेटों ने अब तक के 75.7% का उच्चतम संयंत्र यार अनुपात (पीएलएफ) प्राप्त किया, जो राष्ट्रीय औसत से 0.9% अधिक है। बीएचईएल को 500/250/200/210/195 मेगावाट के थर्मल सेटों, जो देश की विद्युत ऊर्जा उत्पादन क्षमता का मेरूदंड है, के संयुक्त पीएलएफ ने अबतक का उच्चतम 81.0% पीएलएफ दर्ज किया। इन सेटो की प्रचालन उपलब्धता (ओए) पिछले वर्ष के समान अपने शीर्ष महत्व को बनाए रखते हुए 88.5% थी। बीएचईएल के 250 मेगावाट और 500 मेगावाट के थर्मल सेटों ने वर्ष के दौरान क्रमशः 91% और 84.5% का पीएलएफ दर्ज किया।
  - बीएचईएल के 132 थर्मल सेटों ने 90 दिनों से अधिक के अबाधित प्रचालन का समय दर्शाया, जिसमें से 20 सेट वर्ष के दौरान लगातार 200 दिनों से अधिक तक चले।
  - वर्ष के दौरान बीएचईएल के हाइड्रो सेटों की यूनिट उपलब्धता 98.8% थी।
- बीएचईएल ने सर्वाधिक विद्युत आपूर्ति सुविधाजनक बनाने और विद्युत संयंत्रों को अच्छी चालू दशा में रखने के लिए लक्षित सक्षम ग्राहक सेवा प्रदान करने का प्रसास जारी रखा। वर्ष के दौरान विद्युत क्षेत्र ने बॉयलर, टीजी और सहायक उपकरणों जैसे कई उत्पादों को शामिल करते हुए 4 गैर–बीएचईएल सेटों सहित 91 थर्मल यूटीलिटी और औद्योगिक सेटों की पूर्ण मरम्मत की।

उद्योग क्षेत्र

पिछले वर्ष में 35670 मिलियन रुपए की तुलना में वर्ष 2004–05 में उद्योग क्षेत्र द्वारा अबतक का उच्चतम 41170 मिलियन रुपए का ऑर्डर प्राप्त किया गया।

प्राप्त मुख्य ऑर्डर निम्नानुसार है :

क. कैप्टिव विद्युत खण्ड

कोयला–आधारित :

- जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड से दुबुरी, उड़ीसा में 2x125 मेगावाट कैप्टिव विद्युत संयंत्र।
- अरसमेटा कैप्टिव पावर कंपनी प्राइवेट लिमिटेड से 1x43 मेगावाट एसटीजी।
- डीसीएम श्रीराम विनाइल एण्ड केमिकल्स, कोटा से 1x40 मेगावाट एसटीजी।
- आरती स्टील लिमिटेड से 1x40 मेगावाट एसटीजी
- ईआईडी पैरी से 1x22 मेगावाट एसटीजी +1x18 मेगावाट एसटीजी।
- भिलाई इस्पात संयंत्र से 1x15 मेगावाट एसटीजी।
- गुजरात अंबुजा सीमेंट से 135 टीपीएच के 2 सीएफबीसी बॉयलर।
- सीरपुर पेपर मिल्स से 675 टीपीडी केमिकल रिकवरी बॉयलर।

गैस आधारित

- एचपीसीएल, विजाग के सह–उत्पादन संयंत्र से 2xएफआर 5 जीटीजी।
- एसॉन एनर्जी, मुम्बई से 1xएफआर 9 जीटीजी।
- रिजेंसी पावर कारपोरेशन लिमिटेड से 1xएफआर 6 जीटीजी और 18.75 मेगावाट एसटीजी।
- रिलाएंस, जमनानगर और हजीरा से क्रमशः 2xएफआर 6 जीटीजी और 1xएफआर 6 जीटीजी।

ख. पारेषण व्यवसाय

- मुजफ्फरपुर, बिहार में पीजीसीआईएल से 400/220 केवी सब–स्टेशन।
- पंतनगर और हरिद्वार में उत्तरांचल पावर कारपोरेशन से 220/132/33 केवी सब–स्टेशन।
- एनटीपीसी, कोलडैम से 13x82 एमवीए जेनरेटर ट्रांसफॉर्मर।
- एनटीपीसी, सीपत से 3x200 एमवीए ऑटो ट्रांसफार्मर
- पीजीसीआईएल, कहलगांव–II से 4x315 एमवीए ऑटो ट्रांसफॉर्मर।

- विध्यांचल और बलिया में पीजीसीआईएल से 12X50 एमबीएआर शंट ट्रांसफॉर्मर।
- नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण, भोपाल से इंदिरा सागर लेफ्ट बैंक कैनाल के लिए 3X5 मेगावाट हेड पावर हाउस के लिए टर्नकी ऑर्डर।

ग. अन्य

- ओएनजीसी से 12 ड्रिलिंग रिंग का पुनःभार्जन।
- ओईओसीएल से उनके गुजरात–रिफाइनरी में एमएसक्यू (मोटर स्पिरिट क्वालिटी) परियोजना के लिए बीसीएल 600 श्रृंखला कंप्रेसर। इन कंप्रेसरों की विशिष्ट रूप से उच्चदाब की उच्च मात्रा निम्न परमाणु भार गैस प्रहस्तन के लिए अपेक्षा है–एक उल्लेखनीय उपलब्धि।
- एचपीसीएल, मुम्बई रिफाइनरी से वेट गैस कंप्रेसर और एयर ब्लोअर।
- टीईआईएल, केसेल इंजी. और बेलिस जैसे विभिन्न टर्बाइन ओईएम से 50 एल्टरनेटर – अभी तक का उच्च।
- 350 अ.श. से 1400 अ.श. के 15 शंटिंग लोको
- पश्चिम बंगाल के सुंदरबन क्षेत्र में स्थापित किए जाने वाले पश्चिम बंगाल नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी (डल्ब्यूबीआरईडीए) से 2X110 केडब्ल्यू और 3X55 केडब्ल्यू सोलर फोटोवोल्टिक विद्युत संयंत्र का ऑर्डर प्राप्त।
- रेलवे बोर्ड से 2 बेलास्ट क्लिनिंग मशीन – यह मशीन इस किस्म का बीएचईएल के लिए पहला है, जिसे इस क्षेत्र में विश्व के अग्रणियों से सख्त प्रतिस्पर्धा के विरूद्ध प्राप्त किया गया।

चालू करना (कमीशनिंग)

- वर्ष के दौरान कुल 437 मेगावाट के कैप्टिव/औद्योगिक सेट चालू किए गए–अब तक का उच्च।
- नेसापक्कम, चेन्नई में चेन्नई महानगर जलापूर्ति और मल–जल बोर्ड के 40 एमएलडी मल–जल शोधन संयंत्र सभी प्रदूषण नियंत्रण मानदण्डों की पूर्ति करते हुए निर्धारित समय से पूर्व चालू किया गया।
- एनटीपीसी, रिहंद एसटीपीपी, चरण–II (2X500 मेगावाट) विस्तार परियोजना की यूनिट–III को कोयले के पोषण के लिए कोयला प्रहस्तन संयंत्र।
- दामोदर घाटी निगम के लिए मेजिया टीपीएस, यूनिट–IV (1X210 मेगावाट) में राख प्रहस्तन संयंत्र और कोयला प्रहस्तन संयंत्र (विस्तार)
- एल्सटॉम के माध्यम से खन्ना पेपर मिल्स के लिए पहली बार बीएचईएल भोपाल द्वारा डिजाइन विकसित और विनिर्मित किया गया 17.5 मेगावाट 11 केवी 4 पी एल्टरनेट।
- ईपीडी, बंगलौर ने 220 केवी रेटिंग तक स्टेशन पोस्ट इन्सुलेटर्स को सफलतापूर्वक पूरा किया। वर्ष 2005–06 के दौरान 400 केवी का रेंज विकसित करने के प्रयास किए जा रहे हैं।
- 8064 अदद 300 केएन डिस्क इंसुलेटर निष्पादित और 7550 अदद 300 केएन डिस्क इंसुलेटर और 9300 अदद 300 केएन और 700 अदद 190 केएन टेंशन इंस्लुटर ''टाइको'', यूके के लिए निष्पादनाधीन।

अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय

बीएचईएल ने वर्ष के दौरान 6380 मिलियन रुपए के वास्तविक निर्यात ऑर्डर का आय प्राप्त किया।

वर्ष के दौरान मुख्य उपलब्धियों में निम्नलिखित शामिल है :

❑ बीएलईएल ने निम्नलिखित प्रतिष्ठित ऑर्डर प्राप्त किए, जिनमें से प्रत्येक अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय में समेकन की ओर बड़ा कदम उठाना प्रदर्शित करता है :

- पीटी मेराक, इंडोनेशिया से 2X60 मेगावाट स्टीम टर्बाइन आधारित थर्मल विद्युत संयंत्र।
- कंप्रेसर–एक लेखवेयर और तीन पेट्रोलियम डेवलेपमेंट ओमान की यिबाल परियोजना के लिए–सबसे बड़ा समुद्रपारीय ऑर्डर।
- सूडान रेलवे के लिए मेन लाइन डीजल इजेक्ट्रिक लोकोमोटिव–यह लोकोमोटिव के लिए अबतक का पहला निर्यात ऑर्डर है।
- थाई कार्बन ब्लैक कंपनी लिमिटेड, थाइलैंड से 15.3 मेगावाट एसटीजी पैकेज (आपूर्ति और पर्यवेक्षण)
- इटली और जर्मनी को सोलर सेल और पीवी मॉड्यूल। ये एसई परियोजना इटली और इरकॉन जर्मनी से प्राप्त अब तक के सबसे बड़े ऑर्डर थे, जिसने बीएचईएल की फोटोवोल्टिक के लिए निर्यात बाजार में उपस्थिति विस्तारित की।
- बंगलादेश, दक्षिण कोरिया, कजाकिस्तान, साइप्रस, ओमान, श्रीलंका, माल्टा, मलेशिया, ग्रीस, थाइलैंड और चीन से अतिरिक्त पुर्जो और सेवाओं के लिए ऑर्डर–एक निरंतर ध्यानकेंद्रित क्षेत्र।
- नाइजीरिया/बंगलादेश/सं.अ.अ./अफ्रीका के लिए 19 अदद मोटर।
- मैसर्स टीईआईएल और मैसर्स बेलिस के माध्यम से इंडोनेशिया और बंगलादेश के लिए 5 अदद 3 मेगावाट एलटी एल्टरनेटर।

मुख्य समुद्रपारीय ऑर्डरों का निष्पादन

- भारत से निर्यातित प्रथम उन्नत श्रेणी–गैस टर्बाइन जेनरेटर (2X70 मेगावाट आईएसडी) से सज्जित पेट्रोलियम

डेवलेपमेंट, ओमान की कर्न आलम विद्युत परियोजना को पूरा करने और सौंपने के साथ एक महत्वपूर्ण उपलब्धि प्राप्त की गई।

- बीएचईएल का दक्षिण–पूर्ण एशिया में पहली स्टीम चक्र परियोजना पीटी इंडो भारत रेयॉन, इंडोनेशिया के लिए 2X10.8 मेगावाट संयंत्र चालू किया गया था।

पूंजी निवेश

विनिर्माण प्रौद्योगिकी और सुविधाओं के निरंतर आधुनिकीकरण और विनिर्माण क्षमता की वृद्धि पर हमारे सतत बल से वर्ष 2004–05 के दौरान 1500 मिलियन रुपए का पूंजी निवेश किया गया। इसमें से 1010 मिलियन रुपए का निवेश प्रौद्योगिकी उन्नयन के लिए अद्यतन अत्याधुनिक विनिर्माण सुविधाएं प्राप्त करने और विनिर्माता यूनिटों में विभिन्न उत्पादों की क्षमता वृद्धि के लिए और 540 मिलियन रुपय वर्धित इरेक्शन और चालू करने की योजनाओं को तेज करने हेतु विभिन्न विद्युत संयंत्र कार्यस्थलों में उपस्करों के आधुनिकीकरण और उन्नयन के लिए था। ये निवेश विभिन्न उत्पादों के लिए क्षमता वृद्धि, विनिर्माण सुविधाओं का आधुनिकीकरण, समय चक्र में कमी, पुरानी सुविधाओं का उन्नयन/प्रतिस्थापन और इरेक्शन और चालू करने से संबद्ध उपस्करों का आधुनिकीकरण/उन्नयन सुविधाजनक बनाएंगे। आने वाले वर्षो में यूनिटों और कार्यस्थल दोनों में भी इन उद्देश्यों की ओर बल दिया जाएगा।

पूरी की गई योजनाएं

- एचईईपी, हरिद्वार में स्टीम टर्बाइन विनिर्माण सुविधाओं, फेज–I का आधुनिकीकरण।
- एचईईपी, हैदराबाद में जीटी नोजल और बकेट्स का आंतरिक निर्माण समर्थ बनाने के लिए सुविधाएं।
- स्वच्छ वातावरण और सांविधिक उत्सर्जन मानदंडों की पूर्ति के लिए सीएफएफपी/हरिद्वार में फ्यूम एक्सट्रैक्शन और कलेक्शन सिस्टम।

इसके अतिरिक्त, निम्नलिखित अनुमोदित योजनाएं कार्यान्वयनाधीन थीं :

भोपाल यूनिट में

- गुणवत्ता सुधारने और विनिर्माण क्षमता को 2500 मेगावाट तक बढ़ाने के लिए हाइड्रो उत्पाद विनिर्माण सुविधाओं का आधुनिकीकरण।
- 20,000 एमवीए तक क्षमता वृद्धि के लिए ट्रांसफार्मर विनिर्माण प्रचालनों के लिए सुविधाओं की वृद्धि (भोपाल और झांसी में)

हरिद्वार यूनिट में

- विनिर्माण चक्र कम करने और गुणवत्ता सुधारने के लिए स्टीम टर्बाइन विनिर्माण सुविधा, फेज–II और जेनरेटर विनिर्माण सुविधाओं का आधुनिकीकरण।
- स्टीम टर्बाइन और जेनरेटर सुविधाओं की प्रतिवर्ष 5200 मेगावाट तक वृद्धि।
- 3500 मेगावाट तक क्षमता वृद्धि के लिए नया ब्लेड शॉप, फेज–II

हैदराबाद यूनिट में :

- पम्प, जेनरेटर और हीट एक्सचेंजर के लिए विनिर्माण सुविधाओं का आधुनिकीकरण।
- उन्नत श्रेणी और बड़े आकार के गैस टर्बाइन के लिए सुविधा की वृद्धि, एफआर–9ई कंप्रेसर रोटर की मरम्मत के लिए सुविधाएं और एफआर9एफए जीटी के लिए एसेम्बली और परीक्षण सुविधाओं की स्थापना।
- पल्वेराइजर विनिर्माण सुविधाओं की क्षमता वृद्धि।

इलेक्ट्रॉनिक्स प्रभाग–बंगलौर यूनिट

- मैक्स डीएनए प्रौद्योगिकी के लिए विनिर्माण सुविधाओं की वृद्धि
- रूपान्तरण क्षमता बढ़ाने के लिए एंटी–रिफ्लैक्शन कोटिंग के साथ पोली क्रिस्टेलिन सिलिकॉन सोलर सेल प्रौद्योगिकी का विकास

निवेश की ये योजनाएं कंपनी को अत्याधुनिक मशीनों के साथ अपनी विनिर्माण सुविधाओं का आधुनिकीकरण और उन्नयन करने, विनिर्माण क्षमता में वृद्धि करने, चक्र समय कम करने और बाजार की बढ़ती हुई चुनौतियों और अवसरों का सामना करने और सबसे अधिक ग्राहक की संतुष्टि बढ़ाने में समर्थ बनाएंगी।

अत्याधुनिक वृद्धिवारी प्रौद्योगिकी

मौजुदा और नए उत्पादों/प्रणालियों के लिए नए अग्रणी/वृद्धिकारी प्रौद्योगिकियां विकसित करने के अपने प्रयास में कंपनी ने सिमुलेटर के लिए कम्प्यूटेशनल फ्लूड डाइनेमिक्स (सीएमडी) और कारपोरेट आरएण्डडी हैदराबाद में स्थायी मैगनेट मशीन के लिए उत्कृष्टता केन्द्र स्थापित किया है और कुल लगभग 130 मिलियन रुपए के परिव्यय से त्रिची में मौजूदा स्वीकृत गैसीकरण संयुक्त चक्र (आईजीसीसी) संयंत्र का उन्नयन किया है। इसके अतिरिक्त, सरफेस इंजीनियरिंग के लिए 90 मिलियन रुपए के परिव्यय से एक उत्कृष्टता केंद्र भी कार्यान्वयनाधीन है।

विनिर्माण में सूचना प्रौद्योगिकी के लिए भी निवेश किए जा रहे हैं।

10वीं योजनावधि में पूंजी निवेश :

बीएचईएल ने यूनिटों में अपने विभिन्न उत्पादों और विभिन्न विद्युत संयंत्र कार्यस्थलों के लिए इरेक्शन और कमीशनिंग उपस्कर के लिए 10वीं योजनावधि के दौरान 11000 मिलियन रुपए से अधिक

का निवेश करने की योजना तैयार की है। 10वीं योजना के पहले तीन वर्षों के दौरान इन सभी क्षेत्रों के लिए कुल लगभग 4600 मिलियन रुपए का पूंजी व्यय किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त, वर्ष 2005–06 के दौरान इनके लिए लगभग 3100 मिलियन रुपए के निवेश की योजना बनाई गई है, जिसमें विद्युत संयंत्र कार्यस्थल सुविधाओं की वृद्धि के अतिरिक्त, निम्नलिखित मुख्य योजनाएं शामिल हैं :

- अद्यतन अत्याधुनिक सुविधाएं प्रारंभ करने और प्रति वर्ष 5200 मेगावाट तक क्षमता विस्तार के लिए हरिद्वार में ब्लेड शॉप फेज–III
- अद्यतन अत्याधुनिक सुविधाओं, जेनरेटर की क्षमता वृद्धि के साथ हैदराबाद में ब्लेड शॉप और पम्प शॉप।
- प्रतिवर्ष 35 मेगावाट/50 मेगावाट से अधिक क्षमता बढ़ाने के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स प्रभाग, बंगलौर में अ–पारम्परिक ऊर्जा स्त्रोतों के क्षेत्र में पीवी सेल और मॉड्यूल के लिए क्षमता वृद्धि।
- भोपाल में 145 केवी और उच्चतम वोल्टता अनुप्रयोग के लिए गैस–इन्सुलेटेड सब–स्टेशन।

सुधार और रेट्रोफिटिंग प्रयास

सुधार करके, नवीकरण, उन्नयन और रेट्रोफिटिंग द्वारा मौजूदा सुविधाओं की अवधि और गुणवत्ता बढ़ाने, वर्धित उत्पादकता होने वाली यथार्थता और विश्वसनीयता की बहाली के लिए भी निरंतर बल दिया जा रहा है। वर्ष 2004–05 में ऐसे कार्यकलापों पर 392 मिलियन रुपए की राशि व्यय की गई थी और वर्ष 2005–06 के लिए 500 मिलियन रुपए से अधिक का व्यय योजनाबद्ध है।

संयुक्त उपक्रम

बीएचईएल द्वारा प्रवर्तित दोनों संयुक्त उद्यम कंपनियों अर्थात जीई, सं.रा.अ. के साथ जीई के डिजाइन किए गए गैस टर्बाइनों की मरम्मत और सर्विसिंग के लिए ''बीएचईएल–जीई गैस टर्बाइन सर्विसेज लिमिटेड'' (बीजीजीटीएस) और सीमेन्स एजी, जर्मनी के साथ पुराने जीवाश्म ईंधन विद्युत संयंत्रों के संयंत्र निष्पादन सुधार के लिए ''पावर प्लांट परफॉर्मेंस इम्प्रुवमेंट लिमिटेड'' (पीपीआईएल) ने अब प्रचालन के सात पूर्ण वित्तीय वर्ष पूरे कर लिए हैं।

- वर्ष के दौरान पीपीआईएल ने कोठगुडम टीपीएस में चौथी यूनिट को 110 मेगावाट से 120 मेगावाट में पुनःमार्जित और दर्जा बढ़ाया है। इसके अतिरिक्त, कोरबा(पूर्व) की दूसरी 120 मेगावाट की यूनिट को भी पुनःमार्जन के बाद सिंकोनाइज किया गया था। पीपीआईएल ने अबतक कोठागुडम की चार यूनिटों का सफलतापूर्वक दर्जा बढ़ाया है और पुनःमार्जन कार्य करने के बाद नेवेली, दुर्गापुर और कोरबा(पूर्व) ताप विद्युत स्टेशनों का कार्यनिष्पादन बढ़ाया है। वर्ष 2004–05 के दौरान पीपीआईएल की कुल आय और व्यय क्रमशः 55.58 मिलियन रुपए (अलेखापरीक्षित) और 67.68 मिलियन रुपए (अलेखापरीक्षित) था।
- वर्ष 2004–05 के दौरान बीजीजीटीएस ने 270 मिलियन रुपए के कर–पश्चात लाभ के साथ 2405 मिलियन रुपए की बिक्री का कुल कारोबार प्राप्त किया। वर्ष के दौरान 2508 मिलियन के ऑर्डर बुक किए गए। बीजीजीटीएस ने बीपीसीएल, मुम्बई के लिए गैस से नेफ्था में 2xएफआर 5 गैस टर्बाइन के लिए ईंधन रूपान्तरण परियोजना को सफलतापूर्वक पूरा करने के अतिरिक्त भारत में पहली बार मार्क–VI कंट्रोल्स के लिए उल्लेखनीय रेट्रोफिट ऑर्डर प्राप्त किया है। वर्ष के दौरान, बीजीजीटीएस ने प्रौद्योगिकी और गुणवत्ता के रूप में प्रतिस्पर्धा में अपनी अग्रणी स्थिति बनाए रखने के लिए रोबॉट और एचबीओएफ (उच्च गति ऑक्सी ईंधन) जोड़कर अपने रिपेयर शॉप में कोटिंग सुविधा बढ़ाई है। बीजीजीटीएस ने वर्ष 2004–05 के लिए 425% का अंतिम लाभांश अदा किया है।

अनुसंधान एवं विकास तथा प्रौद्योगिक उपलब्धियां

आंतरिक अनुसंधान और विकास के माध्यम से विकसित पिछले पांच वर्षों के दौरान वाणिज्यिीकृत उत्पादों और प्रणालियों से वर्ष 2004–05 में 9422 मिलियन रुपए का कुल कारोबार प्राप्त किया गया।

अनुसंधान और विकास कार्यक्रमों पर 1252 मिलियन रुपए की राशि व्यय की गई थी। इसमें से 977 मिलियन रुपए का व्यय नए उत्पाद और प्रणाली विकास तथा लागत प्रभावोत्पादकता और उच्चतर विश्वसनीयता, क्षमता, उपलब्धता, गुणवत्ता आदि के लिए मौजूदा उत्पादों में सुधार पर ध्यान देते हुए राजस्व व्यय पर किया गया था। इसके अतिरिक्त, अनुसंधान और विकास के लिए पूंजीगत परिसंपत्तियों की खरीद के लिए 275 मिलियन रुपए का व्यय किया गया है।

वर्ष के दौरान महत्वपूर्ण उपलब्धियों में निम्नलिखित शामिल हैं:

- कम्प्यूटेशनल फ्लूड डायनेमिक्स (सीएफडी) के लिए एक उत्कृष्टता केन्द्र बीएचईएल के कारपोरेट अ. और वि. प्रभाग हैदराबाद में स्थापित किया गया है। यह केन्द्र सीएफडी जो जटिल जियोमीट्रिक में द्रव प्रवाह के डिजाइनरों को मूल्यवान अंतर्दृष्टि देने में दक्ष महत्वपूर्ण साधन के रूप में उभरा है, के क्षेत्र में बीएचईएल की दक्षता बढ़ाएगा। उन्नत सॉफ्टवेयर और तकनीकी रूप से दक्ष और प्रशिक्षित कार्मिकों द्वारा नियंत्रित यह केन्द्र विद्युत और औद्योगिक क्षेत्र के व्यापक किस्म के उत्पादों की पूर्ति करेगा। यह बीएचईएल को उच्च क्षमता वाले हाइड्रो टर्बाइन की डिजाइन बनाने और बॉयलर फर्नेस, बाउल मिल्स, इलेक्ट्रोस्टेटिक प्रेसिपिटेटर्स, स्टीम टर्बाइन और कंप्रेसर ब्लेडिंग, पम्प, फैन और हीट रिकवरी स्टीम जेनरेटरों आदि जैसे विभिन्न थर्मल विद्युत संघटकों का निष्पादन सुधार करने में सक्षम बनाएगा।

- बीएचईएल ने स्थायी मैगनेट मशीनों के विकास के लिए अपने कारपोरेट अनुसंधान और विकास प्रभाग, हैदराबाद में एक उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किया है। यह केंद्र रख–रखाव युक्त प्रचालन के साथ औद्योगिक और रणनीतिक अनुप्रयोगों के लिए उपयुक्त उच्च क्षमता की कम्पैक्ट और सक्षम स्थायी मैगनेट मशीनें विकसित करने के लिए समर्पित है।
- पहली बार, थर्मल विद्युत स्टेशनों में कोयले को चूर्ण करने के लिए प्रति घंटे 91 टन की क्षमता के बीएचईएल 280 मिल नामक इष्टतमीकृत बाउल मिल देश में डिजाइन, विनिर्मित और महाराष्ट्र राज्य विद्युत बोर्ड के 500 मेगावाट वाले चंद्रपुर कार्यस्थल में सफलतापूर्वक चालू किया गया है। इष्टतमीकृत क्षमता से थर्मल विद्युत स्टेशनों के लिए अपेक्षित मिल की संख्या कम हो सकेगी। इसका प्रयोग उच्चतर दक्षता के थर्मल विद्युत संयंत्रों में भी किया जा सकता है।
- बीएचईएल ने आंतरिक रूप से अभी तक आपूरित 40 मेगावाट के अधिकतम आकार की तुलना में विद्युत उत्पादन के लिए सबसे बड़ा 60 मेगावाट बबलिंग फ्लूडाइज्ड बेड कम्बशन बॉयलर विकसित किया है। इन नये बॉयलरों से पुराने 60 मेगावाट के पल्वेराइज्ड ईंधन बॉयलरों के प्रतिस्थापन की अधिकतम संभावना है, जो यहां तक कि कोयले की खराब गुणवत्ता से भी मूल उत्पादन क्षमता दुबारा प्राप्त कर सकता है। इस विकास ने कंपनी के लिए व्यवसाय का एक नया मार्ग प्रशस्त किया है।
- 250 मेगावाट की परीछा यूनिट–3 के लिए पहला पूर्ण संसेचित टर्बो जेनरेटर स्टेटर सफलतापूर्वक विनिर्मित और परीक्षित किया गया है। इस उपलब्धि से बीएचईएल ने जेनरेटर डिजाइन और विनिर्माण प्रौद्योगिकी के एक नए युग में प्रवेश किया है। इस मशीन में कई डिजाइन संबंधी और प्रौद्योगिकीय विशेषताएं है नामतः अत्याधुनिक इंसुलेशन प्रौद्योगिकी (पूर्णतः निर्वात संसेचित स्टेटर), उच्चतर थर्मल स्थायित्व, वर्धित विद्युतीय अवधि और वृहतर प्रचालन अवधि। बीएचईएल के पास इस डिजाइन के 14 सेट का ऑर्डर है।
- बीएचईएल ने संयुक्त चक्र विद्युत संयंत्रों के उपयुक्त डिजाइन किए गए 260 मेगावाट का स्टीम टर्बाइन विकसित किया है, जिन्हें सर्वाधिक सक्षम माना जाता है क्योंकि इनमें उच्चतम ईंधन से विद्युत ऊर्जा रूपान्तरण क्षमता होती है। इस डिजाइन का प्रस्ताव एनटीपीसी के कवास स्थित संयुक्त चक्र संयंत्र के लिए दिया गया है।
- ग्रीनफील्ड परियोजनाओं जहाँ ऑक्जिलियरी स्टीम उपलब्ध नहीं होता, की आवश्यकता पूरी करने और चालू करने की अवधि कम करने के लिए एक नई पारिस्थितिकी अनुकूल, लागत प्रभावी और कार्बनिक रसायन ''इथीलिन डायामाइन टेट्रा एसीटिक एसिड (ईटीडीए)'' का प्रयोग करने वाले बॉयलरों के लिए कम खतरनाक रासायनिक शोधन प्रणाली प्रक्रिया पारम्परिक हाइड्रोक्लोरिक एसिड (एचसीआई) के विकल्प के रूप में विकसित की गई है और उसका कार्यान्वयन सफलतापूर्वक पानीपत और मेजिया टीपीएस में 210/250 मेगावाट के बॉयलरों में किया गया है। इस प्रक्रिया से चक्र समयावधि में लगभग 20 दिनों की कमी हुई है।

मानव संसाधन विकास

औद्योगिक संबंध

वर्ष के दौरान भागीदारिता की संस्कृति पर बल देना जारी रहा और कंपनी की विभिन्न यूनिटों और सेवा प्रभागों में औद्योगिक संबंध सौहार्दपूर्ण और मैत्रीपूर्ण रहे। शीर्ष स्तरीय द्विपक्षीय मंच (संयुक्त समिति) की एक अद्वितीय बैठक जुलाई, 2004 के माह में दो दिनों के लिए कार्यशाला के रूप में आयोजित की गई। कार्यशाला का विषय ''उत्कृष्टता की रूपरेखा'' था। केंद्रीय मजदूर संघों के नेताओं और बीएचईएल की सभी यूनिटों से यूनियनों के प्रतिनिधियों ने कार्यशाला में बहुत उत्साहपूर्वक भाग लिया। आर्थिक और व्यावसायिक वातावरण तथा कंपनी के समक्ष चुनौतियों के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई थी। बैठक के दौरान विभिन्न विषयों पर गठित सिंडिकेट समूहों ने मानव और मशीनरी के प्रभावी उपयोग से संबंधित मूल्यवान सुझाव और सिफारिशें कीं।

उपरोक्त कार्यशाला के अतिरिक्त, वर्ष के दौरान संयुक्त समिति की दो और बैठकें आयोजित की गई थीं। इसी प्रकार वर्ष के दौरान कंपनी की विभिन्न यूनिटों में संयंत्र परिषदों की 76 बैठकें और शॉप परिषदों की 386 बैठकें आयोजित की गई थीं।

उपरोक्त कार्यशाला के अतिरिक्त, कर्मचारियों ने प्राकृतिक आपदाओं, जिन्होंने वर्ष के दौरान हमारे राष्ट्र को प्रभावित किया, के लिए अपने देशवासियों के प्रति निष्ठा प्रदर्शित की और नीचे दिए गए विवरण के अनुसार राशियों का अंशदान किया :

क) देश में अभूतपूर्व बाढ़	- 28.5 मिलियन रुपए
ख) व्यापक समुद्रतल भूकंप द्वारा चालित भूकंपीय समुद्री ज्वार	- 30 मिलियन रुपए

बीएचईएल उत्कृष्टता पुरस्कार

कंपनी की प्रगति, लाभदायकता और छवि में कर्मचारी के उत्कृष्ट योगदान को मान्यता प्रदान करने, पुरस्कृत करने तथा रिकार्ड में दर्ज करने का हमारा उद्देश्य बीएचईएल उत्कृष्टता पुरस्कार योजना द्वारा सफलतापूर्वक पूरे किए गए, जिसने अपना चौथा वर्ष नवम्बर, 2004 में मनाया।

तेजी से परिवर्तनशील व्यावसायिक वातावरण कई चुनौतियां प्रस्तुत कर रहा है, जिसके लिए विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्ति हेतु उत्साह प्रदर्शन की अपेक्षा है। सही रूप से, बीएचईएल उत्कृष्टता

पुरस्कार योजना उत्कृष्टता प्रदर्शित करने के लिए अवसर शामिल कर रही हैं और नए मार्ग बना रही है और परिपक्व हो रही है। इस प्रयास में संकटपूर्ण स्थितियों में कर्मचारियों द्वारा प्रदर्शित प्रतिबद्धता की असाधारण भावना को मान्यता देने के लिए पिछले वर्ष पुरस्कार की एक नई श्रेणी ''प्रतिभादाता पुरस्कार'' प्रारंभ की गई थी।

पुरस्कारों की प्रत्येक श्रेणी के लिए उसके अनिवार्य विशेषताओं और परिणामों पर ध्यान देते हुए मानदंडों का सुपरिभाषित सेट उद्देश्यपरकता और औचित्य का तत्व बनाए रखने में सहायता करता है।

अभूतपूर्व प्रत्युत्तर, जो पिछले दो वर्षों का क्रम रहा है, वर्ष 2003–04 में जारी रहा। पुरस्कारों की इस श्रेणियों के अधीन विभिन्न यूनिटों/प्रभागों से प्राप्त 109 नामांकनों की संवीक्षा की गई थी और जांच समिति द्वारा सूची तैयार की गई थी। सूची बनाई गई प्रविष्टियों का एक उच्च स्तरीय जूरी द्वारा मूल्यांकन किया गया था और कुल 56 कर्मचारियों के लिए पुरस्कारों की घोषणा की गई थी। तिरूचि काम्पलेक्स वर्ष 2003–04 के लिए बौद्धिक संपत्ति संबद्ध कार्यकलापों हेतु उच्चतम अंक प्राप्त करते हुए विजेता रहा और जिससे उसने अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक का पुरस्कार प्राप्त किया।

बीएचईएल की यूनिटों और कर्मचारियों द्वारा जीते गए पुरस्कार

- **प्रधानमंत्री का श्रम पुरस्कार–2004 (श्रम मंत्रालय द्वारा दिया जाने वाला)**

  प्रधानमंत्री का श्रम पुरस्कार केंद्र और राज्य सरकारों के निजी और सरकारी क्षेत्र में कामगारों को उनके विशिष्ट कार्यनिष्पादन, अभिनव योग्यताओं, उत्पादकता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान और असाधारण साहस तथा सूझ–बूझ के प्रदर्शन के लिए दिया जाता है।

  वर्ष 2004 के लिए बीएचईएल के 14 कामगारों ने इस वर्ष घोषित एकमात्र श्रम भूषण पुरस्कार सहित प्रधानमंत्री के 8 श्रम पुरस्कार (किसी वर्ष में अधिकतम) प्राप्त किए। इन पुरस्कारों में निजी क्षेत्र ने पहली बार भाग लिया, जिससे प्रतिस्पर्धा और सख्त बना दी। बीएचईएल ने सभी सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा मिलाकर जीते गए कुल पुरस्कारों का 50% प्राप्त किया। ये पुरस्कार हरिद्वार, त्रिची, हैदराबाद, भोपाल और इलेक्ट्रो–प्रोर्सलीन प्रभाग के कर्मचारियों द्वारा जीते गए।

- **विश्वकर्मा राष्ट्रीय पुरस्कार (श्रम मंत्रालय द्वारा दिया जाने वाला)**

  विश्वकर्मा पुरस्कार किसी संगठन में किसी कामगार अथवा कामगारों के दल (फैक्टरी अधिनियम, 1948 के अधीन शामिल)' द्वारा उत्पादकता सुधारने के लिए अपने/उनके सुझावों के माध्यमों से किए गए उल्लेखनीय योगदान के मान्यतास्वरूप दिया जाता है।

  वर्ष 2003 के लिए इन पुरस्कारों की घोषणा वर्ष 2004–05 में की गई थी। बीएचईएल के 11 कर्मचारियों ने वर्ष 2003 के लिए 5 पुरस्कार जीते।

- **राष्ट्रीय सुरक्षा पुरस्कार (श्रम मंत्रालय द्वारा दिया जाने वाला)**

  राष्ट्रीय सुरक्षा पुरस्कार औद्योगिक उपक्रम (फैक्टरी अधिनियम, 1948 के अधीन शामिल) द्वारा अच्छे सुरक्षा निष्पादन और दुर्घटना निवारण कार्यक्रमों में प्रबन्धन और कामगारों दोनों की दिलचस्पी बढ़ाने और बनाए रखने के मान्यतास्वरूप दिया जाता है।

  वर्ष 2003 के लिए विजेता श्रेणी में बीएचईएल द्वारा 4 राष्ट्रीय सुरक्षा पुरस्कार, जिनकी घोषणा वर्ष 2004–05 के दौरान की गई है, जीते गए।

- **पद्मश्री**

  भारत सरकार ने भोपाल यूनिट के श्री बी.एल. चोकसी को पद्मश्री पुरस्कार प्रदान किया है। यह पुरस्कार विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में है और इसकी घोषणा गणतंत्र दिवस, 2005 के अवसर पर की गई थी। श्री चोकसी ने इसके पूर्व कई बार प्रधानमंत्री का श्रम पुरस्कार और विश्वकर्मा पुरस्कार जीता है।

- **भारतीय राष्ट्रीय सुझाव योजना संघ पुरस्कार (इन्सान पुरस्कार)**

  ये पुरस्कार सुझाव योजना में उत्कृष्टता के लिए भारतीय राष्ट्रीय सुझाव योजना संघ द्वारा दिए जाते हैं। इस वर्ष के लिए पुरस्कार दिसम्बर, 2004 में दिए गए थे। प्रतियोगिता–2004 के लिए दिए गए 14 पुरस्कारों में से बीएचईएल द्वारा 4 पुरस्कार जीते गए (भोपाल, हरिद्वार, त्रिची और हैदराबाद प्रत्येक द्वारा एक–एक)

- **सीआईआई ऊर्जा उत्कृष्टता पुरस्कार**

  यह पुरस्कार सीआईआई द्वारा दिया जाता है और इस वर्ष यह पुरस्कार ''ऊर्जा प्रबन्धन में ''उत्कृष्टता'' के लिए एचईईपी–हरिद्वार यूनिट द्वारा जीता गया है। कुल 18 प्रविष्टियों को पुरस्कृत किया गया था।

- **मानव संसाधन विकास**

वर्ष 2004–05 के दौरान नोएडा में एचआरडीआई और यूनिटों में एचआरडीसी में 41359 प्रतिभागियों को विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में शामिल किया गया। वर्ष के दौरान प्रति कर्मचारी प्रशिक्षण मानव दिवस बढ़कर 4.12% हो गया। हमारी सामाजिक वचनबद्धता के भाग के रूप में 4500 से अधिक प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षित किया गया।

ग्राहकों/बाह्य संगठनों के लिए कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। वर्ष के दौरान 371 इंजीनियरों/कार्यपालक प्रशिक्षणार्थियों को सम्मिलित किया गया था, जो विभिन्न यूनिटों में एक–वर्षीय प्रवेश कार्यक्रम पूरा कर रहे हैं। ग्राहकों और अन्य संगठनों से 1916 प्रतिभागियों को भी बीएचईएल के मानव संसाधन विकास केंद्रों और मानव संसाधन विकास संस्थान में प्रशिक्षित किया गया था।

अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़े वर्गों के कल्याण और उन्नति के लिए कंपनी के कार्यकलाप

कंपनी राष्ट्रपति के निर्देशों और भारत सरकार द्वारा अ.जा., अ.ज.जा. और अ.पि.व. के आरक्षण से संबंधित जारी दिशानिर्देशों का अक्षरशः अनुपालन कर रही है। वर्ष के दौरान अ.जा. और अ.ज.जा. के सामाजिक आर्थिक विकास पर केंद्रित कई सामुदायिक विकास कार्यकलाप बीएचईएल द्वारा अपनाए गए गांवों में किए गए।

अ.जा./अ.ज.जा./अ.पि.व. के कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व

दिनांक 1.1.2005 की यथास्थिति कुल मानवशक्ति में अ.जा./अ.ज.जा./अ.पि.व. के कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व क्रमशः 18.45%, 4.01% और 6.61% था।

दिनांक 1.1.2005 की यथास्थिति अ.जा., अ.ज.जा. और अ.पि.व. का प्रतिनिधित्व दर्शाते हुए संशोधित निर्धारित प्रारूप में सरकार को प्रस्तुत किया गया वार्षिक विवरण और गत कैलेडर वर्ष के दौरान की गई नियुक्तियों की संख्या **अनुबंध–क** में दी गई है।

दिनांक 1 जनवरी, 2005 की यथास्थिति विकलांग कर्मचारियों की मानवशक्ति संख्या

दिनांक 1.1.2005 की यथास्थिति कंपनी में विकलांग कर्मचारियों की समूह–वार संख्या **अनुबंध–ख** में दी गई है।

दिनांक 31.3.2005 की यथास्थिति बीएचईएल में मानवशक्ति संख्या

दिनांक 31.3.2005 की यथास्थिति बीएचईएल में मानवशक्ति संख्या 43302 थी।

अनुबंध–क

दिनांक 1.1.2005 को कुल कर्मचारियों की संख्या और उनमें से अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों तथा अन्य पिछड़े वर्गों का प्रतिनिधित्व दर्शाने वाला विवरण

	अ.जा./अ.ज.जा./अ.पि.व. का प्रतिनिधित्व (दिनांक 01.01.2005 की यथास्थिति)				कैलेण्डर वर्ष 2004 के दौरान की गई नियुक्तियां									
					सीधी भर्ती द्वारा				पदोन्नति द्वारा			प्रतिनियुक्ति/आमेलन द्वारा		
समूह	कर्मचारियों की कुल संख्या	अ.जा.	अ.ज. जा.	अ.पि.व.	कुल	अ.जा.	अ.ज. जा.	अ.पि.व.	कुल	अ.जा.	अ.ज. जा.	कुल	अ.जा.	अ.ज. जा.
समूह क	11350	1433	463	805	375	59	25	109	0	0	0	0	0	0
समूह ख	11239	1586	322	210	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
समूह ग	18314	4187	875	1511	27	5	1	11	0	0	0	0	0	0
समूह घ (सफाई कर्म. को छोड़कर)	2178	525	76	334	9	5	0	0	0	0	0	0	0	0
समूह घ (सफाई कर्मचारी)	311	275	3	9	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
कुल	**43392**	**8006**	**1739**	**2869**	**411**	**69**	**26**	**120**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**

अनुबंध–ख

दिनांक 1.1.2005 को कुल कर्मचारियों में विकलांग व्यक्तियों की समूहवार संख्या		
समूह	कर्मचारियों की कुल संख्या	विकलांग व्यक्तियों की संख्या
क	11350	76
ख	11239	74
ग	18314	245
घ	2489	26
कुल	**43392**	**421**

आंतरिक नियंत्रण प्रणाली

कार्यकलापों के सभी महत्वपूर्ण क्षेत्रों जैसे बजट, क्रय, सामग्री, भंडार, निर्माण कार्य, लेखा, कार्मिक आदि को शामिल करते हुए प्रबन्धन द्वारा जारी विभिन्न संहिताओं, नियमपुस्तिकाओं और कार्यविधियों के रूप में निर्धारित कंपनी में एक पर्याप्त आंतरिक नियंत्रण कार्यविधि है। इन संहिताओं, नियमपुस्तिकाओं और कार्यविधियों को समय–समय पर अद्यतन किया जाता है और ये सख्त अनुपालन के अधीन होते हैं, जिसका अनुवीक्षण आंतरिक लेखापरीक्षा द्वारा किया जाता है। कंपनी में सभी विनिर्माण यूनिटों और कंपनी के क्षेत्रीय कार्यालयों में स्थित पूर्ण सज्जित आंतरिक लेखापरीक्षा कक्ष है, जो निदेशक (वित्त)/निदेशक मंडल स्तर की लेखापरीक्षा समिति द्वारा अनुमोदित वार्षिक लेखापरीक्षा कार्यक्रम के अनुसार लेखापरीक्षा करते हैं और उसका अनुवीक्षण कारपोरेट आंतरिक लेखापरीक्षा द्वारा किया जाता है। आंतरिक लेखापरीक्षा का मुख्य उद्देश्य आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता और प्रभावोत्पादकता की जांच करना है। आंतरिक लेखापरीक्षा के कार्यकरण और आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता की समीक्षा यूनिट स्तर लेखापरीक्षा समितियों की सहायता से निदेशक मंडल स्तर की लेखापरीक्षा समिति द्वारा की जाती है।

अवसर और खतरे

विश्व

वैश्विक विद्युत उद्योग मुख्यतः एशिया–प्रशांत के क्षेत्र में बाजार के विकास की ओर देख रहा है। इसके अतिरिक्त, नए विद्युत संयंत्र उपस्कर के लिए निवेश मध्य–पूर्व और खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के देशों में होना संभावित है। कई ऊर्जा व्यापारी और स्वतंत्र विद्युत उत्पादक प्रवर्तक अपने निवेशों पर पुनर्विचार कर रहे हैं, जिससे वैश्विक बाजार में विद्युत संयंत्र उपस्कर के नए ऑडरों में गिरावट आई है। इसलिए, विद्युत संयंत्र उपस्कर की कुल विश्वव्यापी मांग विनिर्माण क्षमता से बहुत कम रही है जिससे मुख्य वैश्विक विद्युत संयंत्र उपस्कर विनिर्माताओं द्वारा अत्यधिक विपणन का परिणाम सामने आया है। तेल और गैस के मूल्यों में हाल में आई तीव्र वृद्धि देशों का ध्यान स्वच्छ कोयले और अ–पारम्परिक ऊर्जा स्त्रोतों के विकल्पों की ओर आकर्षित कर रही है। हाल में किए गए बाजार अनुसंधान की रिपोर्ट के अनुसार विश्व विद्युत पारेषण और वितरण उपस्कर की मांग मध्यावधिक में प्रतिवर्ष 4.5% बढ़ना प्रत्याशित है।

भारत

विद्युत क्षेत्र

विद्युत अधिनियम, 2003 के अधिनियमन के पश्चात राष्ट्रीय विद्युत नीति तैयार की गई है, जिसका लक्ष्य अगले पांच वर्षों में सभी घरों तक विद्युत की पहुंच प्रदान करना, वर्ष 2012 तक विद्युत के लिए मांग को पूरा करना, वर्ष 2012 तक प्राप्त किए जाने वाले उचित दरों पर अंतर्राष्ट्रीय मानकों के विश्वसनीय और गुणवत्तापूर्ण विद्युत की आपूर्ति आदि करना है। विद्युत मंत्रालय भी राष्ट्रीय टैरिफ नीति पर कार्यरत हैं और उसने हाल ही में एक प्रारूप योजना प्रस्तुत की है। वितरण क्षेत्र को भी एक बड़ा प्रोत्साहन प्राप्त हुआ है। जिला स्तरीय वितरण सर्किलों के लिए अल्पावधिक/दीर्घावधिक उद्देश्यों को अभिज्ञात किया गया है और उनका अनुवीक्षण किया जा रहा है।

पूर्व योजनावधियों की तुलना में दसवीं योजना में विद्युत क्षमता वृद्धि की प्रगति में एक अच्छा सुधार हुआ है। इसके अतिरिक्त, ग्यारहवीं योजना के दौरान 60,000 मेगावाट से अधिक की क्षमता वृद्धि पूर्वानुमानित है।

जबकि कोयला मध्यावधि और दीर्घावधि में विद्युत उत्पादन का मुख्य आधार बना रहेगा फिर भी हाइड्रो–थर्मल मिश्रण को सुधारना और तीव्र गति से जल विद्युत विकसित करना आवश्यक है। सरकार द्वारा तैयार की गई ''जल विद्युतनीति'' उच्चतर बजटीय आबंटन और तीव्रतर स्वीकृति प्रक्रिया जैसी इस संबंध में विभिन्न पहलों को रेखांकित करती है। निजी और सरकारी क्षेत्र में हाल ही में गैस की खोज विद्युत उत्पादन के मुख्य स्त्रोत के रूप में उभर सकती है। अवधि विस्तार, उच्चतर क्षमता अनुपात और क्षमता वृद्धि कार्यक्रम के विद्युत ऊर्जा क्षेत्र में कुछ दर्जानिर्धारण से मुक्त/खोई हुई क्षमता को प्रतिसंतुलित करने की प्रत्याशा है।

उद्योग क्षेत्र

औद्योगिक उत्पादन के सूचकांक द्वारा यथामापित औद्योगिक उत्पादन स्थिर गति से प्रगति कर रहा है। प्रयोग–आधारित वर्गीकरण के अधीन पूंजीगत वस्तुओं के उत्पादन के सूचकांक ने वर्ष 2004–05 के पहले छः महीनों में दोहरे अंक की वृद्धि दर्ज की है। हाल के वर्षों में भारत के औद्योगिक कार्यकलाप में तेजी आने से कंपनियां अपनी क्षमताओं का प्रयोग कर रही है, जो आकार निर्मित करने और क्षमताएं सुधारने के प्रयास में पूंजी निवेश में वृद्धि कर सकती है।

अवसंरचना, तेल और गैस, पेट्रो–रसायन, सीमेंट, चीनी आदि में वर्धित कार्यकलाप के संकेत हैं। मुख्य क्षेत्र, जिसमें निवेश किया जा सकता है, वह धातु, पेट्रोलियम उत्पाद, सिंथेटिक वस्त्र, उर्वरक, कागज़ और कागज़ उत्पाद और अन्यों में खाद्य उत्पाद, औषध और भेषज, कार्बनिक रसायन आदि हैं। उद्योग कैप्टिव विद्युत खण्ड द्वारा अर्थव्यवस्था में गुणकों को और बढ़ावा देना प्रत्याशित है।

विनिर्माण क्षेत्र उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए निवेशों की ओर देख रहा है क्योंकि तेल, सीमेंट, इस्पात और एल्युमीनियम जैसे भारी उद्योगों ने अपना क्षमता उपयोग बढ़ा दिया है और वे अब भावी मांग की ओर देख रहे हैं। चालू मेगा अवसंरचना परियोजनाओं के साथ निजी निवेशों के पुर्नरूत्थान के अर्थव्यवस्था में गुणकों को और बढ़ावा देना प्रत्याशित है।

भविष्य के लिए कार्यनीति

- भारतीय ऊर्जा क्षेत्र की गतिशीलता में पिछले कुछ वर्षों में अपार परिवर्तन हुआ है। भारतीय विद्युत क्षेत्र एक आत्मनिर्भर और व्यवहार्य क्षेत्र के रूप में रूपान्तरित होने के कगार पर है क्योंकि सरकार द्वारा विभिन्न अनुवीक्षण और सुधार संबंधी उपाय प्रारंभ किए गए हैं।

  उत्पादन क्षमता वृद्धि ने गति पकड़ ली है और दसवीं योजना के अंत तक 41000 मेगावाट की विद्युत क्षमता वृद्धि का पर्याप्त भाग पूरा होना संभावित है। ग्यारहवीं योजना के लिए 60,000 मेगावाट से अधिक के क्षमता वृद्धि कार्यक्रम के लिए परियोजनाएं तैयारी और अंतिम रूप दिए जाने के विभिन्न चरणों में हैं।

- विभिन्न नीतिगत पहलों और अन्य सकारात्मक दृष्टिकोणों से अवसंरचना क्षेत्र में निवेश का सुधरा हुआ वातावरण निर्मित हुआ है। इसने बीएचईएल को चुनौतियों का सामना करने, तेजी से परिवर्तनशील बाजार की आवश्यकताओं के अनुरूप होने और विकास तथा महत्व सृजन से संबद्ध मुद्दों से निपटने के लिए कार्यनीतियां तैयार करने का अधिदेश दिया है। बीएचईएल इन उभरते हुए अवसरों का लाभ उठाने के लिए पूर्णतः सज्जित है।

- ''कार्यनीतिक योजना–2007'' के कार्यान्वयन के भाग के रूप में बीएचईएल उभरती हुई चुनौतियों का सामना करने के लिए अपनी मुख्य शक्तियों का ध्यान रखते हुए कार्यनीतिक पहलें कर चुका है। कार्यनीतिक ध्यान देने वाले क्षेत्रों में निम्नलिखित शामिल हैं : संगठन को पुनः सुदृढ़ करना, वैश्वीकरण/निर्यात कार्यनीतियां, इंजीनियरी और प्रौद्योगिकीय पहलें, प्रतिस्पर्धा बनाए रखने के लिए निरंतर पहल करना, सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी पहलें तथा मानव संसाधन प्रबन्ध और वित्तीय प्रबंध संबंधी पहलें। की गई मुख्य पहलों में निम्नलिखित शामिल हैं :

  - क्षमता वृद्धि : देश की महत्वाकांक्षी क्षमता वृद्धि लक्ष्य को पूरा करने लिए बीएचईएल अपने उपस्कर विनिर्माण क्षमता को वार्षिक रूप से वर्तमान 6000 मेगावाट से बढ़ाकर मार्च, 2007 तक 10,000 मेगावाट करने के लिए तैयारी कर रहा है। नई सुविधाओं तथा आधुनिकीकरण कार्यक्रमों में भी पूंजी निवेश की कई योजनाएं चल रही हैं।

  - प्रतिस्पर्धा की वृद्धि : बीएचईएल ने अपनी कार्यनीतिक स्थिति और प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए अपने प्रचालनों के सभी पहलुओं पर ध्यान देने हेतु ''त्वरित विकास के लिए बीएचईएल को तैयार करना'' के प्रमुख कार्य प्रारंभ किए हैं। इनमें डिजाइन से लागत तक, क्रय और आपूर्ति प्रबन्धन, अवलंबित विनिर्माण, परियोजना सुपुर्दगियों और चक्र अवधि की कमी पर ध्यान, प्रणाली डिजाइन दक्षता बढ़ाने आदि जैसे प्रतिस्पर्धात्मकता की पहलें शामिल हैं।

  - नई प्रौद्योगिकियां और अनुसंधान एवं विकास : बीएचईएल उच्चतर क्षमता के सेटों अर्थात 800 मेगावाट के थर्मल सेट, 250 मेगावाट हाइड्रो सेट और 256 मेगावाट के उन्नत श्रेणी वाले गैस टर्बाइन लागू करने के लिए प्रौद्योगिकियां शामिल करने के लिए कार्यरत है। सुधरी हुई विशेषताओं के साथ उत्पादों का विकास, उत्कृष्टता के अनुसंधान और विकास केंद्रों की स्थापना और अनुसंधान एवं विकास संबंधी प्रयासों का बाजार की आवश्यकताओं के साथ संयोजन मुख्य क्षेत्र हैं।

  - सेवा क्षेत्र के अर्थव्यवस्था के विकास के साधन के रूप में उभरने से अभियांत्रिकी अधिप्राप्ति और निर्माण, प्रचालन और अनुरक्षण तथा विपणन उपरांत सेवाओं जैसे अवसरों की खोज करने के लिए ध्यान केंद्रित दृष्टिकोंण अपनाया गया है। अतिरिक्त पुर्जों और सेवाओं के विपणन कार्यकलापों को समेकित किया जा रहा है और इस क्षेत्र पर ध्यान देने के लिए एक पृथक समूह गठित किया गया है।

  बीएचईएल वैश्वीकरण सहित प्रतिस्पर्धी बाजार अर्थव्यवस्था की मांगों की पूर्ति के लिए स्वयं को पुनः अभिमुख करने और अपने पणधारियों के महत्व में वृद्धि करने का उद्देश्य पूरा करने के लिए उचित कार्यनीतियों से विकास तेज करने के मुद्दों पर ध्यान देने के लिए उपाय करता रहा है।

जोखिम और चिंताएं

विकासशील देशों की विद्युत क्षेत्र में अपने लक्ष्यों को पूरा करने की चिंता है कि यह क्षेत्र कैसे शीघ्रतापूर्वक सुधारों के माध्यम से अधिक निवेश अनुकूल और उसके द्वारा पूंजी अंतर्प्रवाह में वृद्धि कर सकता है।

घरेलू विद्युत क्षेत्र ने मांग में वृद्धि के अनुरूप गति नहीं बनाई रखी है जिससे देश को ऊर्जा तथा अत्यधिक कमियों का सामना करना पड़ा है। 9वीं योजना के दौरान 40,245 मेगावाट के लक्ष्य की तुलना में केवल 19,015 मेगावाट विद्युत उत्पादन क्षमता वृद्धि प्राप्त की गई थी। 10वीं योजना में 41,110 मेगावाट की योजनाबद्ध क्षमता की तुलना में विद्युत परियोजनाओं के ऑर्डर की स्थिति में सुधार हुआ है। तथापि, विद्युत क्षेत्र में पर्याप्त मात्रा में संसाधन जुटाए जाने और उनके निवेश किए जाने की अपेक्षा होगी। राज्य विद्युत बोर्डों की वित्तीय सुदृढ़ता की बहाली और उनके प्रचालन कार्यनिष्पादन में सुधार एक महत्वपूर्ण मुद्दा बना हुआ है। इस परिप्रेक्ष्य में राज्य–स्तरीय नीतियों के कार्यान्वयन की गति मुख्य कारक होगी।

विश्व विद्युत संयंत्र उपस्कर (पीपीई) बाजार में अधोगामी प्रवृति के कारण मूल उपस्कर विनिर्माताओं, जिनकी संख्या पहले से ही घट रहीं है, के नए सिरे से विलयन और अधिग्रहण के नए दौर की आवश्यकता हो गई है। बाजार में पहुंचने के लिए लाइसेंसीकरण प्रतिबंध विश्व के चुने हुए भागों में बीएचईएल के लिए अवसरों में बाधा डालता है। घरेलू बाजार में बीएचईएल विश्व के बड़े विद्युत संयंत्र उपस्कर विनिर्माताओं के साथ सख्त अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा का सामना कर रहा है, जिनके पास पर्याप्त वित्तीय क्षमता, अर्थव्यवस्था, प्रौद्योगिकी नेतृत्व और उनके पक्ष में वैश्विक पहुंच जैसी सुविधाएं हैं। चूंकि उद्योग में कई परियोजनाएं बीओओ/बीओओटी आधार पर योजनाबद्ध की जा रही हैं इसलिए परियोजना के व्यावसायिक मॉडल, राजस्व संग्रहण, प्रचालन और अनुरक्षण आदि जैसे मुद्दो पर उचित रूप से ध्यान देने की आवश्यकता होगी। इसके बावजूद, विद्युत क्षेत्र, उद्योग और बाजार के अन्य खण्डों में विकास पर्याप्त व्यवसाय प्राप्त करने के लिए काफी अवसर प्रदान करेगा।

विश्व तथा भारतीय बाजारों में इस्पात, एल्युमीनियम, ताम्बा आदि जैसे ऊर्जा और निविष्टि (इनपुट) सामग्रियों के मूल्य में तीव्र वृद्धि ने मार्जिन और उत्पादकता सुधारों पर प्रभाव डाला है और ये उपस्कर विनिर्माताओं के लिए निरंतर ध्यान देने के केंद्र हैं।

सूचीकरण करार (खंड 49 (VI) (छ)) के अनुसार नियुक्ति एवं पुनःनियुक्ति के लिए प्रस्तावित निदेशकों का संक्षिप्त जीवन–वृत्त

पूर्णकालिक कार्यात्मक निदेशक

59 वर्षीय श्री रामजी राय बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में स्नातक हैं।

श्री रामजी राय ने 1969 में बीएचईएल में कार्यग्रहण किया और बीएचईएल के विभिन्न क्षेत्रों जैसे आयोजना, परियोजना प्रबंधन, विनिर्माण प्रौद्योगिकी और बीएचईएल में अन्य कई विषयों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इलेक्ट्रिकल मशीन के विशेषज्ञ के रूप में रोटेटिंग इलेक्ट्रिकल मशीन के क्षेत्र में उन्होंने उल्लेखनीय योगदान दिया। 210, 250 तथा 500 मेगावाट सेटों के विनिर्माण के लिए सीमेंस उच्च प्रौद्योगिकी को अपनाने और उसके समावेश के लिए वे उत्तरदायी रहे।

फरवरी 2004 में निदेशक (इंजीनियरिंग, अनुसंधान एवं विकास) के रूप में उनकी नियुक्ति से पूर्व श्री रामजी राय बेंगलूर में बीएचईएल के इलेक्ट्रॉनिक डिविजन के कार्यपालक निदेशक थे।

श्री राय के नेतृत्व में बीएचईएल के इलेक्ट्रॉनिक डिविजन को प्रतिष्ठित आईएसओ 14001 और ओएचएसएएस–18001 प्रमाणीकरण प्रदान किए गए और बीएचईएल के पॉवर सेक्टर–पूर्वी क्षेत्र के प्रमुख के रूप में उनकी कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां रहीं जिनमें देश में प्रथम बार 2 सिलिंडर 120 मेगावाट स्टीम टर्बाइन का सफलतापूर्वक निष्पादन और संस्थापन शामिल है। श्री राय ने व्यापार प्रोन्नति के लिए यूएसए, फ्रांस, जर्मनी, नीदरलैंड और ब्राजील देशों की यात्रा की।

58 वर्षीय श्री संतोष कुमार जैन रायपुर इंजीनियरिंग कॉलेज से (1969 में) मैकेनिकल इंजीनियरिंग में स्नातक हैं।

श्री जैन ने 1970 में बीएचईएल में कार्यग्रहण किया। बीएचईएल में 30 वर्षों से अधिक उनके सेवाकाल के दौरान उन्होंने तकनीकी और प्रबंधकीय क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण परिवर्तन किए जिनका मूल्य संवर्धन की दिशा में उल्लेखनीय योगदान रहा।

बीएचईएल भोपाल और झांसी संयंत्रों में श्री जैन ने उनके व्यावसायिक दृष्टिकोण और प्रशासनिक कुशलता से ट्रैक्शन कमर्शियल, इंसुलेशन, इलेक्ट्रिकल मशीन, ट्रांस्फॉर्मर डिविजन में महत्वपूर्ण सफलताओं और सुधारों की अगुवाई की।

मार्च 2004 में निदेशक (मानव संसाधन) के रूप में उनकी नियुक्ति से पूर्व श्री जैन ने बीएचईएल हरिद्वार यूनिट के प्रमुख के रूप में कार्य किया। वार्षिक शीर्ष प्रबंधन कार्यशालाओं के माध्यम से नई व्यावसायिक नीति को विकसित करने तथा महत्वपूर्ण सफलता कारक की पहचान करने में वे अग्रणी रहे। जीवन के सभी पहलुओं में गुणत्ता के पर्यवेक्षक के रूप में उन्होंने ''माप के माध्यम से गुणवत्ता'' का एक अनूठा तरीका प्रतिपादित किया जिससे उन्हें बीएचईएल का प्रतिष्ठित ''उत्कृष्ट'' (एक्सल) पुरस्कार प्राप्त हुआ।

इसके अतिरिक्त, श्री जैन ने रूट कॉज एनालिसिस, क्रिटीकल टू क्वालिटी, ग्राहक सफल–हम सफल, वेंडर्स के साथ एमओयू, ऑटो–इनडेंटिंग और बी–2–बी पोर्टल आदि कई सृजनात्मक अवधारणाएं लागू की। उनके नेतृत्व में हरिद्वार यूनिट को नवंबर 2003 में सीआईआई का ''संपूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन के प्रति वचनबद्धता'' के लिए प्रशंसा पत्र प्रदान किया गया।

संपूर्ण गुणवत्ता आंदोलन के योद्धा के रूप में श्री जैन कई अग्रणी संगठनों से जुड़े हैं। श्री जैन, सीआईआई एग्जिम बैंक पुरस्कार के लिए तकनीकी समिति के भी सदस्य हैं।

58 वर्षीय श्री अरूण कुमार माथुर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दुर्गापुर से मैकेनिकल इंजीनियरी में स्नातक हैं।

श्री माथुर ने बीएचईएल में मई, 2005 में निदेशक (औद्योगिक प्रणाली और उत्पाद) के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। निदेशक (औद्योगिक प्रणाली और उत्पाद) के रूप में उन्होने विद्युत पारेषण परियोजनाओं, कैप्टिव विद्युत संयंत्रों, ढुलाई, कम्प्रेसर्स और यांत्रिक प्रणालियों, मोटरों, अ–पारम्परिक ऊर्जा उत्पादों, वितरित विद्युत उत्पादन और सिरामिक्स व्यवसाय के लिए बीएचईएल के व्यवसाय का नेतृत्व करने का उत्तरदायित्व ग्रहण किया।

उन्होनें बीएचईएल में अपना जीवनवृत्त वर्ष 1968 में तिरूचिरापल्ली में स्नातक प्रशिक्षु के रूप में प्रारंभ किया और उत्पादन, परियोजना प्रबंध और भारत तथा विदेश में विद्युत परियोजनाओं के निर्माण में विविध कार्यों में वर्षो का अनुभव प्राप्त करने के बाद वे विद्युत क्षेत्र प्रमुख, उत्तरी क्षेत्र के पद पर वर्ष 1996 में पहुंचे और वह विद्युत और औद्योगिक परियोजनाओं के निर्माण, बिक्री–पश्चात् सेवा और नवीकरण कार्यो के लिए उत्तरदायी थे।

श्री माथुर का थर्मल, हाइड्रो, न्यूक्लियर और गैस–आधारित विद्युत संयत्रों के परियोजना और निर्माण प्रबंधन दोनों के क्षेत्र में उल्लेखनीय पूर्व रिकार्ड है। उन्होंने टर्नकी संस्थापनाओं सहित 500 मेगावाट तक यूनिट आकार के विद्युत संयंत्रों के इरेक्शन और कमीशनिंग चक्र कम करने में बेंचमार्क स्थापित किया है। वर्ष 2002 में उनके नेवृत्व में पीएस–एनआर को प्रतिष्ठित आईएसओ–14001 और ओएचएसएएस–18001 से मान्यता दी गई थी, जो ऐसी मान्यता प्राप्त करने वाला सेवा क्षेत्रा में पहला है। पीएस–एनआर को भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा स्थापित गुणवत्ता उत्कृष्टता के लिए प्रतिष्ठित राजीव गांधी पुरस्कार भी प्रदान किया गया।

कार्यकारी निदेशक, तिरूचिरापल्ली काम्पलेक्स के रूप में उनका कार्यकाल विशेष महत्व का है। तिरूचि काम्पलेक्स में तिरूचि में उच्च दाब बॉयलर संयंत्र और सीमरहित स्टील ट्यूब संयंत्र, रानीपेट में बॉयलर ऑक्जिलियरी संयंत्र, चेन्नई में पाइपिंग कोड और गोइंदवाल में औद्योगिक वाल्व प्रभाग शामिल है। तिरूचि कॉम्पलेक्स विद्युत उत्पादन उपस्कर की सबसे बड़ी विनिर्माण सुविधाओं में से एक है और 13,000 से अधिक व्यक्तियों को रोजगार देता है। श्री माथुर के विशिष्ट नेतृत्व के अधीन इस काम्पलेक्स ने अब तक का उच्चतम कुल कारोबार प्राप्त किया। इनपुट की लागतों पर नियंत्रण, उत्पाद गुणवत्ता, संसाधनों का इष्टतम उपयोग, परियोजना चक्र अवधि में कमी पर विशेष ध्यान दिया गया था। तिरूचि यूनिट ने इस अवधि में सभी उत्पादों और प्रचालनों में उद्यम संसाधन आयोजना कार्यान्वित की। उनकी प्रबंधकीय कुशलता के कारण सीमरहित स्टील ट्यूब संयंत्र के प्रचालन ने उल्लेखनीय सुधार दर्शाया है। स्वच्छ कोयला प्रौद्योगिकियों में बड़ी अनुसंधान और विकास परियोजनाएं प्रारंभ की गई थी और वंस–थ्रू बॉयलरों के प्रौद्योगिकी अंतर को दूर करने के उपाय किए गए थे। तिरूचि यूनिट ने लगातार तीन वर्ष संपूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन में महत्वपूर्ण सुधार के लिए सीआईआई–एक्जिम पुरस्कार प्राप्त किया।

श्री माथुर को प्राइस वाटरहाऊस, यूके द्वारा परियोजनाओं के प्रबंधन में प्रशिक्षण दिया गया है और उन्हें संगठन में परियोजना, विनिर्माण और विपणन खण्ड का नेतृत्व करने का अद्वितीय सम्मान मिला है। उन्होंने कार्बन सिक्विस्ट्रेशन फोरम सहित कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय समितियों में बीएचईएल का प्रतिनिधित्व किया है। वह इंडियन वेल्डिंग सोसायटी के आजीवन सदस्य और गैर–विध्वंसकारी परीक्षण की भारतीय सोसायटी के मानद फैलो हैं।

56 वर्षीय श्री कृष्णास्वामी रवि कुमार, आईआईटी, मद्रास से एम.टेक हैं और उनके पास व्यवसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा है।

बीएचईएल में निदेशक (विद्युत) के रूप में कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व, श्री रवि कुमार को 33 वर्षो को व्यावसायिक अनुभव हैं, जिसमें वर्ष 1975 में बीएचईएल में पदभार ग्रहण करने के पूर्व निजी क्षेत्र में तीन वर्षो का अनुभव शामिल है।

बीएचईएल में, श्री रवि कुमार ने ऊर्जा प्रणाली और नया उत्पाद प्रभाग (आ. और वि) मे पदभार ग्रहण किया और विभिन्न विषयों अर्थात इलेक्ट्रॉनिक्स प्रभाग–बंगलौर में नियंत्रण उपस्कर उत्पादों की इंजीनियरी, विद्युत क्षेत्र–दक्षिण क्षेत्र (पीएस–एसआर) में, थर्मल, हाइड्रो, न्यूक्लियर, औद्योगिक सेट का निर्माण और परियोजना प्रबंध और विद्युत क्षेत्र के विपणन प्रमुख, नई दिल्ली के विभिन्न पदों पर कार्य किया।

श्री रवि कुमार बीएचईएल के लिए कई पहली उपलब्धियां प्राप्त करने में सहायक थे जैसे आंध्र–प्रदेश में सिम्हाद्री में एनटीपीसी की पहली 1000 मेगावाट की कोयला–आधारित टर्नकी परियोजना 39 महीने के रिकार्ड में पूरी की गई, 14 लाख घनमीटर रेत के तलकर्षण और डायनेमिक कंपैक्शन वाली केरल में कायमकुलम में एनटीपीसी की पहली 350 मेगावाट वाली गैस आधारित परियोजना पुनः रिकार्ड समय में पूरी की गई और कई अभिनव इरेक्शन तकनीकों को प्रारंभ करने के अतिरिक्त केपीसीएल के 210 मेगावाट की रायचूर यूनिट 7 का 25 महीने के रिकार्ड समय में सिंक्रोनाइजेशन किया गया। उनके नेतृत्व में कोयला और गैस–आधारित विद्युत संयंत्रों के क्षेत्र में नई प्रौद्योगिकियां देश में पहली बार प्रारंभ की और तत्परतापूर्वक निष्पादित की गई। इनमें से कुछ विजयवाड़ा में टावर टाइप बॉयलर, तमिलनाडु में कोविलकलप्पल में उन्नत श्रेणी गैस टर्बाइन, तालचर में वन्स थ्रू बॉयलर आदि थे।

विद्युत क्षेत्र–विपणन के प्रमुख के रूप में विद्युत क्षेत्र व्यवसाय में वर्ष 2004–05 में लगभग 13,500 करोड़ रुपए की रिकार्ड ऑर्डर बुकिंग की गई, जो अधिकांशतः सख्त अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा के विरूद्ध प्राप्त किया गया अब तक का सर्वाधिक है।

उन्होंने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सेमिनारों में इलेक्ट्रॉनिक्स और ऊर्जा के क्षेत्रों में पत्र प्रस्तुत किए हैं।

46 वर्षीय श्री सी.एस. वर्मा, जो वाणिज्य में स्नातकोत्तर डिग्री, प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिग्री और विधि में स्नातक डिग्री धारित करते हैं, भारतीय कंपनी सचिव संस्थान के फैलो सदस्य तथा साथ ही इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेंट्स ऑफ इंडिया के एसोसिएट सदस्य हैं।

उन्होंने पहले दूरसंचार विभाग, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन देश की प्रमुख टेलीकॉम कंपनी आईटीआई के निदेशक मण्डल में निदेशक (वित्त) के रूप में सेवा की थी। टेलीकॉम प्रमुख कंपनी में तीन वर्षों से अधिक अपनी सेवा के दौरान श्री वर्मा ने निधियों के दक्ष प्रबंधन और अपर्याप्त संसाधनों के कार्यनीतिक प्रयोग के माध्यम से अत्यधिक प्रतिस्पर्धी टेलीकॉम बाजार में प्रचालन के लिए आईटीआई को अपेक्षित आवश्यक वित्तीय सुदृढ़ता प्रदान की। व्यावसायिक अनुभव के 2 दशकों से भी अधिक के साथ उन्हें भारतीय रेल वित्त निगम, जहां उन्होने आईटीआई में फरवरी, 2002 में निदेशक (वित्त) के रूप में कार्यग्रहण करने के पूर्व समूह महाप्रबंधक के रूप में सेवा की, के लिए विशाल संसाधन जुटाकर निधियां जुटाने में एक विशेषज्ञ माना गया है। उन्होंने कई विदेशी मुद्दों, स्वैप लेन–देन और व्युत्पन्न लिखतो पर कार्य किया है।

उनकी पूर्व नियुक्तियों में दिल्ली स्टॉक एक्सचेंज में उसके महाप्रबंधक का कुछ समय का कार्यकाल रहा है, जहां उन्होंने लगभग 4 वर्ष कार्य किया और एक वित्तीय संस्थान में कार्यकाल रहा है, जहां उन्होने लगभग 9 वर्ष कार्य किया।

श्री वर्मा ने व्यापक रूप से विदेशों की यात्रा की है और कई देशों का भ्रमण किया है।

अंशकालिक सरकारी निदेशक

53 वर्षीय डा. सुरजीत मित्रा असम–मेघालय संवर्ग से वर्ष 1977 बैच के भा.प्र.से. के अधिकारी हैं।

वह इस समय भारी उद्योग विभाग, भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार में संयुक्त सचिव हैं।

उन्हें वाणिज्य, पेट्रोलियम, ग्रामीण विकास, पर्यटन, संचार, रक्षा, गृह और पूर्वोत्तर विकास मंत्रालय, भारत सरकार जैसे कई मंत्रालयों/विभागों में कार्य करने का अनुभव है। उन्हें राज्य सरकारों अर्थात प्रधान सचिव, योजना आयुक्त और पर्यटन, संस्कृति, गृह, ग्रामीण विकास, खान और खनिज, समाज कल्याण, उद्योग, शिक्षा, राजस्व और पुनर्वास के विभागों में सचिव के रूप में भी कार्य करने का अनुभव है।

डा. मित्रा कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय, यूके से अर्थशास्त्र में डॉक्टरेट हैं।

डा. मित्रा को क्वीन एलिजाबेथ हाउस, यूनिवर्सिटी ऑफ ऑक्सफोर्ड (अंतर्राष्ट्रीय व्यापार) के फैलो और नीति अनुसंधान केंद्र (दक्षिण–दक्षिण सहयोग) में मानद प्रोफेसर के रूप में प्रशासनिक और शैक्षणिक मान्यता दी गई है।

इस समय डा. मित्रा फ्लूड कंट्रोल रिसर्च इंस्टीट्यूट के निदेशक मण्डल में अध्यक्ष और मारूति उद्योग लिमिटेड, स्कूटर्स इंडिया लिमिटेड और भारत भारी उद्योग निगम लिमिटेड के निदेशक मण्डल में निदेशक हैं।

लेखापरीक्षक रिपोर्ट

निदेशकों की रिपोर्ट का अनुबंध–3

प्रबंधन का उत्तर

सेवा में,
सदस्यगण
भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड
नई दिल्ली

हमने भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, नई दिल्ली के दिनांक 31 मार्च, 2005 के संलग्न तुलनपत्र और उसी तारीख को समाप्त वर्ष के संलग्न लाभ और हानि लेखा तथा रोकड़ प्रवाह विवरण की लेखापरीक्षा की है। ये वित्तीय विवरण कंपनी के प्रबंधन के उत्तरदायित्व है। हमारा उत्तरदायित्व अपनी लेखापरीक्षा के आधार पर इन वित्तीय विवरणों पर मत व्यक्त करना है।

हमने अपनी लेखापरीक्षा भारत में साधारणतया स्वीकृत लेखापरीक्षा मानकों के अनुसार की है। वे मानक अपेक्षा करते हैं कि हम इस बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए लेखापरीक्षा की योजना बनाते और निष्पादित करते हैं कि क्या वित्तीय विवरण वास्तविक गलत विवरण से मुक्त हैं या नहीं। लेखापरीक्षा में परीक्षण आधार पर वित्तीय विवरणों में राशियों और प्रकटनों का समर्थन करने वाले साक्ष्य की जांच शामिल होती है। लेखापरीक्षा में प्रयुक्त लेखाकरण सिद्धांतों तथा प्रबंधन द्वारा किए गए महत्वपूर्ण अनुमानों का आंकलन तथा साथ ही समय वित्तीय विवरण प्रस्तुतिकरण का मूल्यांकन भी शामिल होता है। हम विश्वास करते है कि हमारी लेखापरीक्षा हमारे मत के लिए उचित आधार प्रदान करते है।

I. कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 227(4क) की शर्तों के अनुसार कंपनी विधि बोर्ड द्वारा जारी कंपनी (लेखापरीक्षक रिपोर्ट) आदेश, 2003 द्वारा जैसा अपेक्षित है, हम अनुबंध में उक्त आदेश के पैराग्राफ 4 और 5 में निर्दिष्ट मामलों पर एक विवरणी संलग्न करते हैं।

II. ऊपर पैराग्राफ-I में उल्लिखित अनुबंध में अपनी टिप्पणियों के अतिरिक्त हम रिपोर्ट करते हैं कि :

(1) लेखाकरण नीति सं. 9(iii) के कारण 10,000 रुपए तक की लागत वाली अचल परिसंपत्तियों और जिनका हासिल मूल्य वर्ष के प्रारंम्भ में 10,000/– रुपए अथवा उससे कम है, के खर्च के लिए 263.10 लाख रुपए का अतिरिक्त मूल्यह्रास प्रदान किया गया है (अनुसूची 19 की टिप्पणी सं. 3 का अवलोकन करें)।

(1) लेखे में आवश्यक प्रकटन के साथ लेखापरीक्षकों द्वारा उल्लिखित नीति का कंपनी द्वारा कई वर्षों से लगातार अनुपालन किया जा रहा है।

(2) विविध देनदारों, लेनदारों, संविदाकारों को दिए गए अग्रिमों, जमाराशियों और उप–संविदाकारों/फैब्रिकेटरों के पास पड़ी हुई स्टाक/सामग्री पुष्टिकरण तथा समंजन के अधीन हैं। लेखे पर उनका परिणामी प्रभाव, अगर काई है, अनिश्चित रहता है (अनुसूची 19 की टिप्पणी सं. 23 का अवलोकन करें)।

(2) पुष्टि के लिए अनुरोध भेजे जाते हैं और पार्टियों के साथ चालू प्रकिया के रूप में समाधान किया जाता है तथा प्रबंधन इसके कारण लेखे पर किसी महत्वपूर्ण प्रभाव की संकल्पना नहीं करता।

(3) अनुसूची 19 की टिप्पणी सं. 20 में जैसा उल्लिखित है दिनांक 9 सितम्बर, 2004 तक कमीशनिंग और संस्थापन सेवाओं के संबंध में सेवा कर का प्रावधान और भुगतान नहीं किया गया है। दिनांक 9 सितम्बर, 2004 के बाद सेवा कर देयता की प्रतिपूर्ति के कारण दावों की स्वीकृति और इसके लिए बकाए की पुष्टि जैसा उपर पैरा 2 में सूचित किया गया है, ग्राहकों से लंबित है। इसके अतिरिक्त, अनुसूची 19 की टिप्पणी सं. 20 में यथा उल्लिखित प्राप्त कानूनी मत के दृष्टिगत ग्राहकों से माल भाड़ा और बीमा के लिए कंपनी द्वारा एकत्रित की गई राशि के लिए सेवा कर देयता, अगर कोई हो के संबंध में कोई प्रावधान नहीं किया गया है।

उपरोक्त अनिश्चितताओं के दृष्टिगत सेवा कर का प्रावधान नहीं करने और गैर–वसूली योग्यता के कारण लाभ और हानि लेखा पर प्रभाव अनिर्धारण योग्य है।

(4) संविदात्मक दायित्वों के लिए प्रावधान लेखाकरण नीति सं. 14 के अनुसार पिछले वर्ष के समान संविदा मूल्य के 2.5% की दर पर किया गया है। लेखाकरण मानक–29 (एएस–29), जो दिनांक 1 अप्रैल, 2004 से अनिवार्य है, अन्य बातो के साथ–साथ अपेक्षा करता है कि प्रावधान को इस कारण व्यय किए जाने का चालू सर्वोत्तम अनुमान प्रदर्शित करना चाहिए और कि किसी आर्थिक लाभों के परिणामी व्यय की प्रत्याशित अवधि भी प्रकट की जानी चाहिए। हमसे इस संबंध में कि क्या लेखाकरण अनुमान उचित हैं, पर्याप्त उपयुक्त लेखापरीक्षा साक्ष्य प्राप्त करना प्रत्याशित है। उपरोक्त प्रावधान की उपयुक्तता से संबंधित पर्याप्त आंकड़ों के अभाव में हम इस संबंध में कि क्या किया गया प्रावधान लेखाकरण मानक–29 के अनुरूप है, अपना मत व्यक्त करने में असमर्थ हैं।

(5) आपका ध्यान निम्नलिखित की और आकर्षित किया जाता है :

(i) 24,974.61 लाख रुपए आयकर की विवादित मांग के संबंध में अनुसूची 19 में टिप्पणी सं. 8 (क)

(ii) वर्ष के लिए लाभ में 5,934.46 लाख रुपए की वृद्धि होने वाले सीमांत उत्पाद शुल्क लाभों की मान्यता से संबंधित लेखाकरण पद्धति में संशोधन के संबंध में अनुसूची 19 की टिप्पणी सं. 19 (i)।

(iii) वर्ष के लिए लाभ में 79.20 लाख रुपए की कमी करने वाले अचल मानसूची के मूल्यांकन से संबंधित लेखाकरण पद्धति में परिवर्तन के संबंध में अनुसूची 19 की टिप्पणी सं. 19 (ii)।

(3) प्राप्त कानूनी मत और घोषित कानूनी निर्णय को देखते हुए दिनांक 9 दिसम्बर, 2004 तक कमीशनिंग और संस्थापन सेवाओं के संबंध में सेवा कर का प्रावधान और भुगतान नहीं किया गया है। उपरोक्त पर सेवा कर के लिए प्राधिकारियों से कोई मांग नहीं की गई है।

दिनांक 9 सितम्बर, 2004 के बाद उत्पन्न होने वाले सेवा कर की देयता के संबंध में सेवा कर के कारण आय को ग्राहकों के साथ संविदाओं की शर्तों के आधार पर माना जाता है। कुछ मामलों में ग्राहक को बिल दिए गए सेवा कर की राशि एकत्रित की जा चुकी है।

कानूनी मत के अनुसार, कंपनी द्वारा बीमा और माल भाड़े के लिए एकत्रित राशि पर सेवा कर नहीं लगेगा क्योंकि कंपनी ''माल परिवहन एजेंसी'' अथवा ''बीमाकर्ता'' के रूप में कोई सेवा प्रदान नहीं कर रही है।

उपरोक्त के दृष्टिगत, लेखे में किया गया विचार सही है।

(4) लेखाकरण मानक–29 की प्रकटन आवश्यकता का लेखे में उपयुक्त स्थान में अपेक्षित सूचना देकर अनुपालन किया गया है। संविदा मूल्य के 2.5% की दर पर संविदात्मक देयता की व्यवस्था की कंपनी की नीति एक अवधि में संगत रही है और संरक्षणात्मक आधार पर है। तथापि, उपरोक्त की पर्याप्तता अथवा अन्यथा की वर्ष 2005–06 के दौरान समीक्षा की जाएगी।

(iv) वर्ष के लिए लाभ में 117.15 लाख रुपए की कमी होने वाले दीर्घावधिक निर्यात संविदाओं से संबंधित लेखाकरण पद्धति में परिवर्तन के संबंध में अनुसूची 19 की टिप्पणी सं. 19 (iii)।

(v) वर्ष के लिए लाभ में 768.76 लाख की वृद्धि होने वाले इरेक्शन और परियोजना प्रबंध सेवाओं के संबंध में राजस्व मान्यता से संबंधित लेखाकरण नीति में परिवर्तन के संबंध में अनुसूची 19 की टिप्पणी सं. 19 (iv)।

(6) हम आगे सूचित करते हैं कि उपरोक्त पैराग्राफ 2 और 4 के प्रभाव और ऊपर पैरा 1 में यथाउल्लिखित मूल्यह्रास पर पूर्व वर्षो के प्रभाव पर विचार किए बिना, उनके प्रभाव का निर्धारण नहीं किया जा सका, अगर उपरोक्त पैराग्राफ 1 में हमारे द्वारा किए गए अवलोकन पर विचार किया गया होता तो वर्ष के लिए कर–पूर्व लाभ 1,58,426.66 लाख रुपए (सूचित किए गए 1,58,163.56 लाख रुपए के आंकड़े की तुलना में) हुआ होता, प्रारक्षित निधि और अधिशेष 5,78,476.48 लाख रुपए (5,78,213.38 लाख रुपए के सूचित आंकड़ो की तुलना में) हुआ होता और अचल परिसंपत्तियों का कुल निवल ब्लॉक 1,04,687.25 लाख रुपए (1,04,424.15 लाख रुपए के सूचित आंकड़ों की तुलना में) हुआ होता।

पूर्वोक्त और उसके परिणामी प्रभाव के अधीन :

(क) हमने सभी सूचना स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए है, जो हमारी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास में लेखापरीक्षा के प्रयोजनार्थ आवश्यक थे।

(ख) जहां तक उन बहियों की हमारी जांच से प्रतीत होता है, हमारी राय में कंपनी ने विधि द्वारा यथापेक्षित उचित लेखा बहियां रखी है। और हमारी लेखापरीक्षा के प्रयोजनार्थ पर्याप्त उचित विवरणियां हमारे द्वारा भ्रमण नहीं की गई शाखाओं से प्राप्त हो गई है।

(ग) शाखा लेखापरीक्षक की रिपोर्ट हमें प्रस्तुत कर दी गई है और उस पर हमारी रिपोर्ट तैयार करते समय उपयुक्त रूप से कार्रवाई की गई है।

(घ) इस रिपोर्ट में उल्लिखित तुलनपत्र, लाभ और हानि लेखा और रोकड़ प्रवाह विवरण लेखा बहियों और शाखाओं से प्राप्त लेखापरीक्षित विवरणियों से मेल खाते है।

(ड.) हमारी राय में इस उत्तर में उल्लिखित तुलनपत्र, लाभ और हानि लेखा तथा रोकड़ प्रवाह विवरण कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 211 के उप–धारा (3ग) में उल्लिखित लेखाकरण मानकों के अनुरूप हैं।

(च) भारत सरकार के कंपनी कार्य विभाग द्वारा जारी की गई दिनांक 21.10.2003 की अधिसूचना संख्या सा.का.नि. 829 (अ) के संदर्भ में, कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 274(1) (छ) के उपबंध कंपनी पर लागू नही हैं।

(च) हमारी राय और हमारी सर्वोत्तम जानकारी में तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार अनुसूची–19 में लेखाकरण नीतियों और व्याख्यात्मक टिप्पणियों के साथ पठित उक्त लेखे कंपनी आिनियम, 1956 द्वारा यथापेक्षित सूचना इस प्रकार अपेक्षित तरीके से प्रदान करते हैं और भारत में साधारणतया स्वीकृत लेखाकरण सिद्धांतो के अनुरूप उचित और सही चित्र प्रस्तुत करते हैं :

(i) दिनांक 31 मार्च, 2005 को तुलनपत्र के मामले में कंपनी की कार्य स्थितिः और

(ii) उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए लाभ और हानि लेखे के मामले में, और

(iii) उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए रोकड़ प्रवाह के रोकड़ प्रवाह विवरण के मामले में

कृते जे.सी. भल्ला एंड कंपनी
चार्टर्ड एकाउंटेंट

ह./–
(सुधीर मल्लिक)
भागीदार
सदस्यता सं. 80051

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 1 जून, 2005

लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट का अनुबंध

प्रबन्धन का उत्तर

(हमारी समसंख्यक दिनांक की रिपोर्ट के पैरा.-I में उल्लिखित)

(i) (क) कंपनी ने सामान्यतः मात्रात्मक विवरण और अपनी स्थायी परिसंपत्तियों की स्थिति सहित पूर्ण विवरण दर्शाते हुए उचित रिकार्ड रखा है

(ख) पट्टे पर दी गई परिसंपत्तियों को छोड़कर प्रबंधन ने वास्तविक सत्यापन के अपने चरणबद्ध कार्यक्रम के अनुसार सामान्यत : स्थायी परिसंपत्तियों के एक भाग का वास्तविक सत्यापन कर लिया है, जिसे कंपनी के आकार और उसके व्यवसाय की प्रकृति को ध्यान में रखतें हुए उचित माना गया है और वर्ष के दौरान किए गए सत्यापन की सीमा तक ऐसे सत्यापन पर कोई वास्तविक विसंगति नहीं पाई गई है।

बीएचईएल ने भारतीय रेल की टाईप डब्ल्यूसीएएम–3 के 53 एसी/डीसी इंजनो और टाइप डब्ल्यूसीएजी–1 के 12 एसी/डीसी इंजनों की पट्टे पर आपूर्ति की है। भारतीय रेल के साथ किए गए पट्टा करार के अनुसार पूर्व की भांति भारतीय रेल से इन इंजनों के वास्तविक कब्जे की पुष्टि करते हुए एक प्रमाणपत्र प्राप्त कर लिया गया है।

(ग) नियत परिसंपत्तियों के अधिकांश हिस्से का निपटान नहीं हुआ है, जिससे "गोइंग कंन्सर्न" की संकल्पना प्रभावित हो रही है।

(ii) (क) कुछ यूनिटों को छोड़कर, जहां कि इनके योजना विभागों की निरीक्षण तथा उत्पादन रिपोर्टों के आधार पर चालू कार्य और तैयार माल का वर्ष के अंत में सत्यापन किया जाता है, वर्ष के दौरान नियमित अंतरालों पर स्थायी मालसूची प्रणाली के अधीन, प्रबंधन द्वारा मालसूची का प्रत्यक्ष सत्यापन किया गया।

सेवा प्रभागों के संबंध में सामग्री, अतिरिक्त पुर्जे आदि की तत्काल खपत के लिए खरीद की जाती है और अप्रयुक्त शेष सामग्री का वर्ष के अंत में वास्तविक रूप से सत्यापन किया जाता है।

संविदाकारों/फेब्रिकेटरों और अन्य पक्षों के पास पड़े हुए स्टाक के संबध में केवल कुछ मामलों में पुष्टियां प्राप्त हुई थीं।

पुष्टि के लिए अनुरोधों को भेजा जाता है और पक्षों के साथ चालू प्रक्रिया के रूप में समाधान किया जाता है तथा प्रबंधन इसके कारण लेखे पर कोई महत्वपूर्ण प्रभाव संकल्पित नहीं करता।

उपयुक्त के अधीन, हमारी राय में सत्यापन की बारम्बारता उचित है।

(ख) हमारी राय में प्रबंधन द्वारा मालसूची के वास्तविक सत्यापन के लिए अपनाई गई कार्यविधि कंपनी के आकार और उसके व्यवसाय की प्रकृति के संबंध में सामान्यत : उचित और पर्याप्त है।

(ग) मालसूची के अभिलेखों की हमारे द्वारा जांच के आधार पर, हमारी राय है कि कंपनी ने सामान्यतः, मालसूची का समुचित रिकार्ड रखा हुआ है और मालसूची के सत्यापन में कम्पनी के आकार और कार्य प्रकृति के संदर्भ में दर्शाई गई विसंगतियां महत्वपूर्ण नहीं थीं तथा इन्हें कंपनी की लेखा बही में समुचित स्थान दिया गया है।

(iii) (क) हमें दी गई सूचना के अनुसार, कंपनी ने कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 301 के अधीन रखे गए रजिस्टर में शामिल कम्पनियों, फर्मों अथवा किसी अन्य पक्षों से रक्षित अथवा

आरक्षित ऋण नहीं दिया है। तदनुसार कम्पनी (लेखापरीक्षक रिपोर्ट) आदेश, 2003 के पैरा 4 के खंड (iii) (ख) से (iii) (घ) कम्पनी पर लागू नहीं हैं।

(ख) हमें दी गई सूचना के अनुसार, कंपनी ने कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 301 के अधीन रखे गए रजिस्टर में शामिल कंपनियों, फर्मो अथवा पार्टियों से रक्षित अथवा अरक्षित कोई ऋण नहीं लिया है। तदनुसार, कंपनी (लेखापरीक्षा रिपोर्ट) आदेश, 2003 के पैराग्राफ 4 का खण्ड (iii) (च) और (iii) (छ) चालू वर्ष के लिए कंपनी पर लागू नहीं है।

(iv) हमें सूचना दी गई है कि कंपनी के इलेक्ट्रॉनिक्स प्रभाग, बंगलौर ने एसएपीआर आर 3 को अपने उद्यम समाधान सॉफ्टवेयर के रूप में कार्य में लगाया है इसके लिए पर्याप्त लाइसेंस प्राप्त नहीं किया गया है और इसके फलस्वरूप कई व्यक्ति एक ही लाइसेंस का प्रयोग करते है। किसी एक व्यक्ति से अधिक द्वारा किसी पहचान के प्रयोग करने में अन्तर्निहित जोखिम है क्योंकि एसएपी के अधीन सुरक्षा के स्तर से समझौता नही किया जा सकता। इसके अतिरिक्त, दस्तावेजों को हस्तचालन से दिये जाने की भूतपूर्व प्रणाली अभी भी प्रचलित है। हस्त प्राधिकार से एसएपी प्रणाली का अधिकार दिए जाने की अधिक संभावना है। उपरोक्त के अधीन, हमारी राय में और हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरण के अनुसार कंपनी के आकार और इसके व्यवसाय के अनुरूप,माल की खरीद और अन्य परिसंपत्तियों तथा सामग्रियों की बिक्री के लिए पर्याप्त आंतरिक नियंत्रण कार्यविधि है। इसकेअलावा, कम्पनी की बहियों एवं रिकार्डों की जांच के आधार पर तथा हमें दी गई सूचना एवं स्पष्टीकरण के अनुसार, उक्त आंतरिक नियंत्रण क्रियाविधि में किसी बड़ी कमी के संकेत न तो हमने पाए और न ही किसी से जानकारी प्राप्त हुई। लेखापरीक्षा के दौरान हमने ऐसा नहीं पाया कि आंतरिक नियंत्रण की किसी बड़ी कमी में सुधार न किया जा रहा हो।

एसएपी लाइसेंस की अतिरिक्त आवश्यकता इस समय समीक्षाधीन है और उसे अंत प्रभोक्ताओं की आवश्यक्ताओं को अंतिम रूप दिए जाने के आधार पर शीघ्र ही प्राप्त किया जाएगा। तथापि, आंतरिक जांच और ईआरपी प्रणाली में मौजूद आंकड़ा वैधीकरण के अतिरिक्त, आवश्यक जांच और अनुमोदन प्रक्रियाएं परम्परा के अनुसार द्वितीय स्तर की जांच के रूप में रखी जाती हैं। इसलिए प्रबंधन का मत है कि समग्र सुरक्षा पर्याप्त है और जोखिम संकल्पित नहीं है।

(v) हमारी राय में और हमें दी गई सूचना तथा स्पष्टीकरण के आधार पर, चालू वर्ष में कंपनी ने कोई ऐसा लेनदेन नहीं किया है, जिसे कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 301 के अनुसरण में रजिस्टर में दर्ज किए जाने की आवश्यकता है। अतः कंपनी (लेखा परीक्षक रिपोर्ट) आदेश, 2003 के पैरा 4 का खंड V (ख) चालू वर्ष के लिए लागू नहीं है।

(vi) कंपनी ने अधिनियम की धारा 58 क और 58 क क तथा उसके अधीन बनाए कंपनी (जमाराशि की स्वीकृति) नियम, 1975 के अनुसरण में वर्ष के दौरान कोई जमाराशि स्वीकार नहीं की है।

(vii) हमारी राय में, कंपनी की आंतरिक लेखापरीक्षा प्रणाली व्यापक तौर पर कंपनी के आकार और उसके व्यावसाय की प्रकृति के अनुरूप है।

(viii) प्रथम दृष्ट्या, कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 209 (1) (घ) के अधीन केन्द्र सरकार द्वारा बनाए गए नियमों के अनुसार विद्युत मोटरों सीवन रहित (सीमलेस) इस्पात टयूबों, इलेक्ट्रिक जेनरेटर, पावर ट्रांसफार्मर, विद्युत चालित पम्पों, विन्डमिल्स के द्वारा विद्युत उत्पादन, कंट्रोल इंसट्रूमेंटेशन और ऑटोमेशन उपस्कर के विनिर्माण के लिए निर्धारित लागत लेखा और रिकार्ड रखा है। तथापि, यह निर्धारित करने की दृष्टि से कि वे यथार्थ अथवा पूर्ण हैं, रिकार्डो की विस्तृत जांच नहीं की गई थी। हमारी सर्वोत्तम जानकारी और हमें दी गई सूचना के अनुसार केन्द्र सरकार ने कंपनी के अन्य उत्पादों के लिए कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 209 (1) (घ) के अधीन लागत रिकार्ड रखना निर्धारित नहीं किया है।

(ix) (क) हमें दी गई सूचना एवं स्पष्टीकरण के अनुसार और प्रस्तुत की गई तथा हमारे द्वारा जाँची बहियों और रिकॉर्ड के अनुसार, हमारी राय में, हमारी सम तारीख की रिपोर्ट के पैरा II (3) में दयार्णित भविष्य निधि, अन्वेषक शिक्षा और संरक्षण निधि, कर्मचारी राज्य बीमा, आयकर, बिक्री कर, सेवा कर, उत्पाद शुल्क, सीमा शुल्क, उपकर सहित अविवादित सांविधिक देय तथा कोई अन्य सांविधिक शुल्क, सामान्यतः समुचित प्राधिकारियों के पास नियमित रूप से जमा किए गए।

(ख) हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरण के अनुसार हमारी समतारीख की रिपोर्ट के पैरा।। (3) में यथावर्णित सेवा कर, भूमि किराया और बिक्री कर के क्रमशः 288.22 लाख रुपए और 8.43 लाख रुपए को छोड़कर दिनांक 31 मार्च, 2005 को, देय होने की तारीख से छः महीने से अधिक अवधि तक कोई बकाया राशियां देय नहीं हैं।

(ग) हमें दी गई सूचना एवं स्पष्टीकरण के अनुसार, सीमा शुल्क, धन कर और उपकर से संबंधित ऐसी कोई राशि नहीं है, जो कि किसी विवाद के कारण समुचित प्राधिकारियों के पास जमा न कराई गई हो। विवाद के कारण समुचित प्राधिकारियों के पास जमा न कराये गए बिक्री कर, आय कर, भूमि किराया का मामला शीघ्र निपटान के लिए डीडीए के साथ उठाया गया है।

बिक्री कर की राशि वर्ष 2000–01, 2001–02 और 2002–03 के लिए वर्ष 2003–04 में सृजित प्रावधान प्रदर्शित करती है और इसे इन वर्षो के लिए बिक्री कर का अंतिम निर्धारण के बाद पूर्वानुमानित वापसी के एवज में समायोजित किया जाना प्रत्याशित है।

उत्पाद शुल्क और सेवा कर के विवरण निम्नानुसार है :

(रु. लाख में)

क्रम सं.	संविधि का नाम	संविधि की प्रकृति	राशि	मंच, जिसके समक्ष विवाद लम्बित है
1.	केन्द्रीय बिक्री कर अधिनियम तथा विभिन्न राज्यों के बिक्री कर अधिनियम	बिक्री कर	277.64 2,076.48 11,459.47 2,392.05 1.65 9,116.19	निर्धारण अधिकारी आयुक्त (अपील्स) अपीलीय न्यायाधिकरण उच्च न्यायालय उच्चतम न्यायालय विभिन्न अपीलीय प्राधिकरण
2.	आयकर अधिनियम, 1961	आयकर	127.20 1,105.80 143.68	निर्धारण अधिकारी आयुक्त (अपील्स) उच्च न्यायालय
3.	केन्द्रीय उत्पाद अधिनियम, 1944	उत्पाद शुल्क	917.65 3,960.74 99.93	आयुक्त (अपील्स) अपीलीय न्यायाधिकरण उच्च न्यायालय
4.			सेवा कर	निर्धारण अधिकारी
		कुल	**31,899.89**	

(x) 31 मार्च, 2005 को कम्पनी की काई संचित हानि थी और इसने उस तारीख को समाप्त वित्तीय वर्ष या उसके तत्काल बाद के वित्तीय वर्ष में कोई नकद हानि नहीं उठाई।

(xi) हमारे द्वारा जांच की गई कंपनी के रिकार्डो और हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरण के अनुसार कंपनी ने जैसा हमें सूचित किया है, बैंक के साथ बट्टा अतिदेय बिल और देय तारीख को ग्राहकों द्वारा नहीं माने गए 60.35 लाख रुपए की राशि 69 दिनों तक की भिन्न–भिन्न अवधियों के लिए बकाया है, को छोड़कर वित्तीय संस्थानों, बैंको अथवा डिबेंचरधारको को बकाए की वापसी–अदायगी में कोई चूक नहीं की है।

(xii) कंपनी ने शेंयरों, डिवेंचरों तथा अन्य प्रतिभूतियों को गिरवी रखकर कोई ऋण या अग्रिम नहीं दिया है। भुगतान कर दिया गया है।

(xiii) हमारी राय में, कम्पनी चिट फंड या निधि/परस्पर लाभ निधि/सोसायटी नहीं है। अतः कंपनी (लेखापरीक्षक रिपोर्ट) आदेश, 2003 के खंड 4 (xiii) के उपबंध कंपनी पर लागू नहीं हैं।

(xiv) हमारी राय में, कंपनी शेयरों, प्रतिभूतियों, डिबेंचरों और अन्य निवेशों में व्यवसाय अथवा व्यापार नहीं कर रही है। तदनुसार, कंपनी (लेखापरीक्षक रिपोर्ट) आदेश, 2003 के खंड 4 (xiv) के उपबंध कंपनी पर लागू नहीं हैं।

(xv) हमारी राय में, और हमें दी गई जानकारी तथा स्पष्टीकरण के अनुसार कंपनी ने वर्ष के दौरान बैंकों अथवा वित्तीय संस्थाओं से अन्य लोगों द्वारा लिए गए ऋणों के लिए कोई गारंटी नहीं दी है।

भुगतान कर दिया गया है।

(xvi) हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी ने वर्ष के दौरान कोई सावधि ऋण नहीं लिया है।

(xvii) हमें दी गई जानकारी व स्पष्टीकरण तथा कंपनी के तुलन पत्र की समग्र जांच के अनुसार, हम रिपोर्ट देते हैं कि अल्पावधि आधार पर ली गई निधि का दीर्घावधि निवेश के लिए उपयोग नहीं किया गया है।

(xviii) वर्ष के दौरान कंपनी ने कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 301 के अधीन रखे गए रजिस्टर में शामिल पार्टियों और कम्पनियों को शेयरों का अधिमान्य आवंटन नहीं किया।

(xix) हमारी राय में, वर्ष के दौरान कंपनी ने कोई डिबेंचर जारी नहीं किया।

(xx) वर्ष के दौरान कंपनी ने पब्लिक इश्यू से कोई धन अर्जित नहीं किया।

(xxi) कंपनी की बहियों और रिकार्डो की जांच की अवधि में, जो कि सामान्यतः भारत में अपनाई जा रही लेखापरीक्षा प्रणालियों के अनुसार की जाती है, और हमें दी गई जानकारी तथा स्पष्टीकरण के अनुसार, वर्ष के दौरान जालसाजी का काई मामला हमारे सामानें नहीं आया, जो कंपनी द्वारा हमारे ध्यान में लाया गया हो अथवा रिपोर्ट किया गया हो या प्रबंधन द्वारा हमें जिसके बारें में जानकारी दी गई हो, जो वित्तीय विवरणों का वास्तविक रूप से गलत वर्णन करने का कारण बनता हो।

कृते जे.सी. भल्ला एंड कंपनी
चार्टर्ड एकाउंटेंट

ह./–
(सुधीर मल्लिक)
भागीदार
सदस्यता सं. 80051
स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 1 जून, 2005

दिनांक 31 मार्च, 2005 को समाप्त हुई अवधि के लिए भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, नई दिल्ली के लेखे पर कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 619(4) के अधीन भारत के नियंत्रक और महा लेखापरीक्षक की टिप्पणियां

नियंत्रक और महालेखापरीक्षक की टिप्पणियां	प्रबंधन का उत्तर
क. लाभ और हानि लेखा **कर–पश्चात् लाभ–953.40 करोड़ रुपए** कंपनी के लाभ को निम्नलिखित के कारण 12.76 करोड़ रुपए अधिक बताया गया था:	इसका कंपनी के 1581.64 करोड़ रुपए के कर–पूर्व लाभ पर कोई वास्तविक प्रभाव नहीं पड़ा है।
(करोड़ रुपए में) 1. कोठागोडम परियोजना में नवीकरण और आधुनिकीकरण के लिए किए गए कार्य (172.58 करोड़ रुपए के 2.5 प्रतिशत की दर पर) के लिए संविदात्मक दायित्व का कम प्रावधान — 2.64	नोट किया। 1.68 करोड़ रुपए का मौजूदा प्रावधान परियोजना के शेष दायित्वों, अगर कोई हो, का ध्यान रखेगा।
2. एचईईपी, हरिद्वार द्वारा वर्ष 2003–04 के दौरान विभिन्न ग्राहकों को आपूर्ति 34.42 करोड़ रुपए मूल्य के अतिरिक्त पुर्जो के 2.5 प्रतिशत की दर पर संविदात्मक दायित्व का प्रावधान नहीं किया जाना — 0.86	कंपनी सतत रूप से वर्ष के दौरान की गई अतिरिक्त पुर्जो की आपूर्ति के लिए कुल कारोबार के 2.5 प्रतिशत पर संविदात्मक दायित्व की व्यवस्था करने की पद्धति का अनुपालन कर रही है, जिसे प्रबंधन अतिरिक्त पुर्जो पर दायित्व, अगर कोई हो, को पूरा करने में पर्याप्त महसूस करता है।
3. प्रगति पावर कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा लगाए गए निर्णीत हर्जाने के लिए देयता का प्रावधान नहीं करना। — 9.26	चूंकि वर्ष 2004–05 की प्रथम तिमाही में सावधानी रखने के लिए प्रचुर प्रावधान किया गया है यद्यपि यह मामला अभी भी ग्राहकों के साथ चर्चा के अधीन है।
ख. सामान्य (i) आकस्मिक देयताएं (लेखे पर टिप्पणियां की टिप्पणी सं. 5 (v) निर्णीत हर्जाने के लिए चार ग्राहकों द्वारा दावा की गई 11.39 करोड़ रुपए की राशि शामिल नहीं करती)	वर्ष 2005–06 में समीक्षा के लिए नोट किया।
(ii) संविदात्मक दायित्व के लिए प्रावधान की वापसी से संबंधित दिनांक 31 मार्च, 2004 को समाप्त अवधि के लिए कंपनी के लेखे पर कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 619(4) के अधीन नियंत्रक और महा लेखापरीक्षक की टिप्पणियों की टिप्पणी सं. ख.2 की ओर ध्यान आकर्षित किया जाता है। पिछले वर्ष दिए गए आश्वासन के आधार पर कंपनी ने इस संबंध में किसी विवेकाधिकार से बचने के लिए संविदात्मक दायित्व की वापसी हेतु अपने लेखाकरण दिशानिर्दशों को संशोधित किया। संशोधित दिशानिर्देशों के अनुसार, संविदात्मक दायित्व छोड़ दिया जा सकता है अगर अन्य बातों के साथ–साथ ग्राहक को प्रस्तुत रिपोर्ट के अनुसार निष्पादन में कोई गिरावट नहीं होती है और उपस्कर के निष्पादन के कारण ग्राहक से प्राप्त कोई दावा लंबित नहीं है। तथापि, निष्पादन गारंटी परीक्षण की ग्राहक की स्वीकृति इन दिशानिर्देशों में संकल्पित नहीं की गई हैं, जिसके अभाव में संविदात्मक दायित्व के लिए प्रावधान की वापसी में विवेकाधिकार का प्रयोग करने की संभावना है।	प्रबंधन का यह विचार है कि जारी दिशानिर्देश पर्याप्त हैं, क्योंकि दिशानिर्देश निष्पादन में कमी के मामले में संविदात्मक दायित्व के प्रतिधारण अथवा उपयुक्त प्रावधान की भी व्यवस्था करते हैं।

भारत के नियंत्रक और महा लेखापरीक्षक द्वारा भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, नई दिल्ली के **31** मार्च, **2005** को समाप्त वर्ष के लेखे की समीक्षा।

टिप्पणी : लेखे की समीक्षा कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 619(4) के अधीन और सांविधिक लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट में विहित प्रतिबंधों को ध्यान में रखे बिना तैयार की गई है।

1. वित्तीय स्थिति

नीचे दी गई सारणी पिछले तीन वर्षों के लिए मुख्य शीर्षों के अधीन कंपनी की वित्तीय स्थिति का सारांश प्रस्तुत करती है :

(करोड़ रुपए में)

	2002-2003	**2003-2004**	**2004-2005**
देयताएं			
(क) चुकता पूंजी			
(i) सरकार (आबंटन होने तक शेयर आवेदन राशि सहित)	165.76	165.76	165.76
(ii) अन्य	79.00	79.00	79.00
(ख) (i) मुक्त प्रारक्षित निधि और अधिशेष	4556.14	5048.43	5779.38
(ii) पूंजी प्रारक्षित निधि	2.77	2.75	2.75
(ग) उधार			
(i) वित्तीय संस्थाओं से	4.69	1.56	0.00
(ii) नकद ऋण	0.00	0.00	0.00
(iii) अन्य	500.00	500.00	500.00
(iv) प्रोद्भूत और देय ब्याज	2.33	2.33	2.33
(घ) (i) चालू देयताएं और प्रावधान	4752.93	6336.85	8445.90
(ii) पट्टे पर ली गई परिसंपत्तियों के लिए क्रेडिट	27.20	36.13	34.65
योग	**10090.82**	**12172.81**	**15009.77**
परिसंपत्तियां			
(ङ) सकल ब्लॉक	3349.31	3459.60	3628.94
(च) घटाएं : मूल्यह्रास	2230.28	2411.51	2619.35
जोड़ें : पट्टा समायोजन लेखा	51.47	46.04	34.65
(छ) निवल ब्लॉक	1170.50	1094.13	1044.24
(ज) चालू पूंजीगत कार्य	58.70	108.56	95.32
(झ) निवेश	10.33	28.98	8.95
(ञ) चालू परिसंपतियां, ऋण तथा अग्रिम	8348.40	10424.70	13342.98
(ट) आस्थगित कर परिसंपत्तियां	407.39	498.52	518.28
(ठ) बट्टे खाते नहीं डाले गए विविध व्यय	95.50	17.92	0.00
योग	**10090.82**	**12172.81**	**15009.77**
(ड) कार्यशील पूंजी (ञ-घ(i)-ग(iv))	3593.14	4085.52	4894.75
(ढ़) नियोजित पूंजी (छ+ड)	4763.64	5179.65	5938.99
(ण) निवल मूल्य (क+ख(i)-ठ)	4705.40	5275.27	6024.14
(त) पूंजी का प्रति रुपया निवल मूल्य	19.22	21.55	24.61

2. निधियों के स्रोत और उपयोग

नीचे दिये गए विवरण के अनुसार वर्ष के दौरान आंतरिक और बाह्य स्रोतों से 1212.43 करोड़ रुपए की राशि वसूल की गई और उसका उपयोग किया गया:

(करोड़ रुपए में)

निधियों के स्रोत		
क) प्रचालन से प्राप्त निधियां		
कर–पश्चात लाभ	953.40	
जोड़े : मूल्यह्रास	207.84	1161.24
(ख) बट्टे खाते नहीं डाले गए विविध व्यय में कमी		20.03
(ग) निवेश में कमी		13.24
(घ) सीडब्ल्यूआईपी में कमी		5.80
योग		**1212.43**
निधियों का उपयोग		
(क) स्थायी परिसंपत्तियों में वृद्धि		157.95
(ख) अदा किया गया लाभांश (लाभांश कर सहित)		165.85
(ग) आस्थगित कर परिसंपत्तियों में वृद्धि		19.76
(घ) कार्यशील पूंजी में वृद्धि (प्रस्तावित लाभांश और उस पर कर को छोड़कर)		865.82
(ड) उधार ली गई निधियों में कमी		3.05
योग		**1212.43**

3. कार्य परिणाम

पिछले तीन वर्षों के लिए कंपनी के कार्य परिणाम नीचे दिए गए हैं :

(करोड़ रुपए में)

	2002-2003	**2003-2004**	**2004-2005**
(i) बिक्री	7482.22	8662.47	10336.40
(ii) घटाएं : उत्पाद शुल्क	551.92	643.44	809.26
(iii) निवल बिक्री	6930.30	8019.03	9527.14
(iv) अन्य अथवा विविध आय	508.72	512.77	655.70
(v) कर–पूर्व लाभ और पूर्वावधि समायोजन	812.24	1027.50	1583.66
(vi) पूर्वावधि समायोजन	9.81	12.75	2.03
(vii) कर–पूर्व लाभ*	802.43	1014.75	1581.63
(viii) कर प्रावधान	357.92	356.60	628.23
(ix) कर–पश्चात लाभ	444.51	658.15	953.40
(x) प्रस्तावित लाभांश	110.45	165.86	222.45

*यूनिट–वार कार्य परिणाम अनुबंध में दिया गया है।

4. अनुपात विश्लेषण

31 मार्च को समाप्त पिछले तीन वर्षों में कंपनी की वित्तीय स्थिति पर कुछ महत्वपूर्ण वित्तीय अनुपात निम्नानुसार है :

(करोड़ रुपए में)

	2002-2003	**2003-2004**	**2004-2005**
क. नकदी अनुपात :			
चालू अनुपात [ञ/घ(i)+ग(iv)]	1.76	1.64	1.58

ख. ऋण इक्विटी अनुपात			
दीर्घावधिक ऋण/इक्विटी [ग(i) से (iii) अल्पावधिक ऋण/ण को छोड़कर]	0.11	0.10	0.08
ग. लाभप्रदता अनुपात :			(प्रतिशत में)
(क) कर–पूर्व लाभ			
(i) नियोजित पूंजी	16.84	19.59	26.63
(ii) निवल मूल्य	17.05	19.24	26.25
(iii) बिक्री	10.72	11.71	15.30
(ख) इक्विटी पर कर–पश्चात लाभ	181.61	268.90	389.52
(ग) प्रति शेयर अर्जन (रुपए में)	18.16	26.89	38.95

5. माल–सूची स्तर

31 मार्च को समाप्त पिछले तीन वर्षों के अंत में माल–सूची स्तर निम्नानुसार है :

(करोड़ रुपए में)

	2002-2003	**2003-2004**	**2004-2005**
(क) कच्चा माल	719.66	853.06	1109.28
(ख) सामग्री, अतिरिक्त पुर्जे और खुले औजार	80.86	87.25	96.21
(ग) चालू कार्य और अर्ध–निर्मित वस्तुएं	938.43	943.96	1405.67
(घ) निर्मित वस्तुएं	274.81	235.82	309.04
(ङ) रद्दी	13.30	13.60	24.07
योग	**2027.06**	**2133.69**	**2944.27**

निर्मित वस्तुओं का स्टॉक वर्ष 2002-03, 2003-04 और 2004-05 में क्रमशः 0.44, 0.33 और 0.36 महीनों की बिक्री प्रदर्शित करते हैं।

6. विविध देनदार

31 मार्च को समाप्त पिछले तीन वर्षों में विविध देनदार और बिक्रियां निम्नानुसार हैं :

(करोड़ रुपए में)

31 मार्च को	विविध देनदार			बिक्री (उत्पाद शुल्क सहित)	विविध देनदारों की बिक्री के अनुसार प्रतिशतता
	सही माने गये	संदिग्ध माने गये	योग		
2003	4075.78	677.56	4753.34	7482.22	63.53
2004	4608.48	686.27	5294.75	8662.47	61.12
2005	5972.14	754.57	6726.71	10336.40	65.08

दिनांक 31.03.2005 को विविध देनदारों का अवधि–वार विश्लेषण नीचे दिया गया है :

		(करोड़ रुपये में)
(i)	6 महीने से कम	3949.07
(ii)	6 महीने से 1 वर्ष तक	654.31
(iii)	1 वर्ष से 3 वर्ष तक	1188.02
(iv)	3 वर्ष से अधिक	935.31
	योग	**6726.71**

ह./–
(विजया मूर्ति)
प्रधान निदेशक, वाणिज्यिक लेखापरीक्षा एवं पदेन
सदस्य, लेखापरीक्षा बोर्ड–III, नई दिल्ली

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 26.08.2005

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड की इकाइयों के कार्यचालन परिणाम

अनुबंध

(करोड़ रुपए)

	2002-2003	2003-2004	2004-2005
हेवी इलेक्ट्रिकल्स उपस्कर संयंत्र, हरिद्वार	117.05	127.98	229.62
हेवी पावर इक्विपमेंट प्लांट, हैदराबाद	136.80	157.73	321.18
हाई प्रेशर बॉयलर प्लांट, तिरूचि	131.21	150.27	139.15
हेवी इलेक्ट्रिकल्स प्लांट, भोपाल	56.13	131.37	156.38
सैंट्रल फाउंड्री फोर्ज प्लांट, हरिद्वार	56.13	131.37	156.38
ट्रांसफार्मर प्लांट, झांसी	-9.65	4.48	10.33
इलेक्ट्रॉनिक्स डिवीजन, बंगलौर	1.44	3.28	8.02
इंडस्ट्रियल वाल्व प्लांट, गोइंदवाल	78.61	101.92	193.00
इंडस्ट्रियल सिस्टम ग्रुप, बंगलौर	1.79	2.02	2.09
बॉयलर ऑक्जिलरी प्लांट, रानीपेट	-9.81	3.17	8.82
इलेक्ट्रो पोर्सिलेंस डिवीजन, बंगलौर	20.41	15.87	21.40
इंसुलेटर प्लांट, जगदीशपुर	-6.90	-5.10	0.75
पावर ग्रुप (चार क्षेत्र तथा परियोजना इंजीनियरिंग प्रबंध)	220.72	299.85	413.65
ओवरसीज प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेशन, नई दिल्ली	13.38	5.55	14.89
प्रौद्योगिकी हस्तांतरण केन्द्र हैदराबाद	2.50	3.63	6.09
संघटक संरचना संयंत्र, रूद्रपुर	-1.32	-2.28	-1.99
भारी उपस्कर मरम्मत संयंत्र, वाराणसी	1.67	3.87	6.66
उच्च अनुसंधान परियोजना, नई दिल्ली	0.28	0.48	0.46
पारेषण परियोजना ग्रुप, भोपाल	2.40	2.07	1.28
ईएमआरपी और ओएसबी, मुंबई	0.12	-5.53	-5.53
डिस्ट्रिब्यूटेड पावर जेनरेशन बिजनेस ग्रुप, हरिद्वार	-	-1.01	-0.70
कारपोरेट एवं अन्य समायोजन	44.15	13.70	52.57
योग	**802.43**	**1014.75**	**1581.63**

कारपोरेट अभिशासन

1. कारपोरेट अभिशासन की संहिता के संबंध में कम्पनी का दर्शन

बीएचईएल की दृष्टि शेयरधारक मूल्य में वृद्धि के लिए प्रतिबद्ध विश्व स्तर का इंजीनियरी उद्यम बनना है। इसका मिशन ऊर्जा, उद्योग, परिवहन, मूलभूत सुविधा और अन्य संभावित क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण उत्पादों, प्रणालियों तथा सेवाओं के माध्यम से समग्र व्यावसायिक समाधान प्रदान करने वाला भारतीय बहुराष्ट्रीय इंजीनियरी उद्यम बनना है।

बीएचईएल ने निम्नलिखित मूल मान्यताएं अपनाई हैं

- श्रेष्ठ बनने की उमंग तथा परिवर्तन के प्रति उत्साह
- सभी मामलों में सत्यनिष्ठा और निष्पक्षता
- व्यक्ति की प्रतिष्ठा और क्षमता का सम्मान
- प्रतिबद्धताओं का कड़ाई से पालन
- अनुक्रिया (रेस्पॉन्स) की गति सुनिश्चित करना
- शिक्षा, रचनात्मकता तथा टीम कार्य को प्रोत्साहन देना।
- कम्पनी के प्रति निष्ठा एवं आत्मगौरव।

बीएचईएल अपने व्यवसाय के स्थान पर कानूनी और नैतिक मानकों पर पहले से ही बल देती आ रही है। हम एक अच्छा व्यावसायिक भागीदार बनने के लिए प्रयासरत हैं। व्यावसायिक वातावरण में बदलाव आने के बावजूद, व्यावसायिक आचार के नैतिक मानकों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता यथावत् रहनी चाहिए।

बीएचईएल अपना व्यवसाय इस प्रकार से करने के लिए प्रतिबद्ध है, जो इसके प्रत्येक कोर मूल्य का प्रतिपादन कर सके। इन मूल्यों को हमारे सभी कर्मचारियों और निदेशकों के लिए एक सार्थक मार्गदर्शक के रूप में कार्य करना चाहिए, ताकि कम्पनी अपने मिशन की दिशा में आगे बढ़ सके। सुदृढ़ कॉर्पोरेट शासन इन मूल्यों के प्रति हमारी वचनबद्धता का महत्वपूर्ण घटक है और कॉर्पोरेट शासन के संबंध में हमारा दर्शन हमारे निदेशक मंडल से शुरू होता है।

- स्वतंत्र निदेशक हमारे निदेशक मंडल का एक बड़ा भाग हैं
- लेखापरीक्षा समिति में केवल स्वतंत्र निदेशक ही शामिल होते हैं।
- निवेशक/शेयरधारक शिकायत समिति का अध्यक्ष स्वतंत्र निदेशक है।
- हमारा निदेशक मंडल अपने कार्य संचालन तथा अपनी समितियों के संचालन हेतु विचारार्थ विषय इस रिपोर्ट में कहीं भी उल्लिखित सूचीकरण करार के खंड–49 तथा कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 292 क के अनुसार निर्धारित करता है।

बीएचईएल का विश्वास है कि कॉर्पोरेट शासन की क्रियाविधियों तथा आचार संहिता का अनुपालन करते हुए व्यवसाय करना हमारे प्रत्येक कोर मूल्य का प्रतिपादन करता है, हमें अपने शेयरधारकों को दीर्घावधि प्रतिफल प्रदान करने में समर्थ बनाता है हमारे ग्राहकों को अनुकूल परिणाम प्रदान करता है तथा हमारे कर्मचारियों को अच्छे अवसर प्रदान करता है।

कारपोरेट अभिशासन मानदण्डों के सुदृढ़ीकरण की आवश्यकता मानते हुए ''सेबी'' ने एन.आर. नारायण मूर्ति समिति द्वारा की गई सिफारिशों के आधार पर सूचीकरण करार का खण्ड 49 संशोधित किया। संशोधित संहिता दिनांक 1 जनवरी, 2006 से लागू होगी। अपनी पहल के भाग के रूप में बीएचईएल ने इस रिपोर्ट में संशोधित संहिता का पालन करने के लिए सहक्रियात्मक उपाय किए हैं।

हमारी प्रतिष्ठा एक अमूल्य संपत्ति है। अपनी इस प्रतिष्ठा की सुरक्षा करने के लिए हममे से प्रत्येक को प्रतिदिन सुदृढ़ निर्णय लेने होंगे। अपने सभी संबंधों में निरंतर कारपोरेट अभिशासन संहिता के उच्चत्तम मानकों द्वारा कार्य करके हम व्यक्ति तथा साथ ही कंपनी के रूप में विश्वास जगा सकते हैं।

2. निदेशक मण्डल

2.1 संरचना और निदेशकों की श्रेणी :

कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 617 के अनुसरण में बीएचईएल एक सरकारी कंपनी है। इस समय कंपनी की कुल चुकता शेयर पूंजी का 67.72 प्रतिशत भारत के राष्ट्रपति द्वारा धारित है।

निदेशक मण्डल में निदेशक मण्डल की स्वतंत्रता बनाए रखनें और प्रबंधन को निदेशक मण्डल के कार्यो और नियंत्रण को अलग करने के लिए कार्यात्मक निदेशकों द्वारा प्रतिनिधित्व किए गए कार्यपालकों और सरकारी नामितियों द्वारा प्रतिनिधित्व किए गए गैर कार्यपालक निदेशकों और स्वतंत्र निदेशकों का उपयुक्त संयोजन है। अध्यक्ष एक कार्यकारी निदेशक है। इसलिए स्वतंत्र निदेशकों की संख्या निदेशक मण्डल की संख्या की आधी है।

निदेशक मण्डल की संरचना निम्नानुसार है :

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक	1
पूर्णकालिक कार्यकारी (कार्यात्मक) निदेशक	5
भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार का प्रतिनिधित्व करने वाले अंशकालिक सरकारी निदेशक (सरकार के नामिती)	2
अंशकालिक गैर–सरकारी (स्वतंत्र) निदेशक	8
योग	**16**

तथापि, दिनांक 31.3.2005 की यथास्थिति निदेशक (आईएसएण्डपी) और निदेशक (विद्युत) के पद रिक्त थे, जिन्हे बाद में दिनांक 16 मई, 2005 को भरा गया और 8 स्वतंत्र निदेशकों की संख्या की तुलना में केवल एक पदस्थपित थे। 7 स्वतंत्र निदेशकों की रिक्तियां अभी भी मौजूद है और भारत सरकार द्वारा भरने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

निदेशक मण्डल की अध्यक्षता, श्री अशोक के. पुरी, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक द्वारा दिनांक 22 सितम्बर, 2004 से की जा रही है।

2.2 निदेशक मण्डल की बैठकों और पिछली वर्षिक सामान्य बैठक में प्रत्येक निदेशक की उपस्थिति।

निदेशक का नाम सर्व / श्री	निदेशक मंडल की बैठकों की संख्या		पिछली वार्षिक सामान्य बैठक (28.09.2004) को आयोजित
	आयोजित	भाग लिए गए	
अशोक के. पुरी अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक	12	12	हां
एच.डब्ल्यू. भटनागर, निदेशक (आईएसएण्डपी) (दिनांक 28.2.2005 तक)	11	10	हां
श्री सी. श्रीनिवासन, निदेशक (वित्त)	12	12	हां
रामजी राय, निदेशक (ईआरएण्डडी)	12	11	हां
एस.के. जैन, निदेशक (मा.सं.)	12	11	हां
ए. दीदार सिंह, अंशकालिक सरकारी निदेशक (दिनांक 23.08.2004 तक)	6	6	–
नरेश चतुर्वेदी, अंशकालिक सरकारी निदेशक (दिनांक 29.07.2004 से)	7	6	नहीं
डी.आर.एस. चौधरी, अंशकालिक सरकारी निदेशक (दिनांक 23.08.2004 से)	6	5	हां
ए.सी. वाधवान, अंशकालिक गैर–सरकारी (स्वतंत्र) निदेशक (दिनांक 14.06.2004 तक)	4	4	–
डा. आनंद पाटकर, अंशकालिक गैर–सरकारी (स्वतंत्र) निदेशक (दिनांक 14.06.2004 तक)	4	4	–
जी.पी. गुप्ता, अंशकालिक गैर–सरकारी (स्वतंत्र) निदेशक (दिनांक 13.08.2004 तक)	6	6	–
शरद उपासनी, अंशकालिक गैर–सरकारी (स्वतंत्र) निदेशक (दिनांक 25.12.2004 तक)	10	7	नहीं
ए.एच.जंग, अंशकालिक गैर–सरकारी (स्वतंत्र) निदेशक (दिनांक 23.02.2005 तक)	11	8	नहीं
सुधीर श्रीधर सुपे , अंशकालिक गैर–सरकारी (स्वतंत्र) निदेशक (दिनांक 27.09.2004 तक)	8	6	–
रंजन पंत, अंशकालिक गैर–सरकारी (स्वतंत्र) निदेशक	8	3	–
विनीत नैय्यर, अंशकालिक गैर–सरकारी (स्वतंत्र) निदेशक	12	8	हां

2.3 अन्य निदेशक मण्डल अथवा निदेशक मण्डल समितियां, जिनमें दिनांक 31.03.2005 को बीएचईएल के निदेशक अथवा अध्यक्ष हैं।

निदेशक का नाम सर्व/श्री	अन्य सरकारी लिमिटेड कंपनियों में निदेशक पद का ब्यौरा	समिति की सदस्यता और समिति की अध्यक्षता का ब्यौरा
नरेश चतुर्वेदी	1. भारत भारी उद्योग निगम लिमिटेड 2. एचएमटी लिमिटेड 3. हेवी इंजीनियरिंग कारपोरेशन लिमिटेड 4. इंजीनियरिंग प्रोजेक्ट्स इंडिया लिमिटेड 5. दिशरगढ़ पावर सप्लाई कंपनी लिमिटेड और 6. सीमेंट कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड	–शून्य–
डी.आर.एस. चौधरी	1. हिंदुस्तान पेपर कारपोरेशन लिमिटेड 2. भारत यंत्र निगम लिमिटेड 3. एन्ड्रयू यूल एण्ड कंपनी लिमिटेड	**सदस्यः** लेखापरीक्षा समिति 1. हिन्दुस्तान पेपर कारपोरेशन लिमिटेड 2. एन्ड्रयू यूल एण्ड कंपनी लिमिटेड
विनीत नैय्यर	1. महिन्द्रा ब्रिटिश टेलीकॉम लिमिटेड 2. इंडियन ऑयल कारपोरेशन लिमिटेड 3. कोटक महीन्द्रा ओल्ड म्युचुअल लाइफ इंश्योरेंस लिमिटेड 4. ग्रेट ईस्टर्न शिपिंग कंपनी लिमिटेड 5. विद्या इंन्वेस्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड 6. एमबीटी इंटरनेशनल इंक 7. एमबीटी जीएमबीएच	–शून्य–

कंपनी का काई भी निदेशक उन सभी कंपनियों, जिनमें वह निदेशक है, को शामिल कर दस (10) समितियों से अधिक में सदस्य तथा पांच (5) समितियों से अधिक में अध्यक्ष नहीं है।

2.4 आयोजित निदेशक मण्डल की बैठक की संख्या और तारीख, जिस दिन आयोजित हुई।

निदेशक मण्डल की बैठकें सामान्यतया कंपनी के नई दिल्ली स्थित पंजीकृत कार्यालय में आयोजित की जाती है और उन्हे बहुत पहले निर्धारित किया जाता है। कंपनी सचिव अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के परामर्श से प्रत्येक निदेशक को लिखित में निदेशक मण्डल की प्रत्येक बैठक की नोटिस भेजता है। निदेशक मण्डल की कार्यसूची पहले ही निदेशकों को परिचालित की जाती है।

निदेशक मण्डल के सदस्य को कंपनी की सभी सूचनाओं तक पहुंच होती है और वे चर्चा के लिए कार्यसूची में किसी विषय को शामिल करने की सिफारिश के लिए स्वतंत्र है। आवश्यकता के मामले में चर्चा की जा रही मदों से संबंधित अतिरिक्त जानकारी प्रदान करने और/अथवा निदेशक मण्डल को प्रस्तुतिकरण करने के लिए निदेशक मण्डल की बैठकों में भाग लेने के लिए वरिष्ठ प्रबंधन को आमंत्रित किया जाता है। निदेशक मण्डल तिमाही परिणामों और कार्यसूची पर अन्य मदों की समीक्षा करने के लिए तिमाही में कम से कम एक बार अपनी बैठक करता है। जब आवश्यक होता है अतिरिक्त बैठके आयोजित की जाती है।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान निदेशक मण्डल ने निम्नलिखित तारीखों को बारह बैठकें की।

(i)	2 अप्रैल, 2004	(ii)	21 अप्रैल, 2004	(iii)	26 अप्रैल, 2004
(iv)	8 जून, 2004	(v)	29 जुलाई, 2004	(vi)	5 अगस्त, 2004
(vii)	23 अगस्त, 2004	(viii)	22 सितम्बर, 2004	(ix)	28 अक्टूबर, 2004
(x)	10 दिसम्बर, 2004	(xi)	31 जनवरी, 2005	(xii)	7 मार्च, 2005

किसी दो बैठक के बीच अधिकतम समयांतराल तीन कैलेंडर महीने से अधिक नहीं था।

2.5 निदेशक मण्डल के उत्तरदायित्व

निदेशक मण्डल का अधिदेश कंपनी की कार्यनीतिक दिशा पर निगरानी रखना, कारपोरेट कार्यनिष्पादन की समीक्षा और अनुवीक्षण करना, विनियामक अनुपालन सुनिश्चित करना और शेयरधारको के हित की सुरक्षा करना है।

2.6 स्वतंत्र निदेशकों की भूमिका

निदेशक मण्डल और समिति की बैठकों में चर्चा में स्वतंत्र निदेशक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है और इंजीनियरी, वित्त, प्रबंधन, विधि और सरकारी नीति के क्षेत्रों में अपनी विशेषज्ञता कंपनी को प्रदान करते है।

निदेशक मण्डल ने लेखापरीक्षा समिति, शेयरधारक/निवेशक शिकायत समिति और शेयर अंतरण समिति जैसी विभिन्न समितियां स्थापित किया है।

सूचीकरण करार के खण्ड 49 के अनुसार लेखापरीक्षा समिति और शेयरधारक/निवेशक शिकायत समिति की अध्यक्षता स्वतंत्र निदेशक द्वारा की जाती है और उक्त समिति के कार्य परिभाषित विचारार्थ विषय के भीतर है। समिति की बैठकों का कार्यवृत्त परिचालित किया और निदेशक मण्डल की बैठकों में परिचालित किया जाता है। और निदेशक मण्डल की बैठकों में उनपर चर्चा की जाती है।

2.7 निदेशक मण्डल के समक्ष प्रस्तूत सूचना

निम्नलिखित शीर्षों के अन्तर्गत सूचना सामान्यतया बीएचईएल के निदेशक मण्डल को कार्यसूची पत्रों के भाग के रूप में प्रस्तुत किए जाते हैं अथवा बोर्ड की बैठक के दौरान पेश/प्रस्तुत किए जाते हैं :

- ✓ वार्षिक संचालन योजनाएं तथा बजट एवं कोई अद्यतन सूचना।
- ✓ पूंजी बजट एवं कोई अद्यतन सूचना।
- ✓ कंपनी तथा इसके कार्यात्मक प्रभागों अथवा व्यवसाय खण्डों के तिमाही परिणाम।
- ✓ लेखापरीक्षा समिति तथा बोर्ड की अन्य समितियों की बैठकों का विवरण।
- ✓ बोर्ड स्तर से ठीक पहले के वरिष्ठ अधिकारियों के चयन एवं पारिश्रमिक संबंधी सूचना।
- ✓ निदेशक मण्डल के अनुमोदनार्थ अपेक्षित किसी संयुक्त उपक्रम, अनुसंधान एवं विकास परियोजना अथवा तकनीकी सहयोग करार का विवरण।
- ✓ महत्वपूर्ण श्रम समस्यांए तथा उनके प्रस्तावित समाधान। मजदूरी समझौता पर हस्ताक्षर, स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना का क्रियान्वयन आदि जैसी मानव ससांधन/औद्योगिक संबंध मोर्चे में कोई महत्वपूर्ण घटना।
- ✓ महत्वपूर्ण प्रकृति के निवेशों, सहायक कंपनियों, परिसंपत्तियों की बिक्री, जो कि व्यवसाय के सामान्य क्रम में नहीं है।
- ✓ सभी लंबित मामलों पर की गई कार्रवाई।
- ✓ निदेशकों द्वारा उनकी निदेशक पदधारिता तथा अन्य कंपनियों में उनके द्वारा हासिल समिति पदों के बारे में हित का प्रकटीकरण।
- ✓ विभिन्न नियमों के अनुपालन संबंधी तिमाही रिपोर्ट।
- ✓ प्रमुख कानूनी विवादों से संबंधित सूचना।
- ✓ अधिशेष निधियों का अल्पकालिक निदेश।
- ✓ कोई संविदा (संविदांए) जिनमें निदेशक (निदेशकों) की रूचि मानी जाती है।
- ✓ शेयरधारकों की शिकायतों संबंधी त्रैमासिक स्थिति।
- ✓ विद्युत तथा उद्योग क्षेत्रों एवं अंतर्राष्ट्रीय कार्य प्रभाग के संबंध में त्रैमासिक आधार पर सूचना/स्थिति।
- ✓ महत्वपूर्ण पूंजी निवेश प्रस्ताव।

✓ विभिन्न एककों/कार्यों के निष्पादन संबंधी, विस्तृत प्रकटीकरण।

✓ सूचना तथा अनुमोदन के लिए निदेशक मण्डल को प्रस्तुत किए जाने के लिए अपेक्षित अन्य कोई सूचना।

2.8 नए निदेशकों का चयन

बीएचईएल के अंतर्नियम के अनुसार भारत के राष्ट्रपति भारी उद्योग विभाग, भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय के माध्यम से अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, कार्यात्मक निदेशकों और अंशकालिक सरकारी निदेशक नियुक्त करते हैं और बीएचईएल के निदेशक मण्डल में अंशकालिक गैर–सरकारी (स्वतंत्र निदेशकों) को भी नामित करते हैं।

स्वतंत्र निदेशकों का चयन भारी उद्योग विभाग द्वारा लोक उद्यम विभाग की खोज समिति, जो प्रबंधन, वित्त, इंजीनियरी, प्रशसन और उद्योग में व्यापक अनुभव रखने वाले प्रख्यात व्यक्तियों की सूची रखता है, के परामर्श से किया जाता है।

2.9 सदस्यता अवधि और सेवानिवृत्ति नीति

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक तथा कार्यात्मक निदेशकों की नियुक्ति ऐसी शर्तों, पारिश्रमिक और कार्यकाल पर होती है, जिसे राष्ट्रपति समय–समय पर निर्धारित करे।

दो अंशकालिक निदेशक अर्थात भारी उद्योग विभाग के संयुक्त सचिव और अपर सचिव और वित्तीय सलाहकार, भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय बीएचईएल के निदेशक मण्डल पर भारत सरकार द्वारा नामित किए जाते है। वे भारत सरकार के विवेक पर बीएचईएल के बोर्ड पर बने रहते हैं। अंशकालिक गैर–सरकारी (स्वतंत्र) निदेशकों के कार्यकाल का निर्णय भारी उद्योग विभाग द्वारा किया जाता है। सामान्यतया, स्वतंत्र निदेशक की नियुक्ति तीन वर्षों की अवधि के लिए की जाती है। ऐसे सभी नियुक्त व्यक्ति बीएचईएल के अंतर्नियम के उपबंधों के अनुसार चक्रानुक्रम में सेवानिवृत्त होने के योग्य होते हैं।

2.10 परिभाषाएं

2.10.1 **अध्यक्ष** का अर्थ निदेशक मण्डल का अध्यक्ष है।

2.10.2 **प्रबंध निदेशक** का अर्थ एक निदेशक है, जिसे कंपनी के साथ करार अथवा कंपनी द्वारा सामान्य बैठक में अथवा निदेशक मण्डल द्वारा पारित संकल्प अथवा अंतर्नियम द्वारा प्रबंध की पर्याप्त शक्तियां सौंपी जाती हैं, जो अन्यथा उसके द्वारा प्रयोग योग्य नहीं होती, और इसमें चाहे किसी भी नाम से कहे गए प्रबंध निदेशक का पद रखने वाला निदेशक शामिल होता है।

बशर्ते कि जब निदेशक मण्डल द्वारा इस प्रकार प्राधिकृत किया जाए नैमेत्तिक प्रकृति के प्रशासनिक कार्य करने की शक्ति जैसे किसी भी दस्तावेज पर कंपनी की आम मुहर लगाने अथवा किसी भी बैंक में कंपनी के खाते पर कोई चेक आहरित अथवा पृष्ठांकित करने अथवा किसी परक्राम्य लिखत को आहरित अथवा पृष्ठांकित काने या शेयर प्रमाणपत्र पर हस्ताक्षर करने अथवा किसी शेयर के अंतरण के पंजीकरण का निर्देश देने की शक्ति को प्रबंधन की पर्याप्त शक्तियों के भीतर शामिल नहीं माना जाएगा।

आगे बशर्ते कि कंपनी का प्रबंध निदेशक अपनी शक्तियों का प्रयोग उसके निदेशक मण्डल के अधीक्षण, नियंत्रण और निर्देश के अधीन करेगा।

2.10.3 निदेशक मे चाहे किसी भी नाम से कहा जाए निदेशक का पद धारण करने वाला कोई व्यक्ति शामिल होता है।

2.10.4 **कार्यात्मक निदेशक** का अर्थ कंपनी का पूर्णकालिक निदेशक है।

2.10.5 **स्वतंत्र निदेशक का** अर्थ कंपनी के गैर–कार्यपालक निदेशक है जो,

(क) निदेशक का पारिश्रमिक प्राप्त करने के अतिरिक्त, कंपनी उसके प्रवर्त्तक, उसके वरिष्ठ प्रबंधन अथवा उसकी धारक कंपनी, उसकी सहायक कंपनी और एसोसिएट्स के साथ कोई वास्तवित आर्थिक संबंध अथवा लेन–देन नहीं रखते है, जो निदेशक की स्वतंत्रता को प्रभावित कर सकता हैं।

(ख) निदेशक मण्डल के स्तर पर अथवा निदेशक मण्डल के नीचे के एक स्तर पर प्रबंधन पद रखने वाले व्यक्तियों अथवा प्रवर्त्तकों से संबद्ध नहीं हैं

(ग) तत्कालीन वित्तीय वर्षों के पूर्व कंपनी का कार्यपालक नहीं रखा गया है;

(घ) निम्नलिखित में किसी एक का भागीदार अथवा कार्यपालक नहीं है अथवा पिछले तीन वर्षो के दौरान कोई भागीदार अथवा कार्यपालक नहीं था;

(i) सांविधिक लेखापरीक्षा फार्म अथवा आंतरिक लेखापरीक्षा फर्म, जो कंपनी से संबद्ध है, और

(ii) कानूनी फर्म (फर्मो) और परामर्शी फर्म (फर्मो) जिनका कंपनी के साथ वास्तविक संबंध है।

(ड.) कंपनी का कोई सामग्री आपूर्तिकर्ता, सेवा प्रदायक अथवा ग्राहक अथवा पट्टाधारी नहीं है, जो निदेशक की स्वतंत्रता प्रभावित कर सकता है, और

(च) कंपनी का पर्याप्त शेयरधारक अर्थात् मतदान शेयरों के ब्लॉक के दो प्रतिशत अथवा अधिक का स्वामी नहीं है।

स्पष्टीकरण

(क) **''एसोसिएट''** का अर्थ एक कंपनी होगा, जो इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउन्टेंट्स ऑफ इंडिया द्वारा जारी लेखाकरण मानक–23 ''समेकित वित्तीय विवरण में एसोसिएट में निवेश के लिए लेखाकरण'' में परिभाषित ''एसोसिएट'' है।

(ख) **''वरिष्ठ प्रबंधन''** का अर्थ कंपनी का कार्मिक होगा, जो निदेशक मण्डल को छोड़कर उसके मुख्य वरिष्ठ प्रबंधन दल के सदस्य हैं। सामान्यतः इसमें सभी कार्यात्मक प्रमुखों सहित कार्यकारी निदेशकों के एक स्तर नीचे के प्रबंधन के सभी सदस्य शामिल होंगे।

(ग) **''संबंधी''** का अर्थ कंपनी अधिनियम,1956 की अनुसूची I क के साथ पठित धारा 2(41) और धारा (6) में यथापरिभाषित ''संबंधी'' होगा।

3 लेखापरीक्षा समिति

3.1 विचारार्थ विषयों का संक्षिप्त विवरण

निदेशक मण्डल द्वारा निर्दिष्ट लेखापरीक्षा समिति के विचारार्थ विषय सूचीकरण करार के संशोधित खण्ड 49 तथा साथ ही कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 292 क की आवश्यकताओं के अनुरूप हैं। वे निम्नानुसार हैः

(1) कंपनी की वित्तीय रिपोर्टिंग प्रक्रिया को देखना और यह सुनिश्चित करने के लिए कि वित्तीय विवरण सही, पर्याप्त तथा विश्वसनीय हैं, इसकी वित्तीय सूचना का प्रकटन।

(2) निदेशक मण्डल को सांविधिक लेखापरीक्षकों की नियुक्ति, पुनः नियुक्ति और अगर अपेक्षित हो उनके प्रतिस्थापन अथवा उन्हें हटाने तथा लेखापरीक्षा फीस के नियतन की सिफारिश करना।

(3) सांविधिक लेखापरीक्षको द्वारा प्रदान की गई किसी अन्य सेवाओं के लिए सांविधिक लेखापरीक्षकों को भुगतान का अनुमोदन।

(4) निम्नलिखत के विशेष संदर्भ में निदेशक मण्डल के अनुमोदनार्थ वार्षिक वित्तीय विवरण प्रस्तुत करने के पूर्व प्रबंधन के साथ समीक्षा करनाः

(क) कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 217 के खण्ड (2कक) के अनुसार निदेशक मण्डल की रिपोर्ट में शामिल किए जाने के लिए निदेशकों के उत्तरदायित्व विवरण में शामिल किए जाने हेतु अपेक्षित मामले।

(ख) लेखाकरण नीतियों और पद्धतियों में परिवर्तन, अगर कोई हो और उसके लिए कारण

(ग) प्रबंधन के निर्णय के आधार पर अनुमानों वाली मुख्य लेखाकरण प्रविष्टियां

(घ) लेखापरीक्षा निष्कर्षों से उत्पन्न वित्तीय विवरण में किए गए महत्वपूर्ण सामायोजन

(ड.) वित्तीय विवरण से संबंधित सूचीकरण और अन्य कानूनी अपेक्षाओं का अपनुपालन

(च) किसी संबद्ध पक्ष लेन–देनों का प्रकटन

(छ) प्रारूप लेखापरीक्षा रिपोर्ट में अर्हता

(5) प्रबंधन के साथ निदेशक मण्डल के अनुमोदनार्थ प्रस्तुत करने के पूर्व तिमाही वित्तीय विवरण की समीक्षा करना।

(6) (i) प्रबंधन के साथ सांविधिक और आंतरिक लेखापरीक्षकों के निष्पादन, आंतरिक नियंत्रण प्रणालियों की पर्याप्तता की समीक्षा करना।

(i) आंतरिक नियंत्रण प्रणालियों का अनुपालन सुनिश्चित करना।

(7) आंतरिक लेखापरीक्षा विभाग की संरचना, कर्मचारियों की संख्या और विभाग का नेतृत्व करने वाले अधिकारियों की वरिष्ठता, रिपोर्टिंग संरचना कवरेज और आंतरिक लेखापरीक्षा की बारम्बारता सहित आंतरिक लेखापरीक्षा कार्य की पर्याप्तता, अगर कोई हो की समीक्षा करना।

(8) किसी महत्वपूर्ण निष्कर्ष और उसपर अनुवर्ती कार्रवाई के लिए आंतरिक लेखापरीक्षकों के साथ विचार–विमर्श

(9) आंतरिक लेखापरीक्षा द्वारा ऐसे विषयों की आंतरिक जांच, जिनमें धोखाधड़ी अथवा अनियमितता या वास्तविक रूप में आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की विफलता का संदेह हो, के निष्कर्षों की समीक्षा करना और बोर्ड को इस विषय की जानकारी देना।

(10) (i) आंतरिक नियंत्रण प्रणालियों के बारे में आवधिक रूप से सांविधिक लेखापरीक्षकों/आंतरिक लेखापरीक्षकों के साथ विचार–विमर्श।

(ii) लेखापरीक्षा प्रारंभ होने के पूर्व लेखापरीक्षा के स्वरूप और कार्यक्षेत्र के बारे में सांविधिक लेखापरीक्षकों के साथ विचार–विमर्श करना तथा साथ ही लेखापरीक्षकों के अवलोकनों सहित चिंता के किसी क्षेत्र को सुनिश्चित करने के लिए लेखापरीक्षा पश्चात् विचार–विमर्श करना, जमाकर्ताओं, डिबेंचरधारकों, शेयरधारकों को भुगतान (घोषित लाभांश का भुगतान नहीं करने के मामले में) और ऋणदाताओं को भुगतान में पर्याप्त चूक करने के कारणों पर गौर करना।

(12) व्हिसल ब्लोअर कार्यतंत्र, अगर वह मौजूद हो, के कार्यकरण की समीक्षा करना

(13) आंतरिक लेखापरीक्षा/बोर्ड और/अथवा भारत सरकार द्वारा ''बीएलएसी'' में उल्लिखित लेखापरीक्षा पैरा की समीक्षा करना और उसमें उल्लिखित मुद्दों पर अपना सुझाव/मार्गनिर्देशन/टिप्पणियां प्रदान करना।

(14) लेखापरीक्षा समिति के विचारार्थ विषयों के अनुसार जैसा उल्लिखित हो कोई अन्य कार्य करना।

स्पष्टीकरण (i): ''संवद्ध पक्ष लेन–देन'' का वही अर्थ होगा, जो इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउन्टेंट्स ऑफ इंडिया द्वारा जारी लेखाकरण मानक 18 ''संबद्ध पक्ष लेन–देन'' में विहित है।

स्पष्टीकरण (ii): अगर कंपनी ने कंपनी अधिनियम के उपबंध के अनुसरण में कोई लेखापरीक्षा समिति गठित की हैं तो उक्त लेखापरीक्षा समिति की इस खण्ड में यथाविहित अतिरिक्त कार्य/विशेषताएं होंगी।

3.2 समिति की संरचना, सदस्यों और अध्यक्ष का नामः

3.2.1 संरचना

(i) लेखापरीक्षा समिति में सदस्यों के रूप में न्यूनतम तीन निदेशक होंगे। लेखापरीक्षा समिति के सदस्यों के दो–तिहाई स्वतंत्र निदेशक होंगे।

(ii) लेखापरीक्षा समिति के सभी सदस्य वित्तीय रूप से साक्षर होंगे और कम से कम एक सदस्य को लेखाकरण अथवा संबद्ध वित्तीय प्रबंधन विशेषज्ञता होगी।

स्पष्टीकरण (i): ''वित्तीय रूप से साक्षर'' शब्द का अर्थ बुनियादी वित्तीय विवरणों अर्थात तुलन–पत्र, लाभ और हानि लेखा, और रोकड़ प्रवाह के विवरण को पढ़ने और समझने का सामर्थ्य है।

स्पष्टीकरण (ii): किसी सदस्य को लेखाकरण अथवा संबद्ध वित्तीय प्रबंधन विशेषज्ञता रखना माना जाएगा अगर उसके पास वित्त अथवा लेखाकरण, में अनुभव अथवा लेखाकरण में व्यावसायिक मान्यताकरण हो अथवा कोई अन्य तुलनीय अनुभव अथवा पृष्ठभूमि हो, जिससे व्यक्ति में वित्तीय परिष्करण हो और जो वित्तीय दूरदृष्टि उत्तरदायित्वों के साथ मुख्य कार्यकारी अधिकारी, मुख्य वित्तीय अधिकारी अथवा अन्य वरिष्ठ अधिकारी हो।

(iii) (क) लेखापरीक्षा समिति के सदस्य अपने बीच में से एक अध्यक्ष का चुनाव करेंगे।

(ख) लेखापरीक्षा समिति का अध्यक्ष एक स्वतंत्र निदेशक होगा।

(iv) लेखापरीक्षा समिति का अध्यक्ष शेयरधारको के प्रश्नों का उत्तर देने के लिए वार्षिक सामान्य बैठक में उपस्थित रहेगा;

(v) लेखापरीक्षा समिति ऐसे कार्यपालकों को जिसे वह उपयुक्त समझें (और विशेषकर वित्त कार्य के प्रमुख) समिति की बैठकों में उपस्थित रहने के लिए आमंत्रित कर सकती हैं, परन्तु कभी–कभी यह कंपनी के किसी कार्यपालक की उपस्थिति के बिना बैठक कर सकती है। वित्त निदेशक, आंतरिक लेखापरीक्षा प्रमुख और सांविधिक लेखापरीक्षक का एक प्रतिनिधि लेखापरीक्षा समिति की बैठकों के लिए आमंत्रिती के रूप में उपस्थित रहेंगे। वे लेखापरीक्षा समिति की बैठको में भाग लेंगे परंतु उन्हें मत देने का अधिकार नहीं होगा।

(vi) कंपनी सचिव समिति के सचिव के रूप में कार्य करेंगे।

3.2.2 सदस्यों और अध्यक्ष का नाम

लेखापरीक्षा समिति के सदस्यों और अध्यक्ष के नाम और उनके कार्यकाल का ब्यौरा निम्नानुसार है:

निदेशक का नाम	पद	
सर्व / श्री	सदस्य	अध्यक्ष
ए.सी. वधावन	दिनांक 14.06.2004 तक	दिनांक 14.06.2004 तक
डा. आनंद पाटकर	दिनांक 14.06.2004 तक	–
जी.पी. गुप्ता	दिनांक 13.08.2004 तक	दिनांक 11.07.2004 से 13.08.2004 तक
शरद उपासनी	दिनांक 25.06.2004 से 25.12.2004 तक	–
ए.एच. जंग	दिनांक 25.06.2004 से 23.02.2005 तक	दिनांक 28.10.2004 से 30.01.2005 तक
विनीत नैय्यर	दिनांक 28.10.2004 से जारी	दिनांक 31.01.2005 से जारी

3.3 वर्ष 2004–05 के दौरान लेखापरीक्षा समिति की बैठकें और उपस्थिति

समिति की समीक्षाधीन वर्ष के दौरान 10 बैठके हुई। सदस्यों और अध्यक्ष की उपस्थिति का ब्यौरा निम्नानुसार है:

बैठक की तारीख	श्री ए.सी. वधावन	डा. आनन्द पाटकर	श्री जी.पी. गुप्ता	शरद उपासनी	ए.एच. जंग	विनीत नैय्यर
26.04.2004	उपस्थित	उपस्थित	उपस्थित	–	–	–
08.06.2004	उपस्थित	उपस्थित	उपस्थित	–	–	–
11.07.2004 और 12.07.2004	–	–	उपस्थित	उपस्थित	उपस्थित	–
19.07.2004 और 20.07.2004	–	–	उपस्थित	उपस्थित	उपस्थित	–
29.07.2004	–	–	उपस्थित	उपस्थित	उपस्थित	–
30.07.2004	–	–	उपस्थित	उपस्थित	उपस्थित	–
04.08.2004	–	–	उपस्थित	उपस्थित	अनुपस्थित	–
28.10.2004	–	–	–	उपस्थित	उपस्थित	–
10.12.2004	–	–	–	उपस्थित	उपस्थित	अनुपस्थित
31.01.2005	–	–	–	–	उपस्थित	उपस्थित

निदेशक (वित्त) लेखापरीक्षा समिति की सभी बैठकों में उपस्थित थे और महाप्रबंधक (आंतरिक लेखापरीक्षा) भी समीक्षाधीन वर्ष के दौरान 31 जनवरी, 2005 को आयोजित बैठक को छोड़कर लेखापरीक्षा समिति की सभी बैठकों में सूचीकरण करार की आवश्यकतानुसार आमंत्रिती के रूप में उपस्थित थे। जब भी अपेक्षा होती है, कंपनी के सांविधिक लेखापरीक्षकों के प्रतिनिधि ने भी लेखापरीक्षा समिति की बैठकों में भाग लिया।

4. पारिश्रमिक समिति

4.1 पारिश्रमिक नीति

सरकारी क्षेत्र का उपक्रम होने के कारण बीएचईएल के निदेशकों की नियुक्ति, कार्यकाल तथा पारिश्रमिक भारत के राष्ट्रपति द्वारा निश्चित किया जाता है। इसलिए बोर्ड निदेशकों के पारिश्रमिक का निर्णय नहीं लेता। स्वतंत्र निदेशकों को बोर्ड की बैठकों तथा साथ ही समिति की बैठकों में भाग लेने के लिए सिटिंग फीस का भुगतान किया जाता है। तथापि, खंड 49(III) (ड.) द्वारा यथापेक्षित, निदेशकों के पारिश्रमिक के संबंध में आवश्यक प्रकटीकरण 4.2 में किया गया है :

4.2 वर्ष 2004–05 के दौरान कार्यात्मक निदेशकों के पारिश्रमिक का ब्यौरा निम्नानुसार है:

क्रम.सं	निदेशक का नाम सर्व श्री	वेतन	लाभ	बकाया, अगर कोई हो	निष्पादन संबद्ध प्रोत्साहन	कुल	सेवा संविदा/नोटिस अवधि/सेवा प्रदाय फीस
1.	अशोक के. पुरी	614850	249629	0	17206	881685	चक्रानुक्रम में सेवानिवृत्त होने योग्य नहीं
2.	एच.डब्ल्यू. भटनागर (दिनांक 28.02.2005)	1296065	360168	0	17206	1673439	अधिवर्षिता की आयु प्राप्त करने पर सेवानिवृत्त
3.	सी. श्रीनिवासन (दिनांक 31.05.2005 तक)	494234	335782	0	17206	847222	अधिवर्षिता की आयु प्राप्त करने पर सेवानिवृत्त
4.	रामजी राय	607215	244988	0	17346	869549	चक्रानुक्रम द्वारा सेवानिवृत्ति
5.	एस.के. जैन	537288	260551	0	17153	814992	चक्रानुक्रम द्वारा सेवानिवृत्ति

4.3 वर्ष 2004-05 के दौरान गैर–कार्यकारी निदेशकों को दिए गए भुगतान का ब्यौरा नीचे दिया गया है :

गैर–कार्यकारी निदेशक का नाम सर्व/श्री	सिटिंग फीस		योग
	बोर्ड बैठकें	समिति बैठकें	
ए. सी. वधावन	20,000/–	15,000/–	35,000/–
डॉ. आनंद पटकर	20,000/–	10,000/–	30,000/–
जी. पी. गुप्ता	30,000/–	35,000/–	65,000/–
शरद उपासनी	35,000/–	35,000/–	70,000/–
ए. एच. जंग	40,000/–	45,000/–	85,000/–
सुधीर श्रीधर सुपे	30,000/–	शून्य	30,000/–
रंजन पंत	15,000/–	शून्य	15,000/–
विनीत नैय्यर	40,000/–	5,000/–	45,000/–

स्वतंत्र निदेशक, निदेशक मण्डल अथवा समिति की प्रति बैठक 5000/– रूपए की सिटिंग फीस के लिए हकदार हैं।

4.4 निदेशकों द्वारा धारित इक्विटी शेयर

यहां नीचे यथावर्णित को छोड़कर किसी भी निदेशक के पास बीएचईएल में कोई इक्विटी शेयर नहीं है (दिनांक 31 मार्च, 2005 की यथास्थिति)

निदेशक का नाम	धारित शेयरों की संख्या
श्री अशोक के. पुरी	200

5. शेयरधारक समिति

5.1 शेयर अंतरण समिति

बोर्ड ने बहुत पहले एक शेयर अंतरण समिति गठित की थी, जिसमें कंपनी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, निदेशक (विद्युत) तथा निदेशक (वित्त) शामिल हैं। यह शेयर अंतरण समिति सभी शेयर से संबद्ध मुद्दों शेयरों के अंतरण/पारेषण, डीमैट मोड के अधीन लाभप्रद स्थिति को ध्यान में रखने के अतिरिक्त फिजिकल मोड में डुप्लिकेट शेयर प्रमाण–पत्र आदि जारी किए जाने पर विचार करती है और अनुमोदन प्रदान करती है।

वर्ष 2004–05 के दौरान बैठक

वर्ष 2004–05 के दौरान, शेयर अंतरण समिति ने 26 बैठकें कीं और शेयर संबद्ध मुद्दो से संबंधित कार्य किया। शेयर अंतरण आदि से संबंधित कार्य कार्वी कम्प्यूटरशेयर प्राइवेट लिमिटेड द्वारा देखा जाता है। शेयर अंतरण समिति की बैठकों का कार्यवृत्त आवधिक रूप से निदेशक मण्डल के समक्ष प्रस्तुत किया जाता है।

चूंकि कुल चुकता शेयर पूंजी के विनिवेशित 32.28% का 99% शेयर अमूर्त रूप में है, अतः वर्ष के दौरान भौतिक खण्ड में शेयरों का अंतरण काफी कम हुआ तथा शेयर अंतरण समिति की बैठकें अंतरण की आवश्यकतानुसार की गई।

5.2 शेयरधारकों/निवेशकों की शिकायत समिति

5.2.1 समिति के प्रमुख गैर–कार्यकारी निदेशक का नाम

श्री ए.सी. वधावन ने दिनांक 14.06.2004 तक और श्री ए.एच. जंग ने दिनांक 27.10.2004 से 23.02.2005 तक समिति के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया।

वर्ष 2004–05 के दौरान बैठक और उपस्थिति

समिति ने समीक्षाधीन वर्ष के दौरान 3 बैठकें कीं। सदस्यों और अध्यक्ष की उपस्थिति का ब्यौरा निम्नानुसार है :

क्रम. सं.	निदेशक का नाम और पद	बैठकें/उपस्थिति		
	सर्व/श्री	10.08.2004	27.10.2004	19.02.2005
1.	ए.सी. वधावन (अध्यक्ष)	उपस्थित	लागू नहीं	लागू नहीं
2.	ए.एच. जंग (अध्यक्ष)	लागू नहीं	उपस्थित	उपस्थित
3.	सी. श्रीनिवासन (सदस्य)	उपस्थित	उपस्थित	उपस्थित
4.	एस.के. जैन (सदस्य)	उपस्थित	उपस्थित	उपस्थित

5.2.2 अनुपालन अधिकारी का नाम तथा पदनाम

श्री एन.के. सिन्हा, कंपनी सचिव सूचीकरण करार के खण्ड 47 के अनुसार अनुपालन अधिकारी है।

5.2.3 अभी तक शेयरधारकों से प्राप्त शिकायतों की संख्या

जैसा कार्वी कंसल्टेंट लिमिटेड (आरटीए) द्वारा सेबी को सूचित किया गया है, समीक्षाधीन वर्ष के दौरान शेयरधारकों की 303 शिकायतें प्राप्त हुई थीं, जिनमें से सभी का दिनांक 31 मार्च, 2005 तक निपटारा कर दिया गया था।

5.2.4 शेयरधारकों की संतुष्टि तक नहीं निपटाई गई शिकायतों की संख्या

शून्य

5.2.5 लंबित शिकायतों की संख्या

दिनांक 31 मार्च, 2005 को कोई भी शिकायत लंबित नहीं थी।

6. सामान्य बैठक

6.1 स्थान और समय, जहां पिछली तीन वार्षिक आम बैठकें आयोजित हुई :

विवरण	वित्तीय वर्ष 2001–02 (38वी वार्षिक सामान्य बैठक)	वित्तीय वर्ष 2002–03 (39वी वार्षिक सामान्य बैठक)	वित्तीय वर्ष 2003–04 (40वी वार्षिक सामान्य बैठक)
दिनांक	30 सितम्बर, 2002	30 सितम्बर, 2003	28 सितम्बर, 2004
समय	पूर्वाह्न 10.00 बजे	पूर्वाहन 10.00 बजे	पूर्वाह्न 10.00 बजे
स्थान	फिक्की समागार बाराखम्बा रोड, (तानसेन मार्ग) नई दिल्ली–110 001	फिक्की समागार बाराखम्बा रोड, (तानसेन मार्ग) नई दिल्ली–110 001	फिक्की समागार बाराखम्बा रोड, (तानसेन मार्ग) नई दिल्ली–110 001

6.2 क्या पिछली 3 वार्षिक सामान्य बैठकों में कोई विशेष संकल्प पारित किए गए

जी हां। दिनांक 28.09.2004 को आयोजित 40वीं वार्षिक सामान्य बैठक में कंपनी ने अहमदाबाद, चेन्नई, दिल्ली और कोलकाता के स्टॉक एक्सचेंजो से अपने इक्विटी शेयर हटाने के लिए विशेष संकल्प पारित किया।

6.3 क्या पिछले वर्ष डाक–मत के माध्यम से विशेष संकल्प किए गए, मतदान पैटर्न का विवरण :

पिछली वर्ष डाक, मत–पत्र के माध्यम से कोई विशेष संकल्प नहीं किए गए।

6.4 व्यक्ति, जिसने डाक मत–पत्र कार्य संचालित किया :

लागू नहीं

6.5 क्या डाक मत–पत्र के माध्यम से विशेष संकल्प किए जाने प्रस्तावित हैं।

डाक मत–पत्र के माध्यम से कोई विशेष संकल्प किया जाना प्रस्तावित नहीं है।

6.6 डाक मतपत्र के लिए कार्यविधि

लागू नहीं

7. प्रकटीकरण (डिस्क्लोजर)

7.1 संबद्ध पक्ष के साथ वास्तवित रूप से महत्वपूर्ण लेने–देन का प्रकटीकरण, जिसके कंपनी के हित के विरूद्ध होने की संभवना हो।

कंपनी का किसी संबद्ध पक्ष से कोई भी ऐसा लेन–देन नहीं है, जिसका उसके हित के विरूद्ध होने की संभवना हो।

7.2 कंपनी द्वारा अनुपालन नहीं किए गए विषयों पूंजी बाजार से संबद्ध किसी विषय पर स्टॉक एक्सचेंज अथवा 'सेबी' या अन्य किसी सांविधिक प्राधिकरण द्वारा पिछले तीन वर्षों के दौरान कंपनी पर लगाए गए दंडों, अवक्षेपों का विवरण।

कंपनी ने स्टॉक एक्सचेंज के साथ सूचीकरण करार तथा साथ ही ''सेबी'' द्वारा निर्धारित विनियमों और दिशानिर्देशों को सभी अपेक्षाओं का अनुपालन किया है। पिछले तीन वर्षों के दौरान पूंजी बाजार से संबंधित किसी भी विषय पर किसी सांविधिक प्राधिकारियों द्वारा कंपनी पर कोई दंड या अवक्षेप नहीं लगाया गया है।

7.3 इस खण्ड के अनिवार्य आवश्यकताओं के अनुपालन और गैर–अनिवार्य आवश्यकताओं को अपनाने का ब्यौरा

सूचीकरण करार का खण्ड 29 हमें या तो लेखापरीक्षकों अथवा प्रैक्टिसरत कंपनी सचिव से खण्ड में यथानिर्दिष्ट कारपोरेट अभिशासन की शर्तो के अनुपालन से संबंधित प्रमाणपत्र प्राप्त करने और प्रमाणपत्र को निदेशकों की रिपोर्ट, जो प्रतिवर्ष हमारे सभी शेयरधारकों को भेजी जाती है, के साथ संलग्न करने का अधिदेश देता है। हमने इस आशय का प्रमाणपत्र प्राप्त किया है और उसे निदेशकों की रिपोर्ट के अनुबंध के रूप में दिया गया है।

यह खण्ड आगे वर्णन करता है कि गैर–अनिवार्य आवश्यकताओं को कंपनी के विवेकानुसार कार्यान्वित किया जाए। तथापि, अनिवार्य आवश्यकताओं के अनुपालन और गैर–अनिवार्य आवश्यकताओं को अपनाना (और अनुपालन)/नहीं अपनाना आवश्यकता के आधार पर किया जाएगा।

8. संप्रेषण के साधन

8.1 तिमाही परिणाम

कंपनी ने सूचीकरण करार के खण्ड 41 में निर्धारित प्रपत्र में तिमाही की समाप्ति से एक महीने के भीतर तिमाही आधार पर टिप्पणियों के साथ अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणाम स्टॉक एक्सचेंज को प्रस्तुत किया है।

कंपनी ने पूर्ण भारत अथवा पर्याप्त रूप से भारत में परिचालित दैनिक समाचार पत्र इंडियन एक्सप्रेस/दि इकोनॉमिक टाइम्स/दि टाइम्स ऑफ इंडिया (अंग्रेजी), और जनसत्ता/नवभारत टाइम्स (हिन्दी) में भी निदेशक मण्डल के निष्कर्षों की 48 घण्टे के भीतर उपरोक्त परिणाम प्रकाशित किया है। कंपनी उस स्टॉक एक्सचेंज, जहां उसकी प्रतिभूतियां सूचीबद्ध है, को कम से कम 7 दिनों पूर्व निदेशक मण्डल की बैठक की तारीख के बारे में सूचित करती है और निदेशक मण्डल की उपरोक्त बैठक की तारीख के बारे में कम से कम एक राष्ट्रीय समाचार पत्र और एक क्षेत्रीय भाषा के समाचारपत्र में तत्काल प्रेस विज्ञप्ति भी जारी करती है।

8.2 समाचारपत्र, जिनमें सामान्यतया परिणाम प्रकाशित हुए

टिप्पणियों के साथ अलेखापरीक्षित तिमाही परिणाम सामान्यतया निम्नलिखित समाचारपत्रों में प्रकाशित हुए :

समाचार पत्र	निम्नलिखित तिमाही को समाप्त परिणामों के प्रकाशन की तारीख				
	31.03.2004	**30.06.2004**	**30.09.2004**	**31.12.2004**	**31.03.2005**
इंडियन एक्सप्रेस, नई दिल्ली (अंग्रेजी)	28.04.2004	30.07.2004	29.10.2004	—	29.04.2005
जनसत्ता, नई दिल्ली (हिन्दी)	28.04.2004	30.07.2004	29.10.2004	—	29.04.2005
दि इकोनॉमिक टाइम्स, नई दिल्ली (अंग्रेजी)	—	—	—	01.02.2005	—
टाइम्स ऑफ इंडिया नई दिल्ली (अंग्रेजी)	—	—	—	01.02.2005	—
नवभारत टाइम्स नई दिल्ली (हिन्दी)	—	—	—	01.02.2005	—

8.3 वेबसाइट, जहां प्रदर्शित किया गया

http://www.bhel.com

8.4 क्या इसमें अधिकारिक प्रेस विज्ञप्तियां, संस्थागत निवेशकों अथवा विश्लेषकों के लिए बनाए गए प्रस्तुतिकरण भी प्रदर्शित किए जाते हैं

जी हां। कंपनी में मुख्य ऑर्डर की प्राप्ति जैसे होने वाली उपलब्धियों और महत्वपूर्ण घटनाओं को समाचारपत्र तथा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से घोषित किया जाता है और कंपनी की वेबसाइट पर भी दर्ज किया जाता है।

9. शेयरधारकों के लिए सामान्य सूचना

9.1 वार्षिक सामान्य बैठक (तारीख, समय और स्थान)

दिनांक	समय	स्थान
29 सितम्बर, 2005	पूर्वाह्न 10.00 बजे	फिक्की सभागार, बाराखम्बा रोड (तानसेन मार्ग) नई दिल्ली – 110 001

9.2 वित्तीय वर्ष – 1 अप्रैल, 2004 से 31 मार्च, 2005

9.3 खाता बंदी की तारीख – 9 सितम्बर, 2005 से 29 सितम्बर, 2005 तक (दोनों दिन शामिल)

9.4 लाभांश भुगतान की तारीख – दिनांक 28 अक्टूबर, 2005 को अथवा उसके पूर्व

9.5 **लाभांश इतिहास :**

लाभांश भुगतानों के संबंध में बीएचईएल **''स्थिरता–सह–वृद्धि''** नीति अपनाती रही है। विगत दस वर्षों के दौरान बीएचईएल द्वारा भुगतान किए गए लाभांश और 31.03.2005 तक दावा न की गई लाभांश राशि का सारांश निम्नांकित है :

वर्ष	**लाभांश की दर**	**शेयरों की संख्या**	**भगुतान किए गए लाभांश की कुल राशि (रु.)**	**वार्षिक सामान्य बैठक की तारीख जिसमें लाभांश की घोषणा की गई**	**भुगतान की तारीख**	**31.03.2005 को अदावाकृत लाभांश (रु.)**	**आईईपीएफ में अंतरण के लिए प्रस्तावित तारीख**
1994-1995	15%	244760000	367140000	28.09.1995	08.11.1995	केंद्रीय सरकार के सामान्य राजस्व खाते में पहले से ही आंतरित	
1995-1996	20%	244760000	489520000	30.09.1996	11.11.1996	निवेशक शिक्षा एवं संरक्षण निधि में पहले से ही अंतरित	
1996-1997	20%	244760000	489520000	29.09.1997	10.11.1997	निवेशक शिक्षा एवं संरक्षण निधि में पहले से ही अंतरित	

1997-1998	25%	244760000	611900000	30.09.1998	11.11.1998	240025	17.11.2005
1998-1999	25%	244760000	611900000	30.09.1999	11.11.1999	277791	17.11.2006
1999-2000 (अंतरिम)	15%	244760000	367140000	19.05.2000*	31.05.2000	784356	06.07.200
1999-2000 (अंतिम)	15%	244760000	367140000	29.09.2000	10.11.2000	748043	16.11.2007
2000-2001	30%	244760000	734280000	28.09.2001	03.10.2001	545271	03.11.2008
2001-2002	40%	244760000	979040000	30.09.2002	07.10.2002	666390	05.11.2009
2002-2003 (अंतिम)	40%	244760000	979040000	30.09.2003	06.10.2003	545636	05.11.2010
2003-2004 (अंतरिम)	30%	244760000	734280000	01.03.2004*	22.03.2004	323668	06.04.2011
2003-2004 (अंतिम)	30%	244760000	734280000	28.09.2004	04.10.2004	263394	03.11.2011
2004-2005 (अंतरिम)	35%	244760000	856660000	10.12.2004*	26.12.2004	344173	15.01.2012

* निदेशक मंडल की बैठक की वह तारीख, जिसको अंतरिम लाभांश घोषित किया गया।

9.6 स्टॉक एक्सचेंजों में सूचीकरण की स्थिति

बीएचईएल के शेयर निम्नलिखित स्टॉक एक्सचेंजों पर सूचीबद्ध है, जिसके लिए वर्ष 2005–06 हेतु, सूचीकरण फीस का भुगतान किया गया है :

स्टॉक एक्सचेंजों का नाम और पता	स्टॉक कोड
1. दि स्टॉक एक्सचेंज, मुम्बई (बीएसई) फिरोज जिजीभाय, टावर्स, दलाल स्ट्रीट, मुम्बई–400 001	500103
2. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनएसई) एक्सचेंज प्लाजा, प्लॉट सं. सी/1, जी ब्लॉक बांद्रा–कुर्ला कॉम्पलेक्स, बांद्रा (पूर्व) मुम्बई–400 051	बीएचईएल

9.7 इक्विटी शेयरों को सूची से हटाना

कंपनी के इक्विटी शेयर दि दिल्ली स्टॉक एक्सचेंज एसोसिएशन लिमिटेड, मद्रास स्टॉक एस्सचेंज लिमिटेड और दि स्टॉक एक्सचेंज, अहमदाबाद से क्रमशः दिनांक 10.12.2004, 19.01.2005 और 28.01.2005 से हटाए गए हैं।

कंपनी ने कलकत्ता स्टॉक एक्सचेंज एसोसिएशन लिमिटेड से कंपनी के इक्विटी शेयरों को हटाने के लिए अपेक्षित सभी आवश्यकताओं का अनुपालन किया है और हटाने के लिए अनुमोदन की इस स्टॉक एक्सचेंज से प्रतीक्षा है। कंपनी ने वर्ष 2005–06 के लिए न तो सूचीकरण फीस अदा की है और दिनांक 1.04.2005 से कलकत्ता स्टॉक एक्सचेंज को सूचीकरण करार के अनुसार भेजे जाने के लिए अपेक्षित कोई विवरणी/रिपोर्ट/दस्तावेज आदि ही भेज रही है।

9.8 बीएसई संवेदी सूचकांक, बीएसई पीएसयू सूचकांक और एसएण्डपी सीएनएक्स निफ्टी सूचकांक जैसे वृहद आधार वाले सूचकांको की तुलना में बाजार मूल्य आंकड़ा और निष्पादन

बीएचईएल का बाजार पूंजीकरण बीएसई–30 संवेदी सूचकांक (सेनसेक्स) बीएसई पीएसयू सूचकांक और एसएण्डपी सीएनएक्स निफ्टी सूचकांक के संगणन में शामिल है।

9.8.1. बीएचईएल बनाम बीएसई संवेदी सूचकांक

बीएसई संवेदी सूचकांक की तुलना में स्टॉक एक्सचेंज, मुम्बई (बीएसई) पर दिनांक 31 मार्च, 2005 को समाप्त पिछले वित्तीय वर्ष में प्रत्येक माह के दौरान बीएचईएल के उच्च और निम्न बाजार शेयर मूल्य, व्यापार किए गए शेयरों की संख्या और निवल कुल कारोबार, का सारांश निम्नानुसार है :

माह	बीएचईएल शेयर मूल्य (रुपए)		बीएसई सेंसेक्स (सं.)		कारोबार किए गए शेयरों की संख्या	कुल कारोबार (लाख रुपए)
	उच्च	निम्न	उच्च	निम्न		
अप्रैल, 2004	686.00	580.25	5,979.25	5,599.12	5778198	36320.50
मई, 2004	604.90	375.00	5,772.64	4,227.50	8370050	41463.04
जून, 2004	514.00	400.00	5,012.52	4,613.94	9893742	46337.16
जुलाई, 2004	559.50	496.15	5,200.85	4,723.04	4879489	25905.72
अगस्त, 2004	581.00	505.15	5,269.22	5,022.29	3917568	21499.83
सितम्बर, 2004	601.35	554.00	5,638.79	5,178.57	4461091	25853.44
अक्तूबर, 2004	655.15	575.50	5,803.82	5,558.14	2544513	15752.73
नवम्बर, 2004	644.80	598.60	6,248.43	5,649.03	1481735	9196.46
दिसम्बर, 2004	786.00	614.05	6,617.15	6,176.09	2835406	19408.22
जनवरी, 2005	800.00	669.05	6,696.31	6,069.33	1738997	12586.21
फरवरी, 2005	877.10	749.00	6,721.08	6,508.33	1889911	15612.26
मार्च, 2005	883.00	741.60	6,954.86	6,321.31	2533413	20396.72

* स्त्रोत: www.bseindia.com

बीएसई संवेदी सूचकांक (उच्च) बनाम बीएचईएल शेयर मूल्य (उच्च) का निष्पादन

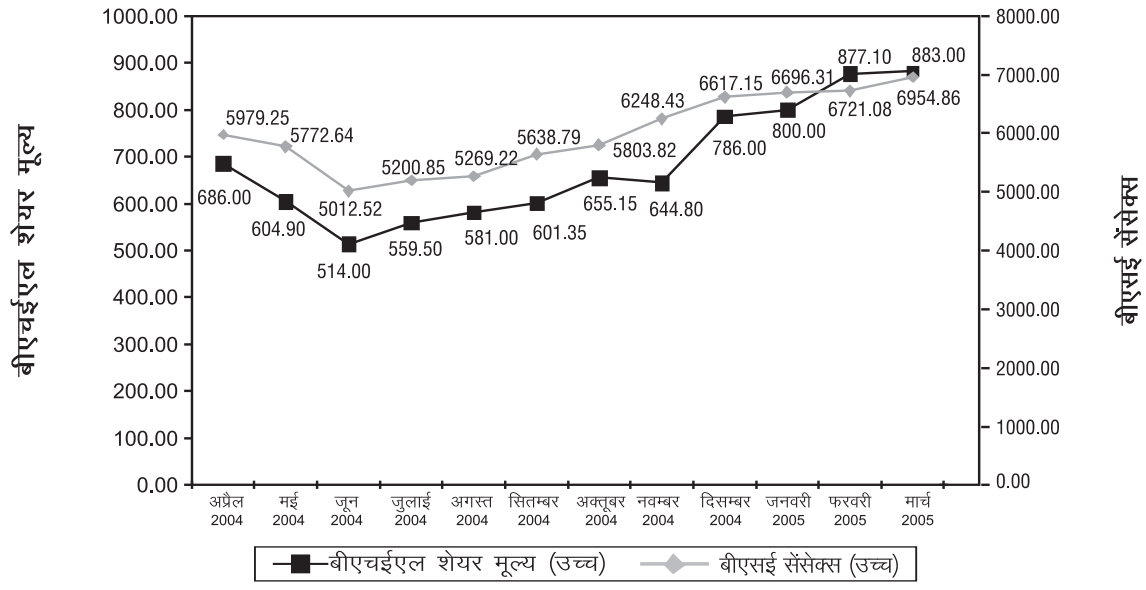

9.8.2. बीएचईएल बनाम बीएसई पीएसयू सूचकांक

दिनांक 31 मार्च, 2005 को समाप्त पिछले वित्तीय वर्ष में प्रत्येक माह के दौरान बीएसई पीएसयू सूचकांक की तुलना में स्टॉक एक्सचेंज, मुम्बई (बीएसई) पर बीएचईएल के उच्च और निम्न बाजार शेयर मूल्य का सारांश निम्नानुसार है :

माह	बीएचईएल शेयर मूल्य (रुपए)		बीएसई पीएसयू सूचकांक	
	उच्च	निम्न	उच्च	निम्न
अप्रैल, 2004	686.00	580.25	4,394.97	3,906.85
मई, 2004	604.90	375.00	4,205.74	2,458.60
जून, 2004	514.00	400.00	3,172.03	2,820.95
जुलाई, 2004	559.50	496.15	3,331.84	2,861.15
अगस्त, 2004	581.00	505.15	3,404.13	3,122.36
सितम्बर, 2004	601.35	554.00	3,603.22	3,310.94
अक्टूबर, 2004	655.15	575.50	3,787.97	3,550.20
नवम्बर, 2004	644.80	598.60	3,976.91	3,594.47
दिसम्बर, 2004	786.00	614.05	4,427.16	3,927.72
जनवरी, 2005	800.00	669.05	4,549.49	3,920.82
फरवरी, 2005	877.10	749.00	4,491.71	4,225.15
मार्च, 2005	883.00	741.60	4,672.15	4,093.70

* स्त्रोत : www.bseindia.com

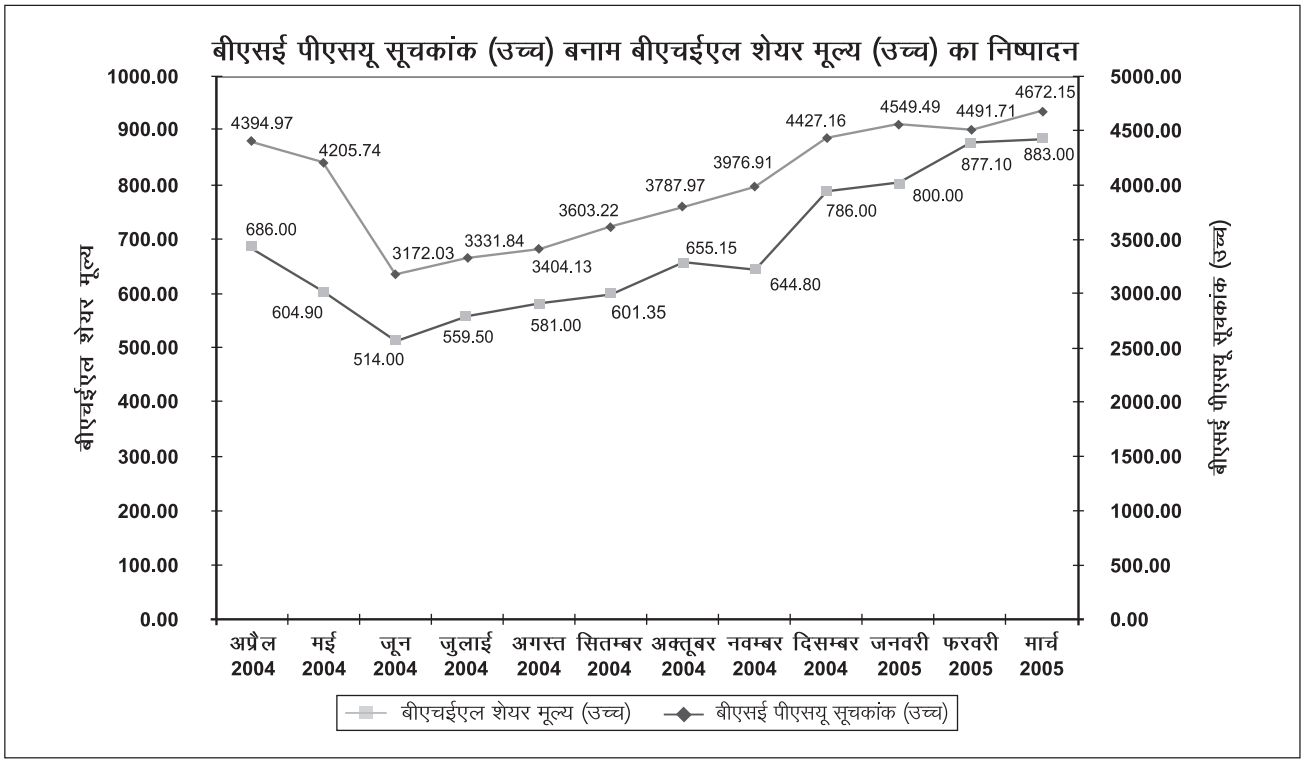

9.8.3. बीएचईएल बनाम एसएण्डपी सीएनएक्स निफ्टी

दिनांक 31 मार्च, 2005 को समाप्त पिछले वित्तीय वर्ष में प्रत्येक माह के दौरान एसएण्डपी सीएनएक्स निफ्टी की तुलना में दि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनएसई) पर बीएचईएल के शेयर के बाजार मूल्य का उच्च और निम्न, व्यापार किए गए शेयर और निवल कुल कारोबार का सारांश निम्नानुसार हैं:

माह	बीएचईएल शेयर मूल्य (रु.)		एनएसई निफ्टी		*कारोबार किए गए शेयरों की संख्या	निवल कारोबार* (रु.लाख में)
	उच्च	निम्न	उच्च	निम्न		
अप्रैल 2004	684.70	581.25	1912.35	1771.45	17852051	111968.51
मई 2004	605.00	375.00	1837.95	1292.20	23328224	116343.49
जून 2004	513.80	420.30	1566.50	1437.90	23975480	113118.08
जुलाई 2004	574.85	425.00	1638.70	1472.55	16840953	89440.43
अगस्त 2004	581.50	519.00	1658.90	1573.70	13708031	75345.25
सितम्बर 2004	601.10	547.00	1760.80	1619.90	12842975	74377.10
अक्टूबर 2004	645.00	575.95	1829.45	1737.85	6998666	43375.34
नवम्बर 2004	646.00	591.10	1963.80	1776.70	6000016	37158.11
दिसम्बर 2004	781.50	532.00	2088.45	1944.50	7967878	54990.29
जनवरी 2005	799.00	630.00	2120.15	1894.40	7146718	51923.61
फरवरी 2005	877.00	745.00	2110.15	2036.60	8223168	67761.62
मार्च 2005	883.90	740.25	2183.45	1971.15	8079927	64896.57

* स्त्रोत : www.nseindia.com

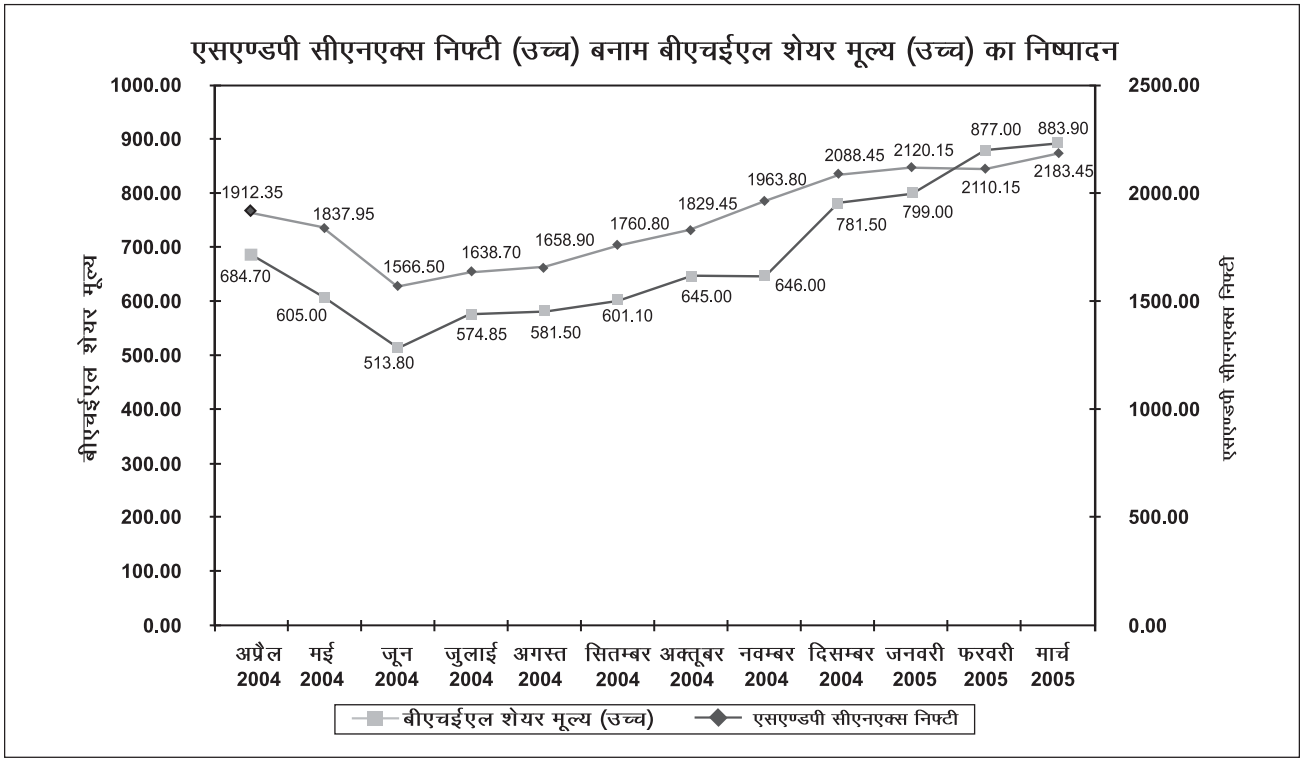

9.9 अंतरंग व्यापार पर नीति

बीएचईएल ने अंतरंग व्यापार की रोकथाम के लिए सेबी (अंतरंग व्यापार की रोकथाम) विनियम, 1992 और समय–समय पर संशोधित, के अंतर्गत विनिर्दिष्ट दिशानिर्देशों के अनुसार आचार संहिता को अपनाया है। संहिता का उद्देश्य अप्रकाशित मूल्य से सम्बद्ध संवेदनशील सूचना के आधार पर अंतरंग द्वारा कम्पनी के शेयरों के क्रय और/अथवा विक्रय की रोकथाम है। इस संहिता के अंतर्गत अंतरंगों (निदेशक, पदनामित कर्मचारी और अन्य सम्बद्ध व्यक्ति) को विनिर्दिष्ट सीमाओं से बाहर कम्पनी के शेयरों के क्रय–विक्रय से रोकना है तथा संहिता दी गई परिभाषा के अनुसार उनसे समय–समय पर सम्बंधित सूचना को प्रकट करना अपेक्षित है। निदेशक मंडल में निदेशक (वित्त) को संहिता के अंतर्गत अनुपालन अधिकारी के रूप में नियुक्त किया है।

9.10 रजिस्ट्रार और शेयर अंतरण एजेंट (आरटीए)

दिल्ली का पता

मैसर्स कार्वी कम्प्यूटरशेयर प्राइवेट लिमिटेड
यूनिट : बीएचईएल
105-108, अरूणाचल बिल्डिंग,
19, बाराखम्बा रोड,
नई दिल्ली - 110 001

दूरभाष : 011-23324401 / 09
फैक्स : 011-23730743
ई–मेल : delhi@karvy.com
michealg@karvy.com

हैदराबाद का पता

मैसर्स कार्वी कम्प्यूटरशेयर प्राइवेट लिमिटेड
यूनिट : बीएचईएल
कार्वी हाउस, 46, एवेन्यू 4,
स्ट्रीट सं. 1, बंजारा हिल्स,
हैदराबाद-500 034.

दूरभाष : 040-23312454, 23320251/751/752
फैक्स : 040-23311968, 23323049
ई–मेल : mailmanager@karvy.com
madhusudhan@karvy.com

शेयरधारकों की सेवा के लिए आरटीए का निष्पादन संतोषजनक रहा है। निवेशकों की सभी शिकायतों का तत्काल निराकरण किया गया है।

9.11 शेयर अंतरण पद्धति

वास्तविक खंड के अधीन संपूर्ण शेयर अंतरण संबंधी कार्यकलाप कार्वी कम्प्यूटरशेयर प्रा. लि., (आरटीए) द्वारा किए जाते हैं। शेयर अंतरण प्रणाली में अंतरिती से अंतरण विलेख के साथ शेयरों की प्राप्ति, उसका सत्यापन, अंतरण ज्ञापन तैयार करना, शेयर अंतरण संमिति द्वारा उसके अनुमोदन और सूचीकरण करार के अनुसार, निर्धारित समय के भीतर संबंधित अंतरितियों को अंतरित प्रमाणपत्र के प्रेषण जैसे कार्यकलाप शामिल हैं।

9.12 शेयरधारिता का वितरण

(i) 31 मार्च, 2005 को धारिता के आकार के अनुसार शेयरों का वितरण

धारित इक्विटी शेयरों की संख्या	शेयर धारकों की संख्या	शेयर धारकों का प्रतिशत	शेयरों की संख्या	शेयरधारिता का प्रतिशत
1-500	21341	94.81	1782468	0.73
501-1000	492	2.19	372129	0.15
1001-2000	213	0.95	313754	0.13
2001-3000	59	0.26	152464	0.06
3001-4000	30	0.13	108015	0.05
4001-5000	20	0.09	96258	0.04
5001-10000	52	0.23	395118	0.16
10001 और अधिक	303	1.35	241539794	98.68
योग	**22510**	**100.00**	**244760000**	**100.00**

(ii) 31 मार्च की शेयरधारिता का पैटर्न

श्रेणी	2005		2004	
	मत संख्या (%)	धारित शेयरों की सं.	मत संख्या (%)	धारित शेयरों की सं.
प्रवर्तकों की धारिता				
भारतीय प्रवर्तक				
- भारत के राष्ट्रपति	67.72	165755000	67.72	165755000
- भारत के राष्ट्रपति के नामिनी	0.00	200	0.00	200
सहयोगी शक्ति				
- निदेशक और उनके सम्बधी	0.00	1100	0.00	350
कुल प्रवर्तक धारिता	**67.72**	**165756300**	**67.72**	**165755550**
गैर–प्रवर्तकों की धारिता				
संस्थात्मक निवेशक				
- म्युचुअल फंड और यूटीआई	4.49	10982375	6.00	14686092
- बैंक, वित्तीय संस्थान, बीमा कंपनियां (केंद्रीय/राज्य सरकार संस्थान/गैर–सरकारी संस्थान)	3.06	7498260	3.48	8529702
- विदेशी संस्थात्मक निवेशक	22.74	55658902	21.00	51389433
अन्य				
- निजी निगमित निकाय	0.92	2240772	0.52	1274394
- भारतीय जनता	0.89	2179865	0.96	2353052
- एनआरआई/ओसीबी	0.05	121275	0.03	76249
- कर्मचारी	0.12	291655	0.15	368840
- न्यास	0.00	10239	0.00	3455
- मार्गस्थ शेयर (एनएसडीएल/सीडीएसएल)	0.01	20357	0.13	323233
कुल गैर–प्रवर्तक धारिता	**32.28**	**79003700**	**32.28**	**79004450**
कुल जोड़	**100.00**	**244760000**	**100.00**	**244760000**

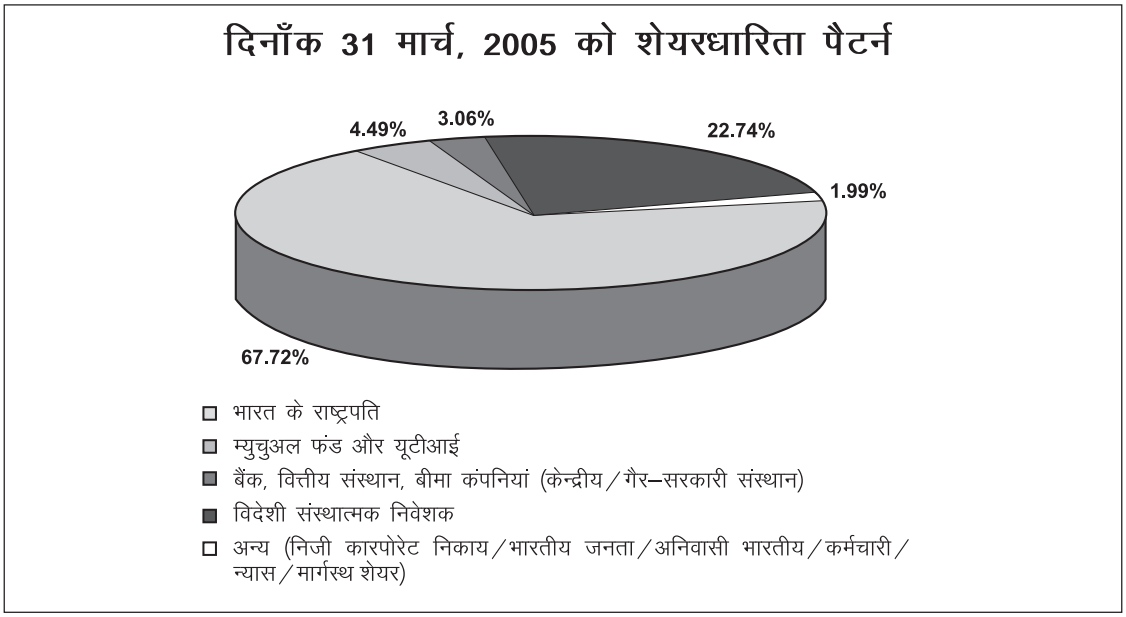

(iii) उन शेयरधारकों की सूची, जो दिनांक 31 मार्च को कंपनी के शेयरों का 1% से अधिक धारित कर रहे हैं

श्रेणी और शेयरधारक का नाम	2005		2004	
	मत संख्या (%)	धारित शेयरों की सं.	मत संख्या (%)	धारित शेयरों की सं.
<u>प्रवर्तक की धारिता</u>				
1. भारत के राष्ट्रपति	67.72	165755000	67.72	165755000
<u>गैर–प्रवर्तक की धारिता</u>				
बैंक, वित्तीय संस्थान, बीमा कंपनियां (केंद्रीय/राज्य सरकार संस्थान/गैर सरकारी संस्थान)				
1. भारतीय जीवन बीमा निगम	1.66	4074795	1.64	4010637
विदेशी संस्थात्मक निवेशक				
1. कैपिटल रिसर्च एण्ड मैनेजमेंट कंपनी	1.70	4164125	-	-
2. जे.पी. मोर्गन फ्लेमिंग एसेट मैनेजमेंट	1.25	3050000	-	-
3. एचएसबीसी ग्लोबल इन्वेस्टमेंट फंड्स एकाउंट एचएसबीसी ग्लोबल इन्वेस्टमेंट फंड्स	1.19	2902109	-	-
4. एमर्जिंग मार्केट्स ग्रोथ फार इंक	1.02	2505145	3.18	7780445
5. मेरिल लिंच कैपिटल मार्केट्स एसोना, एस.ए. एसवीबी	-	-	1.08	2647980
6. कैपिटल इंटरनेशनल एमर्जिंग मार्केट्स फंड	-	-	1.04	2534100

9.13 शेयरों और नकदी का अमूर्तकरण

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के निर्देशों के अनुसार सभी श्रेणियों के निवेशकों द्वारा, बीएचईएल के शेयरों का अमूर्त (डीमैट) रूप में व्यापार दिनांक 5 अप्रैल, 1999 से अनिवार्य कर दिया गया है। बीएचईएल ने देश के दोनों निक्षेपागारों अर्थात नेशनल सिक्यूरिटीज डिपाजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) और सेंट्रल डिपाजिटरी सिक्यूरिटीज (इंडिया) लिमिटेड (सीडीएसएल) के साथ अपनी प्रतिभूतियों के डीमैट रूप में प्रवेश देने के लिए करार निष्पादित किया है। दिनांक 31 मार्च, 2004 को बीएचईएल की कुल इक्विटी शेयर पूंजी के 32.14 प्रतिशत को शेयरधारकों ने अमूर्त करा लिया है और वे एनएसडीएल/सीडीएसएल के नाम से धारित है। कंपनी को आबंटित अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभूति पहचान संख्या (आईएसआईएन) आईएनआई 257ए 01018 हैं।

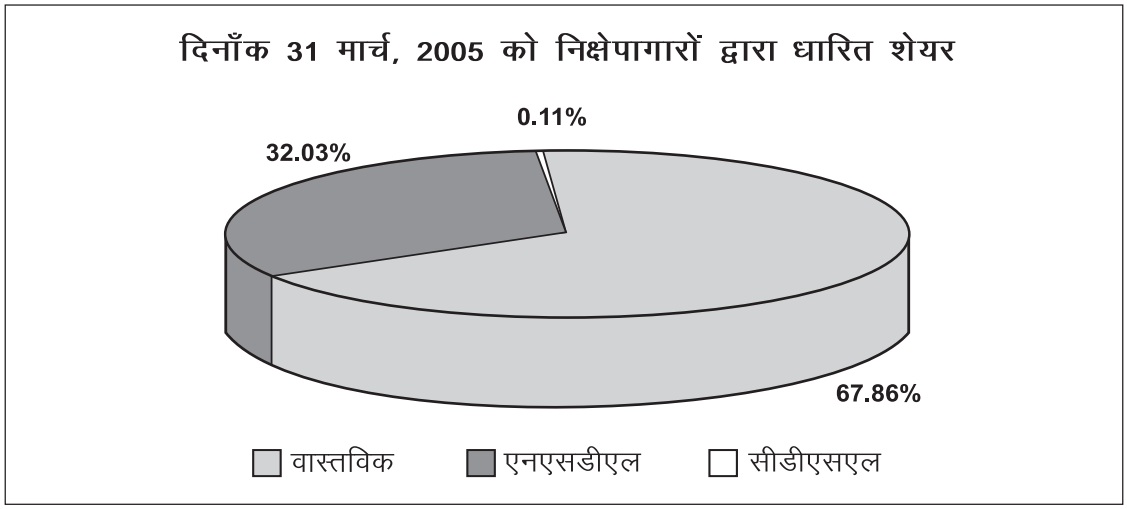

9.14 बकाया जीडीआर/एडीआर/वारंट अथवा अन्य कोई परिवर्तनीय लिखत, परिवर्तन की तारीख और इक्विटी पर संभाव प्रभाव - शून्य

9.15 संयंत्र अवस्थान

- हेवी इलेक्ट्रिकल्स इक्विपमेंट प्लांट हरिद्वार
- सेंट्रल फाउंड्री फोर्ज प्लांट, हरिद्वार
- हेवी पावर इक्विपमेंट प्लांट, हैदराबाद
- हाई प्रेशर बॉयलर प्लांट, तिरुचि
- हेवी इलेक्ट्रिकल्स प्लांट, भोपाल
- ट्रांसफार्मर प्लांट, झांसी
- इलेक्ट्रॉनिक्स डिवीजन, बंगलौर
- बॉयलर ऑक्जिलरीज प्लांट, रानीपेट
- इंडस्ट्रियल वाल्व्स प्लांट, गोइंदवाल
- इलेक्ट्रोपोसेंलिन डिवीजन, बंगलौर
- इंसुलेटर प्लांट, जगदीशपुर
- कम्पोनेंट फ्रेब्रिकेशन प्लांट, रूद्रपुर
- हेवी इक्विपमेंट रिपेयर प्लांट, वाराणासी
- ऑयल सेक्टर बिजनेस एंड इलेक्ट्रिकल मशीन रिपेयर प्लांट, मुम्बई

9.16 पत्राचार हेतु पता

शेयरों के अंतरण/अमूर्तकरण, शेयरों पर लाभांश भुगतान, लाभांश वारंटों को पुनःवैधीकरण और कंपनी के शेयरों के संबंधित अन्य पूछताछ के लिए शेयरधारक अपने पत्र निम्नांकित में किसी को भी प्रेषित कर सकते हैं :

एन.के. सिन्हा
कम्पनी सेकेट्ररी
भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड
पंजीकृत कार्यालय : बीएचईएल हाउस,
सीरी फोर्ट, नई दिल्ली–110049

दूरभाष : **91 11 26001046**
फैक्स : **91 11 26001102**
ई–मेल : **csynks@asiad.bhel.co.in**

अथवा

कार्वी कम्प्यूटरशेयर प्रा. लि.
यूनिट : बीएचईएल

दिल्ली कार्यालय : **105-108,** अरूणाचल बिल्डिंग **19,** बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली **- 110 001**
दूरभाष : **23324401, 23324409**
फैक्स : **011-23730743**
ई–मेल : **delhi@karvy.com** **michealg@karvy.com**

हैदराबाद कार्यालय : ''कार्वी हाउस'' **46,** एवेन्यू **4,** गली नं. **1,** बंजारा हिल्स, हैदराबाद **- 500 034**
दूरभाष : **040-23312454/23320751/752/753**
फैक्स : **040-23311968, 23323049**
ई–मेल : **michaelg@karvy.com** **madhusudhan@karvy.com**

टिप्पणी : इलेक्ट्रॉनिक मोड में शेयरधारित करने वाले शेयरधारकों को सभी पत्राचार अपने संबंधित निक्षेपागार सहभागियों के साथ करना चाहिए।

कॉर्पोरेट अभिशासन पर लेखापरीक्षकों का प्रमाण–पत्र

सेवा में,
सदस्य,
भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड
भेल हाऊस, सीरी फोर्ट
नई दिल्ली

हमने स्टॉक एक्सचेंज के साथ उक्त कंपनी के सूचीकरण करार के खंड 49 में यथानिर्दिष्ट दिनांक 31 मार्च, 2004 को समाप्त वर्ष के लिए भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड द्वारा कारपोरेट शासन की शर्तों के अनुपालन की जाँच कर ली है।

कॉरपोरेट शासन की शर्तो का अनुपालन करना प्रबंधन का उत्तरदायित्व है। हमारी जाँच कारपोरेट शासन की शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए कंपनी द्वारा अपनाई गई कार्यविधि और उसके कार्यान्वयन तक सीमित थी। यह न तो लेखापरीक्षा है और न ही कंपनी के वित्तीय विवरणों के संबंध में राय की अभिव्यक्ति।

हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार निम्नलिखित के अधीन हम उल्लेख करते हैं कि:

(i) सूचीकरण करार का खण्ड 41.1(क) यह अपेक्षा करता है कि कंपनी के निदेशक मंडल के कम से कम पचास प्रतिशत स्वतंत्र गैर–कार्यपालक निदेशक होने चाहिए। कंपनी ने कारपोरेट अभिशासन की शर्तों के अधीन यथानिर्धारित निदेशक मंडल की संरचना की शर्तों का अनुपालन किया था। तथापि, स्वतंत्र निदेशकों के कार्यकाल की समाप्ति अथवा निदेशक मंडल से त्यागपत्र देने के कारण आकस्मिक रिक्ति की वजह से कंपनी वर्ष के दौरान शर्त पूरा करने में असमर्थ है। तदनुसार, कंपनी में वर्ष के दौरान उसके निदेशक मंडल पर कार्यपालक और गैर–कार्यपालक निदेशकों का इष्टतम संयोजन नहीं है।

(ii) सूचीकरण करार का खण्ड 49.II(क) यह अपेक्षा करता है कि लेखापरीक्षा समिति में न्यूनतम तीन निदेशक सदस्य के रूप में और लेखापरीक्षा समिति के सदस्यों का दो–तिहाई स्वतंत्र निदेशक होंगे। तथापि, वर्ष के दौरान कंपनी में लेखापरीक्षा समिति के सदस्यों के रूप में दिनांक 26.12.2004 से 31.03.2005 तक न्यूनतम तीन निदेशक नहीं रहे हैं।

हम प्रमाणित करते हैं कि कंपनी ने ऊपरोल्लिखित सूचीकरण करार में यथानिर्दिष्ट कारपोरेट अभिशासन की शर्तो का पालन किया है।

हम यह भी उल्लेख करते है कि कंपनी के पंजीयक और शेयर अंतरक एजेंट (आरटीए) द्वारा प्रस्तुत सूचना और शेयरधारक/निवेशक शिकायत समिति को सूचित किए गए अनुसार कंपनी के विरूद्ध एक महीने से अधिक की अवधि के लिए शेयरधारक/निवेशक की कोई शिकायत लंबित नहीं हैं।

हम यह भी उल्लेख करते हैं कि यह अनुपालन न तो कंपनी की भविष्यकालीन व्यवहार्यता का और न ही कंपनी की कार्यो को संचालित करने में प्रबंधन की कुशलता अथवा प्रभावशीलता का आश्वासन है।

कृते और उसकी ओर से
जे.सी. भल्ला एंड कंपनी
चार्टर्ड एकाउंटेंट

ह./–
(सुधीर मलिक)
भागीदार

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 29.08.2005

ऊर्जा का संरक्षण

बीएचईएल में ऊर्जा संरक्षण एक महत्वपूर्ण बल देने वाला क्षेत्र है। वर्ष के दौरान ऊर्जा संरक्षण परियोजनाओं के कार्यान्वयन के कारण 28 मिलियन रुपए की बचत हुई थी।

वर्ष 2004–05 के दौरान बीएचईएल की विभिन्न यूनिटों द्वारा ऊर्जा की लागत में कमी करने के लिए किए गए उपाय निम्नानुसार हैं :

1. उचित भार योजना द्वारा विद्युत की अधिकतम मांग में कमी
2. परिवर्ती स्पीड ड्राइव मोटरों का संस्थापन
3. दिन की प्रकाश–व्यवस्था का प्रयोग
4. लाइटों को स्वचालित रूप से बंद करना अपनाना
5. ऊर्जा सक्षम लैम्प आदि के प्रयोग द्वारा–प्रकाश व्यवस्था प्रणाली का संशोधन
6. फर्नेस का इष्टतम उपयोग
7. फर्नेस में सिरामिक अस्तरों (लाइनिंग) प्रदान करके ईंधन की खपत में कमी
8. कंप्रेस्ड एयर पाइपिंग एवं स्टीम पाइपिंग में रिसाव रोकना।
9. अपशिष्ट ऊष्मा की प्राप्ति
10. ऊर्जा सक्षम कार्यालय उपस्करों की अधिप्राप्ति
11. ऊर्जा संरक्षण के बारे में जागरूकता सृजित करने के लिए कर्मचारियों को प्रशिक्षित करना
12. अ–पारम्परिक ऊर्जा का प्रयोग

उपरोक्त उपायों के परिणामस्वरूप वर्ष 2004–05 के दौरान ईंधन लागत और विद्युत टैरिफ में वृद्धि के बावजूद गत वर्ष लगभग 2.45% की तुलना में कुल कारोबार की प्रतिशतता के रूप में ऊर्जा लागत घटकर 2.31 प्रतिशत हो गई है।

प्रौद्योगिकी आमेलन तथा अनुसंधान एवं विकास

अनुसंधान एवं विकास

1. विशिष्ट क्षेत्र, जिनमें कम्पनी ने अनुसंधान एवं विकास कार्य किया
2. उपर्युक्त अनुसंधान एवं विकास के फलस्वरूप प्राप्त किए गए लाभ

} निदेशकों की रिपोर्ट में ''अनुसंधान एवं विकास तथा प्रौद्योगिकी'' के अंतर्गत दिया गया है।

3. भविष्य की कार्य योजना

अनुसंधान एवं विकास तथा प्रौद्योगिकी के लिए ध्यानाकर्षक प्रमुख क्षेत्र निम्न प्रकार हैं :

- ताप विद्युत संयंत्र एवं औद्योगिक उपयोग हेतु एडवांस कंट्रोल एंड इंस्ट्रूमेंटेशन प्लेटफॉर्म
- ताप विद्युत संयंत्र एवं उपयोग हेतु परफॉर्मेंस एनालाइसिस, डॉयग्नोस्टिक्स एंड ऑप्टिमाइजेशन (पीएडीओ) प्रणालियाँ
- सुपरक्रिटिकल पैरामीटरों का प्रयोग करते हुए अत्यधिक सक्षम पारम्परिक ताप विद्युत संयंत्र
- इंटेग्रेटेड गैसिफिकेशन कम्बाइंड साइकल (आईजीसीसी) विद्युत संयंत्र
- एटमोस्फियरिक एंड सर्कुलेटिंग फ्ल्यूडाइज्ड बेड कम्बस्शन (सीएफबीसी) बॉयलर्स
- उच्चतर दक्षता एवं लम्बे जीवन के साथ पन विद्युत संयत्र
- एचवीडीसी पारेषण प्रणालियां
- थाइरिस्टर कंट्रोल्ड सीरीज कम्पेंसेशन, फेज शिफ्टिंग ट्रांसफॉर्मर, स्टेटिक सिंक्रोनाइज्ड कम्पेंसेटर (स्टेटकॉम), कंट्रोल्ड शंट रिएक्टर आदि जैसी युक्तियों सहित फ्लेक्सिबल एसी ट्रांसमिशन सिस्टम
- गैस इंसुलेटेड स्विचगियर
- 765 केवी पारेषण प्रणाली

– औद्योगिक स्टीम टरबाइनें
– पल्वेराइजर्स
– कम्प्रेसर्स
– हाई एफिसिएंसी बॉयलर फीड पम्प
– उत्सर्जनों में कमी
– डीजल इलेक्ट्रिक इंजनों के लिए तीन फेज एसी ड्राइव प्रणाली जैसी दक्ष, विश्सनीय और लागत कम करने वाली परिवहन प्रणालियां
– गैर–पारम्परिक ऊर्जा प्रणालियां
– सिमुलेटर्स
– वेल्डिंग प्रौद्योगिकी
– सर्फेस कोटिंग्स
– कम्पन एवं शोर में कमी
– रेजिडुअल लाइफ असेसमेंट स्ट्डीज
– चक्र समय एवं लागत में कमी
– स्पेशलाइज्ड इंजीनियरिंग सॉफ्टवेयर एप्लिकेशन्स
– स्पेशलाइज्ड सॉफ्टवेयर फॉर यूटिलिटीज

4. **अनुसंधान एवं विकास व्यय**

क) पूंजी	.....	1252 मिलियन रुपए
ख) आवर्ती	.....	977 मिलियन रुपए
ग) कुल	.....	275 मिलियन रुपए
कुल कारोबार के प्रतिशत के रूप में व्यय	.....	1.21 %

प्रौद्योगिकी आमेलन एवं अभिग्रहण

पिछले पाँच वर्षो के दौरान आयातित प्रौद्योगिकी के विवरण :

प्रौद्योगिकी	आयात वर्ष	आमेलन स्थिति
फेब्रिक फिल्टर्स	1999	प्रौद्योगिकी आमेलित आर्डर निष्पादित।
न्यू जेनरेशन सी एंड आई ऑटोमेशन प्लेटफॉर्म	2000	प्रौद्योगिकी आमेलन चालू है। आर्डर निष्पादित।
एक्सियल फेन्स	2002	प्रौद्योगिकी आमेलन चालू है। आर्डर निष्पादित।

विदेशी मुद्रा अर्जन और व्यय

क) निर्यात सूचना से सम्बद्ध गतिविधियां निदेशकों की रिपोर्ट में "अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय" के अंतर्गत दी गई हैं।

ख) प्रयुक्त और अर्जित कुल विदेशी मुद्रा

(रु. मिलियन में)

	2004-2005	2003-2004
(i) प्रयुक्त विदेशी मुद्रा	17721	12577
(ii) अर्जित विदेशी मुद्रा	16082	17637

महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियां

1. वित्तीय विवरण, चल रही ऐतिहासिक लागत परम्परा तथा लेखाकरण की प्रोद्भवन विधि के आधार पर तथा साधारणतया कंपनी द्वारा निरंतर रूप से अपनाए गए। स्वीकृत लेखाकरण सिद्धांतों और कंपनी अधिनियम, 1956 के प्रावधानों के अनुसार तैयार किए गए हैं

2. **स्थायी परिसंपत्तियां**

   स्थायी परिसंपत्तियां (राज्य सरकार से निःशुल्क अधिग्रहित भूमि से भिन्न) अर्जन या निर्माण अथवा संचयी मूल्यह्रास को घटाकर बही मूल्य पर प्राप्त की जाती हैं।

   लागत के अंतर्गत वास्तविक/प्राक्कलित फैक्टरी लागत या बाजार कीमत, जो भी कम हो, में लिए गए पूंजी कार्य के लिए आंतरिक अंतरण मूल्य सम्मिलित होता है। असाधारण घटनाओं के प्रभाव जैसे स्थायी परिसंपत्तियों के अर्जन के लिए प्रयुक्त दीर्घावधि देयताओं/ऋणों के संबंध में अवमूल्यन/पुनःमूल्यन जैसी असाधारण घटनाओं को प्रभाव की लागत में जोड़ा/से घटाया जाता है।

   राज्य सरकार से निःशुल्क अधिग्रहित भूमि का मूल्य 1 रुपए लगाया गया है, सिवाए इसके कि वह 16 जुलाई, 1969 को या इसके पश्चात न अधिग्रहित की गई हो, क्योंकि उस मामले में यह भूमि संबद्ध राज्य सरकार से पूंजी प्रारक्षित निधि में समतुल्य जमा द्वारा अर्जन मूल्य पर मूल्यांकित की जाती है।

3. **उधार लागतें**

   उधार लागतें जो अर्हकारी परिसंपत्तियों के विनिर्माण, अर्जन या निर्माण पर खर्च की जाती हैं, वे ऐसी परिसंपत्तियों की लागत के भाग के रूप में शामिल की जाती हैं। अर्हकारी परिसंपत्ति वह होती है, जो अभिप्रेत उपयोग या बिक्री हेतु तैयार होने में आवश्यक रूप से बारह महीने से अधिक का समय लेती है।

   अन्य उधार लागतों को उस अवधि का व्यय माना जाता है, जिसमें उन्हें खर्च किया जाता है।

4. **निवेश**

   (i) दीर्घावधिक निवेश लागत पर किए जाते हैं। अस्थायी के अलावा, ऐसे निवेशों में गिरावट को मान्यता दी जाती है और इसके लिए व्यवस्था की जाती है।

   (ii) चालू निवेश लागत या उद्धृत/उचित मूल्य, जो भी कम है, पर किए जाते हैं। अउद्धृत चालू निवेश लागत पर किए जाते हैं।

   (iii) निवेश की लागत में अधिग्रहण प्रभार – जैसे, दलाली, शुल्क तथा ड्यूटी शामिल हैं।

   मौजूदा राशि में यदि कोई कमी होती है या किसी की पूर्ति होती है तो उसे लाभ और हानि लेखा में प्रभारित अथवा जमा किया जाता है।

5. **राजस्व मान्यता**

   ग्राहक के पक्ष में स्वामित्व को अंतरित करके महत्वपूर्ण जोखिमों और प्रतिफलों के आधार पर बिक्री को दर्ज किया जाता है। बिक्री के अन्तर्गत आंशिक पोत लदान द्वारा ग्राहक को प्रेषित किया गया माल आता है।

क. 1.04.2003 को या उसके बाद किए गए निर्माण संविदाओं के लिए :

राजस्व को संविदा की कुल अनुमानित लागत पर सूचना तिथि तक व्यय की गई वास्तविक लागत की प्रतिशतता पर आधारित प्रतिशतता समापन विधि से मान्यता दी जाती है।

ख. अन्य सभी संविदाओं के लिए :

(i) लम्बे उत्पादन चक्र वाले मदों (गैस आधारित पावर संयंत्रों, वॉयलर ऑग्जिलियरी, कम्प्रेसरों और औद्योगिक टर्बो सेटों सहित हाइड्रो और थर्मल सेट) के संबंध में बिक्री राजस्व की मान्यता तकनीकी प्राक्कलनों पर तैयार होती है। जब पोत लदान का कुल मूल्य प्रापणीय मूल्य का 30 प्रतिशत या उससे अधिक हो तो उन पर प्रापणीय मूल्य के 97.5 प्रतिशत पर विचार किया जाता है या इसके अभाव में उद्धृत दर पर विचार किया जाता अन्यथा उन पर वास्तविक/प्राक्कलित फैक्ट्री लागत या प्रापणीय मूल्य के 97.5 प्रतिशत जो भी कम हो, पर विचार किया जाता है। शेष 2.5 प्रतिशत को संविदा के अधीन आपूर्ति पूरी हो जाने पर राजस्व के रूप में मान्यता दी जाती है।

(ii) निर्माण और परियोजना प्रबन्ध सेवाओं से आय को पूर्णता की प्रतिशतता पर आधारित किए गए कार्य पर मान्यता दी जाती है; अथवा अंतर्भूत मूल्य, जिसकी गणना संविदा मूल्य के 97.5 प्रतिशत पर की जाती है तथा शेष 2.5 प्रतिशत को संविदा समाप्त होने पर आय के रूप में मान्यता दी जाती है।

(iii) प्रदान की गई इंजीनियरिंग सेवाओं से प्राप्त आय को पूरे किए गए कार्य की प्रतिशतता के आधार पर वसूली योग्य मूल्य पर मान्यता दी जाती है।

(iv) बीएचईएल में निर्माण न किए गए उपस्कर/प्रणालियों और सिविल कार्य की आपूर्ति/निर्माण से प्राप्त आय की मान्यता ग्राहकों को किए गए प्रेषणों/परियोजना स्थल पर किए गए कार्यों पर आधारित होती है।

6. <u>पट्टे</u>

वित्तीय पट्टा

क. (i) 1 अप्रैल, 2001 से पूर्व पट्टे पर दी गई परिसंपत्तियां

विनिर्मित और वित्तीय पट्टे पर दी गई परिसंपत्तियां सामान्य विक्रय मूल्य/उचित मूल्य/संविदाकृत मूल्य पर पूंजीकृत की जाती हैं और उन्हें बिक्री के रूप में माना जाता है।

उक्त पर उस दर से मूल्यह्रास प्रभारित किया जाता है, जो मूल्यह्रास पर लेखाकरण नीति के अनुसार, समान किस्म की स्थायी परिसंपत्तियों के लिए लागू होती है। पट्टा किराए पर समतुल्य प्रभार पट्टा समकरण लेखा द्वारा तैयार किया जाता है।

वित्त आय को पट्टा अवधि के लिए माना जाता है।

(ii) 1 अप्रैल, 2001 को या उसके बाद पट्टे पर दी गई परिसंपत्तियां

विनिर्मित और वित्तीय पट्टे पर दी गई परिसंपत्तियों को सामान्य विक्रय मूल्य/उचित मूल्य/एनपीवी पर बिक्री के रूप में मान्यता दी जाती है।

वित्त आय को पट्टा अवधि के लिए माना जाता है।

प्रारंभिक प्रत्यक्ष लागतें पट्टा शुरू होने पर खर्च कर दी जाती है।

ख. 1 अप्रैल, 2001 को या उसके बाद पट्टे पर ली गई परिसंपत्तियां

पट्टे पर ली गई परिसंपत्तियों को उचित मूल्य/एनपीवी/संविदाकृत मूल्य पर पूंजीकृत किया जाता है। उक्त पर उस दर से मूल्यह्रास प्रभारित किया जाता है, जो मूल्यह्रास पर लेखाकरण नीति के अनुसार, समान किस्म की स्थायी परिसंपत्तियों के लिए लागू होती है। यदि पट्टा परिसंपत्तियां, पट्टा अवधि समाप्त होने पर पट्टादाता को वापस करनी हैं, तो उनको उपयोगी अवधि या पट्टा अवधि, जो भी अल्प हो, के लिए मूल्यह्रासित किया जाता है।

किए गए पट्टा भुगतानों को पट्टे पर ली गई परिसंपत्तियों से संबद्ध वित्त प्रभारों एवं बकाया देयता की कमी, में विभाजित कर दिया जाता है।

प्रचालन पट्टा

पट्टे पर दी गई परिसंपत्तियां :

विनिर्मित और प्रचालन पट्टे पर दी गई परिसंपत्तियां पूंजीकृत की जाती हैं। उनसे होने वाली पट्टा आय को पट्टा अवधि में हुई आय माना जाता है।

पट्टे पर ली गई परिसंपत्तियां :

प्रचालन पट्टे पर ली गई परिसंपत्तियों के लिए किए गए पट्टा भुगतानों को पट्टा अवधि में हुआ खर्च माना जाता है।

7. <u>मालसूची मूल्यांकन</u>

(i) मालसूचियों का मूल्यन वास्तविक/प्राक्कलित लागत या निवल वसूली योग्य मूल्य, जो भी कम हो, पर किया जाता है।

(ii) गैस आधारित पावर संयंत्रों, बॉयलरों, बॉयलर ऑग्जिलियरी, कम्प्रेसरों और औद्योगिक टर्बो सेटों सहित हाइड्रो और थर्मल सेटों के संयंत्रों में तैयार माल तथा जारी कार्यों का मूल्यन समाविष्ट वास्तविक/प्राक्कलित फैक्टरी लागत या वसूली योग्य मूल्य के 97.5 प्रतिशत जो भी कम हो, पर किया जाता है।

(iii) संयंत्र में तैयार माल एवं चालू कार्य के मूल्यांकन के संबंध में लागत का अर्थ कारखाना लागत है, वास्तविक/प्राक्कलित कारखाना लागत में विनिर्मित माल पर देय उत्पाद शुल्क शामिल है।

(iv) कच्चे माल, संघटकों, फुटकर औजारों, भंडारों एवं अतिरिक्त पुर्जों की लागत का अर्थ भारांशित औसत लागत है।

(v) **क) 1.04.2003 को या उसके बाद की गई निर्माण संविदाओं के लिए :**

जहां संविदा की लागत के वर्तमान प्राक्कलन और विक्रय मूल्य हानि दर्शाते हैं, वहां ऐसी संविदा के लिए प्रत्याशित हानि को तुरन्त मान्यता प्रदान की जाती है, चाहे कार्य शुरू हो गया है या नहीं।

ख) अन्य सभी संविदाओं के लिए :

जहां किसी संविदा का भाग होने वाली पृथक रूप से अभिज्ञात परियोजना की लागत और विक्रय मूल्य संबंधी वर्तमान प्राक्कलन हानि दर्शाता है वहां ऐसी परियोजना के संबंध में जिस पर कार्य आरंभ हो चुका है, प्रत्याशित हानि, को मान्यता दी जाती है।

ग) प्रत्याशित हानि निर्धारण में प्राप्त कुल आय पर विचार किया जाता है, जिसमें निर्यातों/मानित निर्यातों पर प्रोत्साहन भी शामिल होते हैं।

(vi) उत्पादन आर्डरों के लिए खरीदे/विनिर्मित संघटको और अन्य सामग्रियों जिसे अधिशेष घोषित किया गया हो उन्हें तकनीकी प्राक्कलनों के आधार पर अवशिष्ट मूल्य प्रतिधारित करते हुए राजस्व पर प्रथारित किया जाता है।

8 **<u>अंतिम लाभ</u>**

क) भविष्य तथा कर्मचारी परिवार पेंशन योजना के अंशदान को प्राप्ति आधार पर लेखाबद्ध किया जाता है। सेवानिवृत्ति के समय उपदान अर्ध–वेतन छुट्टी, नकदीकरण योग्य छुट्टी की देयता तथा सेवानिवृत्ति के उपरांत चिकित्सा लाभ का परिकलन बीमांकित मूल्यांकन के अनुसार किया जाता है। कर्मचारियों के संदर्भ में बीमांकित देयता प्रत्येक कैलेंडर वर्ष के आरंभ में निर्धारित की जाती है।

ख) 1.04.2003 से पूर्व स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना के अंतर्गत किए गए एकमुश्त भुगतान को आस्थगित राजस्व व्यय समझा जाता है तथा उस अवधि में परिशोधित किया जाता है, जिसके दौरान कम्पनी द्वारा लाभ प्राप्त करना अपेक्षित है।

1.04.2003 के बाद स्वैच्छिक सेवावृत्ति योजना के अंतर्गत किए गए एकमुश्त भुगतान मासिक यथानुपात आधार पर व्यय किए जाने वाले वर्ष में प्रभारित किए जाएंगे।

9 **<u>मूल्यह्रास</u>**

(i) स्थायी परिसंपत्तियों (संविदा के अधीन विदेशों में प्रयुक्त को छोड़कर) पर मूल्यह्रास उसे छोड़कर जहां मूल्यह्रास तकनीकी रूप से आकलित अनुमानित उपयोगी अवधि के आधार पर निर्धारित दरों पर प्रथारित किया जाता है, कंपनी अधिनियम, 1956 की अनुसूची XIV में निर्धारित दरों के अनुसार सीधी रेखा विधि पर परिसंपत्तियों की कुल–लागत तक प्रथारित किया जाता है, जो नीचे दर्शाया गया है :–

	एकल पाली	**दोहरी पाली**	**तिहरी पाली**
सामान्य संयंत्र एवं मशीनरी	8%	12%	16%
स्वचालित/अर्ध–स्वचालित मशीनें	10%	15%	20%
निर्माण उपस्कर, पूंजीगत औजार एवं साज सामान	20%		
नगर भवन			
– द्वितीय श्रेणी	2.5%		
– तृतीय श्रेणी	3.5%		
रेलवे बगलती रेलपथ	8 %		
लोकोमोटिव एवं वैगन	8 %		
विद्युत अधिष्ठापन	8 %		
कार्यालय एवं अन्य उपस्कर	8 %		
ड्रेनेज, सीवरेज तथा जल–आपूर्ति	3.34%		
इलेक्ट्रॉनिक आंकड़ा संसाधन उपस्कर	20%		

स्थायी परिसंपत्तियों में वृद्धि /से कटौती के मामले में मूल्यह्रास प्रभार यथानुपात मासिक आधार पर होता है।

(ii) दीर्घावधिक संविदाओं के अनुसरण में भारत से बाहर प्रयुक्त स्थायी परिसंपत्तियों का मूल्यह्रास प्रारंभिक संविदा की अवधि के दौरान होता है।

(iii) 10,000/– रुपए या कम लागत की स्थायी परिसंपत्तियों अथवा वे परिसंपत्तियों जिनकी लिखित कीमत वर्ष के प्रारंभ में 10,000/– रुपए या कम है, उनका पूर्णतः मूल्यह्रास होता है। जहां तक टाउनशिप भवनों का प्रश्न है वहां प्रति मकान (कोठरी) की लागत 10,000/– रुपए की सीमा के लिए आधार है।

(iv) निर्माण/परियोजना स्थल : सड़कों, पुलों और पुलियों की लागत संविदा अवधि में पूर्णतः परिशोधित की जाती है, जबकि शेड, रेलवे साइडिंग, विद्युत अधिष्ठानों और इस प्रकार के अन्य महत्वपूर्ण कार्यों (पूर्णतः अस्थायी निर्माण, लकड़ी के कार्य को छोड़कर) पर अवशिष्ट मूल्य के रूप में 10% प्रतिधारित करते हुए मूल्यह्रास किया जाता है।

(v) लकड़ी के ढांचों जैसे पूर्णतः अस्थायी निर्माण कार्यों पर निर्माण के वर्ष में पूर्णतः मूल्यह्रास किया जाता है।

(vi) पट्टे पर ली गई भूमि और भवनों पर मूल्यह्रास पट्टे की अवधि समाप्त होने के बाद कर दिया जाता है। पट्टे पर ली गई भूमि पर निर्मित भवनों का मूल्यह्रास उनकी उपयोगी अवधि अथवा पट्टे की अवधि जो भी कम हो, के बाद होता है।

(vii) यदि किसी स्थायी परिसंपत्ति पर दर्शायी जा रही राशि में विदेशी मुद्रा लेन–देन संबंधी नीति के अनुसार कोई परिवर्तन हुआ है तो मूल्यह्रास योग्य उस अपरिशोधित परिसंपत्ति पर मूल्यह्रास परिसंपत्ति की अवशिष्ट उपयोगी अवधि तक जारी रहेगा।

10 **<u>अगोचर परिसंपत्तियां</u>**

क. अगोचर परिसंपत्तियों को लागत पर पूंजीकृत किया जाता है, यदि

क. यह संभावित है कि भविष्य में वे आर्थिक लाभ, जिनका श्रेय परिसंपत्ति को जाएगा, कम्पनी को मिलेंगे, और

ख. परिसंपत्तियों पर कम्पनी का नियंत्रण रहेगा, तथा

ग. इन परिसंपत्तियों की लागत विश्वसनीय ढंग से आंकी जा सकती है तथा 10,000/–रु. से अधिक है।

अगोचर परिसंपत्तियों का परिशोधन सीधी रेखा यथानुपात मासिक आधार पर उनके उपयोगी जीवन के लिए किया जाता है, जो कि सॉफ्टवेयर के लिए 3 वर्ष तथा अन्य मामलों में 10 वर्ष से अधिक नहीं होता है।

ख क. अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं के अनुसंधान चरण के दौरान हुए खर्च सहित अनुसंधान पर किया गया व्यय खर्च किए गए वर्ष के लाभ एवं हानि लेखा में प्रभारित किया जाता है।

ख. अगोचर परिसंपत्तियों पर लेखाकरण मानक के अनुसार मानदंड पूरा करने वाली अनुसंधान एवं विकास परियोजना के विकास चरण के दौरान हुए खर्च सहित विकास पर किए गए व्यय को अगोचर परिसंपत्ति के रूप में समझा जाता है।

ग. अनुसंधान एवं विकास के उद्देश्यों के लिए अर्जित की गई स्थायी परिसंपत्तियों को पूंजीकृत किया जाता है।

11. **<u>कंपनी द्वारा/के विरूद्ध दावे</u>**

(i) कंपनी के विरूद्ध निर्णीत हर्जाने के लिए दावे को समान लेन–देनों के अनुभवों द्वारा वर्थित उपलब्ध सूचना के संदर्भ में संभावित परिणामों के प्रबंधन के आंकलन के आधार पर लेखे में माना जाता है।

(ii) निर्यात सब्सिडी, शुल्क वापसी, सीमाशुल्क की वापसी और बीमा के लिए दावे प्राप्ति पर लेखे में लिए जाते हैं।

(iii) मूल्य वृद्धि दावे और/अथवा संविदा कार्य के निम्नताओं को केवल तभी राजस्व के रूप में माना जाता है जब संविदाओं में ऐसे दावों अथवा भिन्नताओं की शर्तें हो और/अथवा ग्राहकों से उसकी स्वीकार्यता का साक्ष्य हो। तथापि, वृद्धि आंतरिक मूल्य तक प्रतिबंधित होती है।

12 **<u>विदेशी मुद्रा लेन–देनों के लिए लेखाकरण</u>**

विदेशी मुद्रा लेन–देनों को लेन–देनों की तारीख को विद्यमान विनिमय दरों पर दर्ज किया जाता है। विदेशी मुद्रा मौडिक परिसंपत्तियों और देयताओं को वर्ष के अंत में विनिमय दरों पर रूपान्तरित किया जाता है। लेन–देनों के निपटान और मौद्रिक मदों के रूपान्तरण पर उत्पन्न हुए विनिमय अंतर को स्थायी परिसम्पत्तियों के अधिग्रहण के लिए देयताओं के संबंध में, जहां ऐसे विनिमय अंतर को स्थायी परिसंपत्तियों की चल लागत में समायोजित किया जाता है, को छोडकर उस वर्ष, जिसमें वे उत्पन्न होते है, में आय अथवा व्यय के रूप में माना जाता है।

13. **विदेशी शाखाओं के वित्तीय विवरणों का रूपांतरण**

(i) आय और व्यय की मदें मूल्यह्रास जिसे समतुल्य अचल परिसंपत्तियों के लिए अपनाई गई दरों पर परिवर्तित किया जाता है, को छोड़कर औसत दर रूपांतरित की जाती है।

(ii) चालू परिसंपत्तियों और चालू देयताओं को इतिशेष दर पर रूपांतरित किया जाता है जब कि अचल परिसंपत्तियों को लेनदेन करने के समय प्रभावी दरों पर रूपांतरित किया जाता है।

(iii) अचल परिसंपत्तियों से संबंधित को छोड़कर लेनदेनों की सभी भिन्नताओं को लाभ और हानि लेखे में लाया जाता है।

14 **वारंटियों के लिए प्रावधान**

i) **1.04.2003 को या उसके बाद किए गए निर्माण संविदाओं के लिए :**

संविदात्मक दायित्वों के प्रावधान पर संविदा मूल्य के 2.5 प्रतिशत पर परीक्षण प्रचालन समाप्त होने के बाद विचार किया जाता है।

ii) **अन्य सभी संविदाओं के लिए :**

वर्ष के अंत में वारण्टी के अंतर्गत संविदाओं के लिए संविदात्मक दायित्वों के प्रावधान पर संविदा मूल्य के 2.5 प्रतिशत पर विचार किया जाता है। एक उत्पाद से अधिक की आपूर्ति वाले संविदाओं के मामले में पूरे किए गए प्रत्येक उत्पाद के मूल्य के 2.5 प्रतिशत का प्रावधान किया जाता है।

iii) सुधार कार्य पर वारंटी के दावे/व्यय को वास्तविक व्यय के वर्ष में प्राथमिक शीर्ष के अधीन लेखांकन किया जाता है।

15 **सरकारी अनुदान**

सरकारी अनुमानों को तब लेखाबद्ध किया जाता है जब उनकी वसूली की उचित निश्चितता हो।

अचल मूल्यह्रास योग्य परिसंपत्तियों से संबद्ध अनुदानों को संगत परिसंपत्तियों की सकल लागत के अधीन समायोजित किया जाता है जबकि गैर–मूल्यह्रास योग्य परिसंपत्तियों से संबद्ध को पूंजी प्रारक्षित निधि में जमा किया जाता है। राजस्व से संबद्ध अनुदान जब तक व्यय/हानियों के लिए प्रतिपूर्ति के रूप में प्राप्त नहीं किए जाते तब तक उन्हें उस अवधि, जिससे वे राजस्व की समतुल्य लागत के सिद्धांत पर संबद्ध है, राजस्व के रूप में माना जाता है।

गैर–मौद्रिक परिसंपत्तियों के रूप में अनुदानों को अधिग्रहण की लागत पर अथवा नॉमिनल मूल्य पर लेखाबद्ध किया जाता है, अगर वे मुफ्त प्राप्त होते हैं।

तुलन–पत्र

31 मार्च, 2005 की यथास्थिति के अनुसार

(रु. लाख में)

	अनुसूची	31.3.2005 को स्थिति		31.3.2004 को स्थिति	
निधियों के स्त्रोत					
शेयरधारकों की निधियाँ					
शेयर पूंजी	1	24476.00		24476.00	
आरक्षित और अधिशेष	2	578213.38	602689.38	505118.00	529594.00
ऋण निधियां					
प्रतिभूत ऋण	3	50000.00		50000.00	
अप्रतिभूत ऋण	4	3698.29	53698.29	4002.63	54002.63
			656387.67		583596.63
निधियों का उपयोग					
स्थायी परिसंपत्तियां					
सकल ब्लॉक		362893.72		345960.40	
घटाएं : अब तक का मूल्यह्रास/परिशोधन		261934.71		241150.79	
		100959.01		104809.61	
जोड़े : पट्टा समायोजन लेखा		3465.14		4604.48	
निवल ब्लॉक	5	104424.15		109414.09	
चालू पूंजीगत कार्य	6	9531.80	113955.95	10855.74	120269.83
निवेश	7		895.26		2898.26
आस्थगित कर परिसम्पत्तियां (कृपया अनुसूची 19 की टिप्पणी सं. 16 देखें)			51827.90		49851.88
चालू परिसंपत्तियां, ऋण तथा अग्रिम					
चालू परिसंपत्तियां	8				
मालसूचियां		291610.73		210388.36	
विविध देनदार		597214.22		460848.04	
नकदी तथा बैंक शेष		317786.21		265963.89	
अन्य चालू परिसंपत्तियां		4717.63		1350.59	
ऋण तथा अग्रिम	9	122969.20		103919.05	
		1334297.99		1042469.93	
घटाएं :					
चालू देयताएं और प्रावधान					
देयताएं	10	712044.68		519691.07	
प्रावधान	11	132544.75		113994.26	
		844589.43		633685.33	
निवल चालू परिसंपत्तियां			489708.56		408784.60
विविध व्यय	12		0.00		1792.06
			656387.67		583596.63
लेखे की टिप्पणियां	19				

अनुसूची 1 से 19 और महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियां लेखे का अभिन्न अंग है।

हस्ता./–
एन.के. सिन्हा
सचिव

हस्ता./–
सी. श्रीनिवासन
निदेशक (वित्त)

हस्ता./–
अशोक के. पुरी
अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक

समतिथि की हमारी रिपोर्ट के अनुसार
कृते जे.सी. भल्ला एंड कंपनी
चार्टर्ड एकाउंटेंट

हस्ता./–
सुधीर मलिक
भागीदार

दिनांक : 01.06.2005
स्थान : नई दिल्ली

लाभ तथा हानि लेखा

31 मार्च, 2005 को समाप्त वर्ष के लिए

(रु. लाख में)

	अनूसूची		31.03.2005 को समाप्त वर्ष के लिए		31.03.2004 को समाप्त वर्ष के लिए
अर्जन					
कारोबार (सकल)	13क	1033639.72		866246.98	
घटाएं उत्पाद शुल्क और सेवा कर		80926.18		64343.78	
कारोबार (निवल)			952713.54		801903.20
अन्य परिचालन आय	13ख		42004.31		31270.44
अन्य आय	13ग		10172.14		11911.07
ब्याज आय	13घ		13393.45		8095.13
चल रहे कार्य तथा तैयार माल में वृद्धि/कमी			53977.49		-3062.60
			1072260.93		850117.24
व्यय					
कच्चे माल व संघटकों की खपत			489178.66		345152.65
भंडार और अतिरिक्त पुर्जों की खपत			20589.10		18313.00
इरेक्शन एवं इंजीनियरिंग व्यय - उपठेकेदारों को भुगतान			77361.82		59445.87
कर्मचारियों को पारिश्रमिक तथा लाभ	15		165037.98		163950.91
विनिर्माण, प्रशासन, बिक्री तथा वितरण के अन्य व्यय	16		115995.42		108364.15
ब्याज और अन्य उधार लागतें	17		8140.65		6008.05
विनिमय भिन्नता			3194.03		3629.69
मूल्यह्रास तथा परिशोधन	5		21886.56		19800.11
प्रावधान	18		12624.50		2084.42
घटाएं : आंतरिक उपयोग के लिए किए गए कार्यों की लागत			1913.46		2362.97
			912095.26		724385.88
पूर्वावधि समायोजनों से पूर्व लाभ तथा असाधारण मदें			160165.67		125731.36
घटाएं : असाधारण मदें	18क		1799.03		22981.24
पूर्वावधि समायोजनों से पूर्व लाभ			158366.64		102750.12
जोड़े/घटाएं : पूर्वावधि समायोजन (निवल)	18ख		-203.08		-1274.84
कर–पूर्व लाभ :			158163.56		101475.28
घटाएं : कराधान के लिए प्रावधान	18ग		62823.09		35660.12
कर–पश्चात लाभ			95340.47		65815.16
जोड़े : पिछले वर्ष से लाया गया लाभ शेष			10345.25		5192.47
विदेशी परियोजना रिजर्व रिटिन बैक			323.18		1061.92
विनियोजन के लिए उपलब्ध लाभ			106008.90		72069.55
घटाएं : विनियोजन					
– विदेशी परियोजना प्रारक्षित निधि		0.00		138.30	
– बांड शोधन प्रारक्षित निधि		10000.00		10000.00	
– सामान्य प्रारक्षित निधि		50000.00		35000.00	
– लाभांश (रु. 8566.62 लाख के अंतरिम लाभांश सहित, गत वर्ष रु. 7342.80 लाख)		19580.80		14685.60	
– कारपोरेट लाभांश कर अंतरिम लाभांश पर (रु. 1119.55 लाख सहित, गत वर्ष रु. 940.79 लाख)		2664.29	82245.09	1900.40	61724.30
तुलन–पत्र में अग्रेनीत शेष			23763.81		10345.25
प्रति शेयर मूल एवं अंतरित अर्जन (रु. में)			38.95		26.89
असाधारण मदों को छोड़कर प्रतिशेयर मूल एवं अंतरित अर्जन			39.42		32.91
लेखे की टिप्पणियां	19				

अनुसूची 1 से 19 और महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियां लेखों का अभिन्न अंग है।

हस्ता./–
एन.के. सिन्हा
सचिव

हस्ता./–
सी. श्रीनिवासन
निदेशक (वित्त)

हस्ता./–
अशोक के. पुरी
अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक

समतिथि की हमारी रिपोर्ट के अनुसार
कृते जे.सी. भल्ला एंड कंपनी
चार्टर्ड एकाउंटेंट

हस्ता./–
सुधीर मलिक
भागीदार

दिनांक : 01.06.2005
स्थान : नई दिल्ली

अनुसूची–1 शेयर पूंजी

(रु. लाख में)

	31.3.2005 को स्थिति	31.3.2004 को स्थिति
प्राधिकृत पूंजी		
10-10 रुपये के 32,50,00,000 (पिछले वर्ष 32,50,00,000) इक्विटी शेयर	32500.00	32500.00
निर्गमित, अभिदत्त और प्रदत्त पूंजी		
10-10 रुपये के 24,47,60,000 के पूर्णतः प्रदत्त इक्विटी शेयर, जिनमें से नकद के अलावा विचार के लिए 7,41,11,200 (पिछले वर्ष 7,41,11,200) आबंटित शेयर	24476.00	24476.00
	24476.00	**24476.00**

अनुसूची–2 प्रारक्षित निधि और अधिशेष

प्रारक्षित पूंजी				
अथशेष	274.81		276.98	
घटाएं : परिसम्पत्तियों की बिक्री हेतु समायोजित	0.00	274.81	2.17	274.81
विदेशी परियोजना प्रारक्षित निधि				
अथशेष	1518.70		2442.32	
जोड़े : लाभ एवं हानि लेखा से अंतरित	0.00		138.30	
घटाएं : रिटिन बैक	323.18	1195.52	1061.92	1518.70
बांड शोधन प्रारक्षित लेखा				
अथशेष	30000.00		20000.00	
जोड़े : लाभ एवं हानि लेखा से अंतरित	10000.00	40000.00	10000.00	30000.00
सामान्य प्रारक्षित निधि				
अथशेष	462979.24		427979.24	
जोड़े : लाभ एवं हानि लेखा से अंतरित	50000.00	512979.24	35000.00	462979.24
लाभ एवं हानि लेखा		23763.81		10345.25
		578213.38		**505118.00**

अनुसूची–3 रक्षित ऋण

(रु. लाख में)

	31.3.2005 की यथास्थिति	31.3.2004 की यथास्थिति
8.85% अपरिवर्तनीय, रक्षित शोधन योग्य कर योग्य बांड	50000.00	50000.00
	50000.00	50000.00

अनुसूची–4 अरक्षित ऋण

वित्तीय संस्थाओं से (एक वर्ष के अंदर देय शून्य लाख रुपये) (गत वर्ष 2.80 लाख रुपये)	0.00	2.80
लदान पश्चात ऋण		
– एक्सिम बैंक से (एक वर्ष के अंदर देय शून्य लाख रुपये) (गत वर्ष 153.64 लाख रुपये)	0.00	153.64
पट्टे पर ली गई परिसम्पत्तियों के लिए ऋण (एक वर्ष के अंदर देय 1328.35 लाख रुपये) (गत वर्ष 1055.07लाख रुपये)	3449.98	3579.87
प्राप्त तथा देय ब्याज:		
– राज्य सरकारों के ऋण पर	233.29	233.29
– पट्टे पर ली गई परिसम्पत्तियों के लिए ऋण पर	15.02	33.03
	3698.29	**4002.63**

अनुसूची–5

(रु. लाख में)

स्थायी परिसंपत्तियां	सकल ब्लॉक					निवल ब्लॉक			
	01.04.2004 को लागत	वर्ष के दौरान वृद्धि/ समायोजन	वर्ष के दौरान कटौती/ समायोजन	31.03.2005 को लागत	पट्टा समायोजन लेखा	31.03.2005 तक मूल्यह्रास/ परिशोधन	31.03.2005 को मूल्यह्रास/ परिशोधन	31.03.2004 को मूल्यह्रास/ परिशोधन	वर्ष के लिए मूल्यह्रास/ परिशोधन
फैक्टरी/कार्यालय काम्प्लेक्स									
पूर्ण स्वामित्व की भूमि (विकास व्यय सहित)	741.69		297.24	444.45			444.45	741.69	
पट्टाधारित भूमि (विकास व्यय सहित)	664.00		48.72	615.28		39.24	576.04	614.38	1.58
सड़कें, पुल और पुलियां	693.04	24.33		717.37		263.44	453.93	442.11	12.55
भवन	26758.53	1444.33	1047.14	27155.72		16,265.87	10889.85	11329.62	1165.88
पट्टाधारित भवन	308.77		8.11	300.66		92.21	208.45	219.46	4.99
जल निकास, मल–प्रवाह तथा जलापूर्ति	1261.18	0.22		1261.40		869.62	391.78	425.23	33.66
रेलवे साइडिंग	764.51			764.51		750.65	13.86	15.63	1.77
संयंत्र और यंत्रावली	198239.64	10392.76	829.31	207803.09		165,462.74	42340.35	44085.77	11814.38
निर्माण उपस्कर	13409.85	1872.06	292.54	14989.37		12,510.77	2478.60	1360.32	754.35
इलेक्ट्रानिक डाटा प्रोसेसिंग उपस्कर	7140.82	1765.57	68.37	8838.02		6,864.82	1973.20	1569.16	702.15
विद्युत संस्थापन	7946.32	230.06	9.10	8167.28		6,104.01	2063.27	2105.88	279.06
इंजन और वैगन	1600.67			1600.67		1,388.57	212.10	253.15	41.09
वाहन	1794.17	48.39	35.81	1806.75		1,392.68	414.07	472.72	104.11
फर्नीचर एवं फिक्सचर	737.12	38.55	0.59	775.08		430.01	345.07	337.90	31.22
कार्यालय एवं अन्य उपस्कर	5704.84	225.83	29.51	5901.16		4,271.36	1629.80	1694.29	287.70
रुपये 10,000/- तक की स्थायी परिसंपत्तियां	3885.85	257.19	18.17	4124.87		4,124.87			257.20
पट्टे पर दिए गए इंजन	49714.88			49714.88	3465.14	28,716.19	24463.83	29580.36	3977.19
पूंजीगत व्यय	44.05			44.05		44.05		3.67	3.67
पट्टे पर लिए गए ईडीपी उपस्कर	4770.02	993.14	684.88	5078.28		2,158.70	2919.58	3208.48	1093.31
पट्टे पर लिए गए कार्यालय/ अन्य उपस्कर	701.95	4.26		706.21		277.10	429.11	517.01	84.05
अगोचर परिसम्पत्तियां									
- आंतरिक तौर पर विकसित									
- पेटेंट्स एण्ड ट्रेड मार्क्स									
- अन्य		18.43		18.43		0.93	17.50		0.93
- अन्य									
- सॉफ्टवेयर	494.32	1215.10	0.67	1708.75		501.78	1206.97	422.92	430.37
- तकनीकी जानकारी	181.61	380.36		561.97		166.17	395.80	159.86	144.42
- अन्य		425.69		425.69		141.88	283.81		141.88
	327557.83	19336.27	3370.16	343523.94	3465.14	252837.66	94151.42	99559.61	21367.51
टाउनशिप/आवासीय									
पूर्ण स्वामित्व की भूमि (विकास व्यय सहित)	215.02			215.02			215.02	215.02	
पट्टाधारित भूमि (विकास व्यय सहित)	189.53	14.00		203.53		43.86	159.67	147.74	2.07
सड़कें, पुल और पुलियां	487.52			487.52		235.54	251.98	260.02	8.00
भवन	12193.41	772.80	-0.84	12967.05		4777.85	8189.20	7746.11	308.14
पट्टाधारित भवन	33.17	8.11		41.28		20.85	20.43	15.65	1.24
जल निकास, मल–प्रवाह तथा जलापूर्ति	1660.24			1660.24		1138.13	522.11	562.80	40.69
संयंत्र और यंत्रावली	887.87	19.63	0.57	906.93		679.60	227.33	252.92	45.21
विद्युत संस्थापन	1224.22	26.27	0.04	1250.45		1199.00	51.45	58.42	26.52
वाहन	108.62			108.62		93.14	15.48	20.35	4.90
फर्नीचर एवं फिक्सचर	6.54	1.94	0.26	8.22		4.11	4.11	2.78	0.35
कार्यालय एवं अन्य उपस्कर	1228.20	119.93	0.44	1347.69		731.74	615.95	572.67	76.83
रुपये 10,000/- तक की स्थायी परिसंपत्तियां	168.23	5.10	0.10	173.23		173.23			5.10
पूंजीगत व्यय									
	18402.57	967.78	0.57	19369.78		9097.05	10272.73	9854.48	519.05
फैक्टरी और टाउनशिप का योग	345960.40	20304.05	3370.73	362893.72	3465.14	261934.71	104424.15	109414.09	21886.56
गत वर्ष	334930.69	12935.63	1905.92	345960.40	4604.48	241150.79	109414.09	117050.16	19800.11

सकल ब्लॉक में निष्पादन अभिकरण के रूप में अनुसंधान एवं परिसम्पत्तियों के लिए भारत सरकार से प्राप्त अनुदान में से खरीदी गई रुपये 3046.27 लाख (गत वर्ष रु. 2940.05 लाख) की परिसंपत्तियां शामिल नहीं हैं, क्योंकि सम्पत्ति कंपनी में निहित नहीं है।

कम्पनी के स्वामित्व में न आने वाली परिसम्पत्तियों के निर्माण, विकास के लिए कम्पनी के अंशदान या व्यय को सामान्य शीर्ष 'पूंजीगत व्यय' के अंतर्गत पूंजीकृत किया गया है तथा पाँच वर्षों में राजस्व में बट्टे खाते डाला गया है।

भवन में इरेक्शन/परियोजना कार्यस्थलों पर किए जाने वाले कार्य शामिल हैं, जिनका निवल ब्लॉक रु. शून्य लाख (गत वर्ष रु. 738.71 लाख) है।

अगोचर परिसम्पत्तियों से वर्ष के दौरान किसी प्रकार की हानि नहीं हुई है।

अनुसूची–6
चालू पूंजीगत कार्य (लागत पर)

(रु. लाख में)

	31.3.2005 की यथास्थिति	31.3.2004 की यथास्थिति
चालू निर्माण कार्य – सिविल	1406.71	730.52
निर्माण भंडार (मार्गस्थ सहित)	197.33	162.65
संयंत्र और मशीनरी तथा अन्य उपस्कर		
– परिनिर्माण/संरचना के अधीन/परिनिर्माण की प्रतीक्षा में	3181.14	8932.92
– मार्गस्थ	4544.44	536.59
विकास के अंतर्गत अगोचर परिसंपत्तियां	202.18	493.06
	9531.80	**10855.74**

अनुसूची–7
निवेश

दीर्घावधि

शेयर :

अउद्धृत (पूर्णतया प्रदत्त)

व्यापार :

इंजीनियरिंग प्रोजेक्ट्स (इंडिया) लिमिटेड* में रु. 38.95 प्रति के (गत वर्ष रु. 38.95 प्रति के) 360 (गत वर्ष 360) इक्विटी शेयर	0.14		0.14	
ए पी गैस पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड में 10 रु. प्रति के 728960 (गत वर्ष 728960) इक्विटी शेयर	91.12		91.12	
नीलांचल इस्पात निगम लिमिटेड में 10 रु. प्रति के 5000000 (गत वर्ष शून्य) इक्विटी शेयर	500.00			
कोणार्क मेट कोक लि. में रु. 10/- प्रति के शून्य (गत वर्ष 5000000) इक्विटी शेयर	0.00		500.00	
		591.26		591.26
संयुक्त उद्यम कंपनियों में शेयर				
—पावर प्लांट परफॉर्मेंस इम्प्रुवमेंट लिमिटेड में 10/- रु. प्रति के 19,99,999 (गत वर्ष 19,99,999) इक्विटी शेयर	200.00		200.00	
घटाएं : मूल्य में ह्रास हेतु प्रावधान	134.00		131.00	
	66.00		69.00	
बीएचईएल–जीई गैस टरबाइन सर्विसेज प्रा. लिमिटेड 10/- रु. प्रति के 2379999 (गत वर्ष 2379999) इक्विटी शेयर	238.00	304.00	238.00	307.00
व्यापार इतर :				
बीएचईएल गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड, हैदराबाद के सममूल्य पर 100 रुपये प्रति के 3 (गत वर्ष 3) शेयर		*		*
चालू				
अउद्धृत (पूर्ण प्रदत्त)				
व्यापार इतर				
जीई कैपिटल सर्विसेज इंडिया में रु. 1 करोड़ प्रति के शून्य (गत वर्ष 20) रक्षित अपरिवर्तनीय डिबैन्चर्स		0.00		2000.00
		895.26		2898.26

* रु. 1000/- से कम मूल्य

वर्ष के दौरान क्रय तथा विक्रय किए गए निवेशों का विवरण

जीई कैपिटल सर्विसेज इंडिया में रु. 1 करोड़ प्रति के शून्य (गत वर्ष 175) रक्षित अपरिवर्तनीय डिबेंचर्स, जिनकी लागत रु. शून्य (गत वर्ष 17500 लाख)।

अनुसूची–8
चालू परिसंपत्तियाँ

(रु. लाख में)

		31.3.2005 की यथास्थिति		31.3.2004 की यथास्थिति
मालसूचियां @				
(प्रबंधन द्वारा यथा प्रमाणित)				
भंडार तथा अतिरिक्त पुर्जे				
– उत्पादन	7249.45		6168.59	
– ईंधन भंडार	820.38		917.95	
– विविध	640.83		670.94	
		8710.66		7757.48
कच्चा माल और संघटक		81135.59		55711.73
मार्गस्थ माल		23480.93		25146.18
फेब्रिकेटरों/संविदाकारों के पास माल		6310.93		4447.93
मुक्त औज़ार		910.31		967.83
रद्दी माल (अनुमानित वसूली योग्य मूल्य पर)		2406.54		1359.72
तैयार माल	26216.22		19051.84	
अंतर प्रभागीय मार्गस्थ अंतरण	4688.00		4530.63	
में शामिल हैं :				
– सीईए द्वारा मॉनीटर किए गए विभिन्न रा.वि.बो./एनटीपीसी (पूल मैम्बर्स) की ओर से धारित गैर–बीएचईएल अतिरिक्त पुर्जों के लिए रु. 140.25 लाख (गत वर्ष रु. 140.25 लाख)				
– मार्गस्थ तैयार माल रु. 41.45 लाख (गत वर्ष रु. 36.24 लाख)		30904.22		23582.47
चालू कार्य (उप संविदाकारों के पास पड़ी मदों सहित)		140567.38		94396.14
		294426.56		213369.48
घटाएं : अचल भंडार के लिए प्रावधान		2815.83		2981.12
		291610.73		210388.36
@ महत्वपूर्ण लेखाकरण नीति सं. 7 के अनुसार मूल्यांकित				
विविध देनदार*				
– 6 माह से अधिक अवधि के लिए बकाया ऋण		277763.86		236175.38
– अन्य ऋण		394907.45		293299.80
		672671.31		529475.18
घटाएं : संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान		75457.09		68627.14
		597214.22		**460848.04**

* आस्थगित ऋण रु. 178114.75 लाख
(गत वर्ष रु. 154118.02 लाख) शामिल हैं।

अनुसूची–8 (जारी)

(रु. लाख में)

			31.3.2005 की यथास्थिति	31.3.2004 की यथास्थिति
विविध देनदारों का ब्यौरा :				
असंदिग्ध समझे गए ऋण जिनके बारे में कंपनी के पास देनदारों की निजी जमानत के अतिरिक्त अन्य कोई जमानत नहीं है			597214.22	460848.04
संदिग्ध समझे गए ऋण, जिनके लिए प्रावधान किया गया			75457.09	68627.14
			672671.31	**529475.18**
नकद एवं बैंक शेष				
हाथ में नकद, चैक,			68.30	74.79
डिमाण्ड ड्राफ्ट तथा स्टैम्प्स			3951.31	41675.99
मार्गस्थ प्रेषित धन			972.80	143.11
अनुसूचित बैंकों में शेष				
चालू खाते			133268.87	106908.44
जमा खाते			178500.70	115500.66
गैर–अनुसूचित बैंकों के पास शेष				
	अधिकतम शेष वर्ष के दौरान			
	(रु. लाख में) 2004-05	(रु. लाख में) 2003-04		
चालू खाते				
-अरब बैंक, जॉर्डन	0.29	20.71	0.00	0.29
-स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक, लीबिया	28.12	0.00	0.00	0.00
-बैंक मस्कट, ओमान	2963.70	4989.80	403.38	1093.14
-बर्कलेज बैंक लिमिटेड, जाम्बिया	0.68	0.68	0.68	0.68
-भूमिपुत्र कॉमर्स (बैंक ऑफ कामर्स), मलेशिया	262.40	58.93	79.99	43.46
-इण्डो जाम्बिया बैंक, लुसाका	227.67	336.92	227.67	147.14
-जम्हूरिया बैंक, लीबिया	504.50	365.83	302.18	365.82
-नैशनल बैंक ऑफ इजिप्ट	11.33	11.06	10.33	10.37
			317786.21	265963.89
अन्य चालू परिसम्पत्तियां				
बैंक जमाओं एवं निवेशों पर प्राप्त ब्याज			4717.63	1350.59
			4717.63	1350.59
चालू परिसम्पत्तियों का सार				
मालसूचियां			291610.73	210388.36
विविध देनदार			597214.22	460848.04
नकद और बैंक शेष			317786.21	265963.89
अन्य चालू परिसम्पत्तियां			4717.63	1350.59
			1211328.79	938550.88

अनुसूची–9
ऋण तथा अग्रिम

(रु. लाख में)

		31.3.2005 की यथास्थिति		31.3.2004 की यथास्थिति
ऋण				
कर्मचारियों को ऋण	260.16		440.88	
अन्यों को ऋण	29.66		38.46	
ऋणों पर प्राप्त तथा/अथवा देय ब्याज	1635.33	1925.15	2119.43	2598.77
अग्रिम				
(नकद अथवा वस्तु के रूप में या प्राप्त किए जाने वाले मूल्यों पर वसूली योग्य)				
कर्मचारियों को	1412.16		1568.54	
खरीदारी के लिए	10733.85		6462.55	
अन्यों को	58328.24		40348.73	
पूंजीगत व्यय के लिए	235.81	70710.06	57.29	48437.11
जमा				
सीमा शुल्क, पतन न्यास और सरकारी प्राधिकारियों के पास शेष {जिसमें केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्राधिकारियों के पास डाकघर पासबुक को गिरवी रखकर प्राप्त रुपये 534.99 लाख (गत वर्ष रुपये 4.71 लाख शामिल हैं)}	14399.52		13637.47	
अंतर कॉर्पोरेट जमा/ऋण	7500.00		8083.00	
अंतर कॉर्पोरेट जमा/ऋणों पर प्राप्त ब्याज	291.84		119.77	
अन्य	30832.28	53023.64	33679.13	55519.37
		125658.85		106555.25
घटाएं : संदिग्ध ऋणों तथा अग्रिम के लिए प्रावधान		2689.65		2636.20
		122969.20		**103919.05**
ऋणों तथा अग्रिमों के ब्यौरे :				
असंदिग्ध समझे गए ऋण एवं अग्रिम, जिनके बारे में कंपनी पूर्णतः रक्षित है।		743.56		822.19
असंदिग्ध समझे गए ऋण एवं अग्रिम, जिनके बारे में कंपनी के पास देनदारों की निजी जमानत के अतिरिक्त अन्य कोई जमानत नहीं है।		122225.64		103096.86
संदिग्ध समझे गए ऋण एवं अग्रिम, जिनके लिए प्रावधान किया गया		2689.65		2636.20
		125658.85		**106555.25**

	अधिकतम रकम वर्ष के दौरान (रुपये लाख में)			
	2004-05	2003-04		
कंपनी के निदेशकों से देय राशि	0.71	0.75	0.23	0.50
कंपनी के अधिकारियों से देय राशि	22.01	17.12	13.48	11.78

अनुसूची–10
चालू देयताएं

(रु. लाख में)

		31.03.2005 की यथास्थिति		31.03.2004 की यथास्थिति
स्वीकृतियां		3411.24		2301.87
विविध लेनदार				
– लघु उद्योग उपक्रमों की (ब्याज सहित) कुल बकाया राशि	12624.34		9247.99	
– अन्य विविध लेनदार	197343.70	209968.04	164549.10	173797.09
ग्राहकों से प्राप्त अग्रिम		458498.91		313302.70
संविदाकारों से जमा राशि		8905.93		6844.02
निवेशक शिक्षा एवं संरक्षण निधि में निम्नांकित राशि जमा की जाएगी :				
– अदावाकृत लाभांश*		47.39		71.45
अन्य देयताएं		29524.55		21661.40
प्राप्त परन्तु अदेय ब्याज		1688.62		1712.54
		712044.68		**519691.07**

*निवेशक शिक्षा एवं संरक्षण निधि में अंतरित किए जाने हेतु तुलन पत्र तिथि को कोई देय तथा बकाया राशि नहीं है

अनुसूची–11
प्रावधान

	31.03.2005 की यथास्थिति	31.03.2004 की यथास्थिति
कराधान के लिए प्रावधान {147576.44 लाख रुपये (गत वर्ष 106354.87 लाख रु.) के आयकर भुगतान को घटाकर}	12284.50	12819.72
लाभांश	11014.18	7342.80
कारपोरेट लाभांश कर	1544.74	959.61
संविदात्मक दायित्व	47515.56	40491.12
सेवानिवृत्ति लाभ	43884.43	34398.68
अन्य	16301.34	17982.33
	132544.75	**113994.26**

अनुसूची–12
विविध व्यय

	31.03.2005 की यथास्थिति	31.03.2004 की यथास्थिति
(बट्टे खाते न डाले जाने वाली या समायोजित न की जाने वाली सीमा तक) स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना के अंतर्गत एकमुश्त भुगतान	0.00	1792.06
	0.00	**1792.06**

अनुसूची–13 क
कुल कारोबार (सकल)

(रु. लाख में)

	को समाप्त वर्ष के लिए **31.03.2005**	को समाप्त वर्ष के लिए **31.03.2004**
प्रतिफल रहित बिक्री (ग्राहकों को किए गए रु. 405437.64 लाख रु. के प्रेषण सहित) (गत वर्ष रु. 355376.78 लाख)	885253.62	757660.91
बाहरी इरेक्शन और अन्य सेवाओं से आय	138021.81	102091.72
निर्माणकारी संविदा से प्राप्त राजस्व	10364.29	6494.35
	1033639.72	**866246.98**

अनुसूची–13 ख
अन्य प्रचालन आय

निर्यात प्रोत्साहन		19700.92		10904.08
पट्टे पर दी गई परिसंपत्तियों पर किराया आय	8528.81		8608.35	
घटाएं : पट्टा समीकरण लेखा	1139.33	7389.48	542.97	8065.38
रद्दी माल		8117.17		6156.38
अधिशेष स्टॉक की बिक्री/अंतरण से प्राप्ति		46.51		137.07
अन्य		6750.23		6007.53
		42004.31		**31270.44**

अनुसूची–13 ग
अन्य आय

स्थायी परिसंपत्तियों की बिक्री से लाभ	146.56	236.65
निवेश पर लाभांश (दीर्घावधि व्यापार)	975.82	654.50
अन्य {अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं के लिए भारत सरकार से प्राप्त रु. 6.60 लाख रु. (गत वर्ष रु. 2.00 लाख)	9049.76	11019.92
के अनुदान सहित}	**10172.14**	**11911.07**

अनुसूची–13 घ
ब्याज से प्राप्त आय*

ग्राहकों से	8.18	52.10
कर्मचारियों से	62.52	60.54
बैंकों से	12601.03	6154.23
निवेशों से (चालू–व्यापार के अलावा)	45.08	263.64
अन्य	676.64	1564.62
*(टी.डी.एस. रु. 2576.09 लाख (गत वर्ष रु. 1175.53 लाख)	**13393.45**	**8095.13**

अनुसूची–14
चालू कार्य तथा निर्मित माल में वृद्धि/(कमी)

(रु. लाख में)

		को समाप्त वर्ष के लिए **31.03.2005**		को समाप्त वर्ष के लिए **31.03.2004**
चालू कार्य				
इतिशेष	140567.38		94396.14	
अथशेष	94396.14	46171.24	93757.82	638.32
निर्मित माल				
इतिशेष	26216.22		19051.84	
अथशेष	19051.84	7164.38	22846.26	-3794.42
मार्गस्थ अन्तर–प्रभाग अंतरण		641.87		93.50
		53977.49		**-3062.60**

अनुसूची–15
कर्मचारी को पारिश्रमिक और लाभ

वेतन, मजदूरी, बोनस, भत्ते तथा अन्य लाभ	124840.23	120443.03
उपदान निधि में अंशदान	9926.68	12193.27
भविष्य निधि तथा अन्य निधियों में अंशदान	10485.27	10208.04
समूह बीमा	200.31	156.91
कर्मचारी कल्याण व्यय	19585.49	20949.66
	165037.98	**163950.91**
निदेशकगण (अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक सहित)*		
- वेतन एवं भत्ते	36.36	33.23
- अंशदायी भविष्य निधि	3.13	3.65
- उपदान निधि में अंशदान	2.88	3.78
- अन्य	8.51	38.00

*उपर्युक्त राशि में भुगतान आधार पर छुट्टी नकदीकरण शामिल है तथा समूह बीमा प्रीमियम शामिल नहीं है।

टिप्पणियाँ :

अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक तथा कार्यकारी निदेशकों को ड्यूटी हेतु तथा ड्यूटी से भिन्न यात्राओं के लिए स्टॉफ कार इस्तेमाल करने की अनुमति दी गई है। उनकी नियुक्ति के निबन्धन एवं शर्तों के अनुसार निर्धारित दर से भुगतान करने पर प्रतिमाह 1000 कि.मी. की ड्यूटी से भिन्न यात्रा कर सकते हैं। यदि आयकर नियम, 1962 के प्रावधानों के अनुसार कार इस्तेमाल करने हेतु उपर्युक्त अनुपलब्धि का आर्थिक मूल्य निकाला जाये, तो यह 0.71 लाख रुपये (गत वर्ष 0.81 लाख रुपये) होगा।

अनुसूची–16
विनिर्माण, प्रशासन, बिक्री और वितरण के अन्य व्यय

(रु. लाख में)

		को समाप्त वर्ष के लिए 31.03.2005		को समाप्त वर्ष के लिए 31.03.2004
आवासीय परामर्शदाता के प्रभार		105.83		108.30
रॉयल्टी, तकनीकी प्रलेखीकरण और अन्य परामर्श प्रभार		1344.02		1498.69
किराया (आवासीय किराए के लिए रु. 2248.91 लाख शामिल – गत वर्ष रु. 2253.58 लाख)		3042.24		3048.55
उत्पाद शुल्क		23368.42		21300.04
बिजली एवं ईंधन		22053.85		19680.71
शुल्क तथा कर		2034.77		2683.61
बीमा		4285.11		3009.31
मरम्मतें:				
भवन		2073.46		1475.07
संयंत्र और मशीनरी		1551.18		1285.14
अन्य		4184.07		3997.43
निर्यात के संबंध में अन्य व्यय		2559.34		464.08
अशोध्य ऋण एवं बट्टाकृत राशि		1282.79		1598.43
बट्टाकृत निवेश (दीर्घावधि–व्यापार)		0.00		3.46
बाहय ढुलाई प्रभार		13355.78		7897.38
यात्रा एवं वाहन व्यय		10958.65		11001.70
विविध व्यय		22767.08		21188.35
नकद बट्टा		42.27		0.44
प्रभारित किए गए निर्णीत हर्जाने		773.88		8080.11
दान	197.83		5.64	
ग्राम विकास तथा समाज कल्याण		14.85		37.71
		115995.42		**108364.15**
टिप्पणी :				
मरम्मत में विभागीय अनुरक्षण पर हुआ निम्नलिखित व्यय सम्मिलित नहीं है :				
संयंत्र तथा मशीनरी	7658.47		8461.51	
भवन	1975.21		2037.01	
अन्य	1394.98	11028.66	1467.67	11966.19
निर्यात संबंधी व्ययों में निर्यात पर दिया गया एजेंसी कमीशन सम्मिलित है		2274.27		153.17
अनुसंधान और विकास पर व्यय		8960.08		9002.17

अनुसूची–16 (जारी)

(रु. लाख में)

		को समाप्त वर्ष के लिए **31.03.2005**		को समाप्त वर्ष के लिए **31.03.2004**
लेखापरीक्षकों को भुगतान (दावा किए गए सेवा कर जमा को घटाकर) :				
—फीस {विदेशों में लेखापरीक्षकों को दिए गये रु. 3.37 लाख (गत वर्ष रु. 0.56 लाख) शामिल हैं}		23.57		19.40
— व्यय		8.59		10.12
— आय कर मामले {विदेशों में लेखापरीक्षकों को दिए गये रु. 0.85 लाख (गत वर्ष रु. 1.36 लाख) शामिल हैं}		4.65		6.17
— प्रमाणन कार्य {विदेशों में लेखापरीक्षकों को दिए गये शून्य रु. (गत वर्ष रु. शून्य लाख) शामिल हैं}		11.13		10.30
— अन्य व्यावसायिक सेवाएं {विदेशों में लेखापरीक्षकों को दिए गये शून्य रु. (गत वर्ष रु. शून्य लाख) शामिल हैं}		0.06		0.07
लागत लेखापरीक्षकों को भुगतान		0.96		0.95
*आतिथ्य पर व्यय		410.52		404.98
*विदेशी यात्राओं पर हुआ व्यय {517 दौरों के लिए (गत वर्ष 541 दौरे)}		574.84		898.85
प्रचार एवं जन संपर्क पर व्यय				
वेतन, भत्ते तथा अन्य लाभ	360.96		392.41	
अन्य व्यय	564.42	925.38	513.69	906.10
निदेशकों की फीस		3.75		4.20

*प्रबन्धन द्वारा यथाप्रमाणित

अनुसूची–17
ब्याज एवं अन्य उधार लागतें

निम्नांकित पर ब्याज :		
बांड	4425.00	4425.00
बैंक/वित्तीय संस्थाओं से उधार	135.28	119.83
अन्य	3579.27	1462.13
अन्य उधार लागतें	1.10	1.09
	8140.65	**6008.05**

अनुसूची–18
प्रावधान

संदिग्ध ऋण, अनिर्णीत हर्जाने तथा ऋण एवं अग्रिम				
—वर्ष के दौरान सृजित	17743.29		27872.31	
—घटाएं वर्ष के दौरान वापस लिया गया	14680.75	3062.54	22749.09	5123.22
संविदात्मक दायित्व				
—वर्ष के दौरान सृजित	19127.37		10510.52	
—घटाएं : वर्ष के दौरान वापस लिया गया	12096.24	7031.13	14291.52	-3781.00
अन्य				
—वर्ष के दौरान सृजित*	7809.80		5403.03	
—घटाएं वर्ष के दौरान रिटिन बैक	5278.97	2530.83	4660.83	742.20
		12624.50		**2084.42**

*दीर्घावधि व्यापार निवेश के मूल्य में ह्रास के लिए 3 लाख रु. (गत वर्ष 131 लाख रु.) शामिल हैं।

अनुसूची–18 क
असाधारण मदें

(रु. लाख में)

		को समाप्त वर्ष के लिए **31.03.2005**		को समाप्त वर्ष के लिए **31.03.2004**
व्यय				
स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना के लिए एकमुश्त भुगतान का परिशोधन		1799.03		22981.24
		1799.03		**22981.24**

अनुसूची–18 ख
पूर्वावधि मदें

आय				
कुल कारोबार	-66.93		-800.08	
अन्य प्रचालनात्मक आय	166.67			
अन्य आय	151.98		41.69	
ब्याज	-95.10	**156.62**	-52.75	-811.14
व्यय				
कच्चे माल तथा संघटकों की खपत	0.00		14.24	
कर्मचारियों के पारिश्रमिक एवं लाभ	0.00		40.61	
मूल्यह्रास	0.00		4.21	
उप–संविदाकारों को भुगतान	2.06		9.51	
ब्याज	0.00		1.12	
अन्य व्यय	357.64	**359.70**	394.01	463.70
पूर्वावधि समायोजन (निवल)		**-203.08**		**-1274.84**

अनुसूची–18 ग
कराधान के लिए प्रावधान

चालू वर्ष के लिए				
–चालू कर	63606.15		44004.87	
{सम्पत्ति कर के रु. 6.15 लाख (गत वर्ष रु. 4.87 लाख) शामिल हैं}				
–आस्थगित कर	-1976.02	**61630.13**	-9112.36	34892.51
पूर्व वर्षों के लिए				
–कर		**1192.96**		767.61
		62823.09		**35660.12**

इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउन्टेंटस ऑफ इंडिया के लेखाकरण मानक 29 के अनुसार प्रकटन

विवरण	**अथशेष**	**वृद्धियां**	**प्रयोग बट्टे खाते डालना**	**आहरण/ समायोजन**	**इतिशेष**
निर्णीत हर्जाना (टिप्पणी 1,3 और 4)	34466.22	7879.23	773.88	6607.84	34963.73
संविदात्मक दायित्व (टिप्पणी 2)	40491.12	21039.49	1912.12	12120.93	47515.56

टिप्पणियां :

1. ग्राहक के साथ संविदा की शर्तों के अनुसार, निर्णीत हर्जाने की व्यवस्था कंपनी की लेखाकरण नीति के अनुरूप की जाती है और उस पर निपटान पर अथवा अन्य लेखे में उचित रूप से कार्यवाही की जाती है।
2. संविदात्मक दायित्व के लिए प्रावधान संविदा की शर्तों के अनुसार वारंटी दायित्व पूरा करने के लिए महत्वपूर्ण लेखाकरण नीति सं. 14 के अनुरूप संविदा मूल्य के 2.5% की दर पर संतुलित आधार पर किया जाता है। वास्तविक वारंटी दायित्व संविदा–दर–संविदा और संबंधित संविदा की शर्तों पर निर्भर करते हुए वर्ष–दर–वर्ष भिन्न–भिन्न हो सकता है।
3. निर्णीत हर्जाने से संबद्ध आकस्मिक देयता को अनुसूची–19 की टिप्पणी सं. 5 में दर्शाया जा रहा है।
4. पूर्व वर्षों के लिए 2461.70 लाख रूपये शामिल है।

अनुसूची–19

लेखे पर टिप्पणियां

1. अग्रिम को घटाकर उन संविदाओं, जिनका निष्पादन पूंजी खाते में शेष है, और उसकी व्यवस्था नहीं की गई है, की अनुमानित राशि रु. 14093.68 लाख (गत वर्ष रु. 3731.08 लाख) है, जिसमें अगोचर परिसम्पत्तियों के अधिग्रहण के लिए रु. शून्य लाख (गत वर्ष 10.21 लाख) शामिल हैं।

2. भूमि और भवन में निम्नलिखित शामिल हैं :

   क) 1380.180 एकड़ भूमि (गत वर्ष 13938.660 एकड़) और 52 फ्लैट (गत वर्ष 52 फ्लैट) और एक भवन (गत वर्ष एक भवन), जिनके लिए औपचारिक हस्तांतरण/पट्टा विलेख निष्पादित नहीं किया गया है और जिनमें 51.520 एकड़ भूमि (गत वर्ष 101.520 एकड़) भी शामिल है, जिसके लिए अदा की गई लागत अनंतिम है; पंजीकरण प्रभार और किए जा चुके प्रावधान में से घटाकर स्टाम्प शुल्क भुगतान पर लेखे में लिया जाएगा।

   ख) रक्षा मंत्रालय सरकारी विभागों और अन्यों को पट्टे पर दी गई 79.936 एकड़ भूमि (गत वर्ष 79.936 एकड़)।

   ग) दिनांक 30 नवम्बर, 1990 तक वैध लाइसेंस पर दी गई 100 एकड़ भूमि सहित 180 एकड़ भूमि (गत वर्ष क्रमशः 180 एकड़ और 100 एकड़), जिसका प्रयोग रक्षा मंत्रालय द्वारा किया जा रहा है और जिसके लिए इस भूमि के लाइसेंसीकरण को जारी रखने के लिए सक्षम प्राधिकारी के आगे अनुमोदन की प्रतीक्षा है।

   घ) 106.858 एकड़ (गत वर्ष 159.507 एकड़) भूमि प्रतिकूल कब्जे के अंतर्गत है।

3. 10,000 रुपये तक की प्रत्येक स्थायी परिसंपत्ति पर 100% मूल्यह्रास के प्रावधान के लाभ पर प्रभाव, पिछले वर्षों के इस तरह के प्रभाव पर बिना विचार किए, निम्न प्रकार है :

(लाख रुपये में)

	2004-2005	2003-2004
लेखा वर्ष में रु. 10,000/- मूल्य वाली परिसंपत्तियों पर 100% चार्ज ऑफ किया गया मूल्यह्रास	392.28	354.61
उपरोक्त पर सामान्य मूल्यह्रास	129.18	127.73
चार्ज ऑफ की गई अतिरिक्त राशि	263.10	226.88

4. ग्राहकों को विक्रय एवं प्रेषण :

   (क) अनंतिम मूल्यों पर आधारित रु. 21169.99 लाख (गत वर्ष रु. 17544.90 लाख) शामिल हैं ;

   (ख) अद्यतन मूल्य सूचकांकों की सीमा तक, विक्रय ठेके के अनुसार जिसके अंतर्गत प्रोद्भवन आधार पर वृद्धि दावे भी शामिल है, उत्पन्न वृद्धि दावों के लिए रु. 37449.54 लाख (गत वर्ष रु. 23390.65 लाख) शामिल हैं ;

   (ग) ग्राहकों को भेजे गये प्रेषणों में शामिल उपस्करों का मूल्य रु. 5233.17 लाख (गत वर्ष रु. 5404.60 लाख) है जो ग्राहकों की ओर से उनके अनुरोध पर धारित हैं और कंपनी द्वारा उनका मूल्य प्राप्त हो चुका है; और

   (घ) सुपुर्दगी में देरी के लिए संविदा की शर्तों के अनुसार मूल्य कटौती के रु. 1375.00 लाख (गत वर्ष रु. 1216.56 लाख) शामिल नहीं हैं।

5. आकस्मिक देयताएं

   (क) कम्पनी के खिलाफ दावों, जो ऋण के रूप में नहीं माने गए हैं, में शामिल हैं :

      (i) आयकर की लम्बित अपीलें (प्रावधानों को घटाकर) 18173.12 लाख (गत वर्ष रु. 17073.25 लाख) जिसके बदले विरोध के अधीन रु. 26287.65 लाख (गत वर्ष रु. 26278.81 लाख) अदा किए गए हैं और जिन्हें शीर्ष जमा–अन्य के अधीन शामिल किया गया है।

      (ii) बिक्रीकर के रु. 31800.18 लाख (गत वर्ष रु. 33264.13 लाख) की मांग पर प्रतिवाद/न्यायालय आदेश के अधीन रु. 8121.55 लाख (गत वर्ष रु. 7346.72 लाख) का भुगतान किया गया तथा जो वसूली योग्य अग्रिम शीर्ष में शामिल हैं।

(iii) उत्पाद शुल्क के रु. 6534.32 लाख (गत वर्ष रु. 19301.27 लाख) की मांग पर प्रतिवाद/न्यायालय आदेश के अधीन रु. 992.62 लाख (गत वर्ष रु. 1284.58 लाख) का भुगतान किया गया तथा ये वसूली योग्य अग्रिम शीर्ष में शामिल हैं।

(iv) न्यायालय/मध्यस्थम् मामले रु. 5946.56 लाख (गत वर्ष रु. 5054.74 लाख)।

(vi) निर्णीत हर्जाना रु. 1025.27 लाख (गत वर्ष रु. 4355.21 लाख)।

(vii) संविदाकारों के काउन्टर दावे रु. 4077.88 लाख (गत वर्ष रु. 4108.25 लाख)।

(viii) अन्य रु. 1941.26 लाख (गत वर्ष रु. 1329.42 लाख)।

(ख) आई डी बी आई योजना के अन्तर्गत वर्ष के अंत में बकाया बिलों में रु. 1580.76 लाख (गत वर्ष रु. 3498.27 लाख) की छूट :

(ग) वर्ष की समाप्ति पर रु. 29374.89 लाख (गत वर्ष रु. 68781.24 लाख) की बकाया बैंक गारन्टी ।

(घ) वर्ष की समाप्ति पर संयुक्त उद्यमों की ओर से जारी की गई बकाया कॉर्पोरेट गारंटियां रु. 3082.33 लाख (गत वर्ष रु. 4169.08 लाख)।

6. बैंकों से कुल 10000 लाख रुपये (गत वर्ष 40000 लाख रुपये) की नकद क्रेडिट सीमा, आई डी बी आई योजना के लिए कम्पनी की बिल बट्टे की कुल सीमा रु. 4000 लाख (गत वर्ष रु. 20000 लाख) तथा बैंक गारंटी/साख पत्र सीमा के संबंध में बैंकों के संघ द्वारा स्वीकृत कुल 1200000 लाख रुपये (गत वर्ष 850000 लाख रुपये) की कंपनी की प्रति गारंटी/क्षतिपूर्ति देयताओं को कच्चे माल, संघटकों, चालू कार्य, तैयार माल, भंडारों, बही ऋणों तथा अन्य चालू आस्तियों के प्रथम प्रभार के द्वारा प्रतिभूत किया जाता है।

7. 1 करोड़ रुपये प्रत्येक के अंकित मूल्य वाले 500 करोड़ रुपये की राशि के 8.85% अपरिवर्तनीय, रक्षित, शोध्य कर योग्य दीर्घावधिक बांडों को 15.11.2001 को 7 वर्ष की अवधि के लिए जारी किया गया, जिसमें 5 वर्ष के पश्चात पुट/कॉल विकल्प भी है। इन्हें अपार्टमेंट सं. ए./टी.–1, तृतीय तल, श्री कृष्ण अपार्टमेंट, समीप गोअन स्केवयर, नागपुर स्थित कंपनी की अचल संपत्ति के न्यासियों के पक्ष में एक कानूनी रेहन एवं प्रभार द्वारा, हरिद्वार एवं रामचन्द्रपुरम, हैदराबाद स्थित कंपनी की अचल संपत्तियों के संबंध में हकदारी विलेख के जमा के माध्यम से इक्विटेबल रेहन द्वारा तथा कंपनी के चल संयंत्र एवं मशीनरी, मशीनरी अतिरिक्त पुर्जों, उपकरणों तथा सहायक सामग्रियों तथा अन्य चल संपत्तियों, वर्तमान एवं भविष्य दोनों की, (सिवाय उन विशेष सम्पत्तियों तथा बही ऋणों के, जिनके ऊपर अनन्य प्रथम प्रभार सृजित किया जा चुका है) सहित इन इकाईयों की सभी चल सम्पत्तियों को बंधक रखकर रक्षित किया गया है।

8. कंपनी ने आयकर अपील अधिकरण में एक अपील दायर की है, जिसमें निर्धारण वर्ष 1992-93 से संबंधित प्रोद्भवन के आधार पर सामान्य एवं असाधारण मुद्रा विचलन से हुए 37745.00 लाख रुपये (गत वर्ष 37745.00 लाख रुपये) के दावों की नामंजूरी का मुद्दा उठाया है। उक्त आय कर देयता के संबंध में आयकर विभाग द्वारा की गई 24974.61 लाख रुपये की मांग (गत वर्ष 24974.61 लाख रुपये) को आयकर विभाग द्वारा कंपनी को देय रिफंडों के प्रति समायोजित किया गया है तथा इसे तुलन–पत्र में अनुसूची 9 – ऋण और अग्रिम के अंतर्गत ''अन्य जमाओं'' के रूप में दर्शाया गया है। कानूनी निर्णयों के आधार पर, क्योंकि मांग के समाप्त होने की सम्भावना है, मांग को असज्जित सीमा तक आकस्मिक देयता के रूप में शामिल किया गया है, जैसा कि पहले उपर्युक्त पैरा 5 (क)(i) में दर्शाया गया है।

9. गुड़गाँव स्थित अमार्फस सिलिकॉन सोलर सेल प्लांट (ए एस एस सी पी) को गैर–परम्परागत ऊर्जा स्त्रोत मंत्रालय से 30 वर्ष के लिए पट्टे पर लिया गया था। सरकार के साथ पट्य करार को अभी अंतिम रूप दिया जाना है।

10. अन्य देयताओं में सरकार के अनुरोध पर 1990-91 तक कंपनी द्वारा लिए गए विदेशी मुद्रा ऋणों के संबंध में भारत सरकार द्वारा मांगी गयी गारंटी शुल्क के लिए 10051.51 लाख रुपये (गत वर्ष 10051.51 लाख रुपये) की राशि शामिल है। इसे माफ किए जाने का मामला भारत सरकार के साथ उठाया गया है, क्योंकि ऋण लिए जाते समय (भारत सरकार द्वारा गांरटी प्रदत्त) इस गारंटी शुल्क की कोई शर्त नहीं थी।

11. अनुसूची 10 में दी गई देयता, जो कि लघु औद्योगिक उपक्रमों को देय है, कम्पनी की यूनिटों/प्रभागों के डाटाबेस से तय की गई है तथा उपक्रमों की एसएसआई स्थिति के अनुसार उनके प्राप्त उत्तर के आधार पर अघतन की गई है। उन लघु औद्योगिक उपक्रमों जिनका कंपनी के प्रति 30 दिनों से अधिक का बकाया है, के नाम अनुबंध में शामिल किए गए हैं।

12. लेखाकरण अवधि के दौरान स्थायी परिसंपत्तियों को आगे ले जाने के लिए समायोजित विनिमय हानि की राशि 91.74 लाख रुपये (गत वर्ष 34.77 लाख रुपये) है।

13. संबंधित पक्ष लेन–देन :

i) संबंधित पक्ष जहां नियंत्रण विद्यमान है (संयुक्त उद्यम) :
पावरप्लांट परफार्मेंस इम्प्रूवमेंट लि.
बी.एच.ई.एल.–जी.ई. गैस टरबाइन सर्विसेज प्रा. लि.

ii) अन्य संबंधित पक्ष (मुख्य प्रबन्ध कार्मिक – कार्यकारी निदेशक) :
सर्वश्री अशोक के.पुरी, एच.डब्ल्यू. भटनागर, सी. श्रीनिवासन,
रामजी राय और एस.के. जैन

iii) लेन–देन का ब्यौरा :

(रुपये लाख में)

विवरण	संयुक्त उद्यम		मुख्य प्रबन्धन कार्मिक (के एम पी)		मुख्य प्रबन्धन कार्मिक के रिश्तेदार	
	2004-05	2003-04	2004-05	2003-04	2004-05	2003-04
वस्तुओं एवं सेवाओं की खरीद	9.47	280.42				
वस्तुओं एवं सेवाओं की बिक्री	2456.01	595.07				
सेवाएं प्रदान करना	48.74	69.01				
सेवाएं प्राप्त करना	424.38	524.85				
लाभांश आय	975.80	654.50				
रायल्टी आय	34.78	31.16				
वर्ष के अंत में भेल को देय राशि	682.01	251.48	0.23	0.50		
वर्ष के अंत में भेल से देय राशि	57.92	289.20				
संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान	14.49	14.82				
लेखे में वापस ली गई राशि	4.24	-				
की ओर से दी गई गारंटियां	3082.33	4369.08				
वेतन का भुगतान			50.88	78.66		
दिये गए ऋण/अग्रिम			-	0.16		

14. पट्टा :

क. 1 अप्रैल, 2001 के पश्चात वित्त पट्टा पर ली गई परिसंपत्तियों के ब्यौरे निम्नांकित हैं :

(रुपये लाख में)

		31-3-2005 को	31-3-2004 को
क.	न्यूनतम पट्टा भुगतानों का बकाया शेष		
	–एक वर्ष से अनधिक	1623.93	1489.16
	–एक वर्ष से अधिक किंतु पांच वर्ष से अनधिक	2667.97	3059.60
	–पांच वर्ष से अधिक	4.57	0.23
	तुलन–पत्र तिथि को कुल न्यूनतम पट्टा भुगतान	4296.47	4548.99
ख.	ऊपर (क) का वर्तमान मूल्य		
	–एक वर्ष से अनधिक	1193.01	1055.07
	–एक वर्ष से अधिक किंतु पांच वर्ष से अनधिक	2253.18	2524.57
	–पांच वर्ष से अधिक	4.46	0.22
	तुलन–पत्र तिथि को कुल न्यूनतम पट्टा भुगतान	3450.65	3579.86
ग.	वित्त प्रभार	845.82	969.13
	अवशिष्ट मूल्य, अगर कोई हो, का वर्तमान मूल्य	3.87	

ख. कम्पनी में कार्यालय एवं अन्य उपस्करों, कर्मचारियों के लिए मकानों, कार्यालय भवनों और प्रचालन पट्टे पर ईडीपी उपस्करों को रद्द करने योग्य तथा रद्द न करने योग्य आधार पर लेने की परम्परा है।

ग. रद्द न करने योग्य प्रचालन पट्टे के अंतर्गत 31.3.2005 को भविष्य का न्यूनतम पट्टा भुगतान है :

(रुपये लाख में)

	31.3.2005 की यथास्थिति	31.3.2004 की यथास्थिति
– एक वर्ष से अनधिक	851.87	186.41
– एक वर्ष से अधिक तथा पांच वर्ष से अनधिक	1329.51	438.24
– पाँच वर्ष से अधिक	–	3.51

घ. 1.4.2001 से पहले पट्टे पर ली गई परिसम्पत्तियों के किराए का विवरण नीचे दिया गया है :

(रुपये लाख में)

परिसम्पत्तियाँ	परिसम्पत्तियों की लागत		पट्टे की शेष अवधि हेतु देय किराया	
	2004-2005	**2003-2004**	**2004-2005**	**2003-2004**
कम्प्यूटर एवं बाह्य सामग्री	41.25.92	7038.99	144.91	679.71
भूमि एवं भवन	4.56	6.05	1.47	1.73
कार्यालय उपस्कर	250.70	657.72	42.26	126.33
अन्य	2.30		1.22	
कुल	4383.48	7702.76	189.86	807.77

15. प्रतिशेयर अर्जनः

			2004-05	31.3.2004
इक्विटी शेयरों की भारांशित औसत संख्या				
वर्ष के दौरान बकाया	(क)	लाख में संख्या	2447.60	2447.60
इक्विटी शेयर का नॉमिनल मूल्य		(रुपए)	10	10
वर्ष के लिए निवल लाभ	(ख)	(रुपए लाख में)	95340.48	65815.16
जोड़े : असाधारण मदें		(रुपए लाख में)	1799.03	22981.24
घटाएं : असाधारण मदों पर कर		(रुपए लाख में)	658.31	8244.52
कर को घटाकर असाधारण मदों को छोड़कर वर्ष के लिए निवल लाभ	(ग)	(रुपए लाख में)	96481.20	80551.88
प्रति शेयर मूल और अंतरित अर्जन के पूर्व प्रति शेयर मूल और अंतरित	(ख)/ (क)	(रुपए)	38.95	26.89
असाधारण मदें	(ग)/ (क)	(रुपए)	39.42	32.91

16. समय अंतर के कारण निवल आस्थगित कर परिसम्पत्ति का खंडवार ब्यौरा निम्नांकित है

(रुपये लाख में)

	31.3.2005 को	31.3.2004 को
आस्थगित कर परिसम्पत्तियां		
प्रावधान	48703.77	47612.55
स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजनाओं का आस्थगित राजस्व व्यय	4560.50	7925.50
सांविधिक देय	8784.50	6556.95
माडवैट समायोजन	952.73	239.72
अन्य	1680.80	1791.60
	64682.22	**64126.32**
आस्थगित कर देयताएं		
मूल्यह्रास	12854.32	14274.44
निवल आस्थगित कर परिसंपत्तियां	51827.90	49851.88

17. संयुक्त उद्यमों से संबंधित प्रकटीकरण निम्नांकित हैं :

(क) संयुक्त उद्यम का नाम	निगमन का देश	स्वामित्व का समानुपात
पावर प्लांट परफार्मेंस इम्प्रूवमेंट लि.	भारत}	50 प्रतिशत
बी.एच.ई.एल.–जी.ई. गैस टरबाइन सर्विसेज प्राइवेट लि.	भारत}	से कम एक शेयर

(ख) (i) संयुक्त उद्यमों की आकस्मिक देयताओं में कंपनी का हिस्सा 586.37 लाख रुपये (गत वर्ष 212.72 लाख रुपये) है।

(ii) संयुक्त उद्यमों की पूंजी वचनबद्धताओं में कंपनी का हिस्सा 14.65 लाख रुपये (गत वर्ष 5.88 लाख रुपये) है।

(iii) वर्ष की समाप्ति पर संयुक्त उद्यमों की ओर से दी गई गारंटियां : 3082.33 लाख रुपये (गत वर्ष 4369.08 लाख रुपये) है।

(iv) लेखों के अनुसार संयुक्त उद्यमों में कंपनी के हित की कुल राशि निम्नानुसार हैः

(रुपये लाख में)

	2004-2005	**2003-2004**
स्थायी परिसम्पत्तियां	527.50	475.66
निवल चालू परिसम्पत्तियां	1375.11	764.67
विविध व्यय (बट्टे खाते में नहीं डाला गया)	0	2.68
प्रतिभूत ऋण	44.04	83.96
आस्थगित कर देयता	41.95	43.28
शेयरधारक निधि	1816.64	1115.76
आय	12414.22	13288.80
व्यय	11106.74	12049.80

(v) 2004-05 के लिए सूचना संयुक्त उद्यम के अलेखापरीक्षित लेखों पर आधारित हैं।

18. कंपनी ने भूतपूर्व कोणार्क मेट कोक लि. (के.एम.सी.एल.) भुवनेश्वर में 10/- रुपये प्रत्येक (सममूल्य पर) के इक्विटी शेयर में 500 लाख रुपये की राशि का निवेश किया है, ताकि कंपनी द्वारा कोणार्क मेटकोक लि. (के.एम.सी.एल) तथा नीलांचल इस्पात निगम लि. (एन.आई.एन.एल) को आपूर्ति किए जाने वाले उपकरणों के लिए आदेश हासिल किया जा सके। के.एम.सी.एल. के इक्विटी शेयरों में निवेश के लिए सरकारी अनुमोदन प्रतीक्षित है। भूतपूर्व के.एम.सी.एल. तथा एन.आई.एन.एल. में इक्विटी भागीदारी उक्त कम्पनियों से प्राप्त आदेशों के मूल्य के 7.5% तक सीमित है, जो कि अधिकतम 1732 लाख रुपये है।

वर्ष के दौरान उड़ीसा उच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेश के अनुसरण में केएमसीएल को कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 394 के साथ पठित धारा 391 के अधीन एनआईएनएल के साथ समामेलित किया गया है। माननीय उच्च न्यायालय उड़ीसा द्वारा स्वीकृत समामेलन की योजना के अनुसार एनआईएनएल ने कंपनी को कुल 500 लाख रुपए के नए इक्विटी शेयर आबंटित किए हैं।

19. (i) कम्पनी ने ''भुगतान प्राप्ति प्रमाण–पत्र/माल प्राप्ति प्रमाणपत्र'' आधार से ''प्राप्ति संकल्पना पर माल प्रेषण आधार पर'' के बदले सीमांत उत्पाद शुल्क को मानने से संबंधित अपनी लेखाकरण पद्धति संशोधित की है। कर पूर्व लाभ पर इस परिवर्तन का प्रभाव 5934.46 लाख रुपए की वृद्धि है।

(ii) कंपनी ने 8 वर्ष से अधिक के लिए अचल मालसूची के मूल्यांकन से संबंधित अपनी लेखाकरण पद्धति को उसे अनुमानित रद्दी माल के मूल्य पर मूल्यांकित करने की पूर्व पद्धति की तुलना में मूल्य के 5% पर उसे मूल्यांकित करते हुए संशोधित किया है। इस परिवर्तन के कारण कर–पूर्व लाभ पर प्रभाव 79.20 लाख रुपए की कमी है।

(iii) कम्पनी ने 100% राजस्व मान्यता की पूर्व पद्धति की तुलना में महत्वपूर्ण लेखाकरण नीति 5ख (i) के अनुरूप दीर्घवधिक निर्यात संविदाओं (एएस–7 संविदा के अतिरिक्त) से संबंधित अपनी लेखाकरण पद्धति परिवर्तित की है। इस परिवर्तन के कारण कर–पूर्व लाभ पर प्रभाव 117.15 लाख रुपए की कमी हैं।

(iv) कंपनी ने इरेक्शन और परियोजना प्रबन्ध सेवाओं पर राजस्व मान्यता से संबंधित अपनी लेखाकरण नीति 5ख (ii) संशोधित की है। इस परिवर्तन के कारण कर–पूर्व लाभ पर प्रभाव 768.76 लाख रुपए की वृद्धि है।

(v) दो यूनिटों में एसएपी प्रारंभ करने से व्यय/उपरिव्यय के सुनिश्चयन/आमेलन में कतिपय सुधार हुआ है, जिससे वर्ष के लिए कर–पूर्व लाभ में 59.39 लाख रुपए की कमी का समग्र प्रभाव पड़ा है।

20. कमीशनिंग एवं संस्थापना के लिए ढुलाई किए गए उपस्करों की बीमा सहित कमीशनिंग और संस्थापन से संबंधित सेवा कर को विधि विशेषज्ञ से प्राप्त मत के अनुसार और न्यायाधिकरण/उच्चतम न्यायालय के निर्णयों के अनुरूप लेखाकृत किया गया है और इसके कारण कोई मांग उत्पन्न नहीं हुई है। सामान्य संविदा शर्तें और विधिक मत द्वारा यथापुष्ट के अधीन और दावे, अगर कोई हो, ग्राहकों से वसूली योग्य हैं।

    दिनांक 10.09.2004 से एक संशोधन द्वारा ''इरेक्शन'' को भी कमीशनिंग और संस्थापन के साथ कर योग्य सेवाओं के रूप में शामिल किया गया है। तदनुसार ग्राहक के साथ की गई संविदा के आधार पर सेवा कर व्यय को लेखाकृत और आय को माना गया है।

    प्राप्त विधिक मत के अनुसार, ग्राहकों से माल भाड़ा और बीमा के लिए कंपनी द्वारा एकत्रित राशि सेवा कर लगने वाली ''व्यवसाय सहायक सेवा अथवा अन्य किसी सेवा के अधीन नहीं आएगी क्योंकि कंपनी न तो ''माल यातायात कंपनी ''के रूप में और न ही ''बीमाकर्ता'' के रूप में सेवा प्रदान कर रही है।

21. दिनांक 31.03.2005 को अनुसूची 8 में ''नकद और बैंक शेष'' शीर्ष के अधीन अनुसूचित बैंकों के पास शेष में हस्तगत चेक तथा साथ ही अपनी यूनिटों/क्षेत्रों/कार्यस्थलों में कंपनी द्वारा रखे गए विभिन्न बैंक खातों में प्राप्त राशियां शामिल हैं और वे दिल्ली में बैंकों के पास रखे केन्द्रीकृत नकद जमा खाते को हस्तान्तरणाधीन हैं।

22. लेखाकरण मानक–7 (संशोधित) की अपेक्षानुसार 1.4.2003 को या इसके पश्चात की गई निर्माण संविदाओं के संबंध में प्रकटीकरण निम्नानुसार हैं:

रुपये लाख में

	2004-05	**2003-04**
संशोधित लेखाकरण मानक–7 के अनुसार मान्यता प्राप्त संविदा राजस्व	345017.76	36305.93
31.3.2005 को चालू संविदा के सम्बंध में		
– खर्च की गई लागत तथा मान्यता प्राप्त लाभ (घटाएं–मान्यता प्राप्त हानियां)	378805.75	39610.69
– प्राप्त अग्रिम की राशि	194665.84	40106.34
– प्रतिधारण की राशि (आस्थगित ऋण)	46106.75	9563.91
उपयुक्त नेटिंग ऑफ के बाद ग्राहक से बकायों के सम्बंध में		
– परिसम्पत्ति के रूप में संविदा कार्य के लिए ग्राहक द्वारा देय सकल राशि	36191.33	2476.56
– देयता के रूप में संविदा कार्य के लिए ग्राहक को देय सकल राशि	18400.85	9500.92
– आकस्मिकताएं	—	—

23. उप–ठेकेदारों/फैब्रिकेटरों द्वारा धारित बकाया शेषों एवं स्टॉकों की पुष्टि के प्रत्युत्तर कुछ ही मामलों में प्राप्त हुए, उनमें से कुछ विवरण मांग रहे हैं।

24. क्षेत्रीय सूचना

(रुपये लाख में)

	31.3.2005 को समाप्त हुए वर्ष के लिए			31.3.2004 को समाप्त हुए वर्ष के लिए		
क. प्राथमिक क्षेत्र–व्यावसायिक क्षेत्र						
	विद्युत	**उद्योग**	**योग**	**विद्युत**	**उद्योग**	**योग**
I. **क्षेत्रीय राजस्व**						
क. प्रचालन राजस्व (बाह्य)	750386.38	334705.26	**1085091.64**	600941.03	298057.15	898998.18
ख. अंतर क्षेत्रीय राजस्व	0.00	31751.00	**31751.00**	2482.00	19365.12	21847.12
ग. क्षेत्रीय राजस्व (क)–(ख)	750386.38	302954.26	**1053340.64**	598459.03	278692.03	877151.06
II. **क्षेत्रीय परिणाम**						
क. क्षेत्रीय परिणाम	160813.57	38623.37	**199436.94**	137941.44	28604.63	166546.07
ख. अनाबंटित खर्चे (आय को घटाकर)			**31333.70**			36081.50
ग. ब्याज पूर्व लाभ, डीआरई एवं आयकर (क)–(ख)			**168103.24**			130464.57
घ. ब्याज		**8140.65**			6008.05	
ड. बट्टे खाते में डाला गया आस्थगित राजस्व व्यय			**1799.03**			22981.24
च. आय कर पूर्व निवल लाभ (ग)–(घ)–(ड.)			**158163.56**			101475.28
छ. आय कर			**62823.09**			35660.12
ज. आय कर पश्चात निवल लाभ			**95340.47**			65815.16
III **परिसम्पत्तियां एवं देयताएं**						
क. क्षेत्रीय परिसम्पत्तियां	745801.22	304171.81	1049973.03	517339.40	299931.67	817271.07
ख. अनाबंटित परिसम्पत्तियां			451004.07			398218.83
ग. कुल परिसम्पत्तियां			1500977.10			1215489.90
घ. क्षेत्रीय देयताएं	617277.59	179494.90	796772.49	435210.03	159653.07	594863.10
ड. अनाबंटित देयताएं			101515.23			84522.45
च. कुल देयताए			898287.72			679385.55
IV **अन्य सूचना**						
क. स्थायी परिसम्पत्तियों के अधिग्रहण की अवधि के दौरान खर्च की गई लागत	11398.68	4657.62		11393.44	3174.42	
ख. मूल्यह्रास	10267.21	5807.18		9028.58	5498.08	
ग. गैर नकद खर्चे (मूल्यह्रास के अतिरिक्त)	10328.42	3842.03		8287.24	3066.14	

ख. अनुपूरक क्षेत्र – भौगोलिक क्षेत्र

	भारत में	**भारत के बाहर**	**कुल**	**भारत में**	**भारत के बाहर**	**कुल**
1. निवल बिक्री/प्रचालनों से आय	973218.51	80122.13	1053340.64	830218.06	46933.00	877151.06
2. कुल परिसम्पत्तियाँ	1434095.77	66881.33	1500977.10	1192333.60	23156.30	1215489.90
3. स्थायी परिसम्पत्तियों के अधिग्रहण की अवधि के दौरान खर्च की गई लागत	17350.23	1.15	17351.38	17241.49	0.60	17242.09

<u>टिप्पणियां :</u>

1 कम्पनी के उत्पाद एवं सेवाओं के क्षेत्र, जिससे वे बाजार में प्रमुखता से पहचाने जाते हैं, के आधार पर ''विद्युत'' एवं ''उद्योग'' क्षेत्रों के अंतर्गत समूह बना दिए गए हैं।

2 विद्युत क्षेत्र में विभिन्न विद्युत उत्पादन सेटों एवं उनके सहायक उपकरणों से सम्बद्ध उत्पाद और सेवाएं शामिल हैं।

3 उद्योग क्षेत्र में परिवहन, पारेषण, विद्युत मशीनें, औद्योगिक सेट एवं डीजी सेट, दूरसंचार तथा अन्य औद्योगिक उत्पाद एवं प्रणालियों के उत्पाद और सेवाएं शामिल हैं।

4 अंतर–क्षेत्र अंतरण आपसी सहमति के मूल्यों पर किया गया है।

25. गत वर्ष के आंकड़ों को चालू वर्ष के प्रस्तुतिकरण के अनुरूप बनाने के लिए जहां भी व्यवहार्य हो पुनःसमूहबद्ध/पुनःवर्गीकृत किया गया है।

26. कम्पनी अधिनियम, 1956 की अनुसूची–VI में अपेक्षित अन्य सूचनाएं

क. बिक्री, प्रारम्भिक स्टॉक एवं अन्तिम स्टॉक

(रुपये लाख में)

उत्पाद	इकाई	वर्ष 2004-2005 के दौरान बिक्री		1.4.2004 को तैयार माल का प्रारम्भिक स्टॉक		31.3.2005 को तैयार माल का अंतिम स्टॉक	
		मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य
भोपाल							
स्विचगियर, कंट्रोलगियर, रेक्टिफायर, कैपेसिटर							
स्विचगियर–11 के.वी. से 220 के.वी.	संख्या	2940.00	6273.90	140.00	251.98	206.00	508.73
उच्च गति वाले एयर ब्लास्ट सर्किट ब्रेकर्स		(2125.00)	(7020.12)	(0.00)	(40.77)	(140.00)	(251.98)
कन्ट्रोल पैनल	संख्या	848.00	1697.14	6.00	3.50	11.00	7.15
		(342.00)	(1168.06)	(4.00)	(5.30)	(6.00)	(3.50)
औद्योगिक कंट्रोलगियर	संख्या	0.00	1612.14	0.00	0.00	0.00	14.30
		(0.00)	(557.98)	(0.00)	(0.00)	(0.00)	(0.00)
ए.सी., डी.सी. तथा डीजल	सेट	200.00	8557.03	0.00	205.59	0.00	79.19
प्रणालियों के लिए ट्रेक्शन कंट्रोलगियर		(175.00)	(6404.24)	(0.00)	(0.00)	(0.00)	(205.59)
इलेक्ट्रानिक सहित रेक्टिफायर	संख्या	482.00	16612.67	5.00	15.50	72.00	75.55
		(380.00)	(15263.47)	(0.00)	(0.00)	(5.00)	(15.50)
कैपेसिटर	एमवीएआर	2197.00	1780.88	125.00	185.71	253.00	229.96
		(2520.00)	(1954.08)	(144.00)	(92.42)	(125.00)	(185.71)
बुशिंग			901.38	0.00	0.00	0.00	0.00
			(828.76)	(0.00)	(11.42)	(0.00)	(0.00)
ट्रांसफॉर्मर							
विद्युत ट्रांसफॉर्मर	एमवीए/संख्या	10361/65	17354.90	995/7	1017.72	0.00	6.94
(400 के.वी. तक)		(9202/63)	(14503.40)	(945/5)	(1634.22)	(995/7)	(1017.72)
इंस्ट्रूमेंट, वेल्डिंग,	एमवीए/संख्या	0/703	1418.30	130.00	168.09	0.00	0.00
ट्रॉसफॉर्मर और रिएक्टर		(0/368)	(874.04)	(0/41)	(52.78)	(0/130)	(168.09)
औद्योगिक और ट्रेक्शन मशीन							
ए.सी.,डी.सी. तथा डीजल प्रणाली के लिए	संख्या	2185.00	30775.39	9.00	49.74	29.00	134.40
ट्रेक्शन मोटरें, मुख्य/सहायक जेनरेटर		(1719.00)	(24921.77)	(68.00)	(641.97)	(9.00)	(49.74)
औद्योगिक मशीनें,	संख्या	527.00	7037.41	31.00	267.00	20.00	441.93
1000 अश्व शक्ति तक की ए.सी. मोटरें,		(297.00)	(3977.76)	(0.00)	(0.00)	(31.00)	(267.00)
डी.सी. मोटरें व सभी प्रकार के जेनरेटर							
हैवी रोटेटिंग प्लांट और टरबाइन							
1000 अश्वशक्ति से अधिक	संख्या	140.00	9805.03	6.00	255.36	4.00	164.09
वाली बड़ी विद्युत मशीनें		(109.00)	(6732.03)	(1.00)	(56.41)	(6.00)	(255.36)
वाटरव्हील आल्टरनेटर एवं	संख्या/	4/टी	15124.08		49.89		155.48
वाटर टरबाइन और	मेगावाट	83.00					
मिनी माइक्रो टरबाइन तथा जेनरेटर	संख्या/	10/G	9558.76		160.46		698.33
		745.00		0.00		0.00	
		(8/टी)	(20390.03)	(0.00)	(0.00)	(0.00)	(49.89)
		(700.00)		(0.00)			(160.46)
		(13/G)	(17635.18)	(0.00)	(0.00)		
		(955.00)					

26. कम्पनी अधिनियम, 1956 की अनुसूची–VI में अपेक्षित अन्य सूचनाएं (जारी)

क. बिक्री, प्रारम्भिक स्टॉक एवं अन्तिम स्टॉक

(रुपये लाख में)

उत्पाद	इकाई	वर्ष 2004-2005 के दौरान बिक्री		1.4.2004 को तैयार माल का प्रारम्भिक स्टॉक		31.3.2005 को तैयार माल का अंतिम स्टॉक	
		मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य
टर्बो आल्टरनेटर एवं	संख्या						
स्टीम टरबाइन और		15 एच एक्स	7792.63		10.80	0.00	0.00
हीट एक्सचेंजर्स		(4.00)	(6662.05)		0.00	0.00	(10.80)
		(6 एच एक्स)	(3074.22)		(0.00)	(0.00)	
अन्य			4334.42		2.69	0.00	0.00
			(5256.31)		(0.00)	(0.00)	(2.69)
		कुल	**140636.06**		**2644.03**		**2516.05**
झांसी							
विद्युत ट्रांसफॉर्मर	संख्या	65.00	12389.68	0.00	0.00	4.00	438.99
तथा विशेष ट्रांसफॉर्मर		(70.00)	(10085.65)	(2.00)	(249.51)	(0.00)	(0.00)
ईएसपी ट्रांसफॉर्मर	संख्या	275.00	2680.02				
		(198.00)	(1679.53)				
एसीईएमयू ट्रांसफॉर्मर	संख्या		0.00			4.00	66.96
		(0.00)	(0.00)			(0.00)	(0.00)
फ्रेट लोको ट्रांसफॉर्मर	संख्या	22.00	935.61				
		(29.00)	(884.24)				
इंस्ट्रूमेंट ट्रांसफॉर्मर	संख्या	753.00	1540.09	7.00	7.10	45.00	92.04
		(1007.00)	(1498.07)	(83.00)	(69.18)	(7.00)	(7.10)
बस डक्ट	संख्या / सेट		3200.16		0.00		203.75
			(3061.37)		(19.30)		(0.00)
ड्राई टाइप ट्रांसफॉर्मर	संख्या	33.00	583.35	20.00	147.19	0.00	0.00
		(50.00)	(749.06)	(8.00)	(16.02)	(20.00)	(147.19)
डीजल शंटर	संख्या	5.00	594.00	0.00	0.00	0.00	0.00
		0.00	(27.58)	(0.00)	(0.00)	(0.00)	(0.00)
नया उत्पाद लोको			3980.31	0.00	0.00	0.00	0.00
			(0.00)	(0.00)	(0.00)	(0.00)	(0.00)
अन्य / विविध	संख्या		1090.71	0.00	33.40	0.00	4.04
			(1344.38)	(0.00)	(1.35)	(0.00)	(33.40)
		कुल	**26993.93**		**187.69**		**805.78**
हीप, हरिद्वार							
विद्युत मशीनें	मे.वा. / संख्या	72/46	1908.67	15/26	442.56	10/14	324.11
		(90/76)	(2505.76)	(15/44)	(535.77)	(15/26)	(442.56)
औद्योगिक नियंत्रण पैनल	संख्या	6.00	12.74	9.00	31.67	3.00	19.30
		(12.00)	(21.90)	(3.00)	(19.24)	(9.00)	(31.67)
टर्बो सेट	मे.वा. / संख्या	1210/3	55152.41	0.00	1357.25	0.00	1185.75
		(1710/5)	(56459.24)	(0.00)	(205.79)	(0.00)	(1357.25)
हाइड्रो सेट	मे.वा. / संख्या	152/2	9280.72	0.00	209.38	0.00	5.02
		(236/4)	(7821.07)	(0.00)	(0.00)	(0.00)	(209.38)
सुपर रेपिड गन माउण्ट	संख्या	3.00	5838.02	0.00	89.25	0.00	0.00
		(2.00)	(3420.19)	(0.00)	(89.15)	(0.00)	(89.25)
गैस टरबाइन		0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	220.50
		(0.00)	(0.00)	(0.00)	(0.00)	(0.00)	(0.00)

26. कम्पनी अधिनियम, 1956 की अनुसूची–VI में अपेक्षित अन्य सूचनाएं (जारी)

क. बिक्री, प्रारम्भिक स्टॉक एवं अन्तिम स्टॉक

(रुपये लाख में)

उत्पाद	इकाई	वर्ष 2004-2005 के दौरान बिक्री		1.4.2004 को तैयार माल का प्रारम्भिक स्टॉक		31.3.2005 को तैयार माल का अंतिम स्टॉक	
		मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य
अन्य		0.00	18720.39	0.00	472.99	0.00	426.44
		(0.00)	(24786.30)	(0.00)	(81.04)	(0.00)	(472.99)
		कुल	**90912.95**		**2603.10**		**2181.12**
सीएफएफपी, हरिद्वार							
स्टील कास्टिंग्स	एमटी	0.00	27.45	28.43	79.20	0.00	0.00
		(132.64)	(148.17)	(1.52)	(4.96)	(28.43)	(79.20)
स्टील फोर्जिंग्स	एमटी	33.26	89.33	0.00	0.00	0.00	0.00
		(94.96)	(195.36)	(14.46)	(25.29)	(0.00)	(0.00)
एन.एफ. कास्टिंग्स	एमटी		0.00	0.21	0.53	0.00	0.00
			(0.00)	(0.00)	(0.00)	(0.21)	(0.53)
		कुल	**116.78**		**79.73**		**0.00**
बॉयलर प्लांट तथा एस.एस.टी.पी., तिरूचि							
बॉयलर	एमटी	+192531.00	196390.17	1749.00	2341.19	6293.00	5036.29
		+(149948)	(175654.12)	(1294.00)	(1016.24)	(1749.00)	(2341.19)
वाल्व	संख्या*	30823.00	13545.18	1441.00	402.75	2531.00@	247.62
		(20500.00)	(10485.43)	(969.00)	(215.73)	(1441.00)@	(402.75)
परीक्षण तथा अन्य सेवाओं से आय			918.62				
			(6162.83)				
सीमलैस इस्पात नलियां	एमटी	197.00	148.65	7.00 **	2.93 **		
		(2048.00)	(852.23)	(4.00)	(1.66)	(7.00)	(2.93)
		कुल	**211002.62**		**2746.87**		**5283.91**
बी.ए.पी. रानीपेट							
बॉयलर सहायक	एमटी	5678.00	5038.81	2008.00	1100.15	2993.00	1777.00
		(8077.00)	(5771.14)	(2108.00)	(741.84)	(2008.00)	(1100.15)
विंड मिल	एमटी		23.54	0.00	0.00	0.00	0.00
			(31.27)	(0.00)	(0.00)	(0.00)	(0.00)
परीक्षण तथा अन्य सेवाओं से आय			174.32	0.00	0.00	0.00	0.00
			(256.33)	(0.00)	(0.00)	(0.00)	(0.00)
बाहरी निर्माण तथा अन्य सेवाओं से आय			167.47	0.00	0.00	0.00	0.00
			(398.01)	(0.00)	(0.00)	(0.00)	(0.00)
		कुल	**5404.14**		**1100.15**		**1777.00**
हैदराबाद							
60 मे.वा. सेट	मे.वा.	4+P	8118.53	0.00	0.00	1+P	1391.92
			(3880.89)	(0.00)	(0.00)	(0.00)	
110/120 मे.वा. सेट	मे.वा.		5758.02	0.00	0.00	0.00	0.00
		(1+P)	(556.07)	(0.00)	(0.00)	(0.00)	(0.00)
लघु एवं मध्यम सेट	मे.वा.	14+P	24809.71	2+P	525.93		
		(7+P)	(18576.09)	(1P)	(374.29)	(2+P)	(525.93)
पम्प तथा हीटर	संख्या	7+P	18066.18	7P	468.84	4.00	87.65
		(2+P)	(12082.99)	(1P)	(12.66)	(7P)	(468.84)
कम्प्रेसर	संख्या	3+P	2272.36	1P	368.45	2.00	791.84
		(4+P)	(23353.25)		(0.00)	(1P)	(368.45)

26. कम्पनी अधिनियम, 1956 की अनुसूची–VI में अपेक्षित अन्य सूचनाएं (जारी)

क. बिक्री, प्रारम्भिक स्टॉक एवं अन्तिम स्टॉक

(रुपये लाख में)

उत्पाद	इकाई	वर्ष 2004-2005 के दौरान बिक्री		1.4.2004 को तैयार माल का प्रारम्भिक स्टॉक		31.3.2005 को तैयार माल का अंतिम स्टॉक	
		मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य
ऑयल रिंग			3793.67		0.00		0.00
			(6015.06)		(0.00)		(0.00)
गैस टरबाइन	संख्या	3+P	55558.71	1+P	5586.66	1+P	7930.06
		(3+P)	(30097.55)	(3P)	(14234.82)	(1+P)	(5586.66)
सहायक उत्पादन ब्रेकर	संख्या	91.00	1857.00	33	176.60	18	125.03
		0.00	(1995.53)	(48.00)	(406.95)	(33.00)	(176.60)
बाउल मिल		11+P	18858.24		345.71		0.00
		(3+P)	(16801.03)				(345.71)
हीट एक्सचेंजर			81.66	P	491.35		0.00
		(4+P)	(200.97)		(0.00)	(P)	(491.35)
इरेक्शन आय					0.00		0.00
			(492.92)		(0.00)		(0.00)
कास्टिंग			1026.35		315.92		265.47
			(936.92)		(291.10)		(315.92)
अन्य (सेवायें)			6112.25		0.00		0.00
			(5630.65)		(0.00)		(0.00)
ब्रेकर्स के अतिरिक्त पुर्जे			800.03		0.00		0.00
			(632.16)		(0.00)		(0.00)
ब्रेकर्स के अलावा अतिरिक्त पुर्जे			24509.09		0.00		87.20
			(20494.35)		(0.00)		(0.00)
		कुल	**171621.80**		**8279.46**		**10679.17**
<u>औद्योगिक प्रणाली समूह</u>							
कंट्रोल पैनल		21.00	285.27	0.00	0.00	0.00	0.00
		(5.00)	(103.70)	(0.00)	(0.00)	(0.00)	(0.00)
मोटर एवं अतिरिक्त पुर्जे		94.00	211.75	0.00	0.00	0.00	0.00
		(36.00)	(5.93)	(0.00)	(0.00)	(0.00)	(0.00)
अन्य उपस्कर		0.00	16708.93	0.00	0.00	0.00	0.00
		(0.00)	(8286.61)	(0.00)	(0.00)	(0.00)	(0.00)
अन्य सेवाएं							
		(0.00)	(2656.85)	(0.00)	(0.00)	(0.00)	(0.00)
		कुल	**17205.95**		**0.00**		**0.00**
<u>इलेक्ट्रॉनिक प्रभाग</u>							
ऊर्जा मीटर							
क/एक फेज	संख्या	36076.00	213.55	13969.00	79.19	1207.00	6.72
		(211850.00)	(1325.28)	(2076.00)	(13.60)	(13969.00)	(79.19)
ख/बहु फेज	संख्या	2902.00	47.84	368.00	3.73	3471.00	30.81
		(68144.00)	(980.69)	(7946.00)	(76.37)	(368.00)	(3.73)
कैपेसिटर इलेक्ट्रोलाइटिक	संख्या			7674.00	0.00	7674.00	0.00
				(7674.00)	0.00	(7674.00)	0.00
शक्ति युक्तियां	संख्या	1559.00	113.70	34.00	2.36	0.00	0.00
		(2096.00)	(119.29)	(530.00)	(16.08)	(34.00)	(2.36)

26. कम्पनी अधिनियम, 1956 की अनुसूची–VI में अपेक्षित अन्य सूचनाएं (जारी)

क. बिक्री, प्रारम्भिक स्टॉक एवं अन्तिम स्टॉक

(रुपये लाख में)

उत्पाद	इकाई	वर्ष 2004-2005 के दौरान बिक्री		1.4.2004 को तैयार माल का प्रारम्भिक स्टॉक		31.3.2005 को तैयार माल का अंतिम स्टॉक	
		मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य
फोटोवाल्टेइक	कि.वा.	2910.00	4909.62	9.00	12.38	10.00	41.94
		(1077.00)	(3796.83)	(66.00)	(437.73)	(9.00)	(12.38)
सिमुलेटर (इलेक्ट्रानिक्स)	सेट		165.95	0.00	0.00	0.00	0.00
		(55.00)	(131.68)	(0.00)	(0.00)	(0.00)	(0.00)
नियंत्रण उपस्कर	क्युबिकल्स	1287.00	44639.01	0.00	0.00	31.00	517.51
		(1072.00)	(35402.21)	(2.00)	(223.11)	(0.00)	(0.00)
अन्य			54.57				
		कुल	**50144.24**		**97.66**		**596.98**
विद्युत पोर्सिलेन प्रभाग							
इंसुलेटर तथा बुशिंग	एम.टी.	7348.00	6209.14	535.00	350.77	1089.00	801.48
		(7153.00)	(5153.62)	(380.00)	(246.66)	(535.00)	(350.77)
सेरेलिन	एम.टी.	2073.00	2185.06	20.00	0.13	55.00	40.00
		(1467.00)	(1364.72)	(4.00)	(4.31)	(20.00)	(0.13)
परीक्षण तथा अन्य सेवाओं से आय		0.00	62.79	0.00	0.00	0.00	0.00
		(0.00)	(43.85)	(0.00)	(0.00)	(0.00)	(0.00)
		कुल	**8456.99**		**350.90**		**841.48**
विद्युत समूह							
इरेक्शन, अन्य सेवाओं तथा अतिरिक्त पुर्जों से आय			199323.10		140.25		847.52
			(141480.16)		(435.62)		(140.25)
		कुल	**199323.10**		**140.25**		**847.52**
विदेशी परियोजनाएं समन्वयकर्ता यूनिट							
बिक्री, इरेक्शन से आय			74880.50	0.00	0.00	0.00	0.00
अन्य सेवाएं एवं अतिरिक्त पुर्जे			(44020.67)	(0.00)	(0.00)	(0.00)	(0.00)
प्रतिफल घटाकर बिक्री			3477.64	0.00	0.00	0.00	0.00
			(1939.29)	(0.00)	(0.00)	(0.00)	(0.00)
		कुल	**78358.14**		**0.00**		**0.00**
जगदीशपुर							
विद्युतरोधी (इंसुलेटर)	सी.एम.टी.	6453.52	5557.27	807.08	693.73	604.90	556.05
		(6277.21)	(4036.20)	(318.31)	(146.30)	(807.08)	(693.73)
सेरेलिन	एम.टी.	1218.08	1231.16	8.94	9.72	110.30	140.44
		(881.62)	(882.47)	(8.30)	(10.69)	(8.94)	(9.72)
		कुल	**6788.43**		**703.45**		**696.49**
आई वी पी गोइंदवाल							
औद्योगिक वाल्व	संख्या	0.00	0.00	48.00	9.62	126.00	25.35
		(0.00)	(0.00)	(150.00)	(31.13)	(48.00)	(9.62)
		कुल	**0.00**		**9.62**	**-**	**25.35**
टेक्नॉलोजी अंतरण केन्द्र हैदराबाद							
रेलवे हेतु एमसीबीजी	लॉट	0.00	0.00		0.00		0.00
		(6.00)	(37.58)		(0.00)		(0.00)

26. कम्पनी अधिनियम, 1956 की अनुसूची–VI में अपेक्षित अन्य सूचनाएं (जारी)

क. बिक्री, प्रारम्भिक स्टॉक एवं अन्तिम स्टॉक

(रुपये लाख में)

उत्पाद	इकाई	वर्ष 2004-2005 के दौरान बिक्री		1.4.2004 को तैयार माल का प्रारम्भिक स्टॉक		31.3.2005 को तैयार माल का अंतिम स्टॉक	
		मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य
12000 आरपीएम, 3 फेज 400 एच.जेड.	लॉट		0.00		0.00		0.00
30-40 के.वी.ए. आल्टरनेटर		(1पी)	(65.00)		(0.00)		(0.00)
परीक्षण और सेवाओं से आय			174.65		0.00		0.00
			(121.73)		(0.00)		(0.00)
सॉफ्टवेयर	लॉट		21.54		0.00		0.00
		0.00	0.00		(0.00)		(0.00)
कॉड के आधुनिकीकरण के लिए एएसआरएस, कानपुर	लॉट	0.00	1291.00		0.00		2.27
		0.00	0.00		(0.00)		(0.00)
जी.टी.ओ. टाइप वेस्ट गेट थाइरिस्टर	संख्या	0.00	0.00		0.00		0.00
		0.00	0.00		(0.00)		(0.00)
स्टीम एंड वाटर केमिस्ट्री	लॉट	0.00	0.00		0.00		0.00
डॉयग्नोस्टिक सॉफ्टवेयर		(1.00)	(13.57)		(0.00)		(0.00)
सोलर गीजर	संख्या	195.00	34.72		0.00		0.00
		(5.00)	(0.85)		(0.00)		(0.00)
माइक्रोवेव सिंटरिंग प्रणाली	संख्या	4.00	10.85		0.00		0.00
		(5.00)	(9.80)		(0.00)		(0.00)
कोल्ड प्लेट और हीट एक्सचेंजर	संख्या	0.00	0.00		0.00		0.00
		(14.00)	(83.63)		(0.00)		(0.00)
मास्टर क्लॉक सिस्टम प्रणाली का	संख्या	0.00	0.00		0.00		0.00
जीपीएस सिंक्रोनाइजेशन		(1.00)	(3.85)		(0.00)		(0.00)
8 एचपी पर्मानेंट मेगनेट डी सी मोटर	संख्या	0.00	0.00		0.00		0.00
		(2.00)	(9.57)		(0.00)		(0.00)
स्ट्रेन मापक यंत्र	संख्या	0.00	0.00		0.00		0.00
		(1.00)	(3.37)		(0.00)		(0.00)
		कुल	**1532.76**		**0.00**		**2.27**
<u>सी.एफ.पी. रूद्रपुर</u>							
एच.ए.डब्ल्यू.एम.	संख्या	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
		(8.00)	(0.00)	(8.00)	(0.40)	(0.00)	(0.00)
एस.डब्ल्यू.एच.एस.	संख्या	2119.00	216.94	353.00	18.62	27.00	1.19
		(2389.00)	(288.55)	(71.00)	(2.45)	(353.00)	(18.62)
सोलर लैन्टर्न	संख्या	6248.00	193.82	1472.00	17.22	172.00	1.83
		(6354.00)	(198.10)	(168.00)	(1.85)	(1472.00)	(17.22)
		कुल	**410.76**		**35.84**		**3.02**
एचईआरपी, वाराणसी							
बॉयलर/टरबाइन एवं सहायक उपकरणों			2950.45		81.36		16.42
के लिए अतिरिक्त पुर्जे एवं मरम्मतें			(2263.26)		(85.13)		(81.36)
		कुल	**2950.45**		**81.36**		**16.42**

26. कम्पनी अधिनियम, 1956 की अनुसूची–VI में अपेक्षित अन्य सूचनाएं (जारी)

क. बिक्री, प्रारम्भिक स्टॉक एवं अन्तिम स्टॉक

(रुपये लाख में)

उत्पाद	इकाई	वर्ष 2004-2005 के दौरान बिक्री		1.4.2004 को तैयार माल का प्रारम्भिक स्टॉक		31.3.2005 को तैयार माल का अंतिम स्टॉक	
		मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य
उन्नत अनुसंधान परियोजना							
अन्य (सेवाएं)			123.54		0.00		0.00
			(128.46)		(0.00)		(0.00)
	कुल		**123.54**		**0.00**		**0.00**
टीपीजी, भोपाल							
अतिरिक्त पुर्जे, (सेवाओं सहित)			19113.20		0.00		0.00
			(15961.92)		(0.00)		(0.00)
	कुल		**19113.20**		**0.00**		**0.00**
ओएसबीजी एंड ईएमआरपी							
मरम्मत एवं परियोजना कार्य			1716.03		0.00		0.00
			(1794.70)		(0.00)		(0.00)
	कुल		**1716.03**		**0.00**		**0.00**
वितरित विद्युत उत्पादन बीजी							
हाइड्रो सेट			862.97		0.00		0.00
			(0.00)		(0.00)		(0.00)
	कुल		**862.97**		**0.00**		**0.00**
अंतर्राष्ट्रीय प्रचालन							
बिक्री से आय			**12.37**				
(राजस्व मान्यता समायोजन)							
	कुल		**12.37**				
उद्योग क्षेत्र							
बिक्री एवं इरेक्शन से आय			-47.49		0.00		-34.10
(राजस्व मान्यता समायोजन)			(379.95)		(0.00)		(0.00)
	कुल		**-47.49**		**0.00**		**-34.10**
मालसूची पर लाभ घटक हेतु समायोजन				**-8.27**		**-22.24**	
					(-34.99)		**(-8.27)**
	कुल जोड़		**1033639.72**		**19051.84**		**26216.22**

कोष्ठकों में दिए गए आंकड़े पिछले वर्ष के हैं।

* टन भार के रूप में सही भार निर्धारित नहीं किया जा सका।

	संख्या	रु. लाख में
@ डब्ल्यूआईपी माने गए बॉयलर के अंतिम स्टॉक को छोड़कर	1140	142.57
	(2048)	(215.66)
बॉयलर में प्रयोग हेतु वाल्व	15263	2143.89
	(22438)	(3391.01)

** इसमें डब्ल्यूआईपी माने गए बॉयलर संयंत्र का 7.50 लाख रुपए का 20 मी. टन का प्रारंभिक स्टॉक और 3.73 लाख रुपए का 17 मी. टन का अंतिम स्टॉक शामिल नहीं है।

\+ इसमें फॉसिल बॉयलर हेतु बीएपी, रानीपेट के संयुक्त कारोबार के 64824 मी. टन (गत वर्ष 45366 मी. टन) शामिल हैं।

कैप्टिव खपत हेतु 22821 मी.टन एस.एस. ट्यूबें बॉयलर संयंत्र को स्थानांतरित कर दी गयी।

26. कम्पनी अधिनियम, 1956 की अनुसूची–VI में अपेक्षित अन्य सूचनाएं (जारी)
ख. अनुज्ञप्त क्षमता, संस्थापित क्षमता तथा वास्तविक उत्पादन

(रुपये लाख में)

क्र. सं.	उत्पाद	यूनिट	संस्थापित क्षमता 2004-05	संस्थापित क्षमता 2003-2004	वास्तविक उत्पादन 2004-05	वास्तविक उत्पादन 2003-2004
भोपाल						
1	टर्बो सेट					
	-स्टीम टरबाइन	संख्या	3	3	0	4
		एमडब्ल्यू	360	360	0	60
	-मेरिन टरबाइन	संख्या	2	2	0	0
		एमडब्ल्यू	24	24	0	0
	-न्यूक्लियर टरबाइन	संख्या	1	1	0	0
		एमडब्ल्यू	236	236	0	0
	- औद्योगिक टरबाइन	संख्या				
		एमडब्ल्यू				
2	हाइड्रो सेट					
	-हाइड्रो टरबाइन	संख्या	12	12	4	8
		एमडब्ल्यू	720	720	83	700
	-हाइड्रो जेनरेटर	संख्या	12	12	10	13
		एमडब्ल्यू	720	720	745	955
3	बड़ी इलेक्ट्रिकल मशीन	संख्या	100	100	138	116
4	ट्रैक्शन मशीनें (टीजी/एजी., ब्लोअर मोटर, बीपीआरवी इत्यादि सहित)	संख्या	2850	2850	2269	1668
5	पावर ट्रांसफॉर्मर	संख्या	65	65	58	65
		एमवीए	12000	12000	9366	9567
6	इंस्ट्रूमेंट ट्रांसफॉर्मर	संख्या	200	200	573	457
7	इलेक्ट्रिकल मशीनें	संख्या	550	550	527	335
8	स्विचगियर	संख्या	3000	3000	3400	2431
9	कैपिसिटर	एमवीआर	3200	3200	2325	2501
10	औद्योगिक कंट्रोलगियर	संख्या	250	250	0	0
11	ट्रैक्शन कंट्रोलगियर	सेट	220	220	200	175
12	नियंत्रण उपस्कर	संख्या	600	600	832	604
13	हीट एक्सचेंजर	संख्या	52	52	15	6
		एमटी	1100	1100		
14	नियंत्रण पैनल	संख्या	600	600	907	410
15	कैथोडिक प्रोटेक्शन सिस्टम	टन	2700	2700	0	0
झांसी						
1	पावर ट्रांसफॉर्मर 33केवी/132केवी	संख्या/एमवीए	65/4000	65/4000	79/5559	74/4597
2	अन्य ट्रांसफॉर्मर					
	-विशेष कार्य ट्रांसफॉर्मर (ड्राइ टाइप ट्रांसफॉर्मर इत्यादि)	संख्या	180	180	35	68
	-ट्रैक्शन ट्रांसफॉर्मर (फ्रेट लोको और एसीईएमयू)	संख्या	140	140	90	77

26. कम्पनी अधिनियम, 1956 की अनुसूची–VI में अपेक्षित अन्य सूचनाएं (जारी)
ख. अनुज्ञप्त क्षमता, संस्थापित क्षमता तथा वास्तविक उत्पादन

(रुपये लाख में)

क्र. सं.	उत्पाद	यूनिट	संस्थापित क्षमता		वास्तविक उत्पादन	
			2004-05	2003-2004	2004-05	2003-2004
	-इंस्ट्रूमेंट ट्रांसफॉर्मर	संख्या	1960	1960	967	1248
	-ईएसपी ट्रांसफॉर्मर	संख्या	*	*	275	201
3	बस डक्ट	सेट	@	@		
4	डीजल शंटर्स	संख्या	10	10	5	1
5	एसी लोकोमोटिव (6500 एचपी तक)	संख्या	30	30	0	0

* ईएसपी ट्रांसफॉर्मरों का विनिर्माण, इंस्ट्रूमेंट ट्रांसफॉर्मर की संस्थापित क्षमता का उपयोग करके किया जा रहा है।

@ बस डक्ट का विनिर्माण ट्रांसफॉर्मरों की वर्तमान क्षमता के अंदर किया जा रहा है।

2004-05 के वास्तविक उत्पादन में निम्नलिखित उत्पादो के लिए आंतरिक उपयोग हेतु किए गए कार्य शामिल हैं :

ड्राई टाइप ट्रांसफॉर्मर : 10 संख्या
इंस्ट्रूमेंट ट्रांसफॉर्मर : 1 संख्या
पावर ट्रांसफॉर्मर : 1 संख्या

हीप, हरिद्वार

1	टर्बो सेट	मे.वा.	3500	3500	1210	1710
2	हाइड्रो सेट	मे.वा.	625	625	152	236
3	इलेक्ट्रिकल मशीन	मे.वा.	450	450	68	94
4	गैस टरबाइन @@	मे.वा.			300	
5	सुपर रेपिड गन	संख्या	3	3	3	2

@@ 600 मेगावाट गैस टरबाइनों के समकक्ष रोटर जैसे गैस टरबाइनों के संघटकों के विनिर्माण के लिए संस्थापित क्षमता। मौजूदा थर्मल सेटों की सुविधाओं से गैस टरबाइन के लिए शेष संघटक का विनिर्माण किया जाता है।

सीएफएफपी, हरिद्वार

1	स्टील कास्टिंग	एम.टी.	6000	6000	3171	2870
2	स्टील फोर्जिंग					
	(क) हेवी फोर्जिंग	एम.टी.	2410	2410	630	697
	(ख) मीडियम फोर्जिंग	एम.टी.	3000	3000	2285	1970
3	बिलेट्स और ब्लूम्स	एम.टी.	4000	4000	553	269
4	एन.एफ. कास्टिंग	एम.टी.	250	250	53	34

हैदराबाद

1	थर्मल सेट	मे.वा.	770	770	394	77
2	औद्योगिक टरबाइन	मे.वा.	65	65	418.5	311
3	गैस टरबाइन और सहायक उपकरण	मे.वा.			133.86	283.78
4	कम्प्रेसर	संख्या			4	7
5	ड्राइव टरबाइन	संख्या	12	12	6	11
6	पम्प	संख्या	137	137	100	71
7	ब्रेकर्स	संख्या	1050	1050	75	75
	132 केवी ईक्यूयू		1035xx	1035xx	343.5	311.6

26. कम्पनी अधिनियम, 1956 की अनुसूची–VI में अपेक्षित अन्य सूचनाएं (जारी)
ख. अनुज्ञप्त क्षमता, संस्थापित क्षमता तथा वास्तविक उत्पादन

(रुपये लाख में)

क्र. सं.	उत्पाद	यूनिट	संस्थापित क्षमता 2004-05	संस्थापित क्षमता 2003-2004	वास्तविक उत्पादन 2004-05	वास्तविक उत्पादन 2003-2004
8	बाउल मिल्स	संख्या	80	80	56	36
9	एच.पी. हीटर	संख्या	20	20	29#	31#
10	डी–इरेटर्स	संख्या			7	7

\# एचपी हीटरों की क्षमता का उपयोग करके विनिर्मित, एलपी हीटर, गैस कूलर और विशेष हीट एक्सचेंजर शामिल हैं।

xx 132 के.वी. के समान संख्या में ब्रेकर

टिप्पणियां क. मद संख्या (3), (4) और (10) के लिए संस्थापित क्षमता का उल्लेख अलग से नहीं किया जा सकता है, क्योंकि बीएचईएल, हैदराबाद बिना किसी अतिरिक्त/न्यूनतम सुविधाओं के साथ इन उत्पादों में विविधता लाया था।

1) क्रम सं. (3) की गैस टरबाइनों और सहायक उपकरणों का विनिर्माण क्रम सं. (1) व (2) की सुविधाओं के उपयोग से किया जाता है।

2) क्रम सं. (4) के कम्प्रेसरों का विनिर्माण क्रम सं. (5) की सुविधाओं के उपयोग से किया जाता है।

3) क्रम सं. (10) के डी–एरेटरों का विनिर्माण क्रम सं. की (9) सुविधाओं के उपयोग से किया जाता है।

ईडीएन, बंगलौर

1	ऊर्जा मीटर	संख्या	600000	600000	32438	285672
2	नियंत्रण उपस्कर	क्यूबिकल	1200	1200	1413	1201
3	विद्युत युक्तियां	संख्या	30000	30000	6695	6186
4	फोटोवोलटेक्स	केडब्ल्यूएस	2000	2000	3106	1155
5	सिमुलेटर्स (डिफेंस इलेक्ट्रोनिक्स)	सेट	*	*	0	55

* उत्पाद मिश्रण के आधार पर मात्रा में भिन्नता के कारण इसका पता नहीं लगाया जा सकता।

तिरूची

1	बॉयलर	एम.टी.	108000+*	108000+*	136450+*	108602+*
2	वाल्व	एम.टी.	2712*A	2712*A	4513	4115
		संख्या			54769	55096
3	न्यूक्लियर स्टीम जेनरेटिंग उपस्कर	मे.वा.	382/500**	382/500**	XX	XXX
4	सीमलैस स्टील ट्यूब	एम.टी.	40000	40000	24018	21995
5	आर्मर्ड रिकवरी व्हीकल	संख्या	25	25	0	0

\+ प्रक्रिया उद्योगों के लिए उपस्करों के विनिर्माण हेतु 5000 मीटरी टन शामिल है।

* उपसंविदा और उप सुपुर्दगी शामिल हैं।

A आईवीपी गोइंदवाल के 788 मी.टन को छोड़कर।

** 235 मेगावाट के 6.5 स्टीम जेनरेटर और 6.5 रिएक्टर हैडर्स (अथवा) 500 मेगावाट के लिए 4 स्टीम जेनरेटर और 4 रिएक्टर हैडर्स के अनुकूल।

XX 2004-2005 के दौरान क्षमता का उपयोग न्यूक्लियर परियोजनाओं तथा अन्य हीट एक्सचेंजरों, प्रेशर वेसल्स, 1 प्रेशर वेसल्स और 1 हीट एक्सचेंजर के विनिर्माण के लिए किया गया।

XXX 2003-2004 के दौरान क्षमता का उपयोग न्यूक्लियर परियोजनाओं तथा अन्य हीट एक्सचेंजरों, प्रेशर वेसल्स, 500 मे.वा. के 2 न्यूक्लियर स्टीम जेनरेटरों, 1 इवेपरेटर, 2 वॉल्यूम कम्पन्सेटर, 9 हेयरपिन हीट एक्सचेंजरों, रिएक्टिव प्रेशर वेसल्स के लिए 2 डिश्ड एण्ड के विनिर्माण के लिए किया गया।

26. कम्पनी अधिनियम, 1956 की अनुसूची–VI में अपेक्षित अन्य सूचनाएं (जारी)

ख. अनुज्ञप्त क्षमता, संस्थापित क्षमता तथा वास्तविक उत्पादन

(रुपये लाख में)

क्र. सं.	उत्पाद	यूनिट	संस्थापित क्षमता 2004-05	संस्थापित क्षमता 2003-2004	वास्तविक उत्पादन 2004-05	वास्तविक उत्पादन 2003-2004
बीएपी, रानीपेट						
1	बॉयलर के सहायक उपकरण	एमटी	57000	57000	73919	53777
आईवीपी, गोइंदवाल						
	औद्योगिक वाल्व	एमटी	788	788	704	682
		संख्या			5684	5506
ईपीडी, बंगलौर						
1	इन्सुलेटर ओर बुशिंग	सीएमटी	6250	6250	6260	5981
2	संयोजित उत्पादन	एमटी			10230	8975
3	सेरेलीन	सीएमटी	745	745	1000	1000
4	सेरेलीन (संयोजित)	एमटी			2571	2115
आईपी, जगदीशपुर						
1	इंन्सुलेटर	सीएमटी	6000	6000	6295	6787
2	सेरेलीन	एमटी	330	330	670	451
3	सेरेलीन (संयोजित)	एमटी	330	330	1455	981
सीएफपी, रूद्रपुर						
1	एस.डब्ल्यू.एच.एस.	संख्या	4000	4000	1793	2679
2	सोलर लैन्टर्न	संख्या	4000	4000	4948	7661

26. कम्पनी अधिनियम, 1956 की अनुसूची–VI में अपेक्षित अन्य सूचनाएं (जारी)

(रुपये लाख में)

	31.03.2005 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2004 को समाप्त वर्ष के लिए
ग. आयात का मूल्य		
सी आई एफ आधार पर		
कच्चा माल	68606.93	52776.00
संघटक तथा अतिरिक्त पुर्जे	99944.88	62806.05
पूंजीगत माल	4044.72	7157.73
घ. विदेशी मुद्रा में व्यय		
रॉयल्टी	1230.06	1105.15
काम की जानकारी, व्यावसायिक परामर्श शुल्क	427.65	760.18
ब्याज तथा अन्य (विदेशी स्थलों सहित)	13.99	
लाभांश : @		
क) अनिवासी शेयर धारकों की संख्या	435	324
ख) धारित शेयरों की संख्या	54536041	44069487
ग) लाभांश की सकल राशि	1636.08	1762.78
-स्त्रोत पर काटा गया कर		
घ) लाभांश का वर्ष	2003-04	2002-03
अंतरिम लाभांश : @	(अंतिम लाभांश)	(अंतिम लाभांश)
क) अनिवासी शेयर धारकों की संख्या	513	346
ख) धारित शेयरों की संख्या	56509305	52191873
ग) लाभांश की सकल राशि	1977.83	1565.76
-स्त्रोत पर काटा गया कर		
घ) लाभांश का वर्ष	2004-05 (अंतरिम लाभांश)	2003-04 (अंतिम लाभांश)

@ कम्पनी ने लाभांश का भुगतान विदेशी मुद्रा में नहीं किया। बैंकरों/अनिवासी शेयर धारकों के पावर ऑफ अटार्नी धारकों को भुगतान कर दिया गया है और इसीलिए उनके द्वारा विदेशी मुद्रा में किए गए लाभांश भुगतान की निश्चित राशि का पता नहीं चल सकता है।

ङ कच्चे माल, संघटक, भंडार और अतिरिक्त पुर्जों की खपत का मूल्य		
# आयातित (सीमा शुल्क सहित)	166112.89	131310.33
स्वदेशी	343654.87	232155.32
कुल खपत का प्रतिशत		
आयातित	33	36
स्वदेशी	67	64
च. विदेशी मुद्रा में आय		
माल का निर्यात (एफओबी आधार पर) **	76433.83	44844.52
ब्याज	0.84	0.34
इरेक्शन एवं अन्य सेवाएं **	3495.64	2086.48
विविध	46.74	0.00

** इसमें मानित निर्यात के रु. 80843.44 लाख (गत वर्ष रु. 129438.78 लाख) शामिल नहीं है।
# सरणीबद्ध मदें, जहां कहीं भी अभिनिश्चित हैं, सम्मिलित की गई हैं।

26. कम्पनी अधिनियम, 1956 की अनुसूची–VI में अपेक्षित अन्य सूचनाएं (जारी)

(रुपये लाख में)

		31.03.2005 को समाप्त वर्ष के लिए		31.03.2004 को समाप्त वर्ष के लिए	
छ. खपत किए गए कच्चे माल तथा संघटकों का विवरण					
सामग्री का वर्ग	**इकाई**	**मात्रा**	**मूल्य**	**मात्रा**	**मूल्य**
लौह सामग्री					
	एमटी	264308		195185	
	मीटर	3775037		4435218	
	संख्या	1689962		695654	
	वर्गमीटर	84		4674	
	किलोग्राम	36087600		29841594	
	अन्य	10		273362	
			120684.81		84808.29
अलौह सामग्री					
	एमटी	583		1232	
	मीटर	162521		253530	
	संख्या	93765		2937621	
	वर्गमीटर	523			
	किलोग्राम	3181488		3166607	
	आरएल	16735		30906	
	अन्य	0		10288	
			13568.95		**9764.56**
विद्युतरोधी सामग्री					
	मीटर	30523444		30473538	
	एमटी	3430		4323	
	संख्या	104381		106703	
	वर्गमीटर	688570		339780	
	किलोग्राम	902974		808731	
	एलटी	4030339		4231662	
	आरएल	163819		128979	
	एम 2	65465		55326	
	केएल	80		263	
	एसटी	1614		1939	
	अन्य	155		87	
			9135.03		**7946.10**
इंसुलेटेड केबल तथा चुम्बकीय तार					
	मीटर	252317		387138	
	संख्या	99		350	
	किलोग्राम	2747		2046	
	अन्य				
			232.91		**314.17**
संघटक			**300491.17**		**232745.91**
अन्य			**45065.79**		**9573.62**
			489178.66		**345152.65**

27. तुलन–पत्र का सार तथा कंपनी की सामान्य व्यावसायिक रूपरेखा

i) पंजीकरण विवरण

पंजीकरण संख्या | 0 | 0 | 4 | 2 | 8 | 1 | राज्य कोड | 5 | 5 |

तुलन–पत्र | 3 | 1 | दिनांक | 0 | 3 | माह | 0 | 5 | वर्ष

ii) वर्ष के दौरान एकत्र पूंजी (राशि लाख रु. में)

पब्लिक इश्यू	राइट इश्यू
शून्य	शून्य
बोनस इश्यू	प्राइवेट प्रतिस्थापना
शून्य	शून्य

iii) निधियों के संग्रहण व वितरण की स्थिति (राशि लाख रु. में)

कुल देयताएं: 1 5 0 0 9 7 7 . 1 0

कुल परिसंपत्तियां: 1 5 0 0 9 7 7 . 1 0

निधियों के स्त्रोत

प्रदत्त पूंजी: 2 4 4 7 6 . 0 0

आरक्षित एवं अधिशेष: 5 7 8 2 1 3 . 3 8

रक्षित ऋण: 5 0 0 0 0 . 0 0

अरक्षित ऋण: 3 6 9 8 . 2 9

निधियों का नियोजन

निवल स्थायी परिसंपत्तियां*: 1 1 3 9 5 5 . 9 5

निवेश: 8 9 5 . 2 6

* इसमें डब्ल्यू आई पी पूंजी 9631.80 लाख रु. शामिल है।

शुद्ध चालू परिसंपत्तियां: 4 8 9 7 0 8 . 5 6

विविध व्यय (आस्थगित राजस्व व्यय): शून्य

संचित हानि: शून्य

आस्थगित कर परिसम्पत्तियां: 5 1 8 2 7 . 9 0

iv) कंपनी का निष्पादन (राशि लाख रु. में)

कुल कारोबार *: 1 0 3 3 6 3 9 . 7 2

कुल व्यय: 9 1 4 0 9 7 . 3 7

* उत्पाद शुल्क और सेवा कर के 80926.18 लाख रु. शामिल हैं।

मालसूची में वृद्धि/कमी सहित कुल अर्जन, अन्य प्रचालनात्मक आय, अन्य राजस्व तथा वर्ष के लिए कारोबार पर उत्पाद शुल्क का समायोजन कुल व्यय के विरूद्ध 1072260.93 लाख रुपये है।

कर–पूर्व लाभ: 1 5 8 1 6 3 . 5 6

कर–पश्चात लाभ: 9 5 3 4 0 . 4 7

अर्जन प्रति शेयर रु. में: 3 8 . 9 5

लाभांश दर: 8 0 %

* 35% अंतरिम लाभांश

27. तुलन–पत्र का सार तथा कंपनी की सामान्य व्यावसायिक रूपरेखा (जारी)

v) कंपनी के तीन मुख्य उत्पादों/सेवाओं के नाम (मौद्रिक शब्दों में)

1. मद कोड सं. : | 8 | 4 | 0 | 2 | 1 | 0 |
(आईटीसी कोड)
उत्पाद विवरण : पुर्जो के अलावा बॉयलर

2. मद कोड सं. : | 8 | 5 | 0 | 2 | 3 | 9 | 0 | 2 |
(आईटीसी कोड)
उत्पाद विवरण : हाइड्रो टरबाइन सहित पूर्ण जेनरेटिंग सेट

3. मद कोड सं. : | 8 | 4 | 1 | 1 | 8 | 2 | 0 | 6 |
(आईटीसी कोड)
उत्पाद विवरण : 115000 कि.वा. से अधिक क्षमता की गैस टरबाइन

हस्ता./–	हस्ता./–	हस्ता./–
एन.के. सिन्हा	सी. श्रीनिवासन	अशोक के. पुरी
सचिव	निदेशक (वित्त)	अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

समतिथि की हमारी रिपोर्ट के अनुसार
कृते जे.सी. भल्ला एंड कंपनी
चार्टर्ड एकाउंटेंट

हस्ता./–
सुधीर मलिक
भागीदार

दिनांक : 01. 06. 2005
स्थान : नई दिल्ली

31.03.2005 को समाप्त वर्ष के लिए नकद प्रवाह विवरण

(रुपये लाख में)

	2004-2005	2003-2004
क. प्रचालन कार्यकलाप से नकद प्रवाह		
लाभ एवं हानि खाते के अनुसार कर–पूर्व निवल लाभ	**158163.56**	**101475.28**
निम्नलिखित के लिए समायोजन		
असाधारण मदें	1799.03	22981.24
मूल्यह्रास/परिशोधन	21886.56	19804.32
पट्टा समकरण	1139.33	542.97
स्थायी परिसम्पत्तियों की बिक्री से लाभ	-146.56	-236.65
निवेश पर हानि	3.00	134.46
अदा किया गया ब्याज	8140.65	6009.17
ब्याज/लाभांश आय	-14274.17	-8696.88
कार्यशील पूंजी में परिवर्तन से पूर्व प्रचालन लाभ	**176711.40**	**142013.91**
निम्नलिखित के लिए समायोजन		
व्यापार एवं अन्य प्राप्तव्य	-155549.84	-63283.52
मालसूची	-81222.37	-10282.75
व्यापार देय एवं अग्रिम	207230.79	158517.78
प्रचालनों से प्राप्त नकद	**147169.98**	**226965.42**
अदा किया गया प्रत्यक्ष कर	-65334.33	-42190.66
असाधारण मदों से पूर्व नकद प्रवाह	**81835.65**	**184774.76**
असाधारण मदें	-6.97	-15223.06
प्रचालन कार्यकलापों से निवल नकद अन्तर्प्रवाह	**81828.68**	**169551.70**
ख. निवेश कार्यकलापों से प्राप्त नकद		
स्थायी परिसंपत्तियों की खरीद	-19158.62	-17242.09
स्थायी परिसंपत्तियों की बिक्री और निपटान	2414.65	458.90
निवेशों की खरीद		-19500.00
निवेशों की बिक्री	2000.00	17500.00
ब्याज और लाभांश प्राप्तियां	11219.16	7826.13
निवेश कार्यकलापों में प्रयुक्त निवल नकद	**3524.81**	**10957.06**
ग. वित्तीय कार्यकलापों से नकद प्रवाह		
अल्पावधि उधार	0.00	0.00
दीर्घावधि उधार	-286.33	559.98
अदा किया गया लाभांश (लाभांश पर कर सहित)	-18012.64	-19296.33
अदा किया गया ब्याज	-8182.58	-5985.51
वित्तीय कार्यकलापों में प्रयुक्त निवल नकद	**26481.55**	**24721.86**
घ. नकद और नकद के समतुल्यों में निवल वृद्धि	**51822.32**	**133872.78**
नकद एवं नकद समतुल्य का प्रारंभिक शेष	265963.89	132091.11
नकद एवं नकद समतुल्य का अंतिम शेष	317786.21	265963.89

हस्ता./–
एन.के. सिन्हा
सचिव

हस्ता./–
सी. श्रीनिवासन
निदेशक (वित्त)

हस्ता./–
अशोक के. पुरी
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

समतिथि की हमारी रिपोर्ट के अनुसार
कृते जे.सी. भल्ला एंड कंपनी
चार्टर्ड एकाउंटेंट

हस्ता./–
सुधीर मलिक
भागीदार

दिनांक : 01.06.2005
स्थान : नई दिल्ली

अमरीकी जीएएपी के अधीन निवल आय

	टिप्पणियां	करोड़ रुपए	अमरीकी $ (मिलियिन)
भारतीय जीएएपी के अधीन निर्धारित कर–पश्चात् लाभ		**953.40**	**218.52**
अमरीकी जीएएपी के अनुरूप होने के लिए समायोजन			
किराया आय (पट्टा)	1	(39.77)	(9.12)
संयुक्त उद्यम में निवेश से आय	2	3.32	0.76
कर्मचारी पारिश्रमिक और लाभ	3	4.98	1.14
अनुसंधान और विकास व्यय	4	(10.58)	(2.42)
मूल्यह्रास	5	50.35	11.54
पूर्वावधि मदें (कराधान के लिए प्रावधान पूर्व वर्ष – 11.93 करोड़ रुपए)	6	38.58	8.84
आस्थगित आय कर	7	(1.68)	(0.38)
अमरीकी जीएएपी के अनुसार निवल आय		**998.60**	**228.8**

1 अमरीकी डालर = 43.63 रुपए (दिनांक 31.03.2005 की यथास्थिति विनिमय दर)

उपरोक्त अमरीकी जीएएपी समंजन निम्नलिखित समायोजनों के अधीन है :–

1(क) राजस्व मान्यता – दिनांक 1.4.2003 के पूर्व की गई दीर्घावधिक निर्माण संविदाओं के संबंध में।

दीर्घ उत्पादन चक्र के संबंध मे राजस्व की मान्यता तकनीकी अनुमानों पर की जाती है। जब पोतलदान का कुल मूल्य प्राप्तव्य मूल्य का 30% अथवा अधिक प्रदर्शित करता है तब उन पर प्राप्तव्य मूल्य को 97.5% अथवा उसके अभाव में बताए गए मूल्य पर विचार किया जाता है। अन्यथा उन पर वास्तविक/अनुमानित फैक्टरी लागत अथवा प्राप्तव्य मूल्य के 97-5%, इनमें से जो भी कम हो, पर विचार किया जाता है। शेष 2.5% को संविदा के अधीन आपूर्तियां पूरी होने पर राजस्व के रूप में मान्यता दी जाती है। इरेक्शन और परियोजना प्रबंध से आय को पूरा करने की प्रतिशतता, अथवा संविदा मूल्य के 97-5% पर माने गए अन्तर्भूत मूल्य के आधार पर किए गए कार्य पर मान्यता दी जाती है, शेष 2.5% को जब संविदा पूरी हो जाती है तब आय के रूप में मान्यता दी जाती है। प्रदान की गई इंजीनियरी सेवाओं से आय को पूरे किए गए कार्य प्रतिशतता के आधार पर प्राप्तव्य मूल्य पर मान्यता दी जाती है। बीएचईएल से इतर उपस्कर/प्रणालियों की आपूर्ति/इरेक्शन और सिविल निर्माण कार्य से आय को ग्राहकों को प्रेषण/परियोजना कार्यस्थल पर किए गए कार्य के आधार पर मान्यता दी जाती है।

अमरीकी जीएएपी के अनुसार राजस्व को निर्माण संविदाओं के लिए पूरा होने की प्रतिशतता विधि पर मान्यता दी जाती है। अमरीकी जीएएपी के समंजन पर प्रभाव को सुनिश्चित नहीं किया जाता है।

1(ख) स्थायी परिसंपत्तियों की विनिमय भिन्नता को संगत स्थायी परिसंपत्तियों में पूंजीकृत किया जाता है और उसपर मूल्यह्रास आय विवरण में वर्ष के दौरान संगत स्थायी परिसम्पत्तियों की अमरीकी जीएएपी विनिमय भिन्नता की तुलना में प्रभारित किए गए अनुसार प्रभारित किया जाता है। अमरीकी जीएएपी के समंजन पर प्रभाव को सुनिश्चित नहीं किया जाता है।

अमरीकी जीएएपी के अनुसार निवल आय के साथ भारतीय जीएएपी के अधीन निर्धारित निवल लाभ के समंजन पर टिप्पणियां

निम्नलिखित टिप्पणियां भारतीय जीएएपी और अमरीकी जीएएपी के बीच अंतर और अमरीकी जीएएपी के अधीन निवल आय निकालने के लिए आवश्यक समायोजन दर्शाती हैं।

1. किराया आय (पट्टा)

भारतीय जीएएपी के अनुसार दिनांक 1.4.2001 को पूर्व वित्त पट्टे के रूप में वर्गीकृत पट्टे पर दी गई परिसंपत्तियों को सामान्य बिक्री मूल्य/उचित मूल्य/संविदाकृत मूल्य पर पूंजीकृत किया जाता है और उस पर मूल्यह्रास प्रभारित किया जाता है। पट्टा किराया आय पट्टा समकरण समायोजित करने के बाद मानी जाती है। वित्त पट्टे पर दी गई अमरीकी जीएएपी परिसंपत्तियों के अधीन वित्त आय पट्टा अवधि में मानी जाती है।

2. संयुक्त उद्यमों में निवेश से आय

भारतीय जीएएपी के अनुसार संयुक्त उद्यमों से लाभांश आय को मान्यता दी जाती है। अमरीकी जीएएपी के अधीन संयुक्त उद्यमों द्वारा आय/हानि के हिस्से को धारिता के समानुपात में आय विवरण में मान्यता दी जाती है।

3. कर्मचारी पारिश्रमिक और लाभ

भारतीय जीएएपी के अनुसार अवकाश नकदीकरण के लिए प्रावधान को बीमांकिक आधार पर लेखाकृत किया जाता है। उन कर्मचारियों, जिन्होंने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना का दिनांक 1.4.2003 के पूर्व विकल्प दिया है, को प्रतिपूर्ति का परिशोधन 3 वर्ष की अवधि में किया जाता है। आईसीएआई द्वारा जारी ''अमूर्त परिसंपत्तियों'' पर लेखाकरण मानक 26 द्वारा मूल रूप से यथा अनुशंसित दिनांक 1 अप्रैल, 2003 के बाद स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना के अधीन प्रतिपूर्ति को व्यय करने के वर्ष में प्रथारित किया गया है।

अमरीकी जीएएपी के अधीन अवकाश नकदीकरण के लिए प्रावधान वास्तविक आधार पर लेखाकृत किया जाता है और स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के लिए प्रतिपूर्ति उस वर्ष, जिसमें कर्मचारियों ने प्रस्ताव स्वीकार किया, में प्रभारित की गई थी।

4. अनुसंधान और विकास व्यय

भारतीय जीएएपी के अनुसार अनुसंधान और विकास व्यय के लिए खर्च किया गया राजस्व व्यय प्रभारित किया जाता है, पूंजी प्रवृति का व्यय पूंजीकृत किया जाता है और मूल्यह्रास प्रथारित किया गया है। अमरीकी जीएएपी के अधीन अनुसंधान और विकास परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास अनुसंधान और विकास व्यय के रूप में प्रभारित किया जाता है।

5. मूल्यह्रास

भारतीय जीएएपी के अनुसार दिनांक 1.4.2001 के पूर्व वित्त पट्टे पर दी गई परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास आय विवरण पर प्रभारित किया जाता है। अमरीकी जीएएपी के अधीन वित्त पट्टे पर दी गई परिसंपत्तियाँ, वित्त आय को मान्यता दी जाती है और अनुसंधान और विकास परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास अनुसंधान और विकास व्यय के रूप में आय विवरण पर प्रथारित किया जाता है।

6. पूर्वावधि मदें

भारतीय जीएएपी के अनुसार पूर्वावधि मदें वर्ष के लिए आय विवरण में अलग से सूचित की जाती है। अमरीकी जीएएपी के अधीन पूर्वावधि मदों को पूर्व वर्षों और प्रतिधारित लाभों के समायोजन द्वारा लेखाकृत किया जाता है।

7. आस्थगित आय कर

आस्थगित आय कर समायोजन की व्यवस्था अमरीकी जीएएपी समायोजनों पर अधिनियमित कर दरों पर परिसंपत्तियों के बही और कर आधार के बीच अस्थायी अंतर पर भावी कर प्रभाव के लिए की गई है।

समतिथि की हमारी रिपोर्ट के अनुसार

कृते. जे.सी. भल्ला एण्ड कंपनी
चार्टर्ड एकाउंटेंट
ह./–
सुधीर मलिक
भागीदार
सदस्यता सं. 80051
स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 29.08.2005

ह./–
अशोक के. पुरी
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

अमरीकी जीएएपी समंजन पर लेखापरीक्षक की रिपोर्ट

हमने अमरीकी जीएएपी (समंजन) के अनुसार निम्नलिखित के अधीन निवल आय के लिए भारतीय जीएएपी के अधीन दिनांक 31 मार्च, 2005 को समाप्त वर्ष के लिए भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड के निवल लाभ के समंजन की लेखापरीक्षा की है :

i) दिनांक 01.04.2003 के पूर्व की गई दीर्घावविक निर्माण संविदाओं के संबंध में राजस्व मान्यता [टिप्पणी सं.1(ख) का संदर्भ लें]

ii) स्थायी परिसंपत्तियों से संबद्ध विनिमय भिन्नता का लेखाकरण [टिप्पणी सं.1(ख) का संदर्भ लें]

अमेरिकी जीएएपी के अनुसार आय पर उपरोक्त का परिणामी प्रभाव, अगर कोई हो, अनिश्चित रहता है।

समंजन कम्पनी के प्रबंधन का उत्तरदायित्व है। हमारा उत्तरदायित्व अपनी लेखापरीक्षा के आधार पर मत व्यक्त करना है। हमारे मत में पूर्ण रूप से लिए गए बुनियादी वित्तीय विवरणों के संबंध में विचार करने पर ऐसा समंजन सभी वास्तविक रूप से इसमें निर्धारित सही रूप से सूचना प्रस्तुत करता है।

कृते. जे.सी. भल्ला एण्ड कंपनी
चार्टड एकाउंटेंट
ह./–
सुधीर मलिक
भागीदार
सदस्यता सं. 80051
स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 29.08.2005

टिप्पणी संख्या 11 का अनुबंध
उन लघु उद्योग उपक्रमों के नाम जिनका सहमत्य शर्तों {दिनांक 22.02.1999 की अधिसूचना सं. सा.का.नि. 129 (अ.)} के अनुसार कंपनी पर 30 दिनों से अधिक अवधि का बकाया है

ए.ई.सी. मार्केटिंग प्राइवेट लि.
ए.एस.एस. इंडस्ट्रीज
ए.एस. इंजीनियर्स
ए.1 इंडस्ट्रीज
अग्फा इंडिया
आरती इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज
आसिल इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज
आती इंडस्ट्रीज
एबी मेटल फॉर्मर्स (प्रा.) लिमिटेड
एक्यूरेट इंजीनियरिंग वर्क्स
एक्यूरेट इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज
एक्यूसाइज गेज एण्ड टूल्स प्रा. लि.
एसीटेक मशीनरी कम्पोनेंट्स
एकोट्रांस कंट्रोल्स
आदर्श इलेक्ट्रोप्लेटिंग वर्क
आदर्श फेब्रिकेटर्स
एडिसन एण्ड कंपनी लिमिटेड
आदित्य इंजीनियर्स
आदित्य फेरो कास्ट–इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
एडवांस कूलिंग सिस्टम प्राइवेट लिमिटेड
एडवांस वाल्व लिमिटेड
एडवांस इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम
एरोस्पेस इंजीनियरिंग (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड
एरोवेंट प्रोजेक्ट्स प्रा. लि.
एफ्लोमेन एण्ड कंपनी
एजी मेजरमेंट प्राइवेट लिमिटेड
अग्रवाल इंजीनियर्स एण्ड एसोसिएट्स
एगेट इलेक्ट्रो इन्सुलेशन प्राइवेट लिमिटेड
एजाइल हेवी इंजीनियरिंग (प्रा.) लिमिटेड
एग्नाइस फायर प्रोटेक्शन
ऐग्रो ऑटो ग्राउंड इंजीनियर्स (प्रा.) लिमिटेड
एहसान अली इंजीनियरिंग वर्क्स
एशू कास्टिंग प्रा. लि.
अजय गैलवेनिसिंग वर्क्स
अजंता फेब्रिकेशन वर्क्स
अजमेर मिनिरल्स एण्ड ग्राइडिंग कारपोरेशन
आकांक्षा
अकिलन्देश्वरी इंडस्ट्रीज
एकेएस इंजीनियरिंग कंपनी
एल्डेक कास्टिंग
एलर्ट इंजीनियरिंग इन्टरप्राइजेज
एलियासन्स इंडस्ट्रीज
एलाइड कास्टिंग सर्विसेज
एल्टेक फैब्रिकेटर्स
एल्टॉप कंट्रोल्स
एलुकोट एप्लिकेटर्स (प्रा.) लि.
अमर इंजीनियरिंग वर्क्स
अमारा इंटरप्राइजेज
अमरनाथ इंडस्ट्रीज
अम्बीगई इंजीनियरिंग वर्क्स
अम्बिका इंडस्ट्रीज
एम्को इंडस्ट्रीज, हरिद्वार
अमृतलिंगम इंडस्ट्रीज
अमीसन्स कारपोरेशन
अम्बाविन
एम्पकंट्रोल इक्विपमेंट्स प्रा. लि.
एएन इस्ट्रूमेंट्स
एनाबांड लिमिटेड
आनन्द ऑटो इंजी. वर्क्स, गाजियाबाद
आनन्द इंजी. इंडस्ट्रीज
आनन्द इंजीनियरिंग वर्क्स
आनन्द फैब्रिकेशन (सीबीई) प्राइवेट लिमिटेड
अंबू सन्स
अंदावर इंजीनियरिंग वर्क्स
अनिल इंजीनियरिंग वर्क्स
एएन इंस्ट्रूमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड
अनिता फ्लक्सेज एलॉय स्पेशिएलिटी
अंकित वैकंलानी फैब्रिकेटर्स
अन्नामलाई एसोसिएट्स
अन्नपूर्णा इंजीनियरिंग वर्क्स
एनोड टेक प्रॉसेस
एन्टोनी इंडस्ट्रीज
अनुपम इंडस्ट्रीज
अनुपम इंडस्ट्रीज लिमिटेड
एपेक्स नाइव्स प्राइवेट लिमिटेड
एपल रेप्रोग्रॉफिक्स
एपीआर इलैक्ट्रोनिक्स प्राइवेट लिमिटेड
एआर इंजीनियरिंग वर्क्स
आरामसन्स इंडस्ट्रीज
अरावली मिनरल्स (प्रा.) लिमिटेड
आर्मसेल एमएचई प्राइवेट लिमिटेड
एआरपीएस इंजीनियरिंग इंटरप्राइजेज
अरुण मरियम्मन टेक्सटाइल्स लिमिटेड
अरुण प्लास्ट प्राइवेट लिमिटेड
अरुण स्ट्रक्चरल्स
अरुणा एलॉय स्टील्स प्राइवेट लिमिटेड
अरुणा एंसिलिएरी इंडस्ट्रीज
अरुण इंटरप्राइजेज
अरूणोदय इंजीनियर्स वर्क्स
अरूणोदय इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड
असाही स्टील इंडस्ट्रीज (प्रा.) लिमिटेड
एएसबीए इंडस्ट्रीज
अशोक मशीन टूल्स कारपोरेशन
अशोका इंटरप्राइजेज
अशरफ वुड इंडस्ट्रीज
अश्विन इंडस्ट्रीज (प्रा.) लि.
एसियन एंसीलिएरी कारपोरेशन, मुम्बई
एशियन इंडस्ट्रियल वाल्व एण्ड इंस्ट्रूमेंट्स
एशियन स्ट्रक्चरल्स
एएसके इंटरप्राइजेज
अस्कर माइक्रॉन्स (प्रा.) लिमिटेड
एएसपी प्राइवेट लिमिटेड, हावड़ा
एसोसिएटेड इंजीनियरिंग कारपोरेशन
एसोसिएटेड इंजीनियर्स
आशुतोष कास्टिंग लिमिटेड
एटलस फास्नर्स
अतुल ग्राम विकास संस्थान
अरविन्दों बिजनेस एण्ड कम्प्युटर
ऑटो इंडिया
ऑटो पार्ट्स एण्ड एसेसरीज
ऑटोकैप इंडस्ट्रीज
ऑटोशेल कास्ट्स (प्रा.) लिमिटेड
एवी इंजीनियर्स
एवेड्स टेक्नोवेटर्स, नई दिल्ली

एवी एलॉयज लिमिटेड
एक्सवेल (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड
बी फोर टेक इंडस्ट्रीज
भेल लेडीज क्लब
बाबू इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज
बाबू इंडस्ट्रीज
बेबी इंजीनियरिंग (प्रा.) लिमिटेड
बेबी इंडस्ट्रीज
बद्री इंडस्ट्रीज
बालाजी इंजीनियरिंग इंटरप्राइजेज
बालाजी इंजीनियरिंग वर्क्स
बालाजी इंडस्ट्रीयल प्रोडक्ट्स लिमिटेड
बालाजी इंडस्ट्रीज
बालामुरूगन इंजीनियरिंग वर्क्स
बालामुरूगन इंडस्ट्रीज
बलीगा लाइटिंग इक्विपमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड
बलसारा फास्नर्स प्राइवेट लिमिटेड
बल्जर्स (इंडिया) लिमिटेड
बंगलौर मेलेबल कास्टिंग्स (प्रा.) लिमिटेड
बंगलौर ननफेरस कास्टिंग्स
बन्नारी इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज
बंसल फेबवेल इंडस्ट्रीज
बाराकस इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज (प्रा.) लिमिटेड
बाराकस इंडस्ट्रीज
बाड फैब्स प्राइवेट लिमिटेड
बीडीके प्रोसेस कन्ट्रोल्स प्राइवेट लिमिटेड
बेन्ड ज्वायंट्स
बर्जर पेंट्स इंडिया लिमिटेड
बेस्ट हार्डवेयर स्टोर्स
बेस्ट हीट ट्रीटमेंट सर्विसेज
बी गणेशन कंट्रैक्टर
भारत इंजी. सेल्स एण्ड सर्विसेज
भावां इंजीनियरिंग उद्योग
भाराकठ इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज (प्रा.) लिमिटेड
भाराकठ मेटल बिल्डर्स
भारत बेस्ट फैब
भारत इंजीनियरिंग इंटरप्राइजेज
भारत फेबिकेटर्स
भारत इंडस्ट्रीज
भारत मेटल एबरेटर्स
भारत मिनरल्स
भारत स्टाम्पिग प्रॉडक्ट्स
भारत
भारत इंजीनियरिंग वर्क्स
भारत प्रेसिंग्स
भार्गव प्रिंटर्स
भरतिया मिनी स्प्रिंग एण्ड इंजीनियरिंग कंपनी
भरतिया इलेमेक कारपोरेशन
भाटिया बंधु प्रिंटर
भवानी इरेक्टर्स प्राइवेट लिमिटेड
भूपेन्द्र इंजीनियरिंग इंटरप्राइजेज
भुवनेश्वरी इंजीनियरिंग वर्क्स
भुवनेश्वरी इंडस्ट्रीज
बिन्दा मेटल्स प्राइवेट लिमिटेड
बिन्दु इंटरप्राइजेज
बिन्दु लेबल्स
बिन्नी इंजीनियरिंग लिमिटेड
बिशेश्वर गैल्वेनाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड
बिश्नोई लिमिटेड
बी.के. इंटरप्राइजेज
ब्लू माउन्ट मशीन वर्क्स
ब्लू स्क्वायर इंजीनियरिंग कंपनी
बीएम इंजीनियरिंग वर्क्स
बोल्टमास्टर (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड
बम्बई ऑयल सील्स कंपनी
बोरा ब्रदर्स
बोरा ब्रदर्स इंडस्ट्रीज
बॉयड स्मिथ्स प्रा. लि.
बॉयस टाउन इंडस्ट्रीयल ट्रेनिंग सेंटर
ब्राइट इंडिया
ब्राइट इंजीनियरिंग कंपनी
ब्राउन्स हाइटेक स्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड
ब्रश सेंटर
बीएस एण्ड सन्स
बीएस इंजीनियरिंग वर्क्स
बम्पर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
बुंदेलखण्ड इंडस्ट्रीज
बीबीके इंडस्ट्रीज
बीबीएस मेटेलिक्स
सी क्यूब सिस्टम्स
सीएनजी इक्विपमेंट्स (प्रा.) लिमिटेड
केलमेट इंडस्ट्रीज
केनरा बैंक, बीबीएचएजी एसी माइक्रोफ्लो फिल्टर्स प्रा. लि.
केन्डस इलैक्ट्रिकल्स प्रा. लि.
केपरोनिक्स प्रा. लि.
कैप्सो इंजीनियर्स
कैप्सो इंजीनियर्स/फाउंड्री डिवीजन
कैप्सूल इंडस्ट्रीज (प्रा.) लि.
कार्लो डाइनाटेक इंडस्ट्रीज
कैस्की फोर्ज प्रॉडक्ट्स
कास्ट अलॉय, चेन्नई
कास्ट वेल इंडिया
कावेरी इंजीनियरिंग वर्क्स
सीडीसी कार्बोलीन इंडिया लिमिटेड
सीजी–पीपीआई एडेसिव प्रॉडक्ट्स लिमिटेड
चमन इंजीनियरिंग कारपोरेशन
चम्पक मिनरल्स एण्ड कैमिकल्स
चैम्पियन इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज
चैम्पियन इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज
चन्दल इंजीनियरिंग (प्रा.) लिमिटेड
चन्द्रा मेटल्स प्राइवेट लिमिटेड
चौधरी एण्ड सन्स (फोर्जिंग्स) प्राइवेट लिमिटेड
चौहान इंजीनियरिंग
चेकमेट कैमिकल्स (प्रा.) लिमिटेड
चेला इंजी. वर्क्स
चेल्लम इंजी. वर्क्स
चेल्लम इंटरप्राइजेज
केम्ट्रोल्स इंजी. लिमिटेड
छबी इलेक्ट्रिकल्स प्रा. लि.
चितरंजन इंडस्ट्रीज
क्लोरो कंट्रोल इक्विमेंट कंपनी
चौरसिया वायरनेटिंडा इंडस्ट्रीज
सिमको इंडस्ट्रीज
सिंधिया इंडस्ट्रीज
सरक्लिप्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
सिन्थया इंडस्ट्रीज, तिरूचिरापल्ली
सीकेवी इंडस्ट्रीज
कोयम्बटूर सुपर अलॉयस (प्रा.) लि.
कॉमेट ब्रास प्रॉडक्ट्स
कनेक्ट वेल इंडस्ट्रीज प्रा. लि.
कंट्रोल्स स्केमेटिक्स प्रा. लि.
कंट्रोल्स एण्ड स्केमेटिक्स प्रा. लि.
कोन्टूरा व्हील्स (प्रा.) लिमिटेड

कॉपर स्ट्रीप्स प्राइवेट लिमिटेड
कॉर्ड्स केबल इंडस्ट्रीज प्रा. लि.
कोरी इंजीनियर्स
कॉस्मॉस कंडक्टर्स प्रा. लि.
को–टेक इंडस्ट्रीज
क्रेनेक्स लिमिटेड
क्रिएटिव इंजीनियरिंग
कब इंडस्ट्रीज
डीएसएम इंडस्ट्रीज
दालेल इंटरप्राइजेज
दाम इंजीनियंरिंग वर्क्स
दर्शनी इंटरप्राइजेज
दश्मेश डिवाइस (इंडिया)
दत्तात्रे इंजीनियरिंग वर्क्स
डीबी पावर इलेक्टॉनिक्स (प्रा.) लिमिटेड
डेकन मिनरल ग्राइंडिंग मिल्स
डी डी इंजीनियरिंग इंटरप्राइजेज
डी डेवलपमेंट इंजीनियर्स (प्रा.) लिमिटेड
डी टी इंडस्ट्रीज
डी टी इंडस्ट्रीज लिमिटेड
दीपा मशीनरी मैनुफैक्चरिंग प्राइवेट लिमिटेड
दीपक गैल्वेनाइजिंग एण्ड इंजीनियरिंग इंडिया प्रा. लिमिटेड
दीपक इंडस्ट्रियल इंजीनियर्स
दीपारति सिलिकॉन्स
डीफ्री इंजीनियरिंग (प्रा.) लिमिटेड
डेल्टा कारपोरेशन
डेल्टा स्मॉल टूल्स एण्ड इंजीनियरिंग कंपनी
डेल्टा वियर टेक इंजीनियरिंग
डेन्कॉम प्राइवेट लिमिटेड
डीईएसपी
डेट्रिव इंस्ट्रूमेंटेशन एण्ड इलैक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड
देवात इंटरप्राइजेज
देवी इंटरप्राइजेज
देवी स्ट्रक्चरल्स
देवीकृपा इंजीनियरिंग वर्क्स
डीजीआर इंजीनियरिंग वर्क्स
धनलक्ष्मी इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज
डायग्राम फोर्जिंग्स प्राइवेट लिमिटेड
डीआईई इलैक्ट्रिक कॉरपोरेशन
डाईल एण्ड टूल्स लिमिटेड
डिजीटेक इंजीनियर्स
डीजेपी इंडस्ट्रीज
डीकी इंस्ट्रूमेंट्स (प्रा.) लिमिटेड
डॉल्फिन इंजीनियरिंग कंपनी
डॉमिनियन हार्डवेयर स्टोर
दून गैल्वेनाइजिंग (प्रा.) लिमिटेड
डॉवेल इरेक्टर्स प्राइवेट लिमिटेड
दुजोदवाला पेपर केमिकल्स लिमिटेड
दमदम वाल्व एण्ड बेयरिंग प्राइवेट लिमिटेड
डाइनामेक क्रेन्स प्राइवेट लिमिटेड
डायनेमिक प्रॉसेस
ईएफलॉन इंजीनियरिंग कॉरपोरेशन
ईएससीओ
अर्ज व्हाइल यू लर्न
ईस्टर्न एलॉयज (प्रा.) लिमिटेड
ईस्टर्न इलेक्ट्रिकल्स
ईस्टर्न मिनरल्स
एस्बारी स्ट्रक्चरल्स
एडीकेन्स इंजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड
एफिसिएंट इंटरप्राइजेज
ईआईपी बल्क कंट्रोल प्राइवेट लिमिटेड
एलन टूल्स
एलास्टोमेरिक इंजीनियर्स
इलेक्ट्रो ऑटो इंडस्ट्रीज
इलेक्ट्रोट्रिटमेंट्स
इलेक्ट्रोनिक्स एण्ड इंडस्ट्रियल एसिलियरीज
एलिफेंटा इंजीनियरिंग वर्क्स
एल्के टेलीलिंक्स प्राइवेट लिमिटेड
एल्मेक कम्पोनेंट्स इंडस्ट्रीज
एल्मेका वर्क्स
एल्मेक इंटरप्राइजेज
एमसी इंजीनियरिंग वर्क्स
एमरेल्ड इंजीनियरिंग (प्रा.) लिमिटेड
एम्पी इंजीनियर्स
एम्पेरर इंजीनियरिंग वर्क्स
एम्पेरर इंडिया
एमटेक्स मशीनरी प्राइवेट लिमिटेड
इंजीनियर्स इंटरप्राइजेज
एनेम एक्सेल इंजीनियरिंग (प्रा.) लिमिटेड
एन्प्रो इंडस्ट्रीज (प्रा.) लिमिटेड
इंटरप्राइजिंग इंजीनियर्स
इंटरप्राइजिंग मार्केटिंग इंजीनियर्स
ईपीई प्रॉसेस फिल्टर्स एण्ड एक्युमेलेटर्स (प्रा.) लिमिटेड
इक्विपमेंट इंजीनियर्स (प्रा.) लिमिटेड
एस्के पॉलिमर्स
एसोफली इस्माइलजी कड़छीवाला
एस एस इंजीनियरिंग वर्क्स
एसेन इंस्ट्रूमेंटेशन एण्ड इलेक्ट्रिकल्स
एस्के वायर्स मैनुफैक्चरिंग
यूरोफ्लेक्स ट्रांसमिशन्स (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड
यूरोटेक इंजीनियरिंग इंटरप्राइजेज
एवर बेस्ट इंजीनियरिंग
एवरब्राइट इंजीनियरिंग इंटरप्राइजेज
एवोने
एक्सल कंटेनर्स (प्रा.) लिमिटेड
एक्सल हाइड्रो–न्यूमैटिक्स (प्रा.) लिमिटेड
एस्सल इंडस्ट्रीज
एक्सलसिर इंजीनियरिंग वर्क्स
फैब टेक
फैबवेल इंजीनियर्स एण्ड फैब्रिकेटर्स
फेयर ट्रेडिंग कंपनी दिल्ली
फेमस वुड पैकर्स
फैन्सी परफौरेटर्स (प्रा.) लिमिटेड
फार्मर इंजीनियर्स
फास्नर्स एण्ड एलाइड प्रोड. (प्रा.) लिमिटेड
फातिमा स्माल स्केल इंडस्ट्रीज
एफसीजी पावर इंडस्ट्रीज
एफसीआई ओईएन कनेक्टर्स लि.
फेरोलाइट ज्वाइंटिग्स लिमिटेड
फाइबर ग्लास, इंसुलेशन्स
फाइबर पॉली ग्लास
फिटवेल फास्टनर्स
फाइव स्टार इंडस्ट्रीज
फ्लैमप्रूफ इंक्विपमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड
फलेशफोर्ज प्राइवेट लिमिटेड
फ्लैक्सिबल मशीनिंग सेंटर प्रा. लिमिटेड
फ्लैक्सिकन बेलोज एण्ड होजेज
फ्लोकोन सिस्टम्स प्रा. लि.
फ्लूड–लाइन इंजीनियर्स एण्ड फैब्रिकेटर्स
फ्लूडाइन इंजीनियर्स लिमिटेड
फ्लूडाइन इंजीनियर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
लेखाकरण प्रयोजनार्थ उप संविदा
फोरेब्स मार्शल लि.
फ्रैंड्स केबल इंडस्ट्रीज

जी.बी.एम. मैन्युफैक्चुरिंग प्रा. लि.
जी.डी. इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड
गगनदीप इंजी. वर्क्स, गोइंदवाल
गजलक्ष्मी इंजी. एण्ड इंटरप्राइजेज
गाला स्प्रिंग्स
गाला स्प्रिंग्स
गाला स्प्रिंग्स (प्रा.) लिमिटेड
गैलेक्सी कंट्रोल्स लि.
गैलेक्सी कंट्रोल्स (प्रा.) लिमिटेड
गैलेक्सी कंट्रोल्स (प्रा.) लिमिटेड
गैलफैन इंजीनियर्स (प्रा.) लिमिटेड
गणेश कंसल्टेंसी एण्ड सर्विसेज़
गणेश इंजीनियरिंग वर्क्स
गणेश इंडस्ट्रीज
गैनन डंकरली एण्ड कंपनी लिमिटेड
गढ़वाल मण्डल विकास निगम लिमिटेड
गैस्केट इंडिया प्रा. लिमिटेड
गैस्केट्स (इंडिया) प्रा. लिमिटेड
गौरी इंडस्ट्रीज
गौतम उद्योग
जीईए एनर्जी सिस्टम (इंडिया) लिमिटेड
जीरथना इंजी. वर्क्स
गिल्ली इंडस्ट्रीज,
जेम इक्विपमेंट्स
जेमिनी इंडस्ट्रीज
जनरल इलेक्ट्रो मेकेनिकल इंडस्ट्रीज
जनरल इंजीनियरिंग वर्क्स
जनरल फाउंड्रीज (प्रा.) लिमिटेड
जनरल इंस्ट्रूमेंट कंसोर्टियम
जनरल मैकेनिकल वर्क्स
गर्ब वाइब्रेशन कंट्रोल सिस्टम (प्रा.) लिमिटेड
गर्ब वाइब्रेशन कंट्रोल सिस्टम्स
गाजियाबाद इस्पात उद्योग (प्रा.) लिमिटेड
गेरी इंडस्ट्रीज
घोष मेटल वर्क्स
जी.के. एण्ड सन्स
जी.के. इलेक्ट्रिकल्स
जी.के. इंजीनियरिंग कॉरपोरेशन
ग्लास फाइबर एण्ड एलायड इंडस्ट्रीज
ग्लोब इंटरप्राइजेज
ग्लास फाइबर एण्ड एलायड इंडस्ट्रीज
ग्लोब स्टील्स (प्रा.) लिमिटेड
ग्लूक (इंडिया) मैनुफैक्चरिंग कंपनी
जीएम दालूजी एण्ड सन्स
जीएम कृष्णा इंजीनियरिंग वर्क्स
जीओ गोल इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज
गोदावरी इलेक्ट्रिकल्स
गोदरेज एण्ड बायर्स मैनुफैक्चरिंग कंपनी लिमिटेड
गोकुल इंडस्ट्रीज
गोल्डन इंजीनियरिंग कंपनी
गोल्डन इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज
गोल्डन वर्कशॉप
गोपीकृष्ण इंडस्ट्रीज
गोयोलीन फाइबर्स (इं) प्राइवेट लिमिटेड
ग्रैंड पॉलीकोट्स कंपनी प्राइवेट लिमिटेड
ग्रीनटेक इंजीनियर्स
ग्रीन फील्ड इंजीनियरिंग वर्क्स
ग्रीन वर्ल्ड प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड
जीएस एलॉयल कास्टिंग्स प्राइवेट लिमिटेड
जीटीआई इलेक्टोप्लेटिंग
गार्जियन एन्टी कोरोसिन्स प्राइवेट लिमिटेड
गुजरात इन्फापाइप्स प्राइवेट लिमिटेड
गुजरात ओटोफिल
गुजरात स्मेलिंटग एण्ड रिफाइनिंग कंपनी
गुलाब चंद कोछड़
गुलटेक फैब्रिकेटर्स
गुप्ता इंजीनियरिंग कॉरपोरेशन
गुरु नानक स्टील इंडस्ट्रीज
गुरु इंजीनियरिंग वर्क्स
गुरु इंटरप्राइजेज
गुरु मशीनिंग सेंटर
गुरु नानक इंजीनियरिंग वर्क्स, ज्वालापुर
गुरु नानक इंजीनियरिंग वर्क्स
गुरुराजा प्रेसीटेक इंडस्ट्रीज (प्रा.) लिमिटेड
एच. गुरु इंडस्ट्रीज
एमएमटी लिमिटेड
एच. सरकार एण्ड कंपनी
हरेंद्र इंटरप्राइजेज
हरी इंजीनियरिंग वर्क्स
हरीहर मशीन टूल्स
हरी इंडस्ट्रीज
हरी ओम इंटरप्राइजेज
हरीहर एलॉय कॉस्टिंग्स लिमिटेड
हरीश क्लेज
हरीश इंडस्ट्रीज
एचएटी वर्क्स
हैवी एलॉय पेनेट्रेटर प्रोजेक्ट
हैवी इंजीनियरिंग कंपनी
हैवी फैब इंडस्ट्रीज
हैवी मेटल एण्ड ट्यूब्स लिमिटेड
हैवी मेटल एण्ड ट्यूब्स प्राइवेट लिमिटेड
हेमा इंडस्ट्रीज
हेमेन्द्र मेटल इंडस्ट्रीज
एच. गुरु इंस्ट्रूमेंट्स (एसआई) पीएलटीडी
हाई प्रिसीजन् इंडस्ट्री
हाई टेक इंजीनियरिंग
हिल्दा इंडस्ट्रीज
हिमाचल शॉट्स एण्ड मेटल प्राइवेट लिमिटेड
हिमालय इलेक्ट्रो प्लेटिंग वर्क्स
हिमगिरी इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज
हिंद इलेक्ट्रॉनिक इंडस्ट्रीज
हिंद पैकर्स
हिंद प्रेस प्रॉडक्ट्स
हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड
हिंदुस्तान उद्योग लिमिटेड
हिंदुस्तान पाइप फिटिंग कंपनी
हाईटेक इंजीनियर्स
हाईटेक फैब्स
हाईटेक हैवी इक्विपमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड
हितेन फास्नर्स प्राइवेट लिमिटेड
हितेन फास्नर्स प्रा. लिमिटेड
हाई–थर्मल प्रॉसेस
एच. कुमार एण्ड कंपनी
एचएमडब्ल्यू मेटल वर्क्स (प्रा.) लिमिटेड
एचवाईडी एयर इंजीनियरिंग वर्क्स
हैदराबाद कॉस्टिंग लिमिटेड
हैदराबाद इंजीनियरिंग वर्क्स
हैदराबाद हैवी इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड
हैदराबाद हैवी मशीनिंग इंडस्ट्रीज
हैदराबाद मेट केम प्राइवेट लिमिटेड
हैदराबाद पैटर्न एण्ड फाउन्ड्री
हैदराबाद पॉल्यूशन कंट्रोल्स प्राइवेट लिमिटेड
हैदराबाद पावर सर्विसेज एण्ड इंजीनियर्स

हैदराबाद रेप्रोगाफिक्स (प्रा.) लिमिटेड
हाइड्रोपैक (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड
आईएमपी पावर लिमिटेड
आई मैक्स
आईए इंजीनियरिंग वर्क्स
आईएजी ऑटोमेशन (प्रा.) लिमिटेड
आईसीईएम इंजीनियरिंग कंपनी प्राइवेट लिमिटेड
आइडियल इंडस्ट्री
आईईसी डस्टरलोह प्राइवेट लिमिटेड
इफ्तकार टिम्बर वर्क्स
इनापुरी एंसिलियरी इंडस्ट्रीज
आईएनडी ऑटो प्रॉडक्ट्स
इन्डेक्स ऑटो कंपोनेंट्स प्राइवेट लिमिटेड
इंडिया इलेक्ट्रिकल्स सिंडिकेट
इंडिया इंन्सुलेटर्स
इंडियन कोर ऑयल्स प्राइवेट लिमिटेड
इंडियन मेटल्स एण्ड एलॉयज मैनुफैक्चरिंग कंपनी
इंडियन रबर प्रॉडक्ट
इंदिरा डैम्पर इंडस्ट्रीज
इंदिरा इंडस्ट्रीज
आईएनडीएल स्पेयर्स मैनुफैक्चरिंग एण्ड ट्रेडिंग कंपनी
इंडो इंजीनियरिंग इंटरप्राइजेज
इंडो फैब
इंड–स्पार इंजीनियर्स
इंदु मैग्नेटिक्स प्राइवेट लिमिटेड
इंडस्ट्रियल हाइजेनिक सिस्टम्स
इंडस्ट्रियल परफोरेशन (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड, कोलकाता
इंडस्ट्रियल टेप्स एण्ड फैब्रिक्स
इन्मारको इंडस्ट्रियल मेन्टेनेंस प्राइवेट लिमिटेड
इनोवेटर्स
इंस्ट्रूमेंटेशन इंजीनियर्स (प्रा.) लिमिटेड
इन्टेलटेक ऑटोमेशन (प्रा.) लिमिटेड
इन्टरनेशनल इंडस्ट्रियल स्प्रिंग्स
इन्टरनेशनल इंडस्ट्रीज स्प्रिंग्स
इरेस्को इलेक्ट्रिकल्स (प्रा.) लिमिटेड
ईश्वर पैकेजिंग प्रॉडक्ट्स (प्रा.) लिमिटेड
आईटीएल इंडस्ट्रीज लिमिटेड
अयप्पन इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड
जेडॉन इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज
जगन्नाथन इंजीनियरिंग वर्क्स
जगदीप फाउंड्री
जगदीप मशीन टूल्स
जयबालाजी एण्ड कंपनी
जय इंजीनियरिंग
जय गणेश इंजीनियरिंग
जैन मेटल कम्पोनेंट्स
जयराज इंडस्ट्रीज
जेएस कार्बाइड टूल्स
जे इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज
जे.पी. मशीनिंग इंडस्ट्री
जयलक्ष्मी इंजीनियरिंग वर्क्स
जयराम इंजीनियरिंग वर्क्स
जयरमेश फैब्रिकेटर्स
जयश्री इलेक्ट्रॉन प्राइवेट लिमिटेड
जयश्री इंडस्ट्रीज
जायसवाल नेको लिमिटेड
जयश्री इंटरप्राइजेज
जेडी जोन्स एण्ड कंपनी (प्रा.) लिमिटेड
जेगा प्रिसिजन ड्राइव्स (प्रा.) लिमिटेड
जीडीएम इंटरप्राइजेज
ज्वेल मेटल प्राइवेट लिमिटेड
ज्वेल मेटल्स प्राइवेट लिमिटेड
जयामल्ली इंडस्ट्रीज
जिंदल इलेक्ट्रॉनिक्स
जे.के. इलेक्ट्रोप्लेटिंग
जेएमएस इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड
जोसफ इंजीनियरिंग
जोसफ लेजली ड्रेगर मैनुफैक्चरिंग (प्रा.) लिमिटेड
जोशुहा इंजीनियरिंग वर्क्स
जेआरआर इंडस्ट्रीज
जेवी इंडस्ट्रीज
जेवी इंजीनियरिंग वर्क्स
जेवीएस इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड
ज्वालापुर इंजीनियरिंग वर्क्स
ज्योति इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज, बहादरब
ज्योति इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज
ज्योति इंडस्ट्रीज
केबी कम्प्यूटर फॉर्म्स
कार्तिके वॉर्म्स
कैजेन इंजीनियरिंग वर्क्स
कल्याण इंडस्ट्रीज
कल्याणी इंजीनियरिंग वर्क्स, गाजियाबाद
कामाकोटी इंडस्ट्रीज
कन्खल इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज
कांतिलाल चुनीलाल एण्ड सन्स
केरेयन प्रिसीजन एम/सीएफ (प्रा.) लिमिटेड
केरेयन प्रिसीजन मशीन्स प्राइवेट लिमिटेड
वर्मा इंडस्ट्रिज कर्नाटल सीएनसी टेक (प्रा.) लिमिटेड
कार्तिक इंजीनियरिंग वर्क्स
कार्तिक इंडस्ट्रीज
कार्तिकेय ईंटरप्राइजेज
काश्यंमा इंडस्ट्रीज
कत्थीरमलाई इंजीनियरिंग वर्क्स
कविता ईंटरप्राइजेज
के इंजीनियरिंग वर्क्स
के.पी. मेटल उद्योग
के.एस. इंजीनियर्स
केपीएस फास्तर्स
केप्सेक इंजीनियर प्रा. लिमिटेड
केटल इलेक्ट्रिकल एण्ड एलाएड इंजीनियरिंग किंग फैन
किरनमयी इंजीनियरिंग वर्क्स
किसान मशीन टूल्स
किसान मैकेनिकल वर्क्स
किसान स्टील (प्रा.) लिमिटेड
किथ इंजीनियरिंग
के.के. इंजीनियरिंग वर्क्स
क्लेमनन इंजीनियरिंग कॉरपोरेशन, चैन्नई
केएलजी इलेक्ट्रिकल्स
वोएलजी सिस्टेल लिमिटेड
केएनवी इंडस्ट्रीज
कोणार्क कमर्शियल कंपनी
कोठारी क्ले इंडस्ट्रीज
कोठारी इंडस्ट्रीज
कोट्टम इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज (प्रा.) लिमिटेड
कौशिक प्रेशर वेसल्स (प्रा.) लिमिटेड
कौशिक प्रेशर वेसल्स (प्रा.) लिमिटेड केपीएम इंडस्ट्रीज
कृष्णा इंजीनियरिंग कॉरपोरेशन (प्रा.) लिमिटेड
कृष्णा फाउंड्री वर्क्स (प्रा.) लिमिटेड
कृष्णा गैलवेनाइजिंग वर्क्स
कृष्णा गेयर्स (प्रा.) लिमिटेड
कृष्णागिरी इंजीनियरिंग वर्क्स
केआरआर इंजीनियरिंग (प्रा.) लिमिटेड
केएसआर इंडस्ट्रीज

कुमार इंडस्ट्रीज इंजीनियर्स एण्ड फाउंडर्स
कुमार इंडस्ट्रीज
कुमार इंजीनियरिंग वर्क्स
कुमारन इंडस्ट्रीज
कुमारन स्ट्रक्चरल्स
केवीवो इंजीनियरिंग वर्क्स
क्वालिटी क्वायल प्रॉडक्ट्स (प्रा.) लिमिटेड
केएस इंडस्ट्रीज
लक्ष्मी इंडस्ट्रियल वर्क्स
लक्ष्मण आइसोला लिमिटेड
लक्ष्मी इंजीनियरिंग वर्क्स
लक्ष्मी इंडस्ट्रीज
ललिता इंडस्ट्रीज
लार्क इंजीनियरिंग
लक्ष्मणन आइसोला (प्रा.) लिमिटेड
लक्ष्मी इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज, भोपाल
लक्ष्मी इंजीनियरिंग
लक्ष्मी इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज
लक्ष्मी इंटरप्राइजेज
ली वेडला इंडस्ट्रियल कॉरपोरेशन
लीना इंडस्ट्रीज
लीना वायर्स
लेवकॉन इंडस्ट्रूमेन्टस
लेवकॉन इंडस्ट्रूमेन्टस (प्रा.) लिमिटेड
लेवकॉन वाल्व (प्रा.) लिमिटेड
लिफ्टिंग इक्विपमेंट्स एण्ड एसेसरीज
लिफ्टिंग इक्विपमेंट्स
लिफ्टवेल इंजीनियर्स
लाइट इंजीनियरिंग मेटल इंडस्ट्रीज
एम एण्ड एस इंजीनियरिंग वर्क्स
एम यासीन एण्ड कम्पनी
मशीलेड इंडस्ट्रीज
मशीन फैब टैक
मैकनिल इंजीनियरिंग लिमिटेड
मदन एण्ड कंपनी
माधा इंजीनियरिंग वर्क्स
मधुलक्ष्मी फुड इंडस्ट्रीज
मध्य प्रदेश कुपरो मेटल्स (प्रा.) लिमिटेड
मद्रास कुपरूम मेटल्स (प्रा.) लिमिटेड
मद्रास हार्ड टूल्स (प्रा.) लिमिटेड
मागाराम इंजीनियरिंग
महादेव इंडस्ट्रीज
महालक्ष्मी इंजीनियरिंग, इन्टरप्राइजिज
महाराजा टेक्नोकोम, बंगलौर
महेन्द्रा एण्ड कम्पनी
महेश इंडस्ट्रीज
महेश वेल्डिंग वर्क्स
महेश्वरा इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज
मयलैम इंडिया लिमिटेड
मलार इंडस्ट्रीज
मलिक इलेक्ट्रोमैकेनिकल इंडस्ट्रीज
मलूफैब इंडस्ट्रीज
मनोमीटर (इंडिया) (प्रा.) लिमिटेड
मेन्स फील्ड केबल्स
मनटेक इंजीनियरिंग इंटरप्राइजेज
मनटेक गैल्वेनाइजर्स
मार्शल सन्स एण्ड कंपनी (मैन.) लिमिटेड
मारूथी इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज
मारूथी हैंडलिंग इक्विपमेंट्स
मारूथी मशीन टूल्स (प्रा.) लिमिटेड
मारूथी टेक्नो रबर (प्रा.) लिमिटेड
मास कम्प्यूटर फॉर्म्स
मास स्टील फैब्रिकेटर्स
मास पार्टस
मास्टर फैन इंडस्ट्रीज
मास्टर इंडस्ट्रीज
मास्टर माइकॉल (इंडिया)
मौर्य टिम्बर्स
मयंक इंडस्ट्रीज
मयूरा इंडस्ट्रीज
मैक फैब
मैक एण्ड फैब इंडस्ट्रीज
मैकेनिकल कन्स्ट्रक्टर
मेकेलो इंजीनियरिंग कंपनी
मेक्नोटेक इंडस्ट्रीज
मैकस्ट्रु फैब्रीकेन्सस (प्रा.) लिमिटेड
मीनाक्षी एसोसिएट्स
मीनाक्षी इंडस्ट्रीज
मेही उद्योग
मेश वेल गियर्स
मेटाक्राफ्ट्स
मेटल केयर
मेटल इंजीनियर्स
मेटल वेल्ड
मेटल आर्ट्स इंजीनियर्स एण्ड मैनुफैक्चरर्स
मेटल क्राफ्ट इंडस्ट्रीज
मेटेलिक बेलोज (इंडिया) (प्रा.) लिमिटेड
मेटलवेयर इंडस्ट्रीज
मेटकॉन इंटरप्राइजेज
मेट्रोपॉलिटन इक्विपमेंट्स एण्ड कंसल्टेंट्स (प्रा.) लिमिटेड
एमजीएम इंडस्ट्रीज
एमआईसी इंस्ट्रुमेंट्स (प्रा.) लिमिटेड
मिका ग्लास इंडस्ट्रीज
मिका–मोल्ड
मिका प्लाई
माइक्रो इंजीनियरिंग वर्क्स
माइक्रो प्रीसिजन प्रोडक्ट्स
माइक्रोफेस इंजीनियरिंग (एम) (प्रा.) लिमिटेड
मिनरल एण्ड मेटल ट्रेडिंग कंपनी
मिनीमेक एमजेजी कंटैक्टर
एम एम इंटरप्राइजेज
एम एम सी फास्नर्स
मॉडर्न कंस्ट्रक्शन कंपनी (प्रा.) लिमिटेड
मॉडर्न फेब्रिकेटर्स एण्ड इंजीनियर्स
मॉडर्न मेटेल वर्क्स
मॉडर्न इंजीनियरिंग एण्ड स्प्रिंग कंपनी
मोहन इंडस्ट्रीज
मोपाती इंजीनियरिंग (इंडिया) (प्रा.) लिमिटेड
एमपीके मशीन टूल्स
एमएस विद्युत कार्बन प्रोडक्ट्स
एमएस विजय इंजीनियरिंग
एमएस विजय इंजीनियरिंग, हरिद्वार
एमएस इंजीनियरिंग वर्क्स
मुकेश इंडस्ट्रीज
मल्टी टेक इंजीनियरिंग
मल्टीमेटल इंडस्ट्रीज
मल्टीटेक्स फिल्टेशन इंजीनियर्स
मुरूगन इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज
मुरूधन इंडस्ट्रीज
मुथुकुमार इंजीनियरिंग वर्क्स
मुथुमीना इंटरप्राइजेज
एमवी फाउंड्री

मैसूर पॉलिमर्स (प्रा.) लिमिटेड
माइटो इंजीनियरिंग कंपनी
एम आर एस इंजीनियरिंग टूल्स वर्क्स
एनवी इंटरप्राइजेज
नागालक्ष्मी इंजीनियरिंग इंडस्ट्री
नागाबुशनम एसोसिएट्स
नागाबुशनम फास्टनर्स
नागाबुशनम प्रीसिजन इंजीनियरिंग
नागाबुशनम हाइड्रोलिक्स एण्ड मशीनिंग वर्क्स
नागादेवी इंजीनियर्स
नागालक्ष्मी इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज
नागामलाई स्ट्रक्चरल्स
नागार्जुना फेब्रिकेटर्स
नागाश्रीनिवासा इंजीनियरिंग वर्क्स
नागी इंटरप्राइजेज
नागपाल इंजीनियरिंग वर्क्स
नमाशिवाय इन्डल कॉम्पोनेन्टस
नन्दा इंसुलेशन डिटेल्स
नंदा इंडस्ट्रीज
नानरा इंजीनियरिंग वर्क्स
नानरा फैब्रिकेटर्स
नरसिम्हा एंसिलियरी
नरसिम्हा ऑटोमोबाइल्स एण्ड जनरल इंजीनियरिंग वर्क्स
नटराज इंडस्ट्रीज
नटवियार इंडस्ट्रियल मेक्स
नेशनल कार्बन ब्रश प्रॉडक्ट्स
नेशनल इंजीनियरिंग वर्क्स
नेशनल इंडस्ट्रीज
नेशनल सेफ्टी काउंसिल
नटराज इंडस्ट्रीज
न्यू भारत इंजीनियरिंग वर्क्स
न्यू कैपिटल इंडस्ट्रीज
न्यू धीमन इंजीनियरिंग, ज्वालापुर
न्यू फेब्रिकेटर्स
न्यू जेएन स्टेशनरी मार्ट
न्यू प्रिंटर्स एण्ड स्टेशनर्स
न्यू एस के इंडस्ट्रीज, ज्वालापुर
न्यू ऑल इंजीनियरिंग वर्क्स
एन एफ (प्रा.) लिमिटेड
निर्मल इंजीनियरिंग वर्क्स
निर्मल इंजीनियरिंग वर्क्स, ज्वालापुर
निर्मल इंटरप्राइजेज
निर्मल इंडस्ट्रीज
नोबेल इंटरप्राइजेज
नोबेल इंडस्ट्रीज
नॉनफेरस मेटेरियल टेक्नोलॉजी डेवे.
नोवा पेन्ट्स
न्यूकाम्न इंडस्ट्रीज (प्रा.) लिमिटेड
ओबलम इलेक्ट्रिकल इंडस्ट्रीज (प्रा.) लिमिटेड, हैदराबाद
ओडिन (आई) (प्रा.) लिमिटेड
ओएचएम शक्ति इंजीनियरिंग
ओम विनायक इंजीनियरिंग वर्क्स
ओम विश्वसाई मेटल एण्ड इंजीनियरिंग वर्क्स
ओमेगा इंजीनियरिंग कारपोरेशन, भोपाल
ओमेगा इंजी. वर्क्स
ओमप्लास सिस्टम
ओम विनायका इंजी. वर्क्स
ओरबिट
ओरिएंट इंजीनियरिंग वर्क्स
ओरिएंट मेटल इंडस्ट्रीज
ओरिएंटल इंजीनियरिंग वर्क्स प्रा. लिमिटेड
ओरिएंटल इंजीनियरिंग वर्क्स
ओरिएंटल प्लांट्स एण्ड इंक्विपमेंट्स लि.
ओरियोन सिस्टम
ओम शक्ति इंडस्ट्रीज
पी एन इंटरप्राइजेज
पीएस पावर कन्ट्रोल्स
पी वाय आर इंजी वर्क्स
पैकेजिंग एण्ड जॉन्टिंग गैस्केट (प्रा.) लि., चेन्नई
पद्मा एम/सी शॉप एण्ड अलाइड
पद्मावति इंजी. वर्क्स
पाइ एण्ड पाइ इंटरप्राजेज
पाल इंजीनियरिंग कॉर्पोरेशन
पाल इंजीनियरिंग कारपोरेशन
पाल इंडस्ट्रीज
पान इलेक्ट्रो टेक्निक इंटरप्राइजेज प्रा. लि.
पानम कन्ट्रोल्स पंच धातु
पांडियन इंजी. टूल्स
पांडियन कार्मेन फेरी
कास्ट (प्रा.) लिमिटेड
पेरामाउंट कंडक्टर्स लिमिटेड
पेरामाउंट फेब्स
पराशक्ति इंजीनियरिंग वर्क्स
पराशक्ति इंटरप्राइजेज
प्रदीप मेटल ट्रिटमेंट प्रा. लिमिटेड
परी इंजीनियरिंग वर्क्स
परमथी इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज
पार्वती लेदर एण्ड इंजी. वर्क्स
पटनी सिस्टम (प्रा.) लिमिटेड
पीसी फ्रैन्ड्स
पर्ल इन्सुलेशन प्राइवेट लिमिटेड
नेन्नाम इंडस्ट्रीज
पेनेन्ट इंजीनियरिंग
पेनेट इंजी.
परफेक्ट इंजीनियरिंग वर्क्स
परफेक्ट इलेक्ट्रो प्लेटिंग वर्क्स
परमाली वालेस लिमिटेड
पेरूमल फेब्रिकेशन वर्क्स
पेट्रो मैकेनिकल इंक्विपमेंट कंपनी
पेट्रोकैमिकल इंजीनियरिंग इंटरप्राइज
पेट्रन सिविल इंजी. प्रा. लिमिटेड
पेट्टचिन टूल्स
पीएस पावर सिस्टम प्रा. लिमिटेड
पायनियर इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज
पाइपलाइन्स एण्ड प्रोसेस इक्विमेंट्स
प्लास्टिपील कैमिकल्स एण्ड प्लास्टिक
प्लेट मेटल (प्रा.) लि., मद्रास
प्लेट मेटल (प्रा.) लिमिटेड
प्लाज्मा कटिंग इक्विपमेट प्रा. लिमिटेड
प्लस बिजनेस मशीन्स लिमिटेड
पॉलिकैब वायर्स प्रा. लि., मुम्बई
पॉलिगोन रिफ्रैक्ट्रीज़ प्रा. लि.
पॉलिमर प्रोडक्ट्स
पॉलिसिन्थ अल्ट्रापैक
पॉलिटेक इंटरप्राइजेज
पोन्नी इंजी इंडस्ट्रीज
पूजा केबल्स (प्रा.) लिमिटेड
पून्डीमधा इंजी. एण्ड एलाएस वर्क्स
इून्डीमधा इंटरप्राइजेज
पूर्णिमा प्रिन्टर्स
पोपुलर स्विचगियर प्रा. लिमिटेड
पॉवर पाइपिंग कंपनी

पावर मास्टर इंड. इक्विपमेंट प्रा. लिमिटेड
पीपीएस एनवायरोपॉवर (आई) प्रा. लि.
पीपी सिंह स्टोन एण्ड कंपनी
प्रभा कैमिकल्स एण्ड अलाइड प्रॉडक्ट्स
प्रदीप प्रिन्टिग प्रेस देवबंद
प्रकाश इंजी वर्क्स
प्रकाश इंडस्ट्रीज
प्रमेन इंडस्ट्रीज
प्रणाम एसोसिएटिड इंडस्ट्रीज
प्रसाद इंजीनियरिंग वर्क्स
प्रतिभा इंटरप्राइजेज,
प्रवीण इलेक्ट्रोनिक्स
प्रेसी–फिट (इंडिया)
प्रेसीक्अल कंपोनेन्ट्स प्रा. लि.
प्रेसाइज इंजीनियरिंग प्लास्टिक्स
प्रीसिजन ऑटो इंजीनियर्स, लुधियाना
प्रीसिजन इंजीनियरिंग कं., लुधियाना
प्रीसिजन इंजीनियरिंग कंपनी
प्रीसिजन इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज
प्रीसिजन इक्सिपमेंट्स
प्रीसिजन इंडस्ट्रीज
प्रीसिजन टूल एण्ड डाइज इंडस्ट्रीज
प्रीसिटेक मैनुफैक्चरिंग प्रा. लिमिटेड
प्रीतम्स
प्रीति इंजीनियरिंग इंटरप्राइजेज
प्रेमा ट्रांस गियर्स
प्रीमियर इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज
प्रीमियर फास्नर्स, बंगलौर
प्रीमियर फास्नर्स
प्रेजिडेंट इंजीनियरिंग वर्क्स
प्रेशर एण्ड टेम्परेचर
प्रेशन एण्ड टेम्परेचर कंट्रोल
प्राइम इंजीनियरिंग सर्विसेज
प्रिया इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज
प्रोकॉन इंस्ट्रुमेंटेशन प्रा. लि.
प्रॉडिजी इंजीनियरिंग
प्रॉम्प्ट इंजीयिरिंग वर्क्स
प्रोटेक सिस्टम्स
पीएस इलेक्ट्रिकल्स प्रा. लिमिटेड
पीटीसी इंड. लि., भीवाड़ी
पूणे फिन. ट्यूब प्रा. लि.
पुनिथा इंजी. वर्क्स, तिरूचिरापल्ली
पुनिथा प्लास्टिक्स
पुष्पा इंजीनियरिंग
पीवीके इंजीनियर्स
पायनियर पोली क्राफ्ट्स
पीवाईआर इंजीनियरिंग वर्क्स
पायरो इलेक्ट्रिक इंस्ट्रुमेन्ट्स गोवा प्रा. लिमिटेड
पायरोटेक इलेक्ट्रोनिक्स
क्वालिटी इंजीनियरिंग वर्क्स
क्वालिटी इंजी. एण्ड इंसुलेशन प्रोडक्ट्स
क्वालिटी इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज
क्वालिटी इंजीनियरिंग वर्क्स
क्वालिटी इंजीनियर्स
क्वालिटी प्रोफाइल्स (प्रा.) लि.
क्वालिटी टेक्नोलॉजी (प्रा.) लिमिटेड
क्वालिटी (कर्नाटक) इंजीनियरिंग
आर.जी. कंसल्टेंट
आर.जे. इंडस्ट्रीज कारपोरेशन
आर.जे. इंडस्ट्रीज कारपोरेशन
आर.के. मेटल प्रॉसेस
आर.एस.एम. इंजीनियर्स वर्क्स
राजा शक्तिवेल कंट्रैक्ट्स
राकम इंडस्ट्रीज
रचना इंडस्ट्रीज
राधा कृष्णा इंडस्ट्रीज
राधिका इंडस्ट्रीज
रेडियंट केबल्स लिमिटेड
रेडियंट केबल्स (प्रा.) लिमिटेड
रेडिएक्स कॉरेपोरेशन
आर.ए. फैब्रिकेटर्स
रफीउल्ला खान कंट्रैक्टर
राघवेंदु इंजीनियरिंग इंटरप्राइजेज
रहमान एक्सपोर्ट्स (प्रा.) लिमिटेड
राज इंजीनियरिंग वर्क्स
राज इंजीनियर्स
राजा इंजीनियरिंग इंटरप्राइजेज
राजा इंजी. इंडस्ट्रीज, तिरूचिरापल्ली
राजलक्ष्मी इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज
राजम्मा इंजी. प्रा. लि., चेन्नई
राजेन्द्रा इंजी. वर्क्स
राजेश इंजीनियरिंग वर्क्स
राजीव गुप्ता
रजनी फैब
राजसी इंजीनियर्स
राज्यलक्ष्मी इंजीनियरिंग वर्क्स
राकेश इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज
राकेश इंजीनियरिंग वर्क्स
रालिमा इलेक्ट्रोनिक्स
राम सागर एण्ड सन्स
रामा फेरो
एलॉयड एण्ड फाइनेंस (प्रा.) लिमिटेड
रामाकृष्णा इंजी. इंटरप्राइजेज
रामाकृष्णा इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज
रामाकृष्णा इंजीनियरिंग वर्क्स
रामाकृष्णा टर्बो टेक इंजीनियरिंग (प्रा.) लिमिटेड
रमन स्ट्रक्चरल्स एण्ड एलॉयक इंडस्ट्रीज
रमना इंजी. वर्क्स
रमेश इंजी. वर्क्स सहारनपुर
रमेश इंजीनियरिंग वर्क्स प्रा. लिमिटेड
रामसन्स फैबिटेक्स
रानीपेट इंजी. इंडस्ट्रीज
रानीपेट इंडक्शन हॉर्डनिंग प्रा. लिमिटेड
रासाब इंजीनियरिंग वर्क्स
रसु टूल्स प्रा. लि.
रतन इंजी. कं. प्रा. लि. भीवाड़ी
रत्ना टूल एण्ड इंजी. प्रा. लि.
राटो कम्युनिकेशन्स एण्ड इलैक्ट्रौनिक्स प्रा. लिमिटेड
रवि इंजीनियरिंग वर्क्स
रवि स्ट्रक्चरल्स,
रवि टिंबर ट्रेडर्स
रविचक्र मशीन टूल्स
रविकिरण सेरामिक्स प्रा. लि.,
आरसी दास इंजीनियरिंग (प्रा.) लिमिटेड
रेडसन इंडस्ट्रीज
रिजेंसी कार्बाइड
रीजनल इंजीनियरिंग वर्क्स
रेन्गा इंडस्ट्रीज
रेप्रोग्राफिक्स इंडिया
आरजी. इंटरप्राइजेज
आर.के. इंजीनियरिंग वर्क्स
आर.के. मेटल इंडस्ट्रीज
आर.के. मेटल प्रॉसेस

आरएमएच फैब्रिकेशन्स (प्रा.) लिमिटेड
आरएमएच कॉरपोरेशन (वर्कशॉप)
आरएमके इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज
रॉक सिटी सीएलसी प्वाइंट
रॉकफोर्ट इंडस्ट्रीज
रॉकविन फ्लोमीटर इंडिया (प्रा.) लिमिटेड
आरओडी
रोहिणी इंडस्ट्रीज
रॉल वेल बेयरिंग
रूड़की इंजीनियरिंग कंपनी
रोशन लाल अशोक कुमार, रूड़की
रोटेक ट्रांसमिशन्स (प्रा.) लिमिटेड
आरएसआई स्विचगियर प्राइवेट लिमिटेड
रबर टेक
रूबी गैसेस प्रा. लि.
रूपम कंडक्टर्स प्रा. लि.
आर वी इंटरप्राइजेज
एस एम टूल्स
एसपीजी इंटरप्राइजेज
एसआरएम इंटरप्राइजेज
एस.आर.आर. इंजीनियरिंग प्रा. लि.
एस.आर.आर. इंजीनियरिंग वर्क्स
एस.एस. पाइप फिटिंग एंड फोर्जिंग्स
एसएण्डयू मेक इंजीनियर्स (प्रा.) लिमिटेड
सगा इंडस्ट्रीज
सागर इंडस्ट्रीज
साम्या जयजीवन इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज
साई इंजीनियरिंग वर्क्स
साई फैब
साई सरग इंजीनियर्स
सैनी इंजी. वर्क्स
सैनी इंटरप्राइजेज
सजस इलेक्ट्रिकल्स
शक्ति इंजीनियरिंग
शक्ति हाईटैक कंस्ट्रक्शन (प्रा.) लिमिटेड
शक्ति इंडस्ट्रीज
सलेम इंजीनियरिंग वर्क्स
सालूज इंटरप्राइजेज
सल्जेर इलेक्ट्रोनिक्स लिमिटेड
सल्जिग्टेर हाइड्रोलिक्स प्रा. लि.
सम इंजी. वर्क्स
सम्पूर्ण मैनुफैक्चुरिंग टेक्नोलॉजीज (प्रा.) लिमिटेड
समुन्दी मशीन वर्क्स
सैंडफिट्स फाउंड्रीज (प्रा.) लिमिटेड
सन्ध्या इंजीनियरिंग इंटरप्राइजेज
सन्कारा इंजी. इंटरप्राइज
सन्पार माइको फिल्टर्स (प्रा.) लिमिटेड
संथानम ऑटोमोबाइल
सन्वीर इंडस्ट्रीज
सप्तगिरी गैल रेनाइजर्स
सप्तगिरी इंडस्ट्रीज
सारा इंडस्ट्रीज
सरला इंजी. वर्क्स
सारथी इंजी. इंटरप्राइजेज प्रा. लि.
सारथी वुड वर्क्स
श्रावण इंडस्ट्रियल वर्क्स
सरीन स्टील्स
सारो इंजी. वर्क्स, तिरूचिरापल्ली
सचितानन्द प्रीसिजन टूलिंग सेन्टर
सथिएश इंजीनियरिंग एण्ड गियर इंडस्ट्रीज
सत्या फेब्रिकेटर्स प्रा. लि.
सत्यम इंडस्ट्रीज
सत्या फैब्रिकेटर्स (प्रा.) लिमिटेड
सत्यम इंडस्ट्रीज
सत्यबाला इंटरप्राइजेज
सत्यम इंडस्ट्रीज
सौरभ मेटल प्रा. लि., भोपाल
एसबी इलेक्ट्रो मैकेनिकल्स
एससीबी प्रीसिजन इंडस्ट्रीज
साइंटिफिक मेस–टेक्निकल (प्रा.) लिमिटेड
स्कोप इंजीनियरिंग वर्क्स
स्कोप टी एण्ड एम प्रा.लि.
एससी प्रॉडक्ट्स
सीबा इंजीनियरिंग
सीमा इंटरप्राइजेज
सीताराम इंजी. इंटरप्राइजेज
सीकर इंजी. इंडस्ट्रीज
सीकर इंजी. वर्क्स, सीकर इंजीनियरिंग
सीकर इंजीनियरिंग
सेल्वम इंटरप्राइजेज
सेलवी इंडस्ट्रीज
सेंथिल इंजी. वर्क्स
सेन्थिल स्ट्रक्चरल्स
सेठी स्टील कांस्टिंग एण्ड माउल्डिंग वर्क
एसजी इंजीनियरिंग वर्क्स
शगुन कॉपर कंडक्टर
शक्ति ओएसएचआर एण्ड इंजीनियर्स हरिद्वार
सेकर आयरन इंडस्ट्रीज
शंकरा मशीन टूल्स (प्रा.) लिमिटेड
शमुघा सीएनसी सेंटर, तनजोर
शांति इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज
शेप इंजीनियरिंग
शारदा इंडस्ट्रीयल
श्रवणन इंडस्ट्रीज
शार्प इंजीनियरिंग वर्क्स
शार्प टूल्स
शार्पलाइन ऑटोमशन (प्रा.) लिमिटेड
शीला इंडस्ट्रीज
शीतला पॉलिमर्स
शैल टैक,
शेम्बा इंटरप्राइजेज
सेरी फोर्ज़ प्रा. लि.
शिबालॉई मल्टीफलक्स प्रा. लि.
शिबसा इंस्ट्रुमेंट्स इंडिया (प्रा.) लिमिटेड
शिव इंजी वर्क्स
शिव इंडस्ट्रीज़
शिव साई पैकेजिंग
शिवालिक कम्प्यूटर्स
शिवालिक इंजीनियरिंग
शिवालिक फैब्रिकेटर्स एण्ड ऑर्डर
शिवप्रा क्रेन्स प्रा. लि.
एस एच राव इंजीनियरिंग वर्क्स
श्री केबल्स एण्ड कंडक्टर्स (प्रा.) लिमिटेड
श्री हन्स अलॉय लिमिटेड
श्री पोमानी मेटल एण्ड एलॉएस (प्रा.) लिमिटेड
श्री स्टाम्पिंग्स
श्री थंदावा लक्ष्मी इंजीनियरिंग वर्क्स
श्री वेंकटश्वरा सीईआर इंडस्ट्रीज
श्री जी फास्नर्स
श्री राम इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज
श्रेयास इंस्ट्रूमेंट्स (प्रा.) लिमिटेड
श्री अम्बाल इंजी. वर्क्स
श्री दुर्गा ऑयल एण्ड स्टील वर्क्स

श्री हरी हाई–टेक इंडस्ट्री
श्री लक्ष्मी इंजी. वर्क्स हरिद्वार
श्री लक्ष्मी सन मिल्स
श्री नर्यथा फैब्रिकेटर्स
श्री श्रवण इंजीनियरिंग वर्क्स
श्याम इंटरप्राइजेज
सिमेग इंडस्ट्रीज
सिल्कान्स इलेक्ट्रिक मैकेनिकल (प्रा.) लिमिटेड
सिल्वर मोजीलाल एण्ड सन्स
शिवा स्प्रिंग्स
शिवा स्ट्रक्चरल्स
शिवा इंजीनियरिंग वर्क्स
शिव शक्ति मैकेनिकल टूल्स
एस.के. इंजीनियरिंग वर्क्स
एस.के. इंडस्ट्रीज
एस.के. सिस्टम्स (प्रा.) लिमिटेड, दिल्ली
एसकोजी रिफ्रैक्टरीज
एस.के.एच. टूल्स
स्किलमेन इंडस्ट्रील
स्किल्ट फैब्रिकेटर्स (प्रा.) लिमिटेड
एस.के.एस इंडस्ट्रीज
स्काई लैब इंडस्ट्रीज
स्मार्ट इन्ग्रेवर्स
एसएम क्रिएटिव इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड
एसएमडी पम्प एण्ड इंजीनियरिंग इंडिया (प्रा.) लिमिटेड
एमएम इंजीनियरिंग वर्क्स
एसएमको इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज
एसएमएन क्रिएटिव इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड
स्मुनिया सामी कंटैक्टर
स्नूर एण्ड सन्स
एस एन पांडे एण्ड कंपनी
सोखी ब्रदर्स
एसआएन इंजीनियर्स (प्रा.) लिमिटेड
सोमैया इंडस्ट्रीज
साउंड कास्ट
साउथ ईस्टर्न इंक्विपमेंट कंपनी
साउदर्न गास्केट प्रॉडक्ट्स
साउदर्न हैवी इंजीनियरिंग एण्ड फैबिकेशन (प्रा.) लिमिटेड
साउदर्न ल्यूब्रिकेशन्स (प्रा.) लिमिटेड
साउदर्न मैग्नेटिक्स (प्रा.) लिमिटेड
सोवेनियर सिरामिक्स
एसपीए इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज
स्पेक्ट्रा इक्विपमेंट्स (प्रा.) लिमिटेड
स्पीड स्टील इंडस्ट्रीज
स्पाइरासील गास्कोट्स (प्रा.) लिमिटेड
एसपीआर इंडस्ट्रीज
एसपी रमेश इंटरप्राइजेज
स्प्रिंग सपोर्ट
स्प्रिंग सपोर्ट्स मैनुफैक्चरिंग कंपनी
श्री गणेश इंडस्ट्रीज
श्री अत्रेय इंटरप्राइजेज
श्री बालाजी मेटल प्रासेस
श्री बालाशानमुहा इंडस्ट्रीज
श्री धनाबुशानम इंजी. वर्क्स
श्री गायत्री इंडस्ट्रीज
श्री ज्योति इंटरप्राइजेज
श्री कामाशी इंडस्ट्रीज
श्री राम वेल्ड प्रोडक्ट्स (प्रा) लि.
श्री रामा इंजी. इंटरप्राइजेज
श्री सास्था इंजी. इंडस्ट्री
श्री शक्ति स्विचगियर
श्री वेंकटेश्वरा स्टेलिलाइट इंजीनियरिंग वर्क्स
श्री वेंकटा हरि इंजी. वर्क्स
श्री वेंकटेश्वरा सिरामिक इंडस्ट्रीज
श्रीनिवासा मशीन टूल्स
श्री अकिलेंदश्वरी इंजीनियरिंग वर्क्स
श्री बालाजी इंटरप्राइजेज
श्री बालाजी इंडस्ट्रीज
श्री बालाजी मेटेलाइजर्स
श्री बालामुर्गन इंजीनियरिंग वर्क्स (प्रा.) लिमिटेड
श्री भवानी इंजीनियरिंग इंटरप्राइजेज
श्री धनलक्ष्मी इंजीनियरिंग वर्क्स
श्री दुर्गा इंजीनियरिंग वर्क्स
श्री दुर्गा स्ट्रक्चरलश्री
श्री गणेशा इंजीनियरिंग वर्क्स
श्री गणेश इंजीनियरिंग वर्क्स
श्री गुरू इंडस्ट्रीज
श्री हरि इंटरप्राइजेज
श्री ज्योथि इंजीनियरिंग वर्क्सश्री
श्री कंदन इंडस्ट्रीज
श्री कार्तिकेया टेक्सटाइल इंजीनियर्स
श्री लक्ष्मी इंजी वर्क्स
श्री लक्ष्मी इंजीरियरिंग इंडस्ट्रीज
श्री लक्ष्मी इंडस्ट्रीज
श्री लक्ष्मी कृष्णा इंजी. वर्क्स
श्री लक्ष्मी साई इंजी. वर्क्स
श्री लक्ष्मी विट्रयोस
श्री लिगेश्वरार फेब्रिकेटर्स
श्री लोगा प्रिंटर्स
श्री एम इंडस्ट्रीज
श्री महालक्ष्मी इंजी. वर्क्स
श्री मंजुनाथ इंटरप्राइजेज
श्री मारूथि मेटलॉयज
श्री मीनाक्षी पेंट इंडस्ट्रीज
श्री मीनाक्षी इंडस्ट्रीज
श्री मुरली कृष्ण वेंचर स्टोन्स
श्री पल्लवन्तान इंडस्ट्रीज
श्री राजेश्वरी इंजीनियरिंग इंटरप्राइजेज
श्री राजेश्वरी इंडस्ट्रीज
श्री रामा इंजीनियरिंग इंड.
श्री रमना इंडस्ट्रीज
श्री रत्ना फेब्रिकेटर्स
श्री सबरी स्ट्रक्चरल
श्री साइ इंजीनियर्स एण्ड फैबिकेटर्स
श्री शक्ति इंडस्ट्रीज
संयालक्ष्मी इंजीनियरिंग वर्क्स
श्री सास्था इंजी. वर्क्स, तिरूचिरापल्ली
श्री सास्था इंजीनियरिंग इंटरप्राइजेज
श्री सास्था इंजीनियरिंग वर्क्स
श्री श्री इंजी. वर्क्स
श्री श्रीनिवास इंडस्ट्रीज
श्री स्वामी स्ट्रक्चरल्स
श्री वेलुमुरूगन फैब्रिकेटर्स
श्री वेंकटेश्वरा इंडस्ट्रीज
श्री वेंकटेश्वरा मैक. एण्ड इलेक.
श्री विजयालक्ष्मी इंजीनियरिंग वर्क्स
श्री विनायगा इंडस्ट्री
श्री विनायका इंजीनियरिंग वर्क्स
श्री विष्णु टूल टेक. प्रा. लि.
श्री मरियम्मन स्ट्रक्चरल्स
श्री सारामलार इंडस्ट्रीज
श्रीनिवासा इंजी. कं.
श्रीनिवासा इंडस्ट्रीज

श्रीनिवासा प्रोडक्ट्स
श्रीनिवासा रिकन्डिशनिंग वर्क्स
श्री शंकरनारायणन कंस्ट्रक्टर कंपनी
श्री–टेक इंडस्ट्रीज, तिरूचिरापल्ली
श्रीनिवास ब्लास्ट टेक
सृजना फेब्रिकेटर्स एण्ड इंजीनियरिंग (प्रा.) लिमिटेड
सृजना इंड मार्के. एसोसिएट्स
एसएस खडू (प्रा.) लिमिटेड
एसएस खर्स (प्रा.) लिमिटेड
एसएसआर मेकेनिकल
स्टैंडर्ड इंडस्ट्रियल प्रॉडक्ट्स (प्रा.) लिमिटेड
स्टैंडर्ड मेटल इंडस्ट्रीज
स्टार पैकेजिंग
स्टार पेंट एण्ड ऑयल इंडस्ट्रीज
स्टील क्राफ्ट इंडस्ट्रीज
स्टीलमेट ब्रिज बियरिंग (प्रा.) लि.
स्टेलस इंटरप्राइजर्स
स्टरलिंग गैसेज लि.
एसटीफातिमा इंजीनियरिंग वर्क्स
सेंट जॉन औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान
स्ट्रिप–एन–मेटल इक्विपमेंट
स्ट्रोमेश इंजीनियर्स लिमिटेड
स्टाइन प्रा. लि.
सुबालक्ष्मी इंजी. वर्क्स
सुबासंगीत इंजीनियरिंग
सुबाश्री इंजीनियरिंग वर्क्स
सुभद्रा इंडस्ट्रीज
सुबुमणियन इंडस्ट्रीज
सुदर्शन इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज
सुधा इंजीनियरिंग वर्क्स
सुधा मेल्टकेम्स (प्रा.) लिमिटेड
सुदर्शन फैब्रिकेटर्स
सुगावनेश्वरा इंजी. वक्स
सुगो इंडस्ट्रीज
सुजाता इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज
सूक्ष्म डायनेमिक्स (प्रा.) लिमिटेड
भमिका, हरिद्वार
सन–फैब
सुन्दरम् इंडस्ट्रीज
सुन्दरम पेन्ट्स (प्रा.) लि.
सुन्दरम् इंजीनियरिंग वर्क्स
सनगोव इंजीनियरिंग (प्रा.) लिमिटेड
सनराइज इंजीनियरिंग इंडस्ट्री
सुपर ब्राइट इंजीनियरिंग कंपनी
सुपर इंजीनियरिंग वर्क्स
सुपर फोर्जिंग एण्ड स्टील्स लि.
सुपर गेलवेनाइजिंग इंडस्ट्रीज
सुपर क्वालिटी सर्विसेज
सुपर वाउडिट ज्वाइंटिंग्स प्रा. लि.
सुपरमेटिक्स
सुरेन्द्रा कंपोजिस्ट्स
सुरेन्द्रा इंजीनियरिंग वर्क्स
सुरेश आनन्द टूल्स एसेसरीज
सूर्या वाल्व एण्ड इंस्ट्रूमेंर्ट
सूसान इंजीनियरिंग कंपनी
सुशार फास्टनर्स
सुशील इंजीनियरिंग कॉर्पो.
एसवी इंजीनियर्स
स्वामी इंजी. वर्क्स
स्वर्णम इंडस्ट्रीज
स्वस्थ इंडस्ट्रीज
स्वास्तिक इंडस्ट्रीज,
स्वेलोर इंजीनियरिंग (प्रा.) लिमिटेड
स्वीट्जर इंस्ट्रूमेन्ट्स लिमिटेड
साइन्क्रोन मशीन टूल्स
आइन्कॉन मशीन टूल्स (प्रा.) लिमिटेड
सिस्टम्स एड्स
टी.ए. हाइड्रोलिक प्रा. लि.
तमिलनाडु चेरान इंडस्ट्री
तमिलनाडु मशीन टूल्स
तमिलनाडु चेरान इंडस्ट्रीज
तमिलनाडु मशीन टूल्स
तानशी स्ट्रक्चरल वर्क्स
टेप एण्ड टेप इंडस्ट्रीज
टेक इंजीनियर्स
टेक–फेब
टेक्निको (इंडिया) प्रा. लिमिटेड, कोलकाता
टेक्नो क्राफ्ट्स
टेक्नो इंटरप्राइजेज
टेक्नोफैब इंजीनियरिंग लिमिटेडटेक्नो
टेक्नो टूल इंजीनियरिंग
टेक्नोलॉजी प्रोडक्ट्स
टेक्नोमेटिक (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड
टेक्नो स्ट्रेन्यस
टेक्नो इंजीनियरिंग वर्क्स
थाइयालनायाकी इंडस्ट्रीज
थापसन्स केमिकल्स
दि डेल्टा मोटर कंपनी
दि हैदराबाद हेवी इंजी. वर्क्स
दि इंडियन हयूम पाइप कंपनी लिमिटेड
दि केसीपी लिमिटेड
दि मोहन्स इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज
दि परफेक्ट इक्विमेंट कम्पनी
दि साउथ इंडिया रबर वर्क्स
दि स्टार वायर (इंडिया) लिमिटेड
दि सन स्टील वर्क्स
दि सुप्रीम इंडस्ट्रीज लिमिटेड
थर्मोडाइन टेक. प्रा. लि.
थर्मोपैड्स प्रा. लि.
थर्मोवेल इंसुलेशन एण्ड पैकेजिंग प्रा. लि.
थिलाई इंजी. वर्क्स
थिरूमगल इंडस्ट्रीज
थि रूपेय्यम इंजीनियरिंग इंडिया एण्ड स्टील कंपनी
तिरूचि फैब्रिकेटर्स
तिरूमाला इंडस्ट्रीज
तिरूपति इंडस्ट्रीज
रिटेनियम इक्विपमेंट्स एण्ड एवोड मैनुफैक्चरिंग कंपनी
इल फैनतोश्नीवाल केबल्स प्रा. लि.
तोश्नीवाल केबल्स प्रा. लि.
टीआर इंटरप्राइजेज
ट्रांसफार्मर एमएफजी. इंडस्ट्रीज
ट्रांसविक इंडस्ट्रीज
ट्रिबोलॉजी इंडिया लिमिटेड, चेन्नई
त्रिची इंजीरिंग वर्क्स
त्रिची वायर्स प्रा. लिमिटेड
ट्रायोमेक इंजीनियरिंग (प्रा.) लिमिटेड
हायोमेक हेवी इंजीनियरिंग
त्रिवेणी इंडस्ट्रीज
टू फोर्स (प्रा.) लिमिटेड
ट्रूफिट इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड
टर्बो टेक
टर्बो मेशीनरी इंजीनियरिंग (प्रा.) लिमिटेड
टर्न–मैक्स

तुशाको पम्प (प्रा.) लिमिटेड
यू.के. इंजीनियरिंग वर्क्स
उबा इंस्ट्रूमेंट्स (प्रा.) लिमिटेड
उदयमाला फैन
अल्टीमेट एलॉयज (प्रा.) लिमिटेड
अल्ट्रा टेक
अल्ट्रा फिल्टर (इंडिया) प्रा. लिमिटेड,
उमा फैबिकेटर्स
यूनीएक्सेल एजेन्सीज एण्ड सर्विसेज (प्रा.) लिमिटेड
यूनियन एस्वेस्ट्स एण्ड एलायड प्रॉडक्ट
यूनीक इंजीनियरिंग इंटरप्राइजेज़ प्राईवेट लिमिटेड
यूनीक ट्रांसमिशन (इ) प्रा॰ लि॰
यूनीक वाल्वस लि॰
यूनीटेक मशीनंस लि॰
यूनाईटेड इंडस्ट्रीज
यूनाईटेड मेटल्स (इंडिया)
यूनाईटेड प्लासटिक कंपनी
यूनाईटेड रबड़ इंडस्ट्रीज़
यूनीटेक नाइटराइडिंग
यूनिटूल्स इंडस्ट्रीज
यूनिटी फोर्ज लिमिटेड
यूनीवर्सल इंजीनियरिंग वर्क्स
यूनिवर्सल इंजीनियर्स
यूनीवर्सल होस्ट–ओ–फेबरिक
यूनीवर्सल इंडस्ट्रीज़
यूनीवर्सल रेपरोग्राफिक्स
उप्पल फेरोकास्ट प्रा॰ लि॰
अपर इंडिया स्पैशल कॉसटिंग लि॰
ऊषाश्री इंडस्ट्रीज़
उत्सव इलैक्ट्रो–मैक प्रा॰ लि॰
वी. के. एन इंडस्ट्रीज़
वीकेआर इंजीनियरिंग वर्क्स
वैश टूल्स एण्ड डाइज
वैष्णव स्टील
वज्र रबड़ प्रोडक्टस लि॰
वेकोसील्स
वेलिएट इलेक्ट्रिकल्स (प्रा.) लिमिटेड
वेल्यू ट्रैक इंजीनियर्स
वाल्व मैनुफैक्चरिंग इंडस्ट्रीज
वनगार्ड इंडस्ट्रीज
वनीथा मोलडिंग वर्क्स
वनजैक्स सैल्स प्रा॰ लि
वेनकॉस एण्ड कंपनी
वैरॉयटी फाइबर्स
वैरॉयटी इंसुलेटर्स,
वरटेक इंजीनियर्स प्रा॰ लि॰
वरुण इंजीनियरिंग कंपनी
वासन इंडस्ट्रीज
वसंथ इंडस्ट्रीज
वसंथी हैवी मशीनिंग (प्रा.) लिमिटेड
वासवी मेडिकल एण्ड इमेज प्रॉडक्ट्स
वसुधा प्रिसाइजटूल्स
वसुधा प्रिसाइज टूल्स
वसुधा इंजीनियरिंग वर्क्स
वॉटोमेट एण्ड इंस्ट्रूमेंट्स (प्रा.) लिमिटेड
वायुबोधन उपकरण (प्रा.) लिमिटेड
वी पी इंडस्ट्रीज
वीसन्स एनजी सिस्टम (प्रा.) लिमिटेड
वी वी कंट्रोल्स (प्रा.) लिमिटेड
वीवेस एलॉयज (प्रा.) लिमिटेड
विद्युत कार्बन प्रॉडक्ट
विजयनाग इंडस्ट्रीज
विजय इंटरप्राइजेज
विजय इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज
विजय मशीन टूल्स
विजय पावर एण्ड स्पेयर्स
विजया इंजीनियरिंग वर्क्स
विडजे कॉय इंडस्ट्रीज
विजयंत इंजीनियरिंग
विकास मशीन फैब्स (प्रा.) लिमिटेड
विकास साइंटिफिक वर्क्स
विमल फाइबर ग्लास
विमलेश इंडस्ट्रीज (प्रा.) लिमिटेड
विनायका मशीन टूल्स
विनय इंटरप्राइजेज
विनायक ट्रांसमिशन प्रॉडक्ट
विनीर इंजीनियरिंग (प्रा.) लिमिटेड
विपीन इंडस्ट्रीज
वर्केय सीलिंग टेक (प्रा.) लिमिटेड
विर्दी इंजीनियरिंग वर्क्स
विशाल इंजीनियर्स
विष्णु फोर्ज इंडस्ट्रीज़ लि॰
विश्वकर्मा
विवेक इंजीनियरिंग टूल्स एण्ड सर्विसेज़
विवेकानंद इंजीनियरिंग वर्क्स
वीकेएन इंटरप्राइजेज
वीकेएन गैल्वेनाइजिंग इंडस्ट्रीज
वीकेएन शॉट ब्लास्टिंग इंडस्ट्रीज
वीकेएन शॉट ब्लास्टिंग इंडस्ट्रीज (प्रा.) लिमिटेड
वीकेएन स्ट्रक्चरल्स
वीकेएन इंजीनियरिंग इंटरप्राइजेज
वीएल इंडस्ट्रीज
वीएम कारपोरेशन
वीएमएक्स प्रीसिजन इंजीनियरिंग
वर्टेक्स इंजीनियरिंग वर्क्स
वीआरके इंडस्ट्रीज
वीएस इंजीनियरिंग वर्क्स
वीएम फार्मा कैप्स (प्रा.) लिमिटेड
व्यास प्रॉडक्ट्स
विजयंथ इंजीनियरिंग (प्रा.) लिमिटेड
वाधवा ब्रदर्स इंजीनियर्स
वेल्ड फैब्रिकेटर्स
वेल्ड–वेल इंजीनियर्स (प्रा.) लिमिटेड
वेलटेक इंजीनियर्स
वेस्टन एक्सट्रूजन इंडस्ट्रीज (1975)
विन क्राफ्ट
विस्डम इंटरप्राइजेज
वुड एण्ड इंसुलेशन प्रॉडक्ट्स
वुड हेल्ड
वुड वर्ल्ड
वर्थ
जिमेक्स टेक्नोलॉजीज
एक्सेल इंजीनियरिंग
यश्मन इंजीनियर्स लिमिटेड
यस गीज इंडस्ट्रीज
येशा इलेक्ट्रिकलस (प्रा.) लिमिटेड
याङ्ग्रो पैक
योगश्री हैवी इंजीनियरिंग (प्रा.) लिमिटेड
योगेश्वर एलॉय काटिंग (प्रा.) लिमिटेड
योग्य इंटरप्राइजेज
जेन्श्रोनिक सिस्टम्स

उत्पाद रूपरेखा

तापीय विद्युत संयंत्र

- जनोपयोगी सेवा तथा संयुक्त–चक्र प्रयोगों के लिए स्टीम टर्बाइनों, बॉयलर्स एवं 500 मेगावाट तक के जेनरेटर्स, सुपरक्रिटिकल स्टीम साइकल मानदण्डों वाले बॉयलर्स एवं स्टीम टर्बाइनों तथा 660 मेगावाट यूनिट आकार के समतुल्य जेनरेटरों का निर्माण करने की क्षमता। 1000 मेगावाट यूनिट आकार के लिए सुविधाएं उपलब्ध।
- सी.पी.पी. अनुप्रयोगों के लिए स्टीम टर्बाइन्स, बॉयलर्स एवं जेनरेटर्स, संघतन, निष्कर्षण, पृष्ठ दबाव, अन्तःक्षेपण अथवा इनमें से किसी भी प्रकार के स्टीम टर्बाइन्स के संयोजन के विनिर्माण की क्षमता।

न्यूक्लीय विद्युत संयंत्र

- 500 मेगावाट तक की क्षमता वाला स्टीम जेनरेटर और टर्बाइन जेनरेटर

गैस आधारित विद्युत संयंत्र

- 260 मेगावाट (आई.एस.ओ.) रेटिंग तक के गैस टर्बाइन्स।
- उद्योग एंव जनोपयोगी सेवा उपयोगों के लिए गैस टर्बाइन आधारित सह–उत्पादन एवं संयुक्त–चक्र प्रणालियां।

जल विद्युत संयंत्र

- समतुल्य जेनरेटर्स सहित कपलान, फ्रैन्सिस एवं पेल्टॉन प्रकार के कस्टम–निर्मित परम्परागत हाइड्रो टरबाइन, समतुल्य मोटर–जेनरेटर्स सहित पम्प टर्बाइन्स।
- मिनी/माइक्रो हाइड्रो सेट्स।
- हाइड्रो स्टेशनों के लिए गोलीय, बटरफ्लाय एवं रोटरी वाल्व्स एवं आक्सिलियरिज

डी. जी. विद्युत संयंत्र

- एच.एस.डी., एल.डी.ओ., एफ.ओ., एल.एस.एच.एस., प्राकृतिक गैस/बायोगैस आधारित डीजल जेनरेटर विद्युत संयंत्र, इमर्जेन्सी, शीर्ष के साथ ही टर्नकी आधार पर भार कार्यों के लिए 20 मेगावाट तथा 11 किलोवाट वोल्टेज की रेटिंग वाले यूनिट।

औद्योगिक सेट

- 1.5 से 120 मेगावाट की रेटिंग वाले औद्योगिक टर्बो सेट।
- 3 से 260 मेगावाट (आई.एस.ओ.) रेटिंग के गैस टर्बाइन्स एवं मैचिंग जेनरटर्स।
- नोदन प्रयोगों तथा सह–उत्पादन अनुप्रयोगों के लिए औद्योगिक स्टीम टर्बाइन एवं गैस टर्बाइन्स।

बॉयलर्स

- जनोपयोगी सेवा के लिए कोयला, लिग्नाइट, तेल, प्राकृतिक गैस अथवा इन ईंधनों को मिलाकर उपयोग करके 30 से 500 मेगावाट तक की क्षमता वाले स्टीम जेनरेटर्स; 1000 मेगावाट यूनिट आकार तक के सुपर क्रिटिकल मानदण्डों वाले बॉयलर्स का निर्माण करने की क्षमता।
- औद्योगिक अनुप्रयोगों के लिए कोयला, प्राकृतिक गैस, बायोमास, लिग्नाइट, तेल, बैगास अथवा इन ईंधनों के सम्मिश्रण का उपयोग कर 40 से 450 टन प्रति घंटे की क्षमता वाले स्टीम जेनरेटर्स।
  - पल्वेराइज्ड ईंधन फायरड बॉयलर्स।
  - स्टोकर बॉयलर्स।
  - एटमोस्फयरिक द्रवीकृत बेड दहन बॉयलर्स।
  - सर्कुलेटिंग द्रवीकृत बेड दहन बॉयलर्स।
- हीट–रिकवरी स्टीम जेनरेटर्स।
- कागज उद्योग के लिए 100 से 1000 टन प्रति दिन की सूखे ठोसों की क्षमता वाले रासायनिक रिकवरी बॉयलर्स।
- प्रेशर वेसल्स।

बॉयलर्स आक्जिलियरीज

- पंखे
  - स्वच्छ हवा अनुप्रयोगों के लिए 25 से 800 m^3/s क्षमता तथा 120 से 1480 एम गैस कालम दाब वाले एक एवं दो चरण के एक्सियल रिएक्शन पंखे।
  - स्वच्छ वायु तथा चिमनी गैस अनुप्रयोगों के लिए 7 से 600 m^3/s तथा 700 एम गैस कालम दाब वाले एक्सल इम्पल्स पंखे।
  - स्वच्छ हवा तथा धूल–भरे 400°ब तक के ताप वाले 4 से 600 m^3/s क्षमता तथा 150 से 1800 एम गैस कालम दाब वाले सिंगल एवं डबल–सक्शन रैडियल पंखे।
- एअर–प्रीहीटर्स
  - बॉयलर्स एवं प्रक्रिया फर्नेसिस के लिए जंगस्टार्म रोटरी रिजेनरेटिव एअर–प्रीहीटर।
  - 1000 मेगावाट तक की जनोपयोगी सेवाओं के लिए वृहत रिजेनरेटिव एअर–प्रीहीटर्स।
- ग्रैवीमीट्रिक फीडर्स।
- पल्वेराइजर्स
  - 100 टन प्रति घंटा की क्षमता के मंद एवं मध्यम गति के बाउल मिल्स।
  - उच्च–राख संघटक वाले निम्न श्रेणी कोयला पल्वेराइजिंग के लिए ट्यूब मिल्स।

- पल्स जेट एवं रिवर्स एअर टाइप फैब्रिक फिल्टर्स (बैग फिल्टर्स)।
- इलेक्ट्रोस्टैटिक प्रेसिपिटेटर्स
  - जनोपयोगी सेवा तथा औद्योगिक अनुप्रयोगों के लिए 99.9% कुशलता वाली किसी भी क्षमता के इलैक्ट्रोस्टैटिक प्रेसिपिटेटर्स।
- मैकेनिकल सेपरेटर्स।
- सूट ब्लोअर्स
  - वृहत् रिट्रैक्टेवल सूट ब्लोअर्स (12.2 एम. तक परिवहन), वाल डिस्लैगर्स, रोटरी ब्लोअर्स एवं न्यूमेटिक, इलेक्ट्रिक अथवा मैनुअल मोड में कार्य करने वाले ताप प्रोब्स एवं संबंधित नियंत्रण पैनल।
  - रिजेनरेटिव एटर प्रीहीटर्स के लिए स्विवेल आर्म टाइप सूट ब्लोअर्स।
- वाल्व्स
  - जनोपयोगी सेवाओं के लिए उच्च–दाब तथा निम्न–दाब बायपास वाल्व्स।
  - स्टीम, तेल तथा गैस कार्यों के लिए 600 एम.एम. व्यास, 250 किग्रा प्रति वर्ग सेंटीमीटर दाब तथा 540 डिग्री सेंटीग्रेड ताप तक के लिए उच्च एवं निम्न–दाब वाल्व्स, गेट, ग्लोब, नान–रिटर्न (स्विंग चेक एवं पिस्टन लिफ्ट चेक) प्रकारों के कास्ट एवं फार्जड स्टील वाल्व्स।
  - 200 किग्रा प्रति वर्ग सेंटीमीटर दाब वाले तथा 550 डिग्री सेंटीग्रेड तक ताप वाले सेट प्रेशर के लिए उच्च–दाब सेफ्टी वाल्वस तथा स्वचालित विद्युत कार्यित दाब राहत वाल्व्स।
  - 175 किग्रा प्रति वर्ग सेंटीमीटर दाब तथा 565 डिग्री सेंटीग्रेड तक के ताप के सेट प्रेशर के लिए विद्युत, प्रक्रिया एवं अन्य उद्योगों में अनुप्रयोगों के लिए सेफ्टी रिलीफ वाल्व्स।
- ताप विद्युत स्टेशनों तथा साथ ही सीमेंट, कोयला और इस्पात उद्योगों में पल्वेंराइज्ड और कोयला पाइपिंग संघटकों में प्रयोग के लिए सिरामिक टूट–फूट रोधी अस्तर (लाइनिंग)।

पाइपिंग प्रणालियां

850 मेगावाट तक के विद्युत स्टेशनों के लिए सतत लोड हैंगर्स, क्लैम्प एवं हैंगर संघटक, वैरिएबल स्प्रिंग हैंगर, संयुक्त साइकिल प्लान्ट्स, औद्योगिक बॉयलर्स एवं प्रासेस उद्योग।

हीट एक्सचेन्जर्स एवं प्रेशर वेसल्स

- सी.एस./ए.एस./एस.एस./नान–फेरस शेल एवं ट्यूब हीट एक्सचेंजर्स तथा प्रेशर वेसल्स।
- वायु–शीतलित हीट एक्सचेन्जर्स
- सर्फेस कन्डेन्सर्स
- स्टीम जेट एअर इजेक्टर्स
- कालम्स
- रिएक्टर्स, ड्रम्स
- एल.पी.जी./प्रोपेन स्टोरेज बुलेट्स
- एल.पी.जी./प्रोपेन माउण्डेड स्टोरेज वेसल्स
- फीड वाटर हीटर्स

पम्प्स

- 660 मेगावाट तक की जनोपयोगी सेवा के लिए उपयुक्त विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए पम्प
- बॉयलर फीड पम्प्स (मोटर अथवा स्टीम टरबाइन चालित)।
- बॉयलर फीड बूस्टर पम्प्स।
- कंडंसेट पम्प्स।
- सर्कुलेटिंग वाटर पम्प्स।
- इमरजेंसी ऑयल पम्प्स।
- लुब्रिकेटिंग ऑयल पम्प्स।
- स्टैण्डबाइ ऑयल पम्प्स।

पॉवर स्टेशन नियंत्रण उपकरण

- माइक्रोप्रोसेसर आधारित वितरित डिजीटल नियंत्रण प्रणालियां।
- डाटा अधिग्रहण प्रणालियां।
- आदमी–मशीन इन्टरफेस।
- एस.सी.ए.डी.ए. के साथ उप–स्टेशन नियंत्रण।
- स्टैटिक एक्साइटेशन उपकरण/स्वचालित वोल्टेज रेगुलेटर
- इलैक्ट्रो हायड्रुलिक गवर्नर कंट्रोल।
- टर्बाइन सुपर वाइजरी प्रणाली एवं नियंत्रण।
- बर्नर प्रबंध प्रणाली।
- इलेक्ट्रोस्टैटिक प्रेसिपिटेटर्स के लिए नियंत्रण।
- एच.पी./एल.पी. बायपास वाल्वस के लिए नियंत्रण।
- सूट ब्लोअर कंट्रोल।
- आक्सिलियरी प्रेशर रिडक्शन एवं डी–सुपरहीटिंग प्रणाली।
- संयंत्र स्टेशन नियंत्रणों का संतुलन।
- गैस टर्बाइन कंट्रोल प्रणाली।

स्विचगियर

- इनडोर एवं आउट प्रयोगों के लिए तथा 400 किलोवाट तक के वोल्टेज रेटिंग वाले विभिन्न प्रकार के स्विचगियर।
- न्यूनतम ऑयल सर्किट बेकर्स (66 केवी-132केवी)।
- एस.एफ. सर्किट ब्रेकर्स (132 केवी-400केवी)।
- वैक्युम सर्किट ब्रेकर्स (3.3 केवी-33केवी)।
- गैस इन्सुलेटेड स्विचगियर्स (36 केवी)।

बस डक्ट्स

- 500 मेगावाट तक की जनोपयोगी सेवाओं के जेनरेटर पावर उत्पादन के लिए उपयुक्त एशोसिएटेड उपकरण सहित बसडक्ट्स।

ट्रांसफॉर्मर्स

- 400 केवी तक के वोल्टेज के लिए पावर ट्रांसफार्मर्स।
- ± 500 केवी रेटिंग तक के एच.वी.डी.सी. ट्रांसफार्मर एवं रिएक्टर।
- 400 केवी रेटिंग तक के सिरीज तथा शंट रिएक्टरः
- इंस्ट्रुमेंट ट्रांसफॉर्मर्स
  - 400 केवी तक के करेंट ट्रांसफार्मर।
  - 220 केवी तक के इलेक्ट्रो–मैग्नेटिक वोल्टेज ट्रांसफार्मर।
  - 400 केवी तक के कैपिसिटर वोल्टेज ट्रांसफार्मर।
- 10 एम.वी.ए तक के 33 केवी कास्ट रेजिन ड्राय टाइप ट्रांसफार्मर।
- अर्थिंग; भट्ठी; रेक्टीफायर; इलैक्ट्रोस्टैटिक प्रेसिपिटेटर; फ्रेट लोको; ए.सी.ई.एम.यू. तथा ट्रैक्शन के लिए विशेष ट्रांसफार्मर।

इन्सुलेटर्स

- हाई टेंशन सेरामिक इन्सुलेटर्स
  - स्वच्छ एवं प्रदूषित वातावरणों के ए.सी./डी.सी. अनुप्रयोगों के लिए 45 से 300 केएन इलेक्ट्रोमैकेनिकल शक्ति के लिए डिस्क/सस्पेंशन इन्सुलेटर्स।
  - रेडियो फ्री डिजाइन सहित 33 केवी तक के पिन इन्सुलेटर्स।
  - 220 केवी स्टैक्स तक के अनुप्रयोगों के लिए पोस्ट इन्सुलेटर्स।
  - ट्रांसफॉर्मरों, एस एफ सर्किट ब्रेकरों के लिए 400 केवी तक के हॉलो पोर्सिलेन्स।
  - 25 केवी रेलवे ट्रैक्शन के लिए सॉलिड कोर पोर्सिलेन इन्सुलेटर।
  - सब–स्टेशन में प्रयोग के लिए बस पोस्ट और आइसोलेटर्स के लिए 400 केवी तक के सौलिड कोर इन्सुलेटर्स।
  - 25 केवी रेलवे ट्रैक्शन और 400 केवी तक की ट्रांसमिशन लाइनों के लिए कम्पोजिट इन्सुलेटर।
  - 800 केवी एसी तथा ± 500 केवी एचवीडीसी ट्रांशमिशन लाइनों के लिए डिस्क इन्सुलेटर **(**ऐसे इन्सुलेटर की आपूर्ति करने वाला भेल भारत का पहला निर्माता है**)** ।

औद्योगिक और विशेष सिरामिक्स

- विशेष प्रयोग के लिए उच्च निष्पादन सिरामिक्स जैसेः एल्युमिना, सबस्ट्रैट्स, क्रुसिबुल्स, पेबल्स, धातु सिरामिक जोड़ संघटक आदि।
- पेट्रोल और डीजल वाहनों सहित विभिन्न प्रयोगों के लिए भिन्न–भिन्न कॉन्टोर और लम्बाई में 80 से 400 सीपीआई में कॉडिराइट हनीकॉम्ब।

कैपेसिटर्स

- 400 केवी तक के अनुप्रयोगों के लिए 250 केवी एआर रेटिंग तक की औद्योगिक एवं विद्युत प्रणालियों के लिए पावर कैपेसिटर्स।
- 400 केवी तक के वोल्टेज के लिए कपलिंग/सीटीवी कैपेसिटर्स
- एलटी अनुप्रयोग के लिए – कैपेसिटर बैंक्स के ऑन/ऑफ नियंत्रण हेतु सॉलिड स्टेट स्विच - कैपस्विच

ऊर्जा मीटर

- ज्बेल बेयरिंग अथवा मेग्नेटिक संस्पेंशन बॉटम–बियरिंग सहित सिंगल फेज और 3–फेज इलेक्ट्रोमैकेनिकल ऊर्जा मीटर।
- स्टेपर–मोटर चालित काउंटर्स और एलसीडी के साथ सिंगल फेज और 3–फेज इलेक्ट्रोमैकेनिकल मीटर।
- उच्च–यथार्थता वाला ट्राइवेक्टर मीटर (0.2 क्लास और 0.5 क्लास)।
- सिंगल फेज और 3–फेज प्रिपेड मीटर और रीडिंग।
- ऑटोमेटिक मीटर रीडिंग के साथ संपूर्ण मीटरिंग समाधान।

विद्युतीय मशीनें

एसी स्किवरल केज, स्लिपरिंग, सिंक्रोनस मोटर्स औद्योगिक अल्टरनेटर तथा डीसी मशीनों का उत्पादन नीचे वर्णित रेंज के अनुसार किया जाता है। विशेष प्रयोजनार्थ मशीनों का निर्माण अनुरोध पर किया जाता है।

- सुरक्षित क्षेत्र प्रयोग के लिए एसी मशीन
  - इंडक्शन मोटर्स
  - स्किवेरेल केज 150 से 35000 केडब्ल्यू
    स्लिपरिंग 150 से 15000 केडब्ल्यू
  - सिंक्रोनस मोटर 1000 से 17500 केडब्ल्यू
  - वैरिएबल स्पीड ड्राइव
    सिंक्रोनस मोटर 1000 से 17500 केडब्ल्यू
    इन्डक्शन मोटर 200 से 35000 केडब्ल्यू
- खतरनाक क्षेत्र प्रयोगों के लिए एसी मशीन
  - फ्लेम प्रूफ (एक्स 'डी') 150 से 1600 केडब्ल्यू
  - प्रेसराइज्ड (एक्स 'पी') 150 के डब्ल्यू तथा अधिक
  - नॉन स्पार्किंग (एक्स 'एन') विभिन्न गति वाले
  - इन्क्रीज्ड सेफ्टी (एक्स 'ई') सिंक्रोनाइजश एवं स्कवरल केज
- डी सी मशीन
  - मिल ड्यूटी 3.5 से 186 केडब्ल्यू
  - मध्यम/बृहत् 75 से 12000 केडब्ल्यू
- औद्योगिक अल्टरनेटर
  - स्टीम टर्बाइन, गैस टर्बाइन 2000 केवीए
    तथा डीजल इंजन चालित 60,000 केवीए
- वोल्टेज एवं इन्क्लोजर
  - वोल्टेज एसी–415 वो. से 13800 वी
    डीसी - 1200 वी तक
  - इन्क्लोजरएसपीडीपी, सीएसीडब्ल्यू, सीएसीए, टीईटीबी

कम्प्रेशर्स

- विभिन्न आकार के सेंट्रीफुगल कम्प्रेशर, स्टीम टर्बाइन/गैस टर्बाइन/मोटर द्वारा चालित, सभी प्रकार के गैसों की हैंडलिंग कर औद्योगिक अनुप्रयोगों के लिए ; रेंज में 800 कि.ग्रा.प्रति वर्ग सेंटीमीटर तथा 350,000 एनएम3/घंटा तक के दाब शामिल हैं।

नियंत्रण गियर

- औद्योगिक नियंत्रण गियर
  - इस्पात, एल्युमीनियम, सीमेंट, कागज, रबर, खनन, चीनी तथा पेट्रोरसायन उद्योगों में प्रयोग के लिए नियंत्रण पैनल एवं क्युबिकल।
  - 2500 एचपी रेटिंग तक के स्लिपरिंग इंडक्शन मोटरों के लिए लिक्विड रोटर स्टार्टर।
  - वैरिएबल-स्पीड मोटर के लिए लिक्विड रेगुलेटर
- कान्ट्रैक्टर
  - 660 वी तक के बोल्टेज के लिए एलटी एअर/ब्रेक टाइप एसी
  - 600 वी तक के बोल्टेज के लिए एलटी एअर ब्रेक टाइप डीसी कांट्रैक्टर
  - 11 केवी तक के वोल्टेज के लिए एचटी वैक्युम टाइम एसी
- ट्रैक्शन कंट्रोल गियर
  - रेलवे व अन्य ट्रैक्शन प्रयोगों के लिए कंट्रोल गियर उपकरण
- कंट्रोल एवं रिले पैनल
  - 400 केवी वोल्टेज के लिए कंट्रोल पैनल तथा उत्पादन स्टेशनों तथा ईएचवी उप-स्टेशनों के लिए कंट्रोल डेस्क
  - कंट्रोल एवं रिले बोर्ड
  - तापीय, गैस, हाइड्रो तथा न्युक्लियर सेटों के लिए टर्बाइन गेज बोर्ड
  - टर्बाइन इलैक्ट्रिकल कंट्रोल क्युबिकल्स
  - आउटडोर-टाइप कंट्रोल पैनल तथा मार्शलिंग कियोस्क, स्विंगिंग टाइप सिंक्रोनाइजिंग पैनल तथा मोबाइल सिंक्रोनाइजिंग ट्राली
  - ट्रांसफार्मर टैप चेंजर पैनल

सिलिकॉन रेक्टीफायर

- अल्युमीनियम/तांबा/जिंक स्मेल्टिंग जैसे औद्योगिक प्रयोगों के लिए, रसायन उद्योग के लिए तथा एसी/डीसी ट्रैक्शन प्रयोग के लिए मैचिंग जेनरेटरों के साथ सिलिकॉन पावर रेक्टिफायर।

थायरिस्टर जीटीओ/आईजीबीटी उपकरण

- डीसी ड्राइव तथा सिंक्रोनस मोटर के लिए थायरिस्टर कन्वर्टर/इनवर्टर उपकरण
- थायरिस्टर हाई करंट/हाई वोल्टेज पावर सप्लायर
- जीटीओ/आईजीबीटी का उपयोग कर स्टैरिक एसी वैरिएबल-स्पीड ड्राइव सिस्टम
- एचवीडीसी ट्रांशमिशन के लिए थायरिस्टर वाल्वस तथा कंट्रोल
- हाई फ्रिक्वेन्सी इंडक्शन हीटिंग इक्विपमेंट
- रिएक्टिव पावर प्रबंध के लिए थायरिस्टर वाल्व एवं कंट्रोल

विद्युत यंत्र

- हाई-पावर कैपेसिटी सिलिकॉन, थायरिस्टर यंत्र तथा सोलर फोटोवोल्टिक सेल

परिवहन उपकरण

- एसी इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव
- एसी-डीसी ड्यूर्लि वोल्टैज इलैक्ट्रिक लोकोमोटिव
- डीजल-इलेक्ट्रिक शंटिंग लोकोमोटिव
- डीजल हायड्रॉलिक शंटिंग लोकोमोटिव
- ओएचई रिकार्डिंग-कम-टेस्ट कार
- इलैक्ट्रिक ट्रैक्शन इक्विपमेंट (पारम्परिक डीसी ड्राइव तथा साथ ही 3 फेज एसी ड्राइव, डीजल/इलैक्ट्रिक लोको, इलैक्ट्रिक मल्टिपल यूनिट, डीजल मल्टीपल यूनिट तथा शहरी परिवहन प्रणालियां)
- ट्रैक्शन मोटर
- ट्रांसफॉर्मर स्मूदिंग रिएक्टर्स
- ट्रैक्शन जेनरेटर/अल्टरनेटर
- रेक्टिफायर
- बॉगीज
- वैक्युम सर्किट ब्रेकर
- आक्जिलियरी मशीन
- माइक्रोप्रोसेसर आधारित इलैक्ट्रिक कंट्रोल उपकरण
- पावर कनवर्टर/इनवर्टर
- आक्जलियरी आपूर्ति के लिए स्टैटिक इनवर्टर
- लोकोमोटिव कंट्रोल रेसिसटेन्ट्स अर्थात फील्ड डाइवर्टर, डायनमिक ब्रेकिंग रेसिस्टर तथा इंडक्टिव शंट
- डायनेमिक ट्रैक स्टेबिलाइजर्स
- बेलास्ट क्लिनिंग मशीन

बी एच ई एल
BHEL

बैंकर्स

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया
एबीएन एमरो बैंक
बैंक ऑफ बड़ौदा
केनरा बैंक
सिटी बैंक एन.ए.
डयूश बैंक एजी
एचडीएफसी बैंक लिमिटेड
आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड
आईडीबीआई बैंक लिमिटेड
पंजाब नेशनल बैंक
स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक
स्टेट बैंक ऑफ हैदराबाद
स्टेट बैंक ऑफ त्रावनकोर
हांगकांग एण्ड शंघाई
बैंकिंग कारपोरेशन लिमिटेड

शेयर अंतरण एजेंट

कार्वी कम्प्यूटरशेयर प्रा. लि.
यूनिट : बीएचईएल
दिल्ली कार्यालयः 105, अरूणाचल बिल्डिंग
19, बाराखम्बा रोड,
नई दिल्ली–110 001
दूरभाष **: 23324401, 23324409**
फैक्स **: 011-23730743**

हैदराबाद कार्यालय : "कार्वी हाऊस", 46 एवन्यू 4,
स्ट्रीट नं. 1, बंजारा हिल्स,
हैदराबाद**-500 034**
दूरभाष **: 040-23312454,23320251/751/752**
फैक्स **: 040-23311968,23323049**
ई–मेल **: mailmanager@karvy.com**
वेब **: www.karvycomputershare.com**

पंजीकृत कार्यालय

बीएचईएल हाऊस, सीरी फोर्ट,
नई दिल्ली–110049 (भारत)
दूरभाष : 26001010 (15 **Lines**)
फैक्स : 011–26493021
http://www.bhel.com

वर्ष 2004–05 के लिए लेखापरीक्षक

जे. सी भल्ला एंड कंपनी, नई दिल्ली

बंसल एंड कंपनी, नई दिल्ली

डी. आर. मेहता एंड एसोसिएट्स मुंबई

घोषाल एंड घोषाल, कोलकाता

एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स, नई दिल्ली

एम. भास्कर राव एंड कंपनी, हैदराबाद

एम. सन एंड कं., नई दिल्ली

मेहरा मल्होत्रा एंड कं., नई दिल्ली

आर. एल. मेहरा एंड कं., अमृतसर

एस. डागा एंड कं., हैदराबाद

एस. एल. छाजेद एंड कंपनी, भोपाल

एस. पी. चोपड़ा एंड कं., नई दिल्ली

शाह बहेटी चांडक एंड कं., नागपुर

श्रीधर एंड संथानम, चेन्नई

स्वामी एंड कंपनी, वेल्लोर

वासन एंड सम्पत, बैंगलौर

विनय कांत एंड एसोसिएट्स, वाराणसी

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड
पंजीकृत कार्यालय : बीएचईएल हाउस, सीरी फोर्ट, नई दिल्ली–110049
वेबसाइट : http://www.bhel.com

Designed by Newfields Advertising Pvt. Ltd Printed at I.P.P.